DIGITAL EDITION

मायापुरी

WEEKLY ENTERTAINMENT

228

रोल कैमरा एक्शन

रोहित शेट्टी की धड़कन है

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक
मायापुरी

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, माया पुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक: श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, माया पुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636
011-45595096

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े

Mayapurimagazine
Mayapurimag
Mayapurimagazine
Mayapuri Cut
www.mayapuri.com

संपादकीय

रोहित शेट्टी की फिल्मों का बहु आयामी संसार : शून्य से शिखर तक का गौरवशाली इतिहास

'रोल कैमरा एक्शन...!' सिनेमा की शूटिंग पर यह जादुई मुहावरा कुछ ही निर्देशकों पर फबता है जिसमें रोहित शेट्टी भी एक हैं। बॉलीवुड का हर कलाकार चाहता है रोहित की शूटिंग परिधि में उसे ये शब्द सुनने को मिले। वजह साफ है निर्देशक, लेखक, निर्माता, स्टंट डायरेक्टर, टीवी के रियलिटी शो होस्ट... हर रूप में रोहित काम करनेवाले कलाकार पर अपनी छाप छोड़ देते हैं। फर्श से अर्श तक का सफर यूं ही नही तय किया है रोहित ने। 'जमीन', 'गोलमाल' सीरीज, 'सिंघम', 'सिंघम रिटर्न', 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'दिलवाले', 'सिम्बा', 'सूर्यवंशी', 'फियर फैक्टर', 'खतरों के खिलाड़ी'... ये वो नाम हैं जो रोहित की कैप में सफलता के नग हैं जो उन्हें कुछ सालों में मिले हैं।

क्या था उस लड़के के पास? विरासत में तंगहाली ही मिली थी। 9 साल की उम्र में सिर से पिता (शेट्टी) के नाम का साया भी उठ गया था। मां ने गुजर बसर के लिए जूनियर आर्टिस्ट बनकर काम किया और उस लड़के ने 17 साल की उम्र में अपनी पढ़ाई के साथ साथ सहायक (अजय देवगन की फिल्म 'फूल और कांटे') बनकर काम करना शुरू किया क्योंकि घर चलाने के लिए रोटी चाहिए थी...और आज, वह 300 करोड़ का मालिक है, उसके पास महंगी से महंगी कारें हैं, आलीशान घर है। बड़े से बड़े सितारे उसके साथ काम करने के लिए उतावले हैं। ये सब हुआ है उसकी मेहनत से। सिर्फ कुछ वर्षों में लगातार हिट फिल्में देने की वजह से। बताते हैं रोहित शेट्टी को आज प्रति फिल्म निर्देशन के लिए कई कई करोड़ मिलते हैं।

रोहित शेट्टी की फिल्मों का बहु आयामी संसार है। वह हर जॉनर की फिल्म बनाने में इतनी मेहनत करते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर धमाल हो जाता है। वह एक्शन-थ्रिलर करते हैं तो 'जमीन' बनाते हैं। कॉमेडी बनाते हैं तो 'गोलमाल', 'गोलमाल रिटर्न', 'गोलमाल3' बनकर सामने आती है। एक्शन जॉनर में 'सिंघम', 'सिंघम रिटर्न', 'सिम्बा', 'सूर्यवंशी', 'चेन्नई एक्सप्रेस' बनती है। वह अलग ट्रैक पर 'दिलवाले' बनाते हैं तो स्टंट शो 'फियर फैक्टर' और 'खतरों के खिलाड़ी' की वर्षों होस्टिंग करके बता देते हैं कि मैं रोहित शेट्टी हूं, 'मुझ जैसा दूसरा ना कोई!'

मिलन सारिता में उनका जवाब नहीं है। वह 50 के होने जा रहे हैं, हम्बल इतने हैं कि जो एकबार मिलता है रोहित का हो जाता है। अजय देवगन हों, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण सब उनके मित्र हैं। जब वह कैरियर की शुरुआत में फिल्म 'सुहाग' में बॉडी डबल किये थे या सहायक निर्देशक के तौर पर कई फिल्में किए थे, उस दौर के कलाकार, स्टंट तकनीशियन उनके आज भी उतने ही दोस्त हैं। अपनी फिल्म के एक्शन दृश्यों में जब वह गाड़ियां उड़ाते हैं तो लोग हैरान हो जाते हैं- 'आइला यह तो गजब है लड़का!'

रोहित शेट्टी आज अपने साम्राज्य में खुश हैं क्योंकि यह उनका अपना बनाया हुआ है। हर फिल्म वाला उनके साथ काम करना चाहता है। बहु आयामी उनके फिल्मी ग्राफ में स्टार हों, कहानी हो या प्रजेंटेशन हो, सब ऊपर की ओर ही बढ़ा है। उनका अपना बैनर, अपना परिवार अपने मित्र और फैन फॉलोइंग है। इस समय वह कई बड़े प्रोजेक्टस से जुड़े हुए हैं।

'मायापुरी' इस होनहार फिल्मकार के गौरवशाली इतिहास को सैल्यूट करती है। हमारी शुभकामनाएं है रोहित आगे बढ़ते रहो..बढ़ते रहो!

संपादक

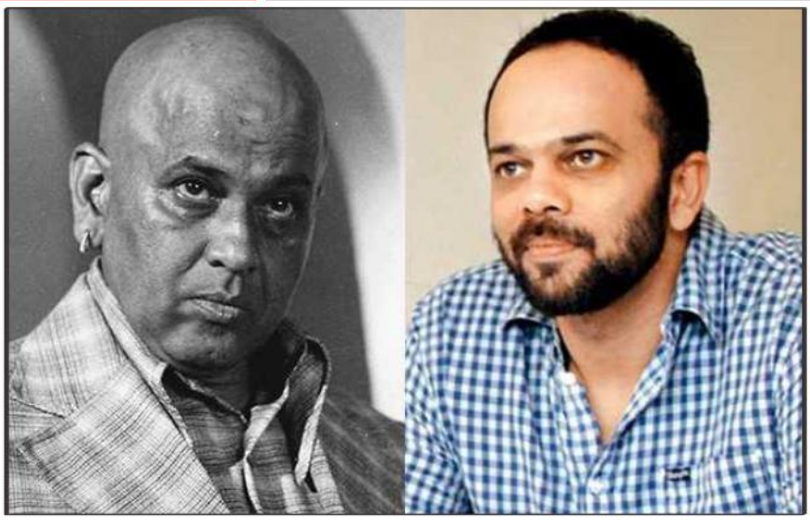

छोटी सी उम्र में ही रोहित शेट्टी के सिर से उठा था पिता का साया, इस तरह हासिल किया बड़ा मुकाम...

प्रीती शुक्ला

फिल्म मेकर रोहित शेट्टी ने हाल ही में बताया कि किस तरह छोटी उम्र में उन्होंने चुनौतियों का सामना किया और अपने पिता के निधन के बाद अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कड़ी मेहनत की. रोहित ने यह भी खुलासा किया कि कैसे मुंबई ने उन्हें बहुत सी चीजें सिखाईं और कहा कि सपनों के शहर में लोगों की कड़ी मेहनत करने की भावना अलग है.

किया कड़ी मेहनत

भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के साथ बातचीत में, रोहित ने कहा कि वह सांताक्रूज़ में अपने स्कूल तक पहुंचने के लिए सुबह 5:45 बजे की लोकल ट्रेन पकड़ते थे. "जब हम सांताक्रूज़ में रहते थे तब मेरे पिताजी का निधन हो गया और माँ की बचत ख़त्म हो गई और इसलिए हम अपनी दादी के घर दहिसर चले गए. मुझे कभी महसूस नहीं हुआ कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है. हमने हमेशा संघर्ष किया और कड़ी मेहनत की और मैं स्ट्रीट स्मार्ट था और मैंने ये चीजें तब सीखीं जब मैं मुंबई के कारण बहुत छोटा था.

एक्टर के लिए हिंदी भाषा है जरुरी

रोहित शेट्टी ने कहा कि अगर उनका बेटा एक्टर बनना चाहता है तो उसके लिए आम जनता के साथ समय बिताना जरूरी है. उन्होंने कहा, 'अगर आप एक्टर बनना चाहते हैं तो हिंदी भाषा पर पकड़ होना जरूरी है.'अभिनेता ने आगे कहा, "मैं यहीं पैदा हुआ और पला-बढ़ा हूं. एक चीज़ जो नहीं बदली है वह है मुंबई के लोगों की भावना. यह कुछ अलग है. जब भी मैं मुंबई पहुंचता हूं, तो चिंता का स्तर बढ़ जाता है और मैं सोचता हूं कि 'मैं काम करना चाहता हूं.' आप कितना भी कहें, 'आज मैं आराम करूंगा', आप एक दिन से ज्यादा खाली नहीं बैठ सकते और यही कारण है कि शहर प्रगतिशील है.'

हर कोई कर रहा है मेहनत

उन्होंने उदाहरण दिया कि कैसे लोग शहर में अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं. बताया "यहां हर कोई काम कर रहा है. अवलोकन बहुत महत्वपूर्ण है. आप मध्यम वर्ग की गृहिणियों को दोपहर में टिफिन खोलते और पोहा बेचते हुए देख सकते हैं. वहां बहुत बूढ़े लोग ऑटो चलाते हैं. "मैं उन लोगों के बारे में सोचता हूं क्योंकि मैं वहां से आता हूं. बड़े लेवल पर मैं ज्यादा जानता नहीं हूं क्योंकि मुझे घबराहट होती है. मतलब वो शो मुझे जमता नहीं है."

रोहित शेट्टी के लिए वो दिन सोचने के थे कब होगा... आकाश मेरी मुट्ठी में !

—शरद राय

बात '90 दशक से पहले के दिनों की है। मशहूर हेयर ड्रेसर हकीम कैरानवी के घर पर फिल्मी लोगों का अकसर आना जाना होता था। हकीम साहब बड़े बड़े सितारों के बाल काटा करते थे। अमिताभ बच्चन की हेयर स्टाइल हकीम की ही दी हुई है। सुनील दत्त को भी वही हेयर स्टाइल दिए थे और भी बड़े सितारे थे उनके पास। खैर, हम जिस समय की बात कर रहे हैं हकीम की आकस्मिक मृत्यु होने से कुछ समय बाद की, जब मिसेज कैरानवी खुद ही बाल काटना शुरू की थी। कुछ लोग ही उनके घर आते जाते थे उनमें एक मैं भी था। मेरे अलावा कुमार मंगत, दिलीप सेन और एक चुप चुप रहनेवाला लड़का भी वहां कईबार बैठा मिला था। हकीम साहब के घर पर भाभी हम सबको बहुत बढ़िया चाय पिलाती थी।

भाभी ने ही मुझे उस चुप चुप रहने वाले लड़के से एकदिन मिलाया जो उनके बेटे आलिम का सहपाठी था– 'शरद भाई यह रोहित है–रोहित शेट्टी। अपने फाइटर शेट्टी साहब हैं न, बहुत बड़ी बड़ी फिल्मों में उनको मारपीट करते देखते हो, उनके बेटे हैं। भाभी ने यह भी बताया था कि 'मायापुरी' के पत्रकार इनके बारे में लिखने वाले हैं। उनदिनों मैं एक दूसरी फिल्म पत्रिका के लिए काम करता था। मुझे पता था कि मायापुरी पत्रिका में नए कलाकारों का एक पेज होता

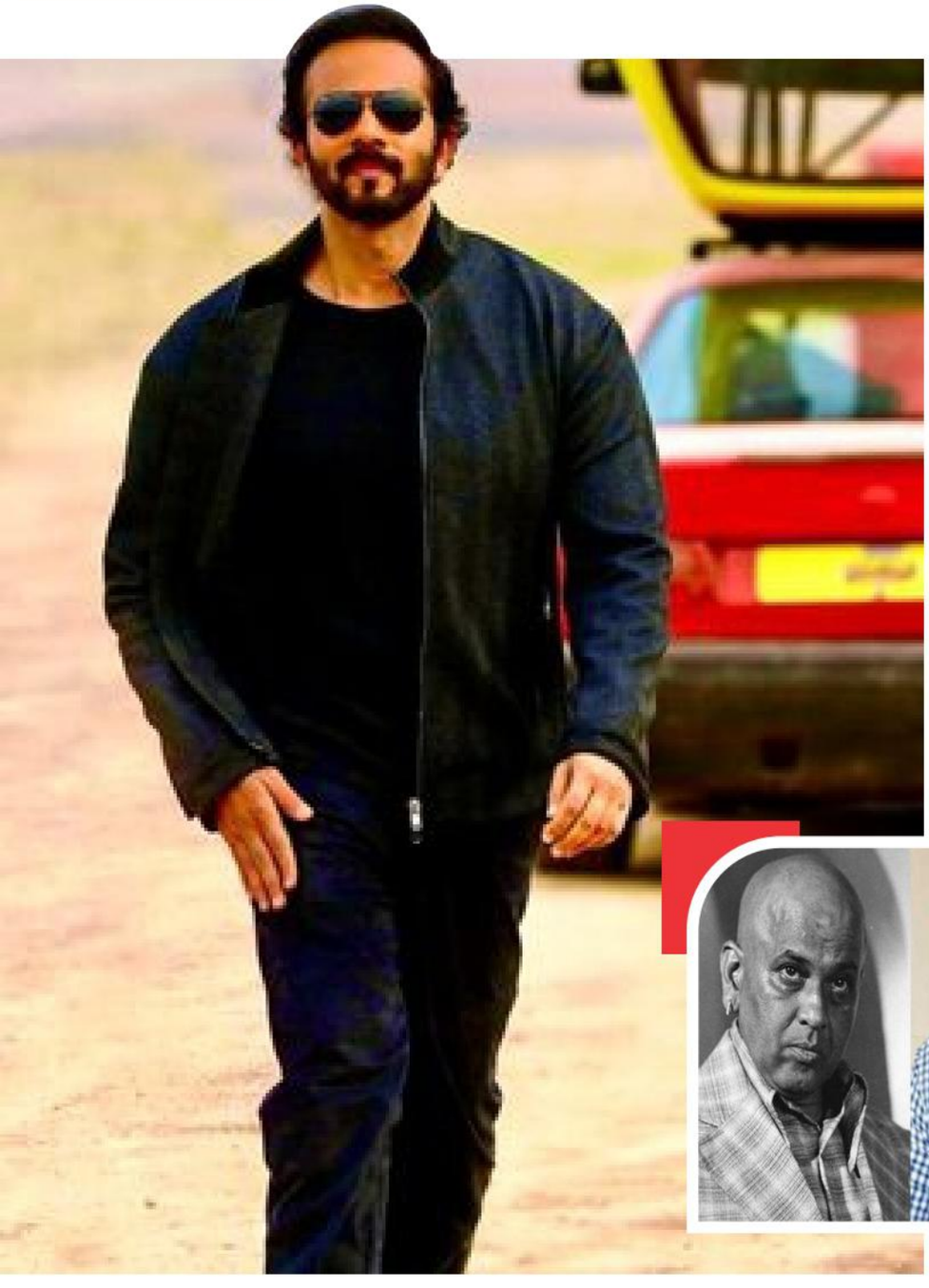

था 'आकाश मेरी मुट्ठी में' जिसे जेड ए जौहर लिखा करते थे। मैंने उस लड़के से पूछा– आकाश मेरी मुट्ठी में छपना है क्या? उसने हल्के से मुस्करा कर कहा– 'पता नहीं, लेकिन मुझे आकाश मुट्ठी में करना जरूर है।'

यह वही वहां चुपचाप बैठा, हल्के से मुस्कराने वाला लड़का ही आज का मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी है।जिसने अपनी मेहनत के बल पर फर्स से चढ़कर अर्स तक की यात्रा किया है। मुझे ध्यान नहीं, बाद में रोहित का इंटरव्यू मायापुरी के पेज 'आकाश मेरी मुट्ठी में' आया भी था या नहीं, आज के उस रोहित ने आकाश मुट्ठी में जरूर कर लिया है।

पता नहीं रोहित को यह किस्सा याद भी है या नहीं! मुझे याद है उस समय मिसेज कैरानवी के घर आने वाले कई लोग बाद के दिनों में बॉलीवुड में अपना परिचय बनाने में कामयाब रहे। कुमार मंगत (पाठक) एक बड़े निर्माता बनगए हैं, दिलीप सेन (समीर सेन) संगीतकार हैं, जूनियर हकीम यानी–आलिम हकीम आज फिल्म इंडस्ट्री के बड़े हेयर स्टाइलिस्ट हैं। आज के कई बड़े हीरो, क्रिकेटर और मॉडल उनसे बाल कटाते/स्टाइलिस्ट सेट कराते हैं। मैं 'मायापुरी' का पत्रकार हूं और उन हम सब कभी कभार वहां आनेवालों में कामयाबी की बड़ी उछाल लिया है रोहित शेट्टी ने।

रोहित आज खुद में एक परिचय हैं। हर रूप में कामयाब हैं।हर स्टार आज उनके निर्देशन में और उनके बैनर के साथ जुड़कर काम करना चाहता है। रोहित की फिल्मों ('गोलमाल' सीरीज, 'सिंघम' सीरीज, 'सूर्यवंशी', 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'शिम्बा', 'दिलवाले' आदि) में सबमे उनकी अपनी एक क्लास है। निर्देशक, स्टंटमैन, लेखक, टीवी शो प्रजेंटर, प्रोड्यूसर हर रूप में– फिल्म हो, रियल्टी शोज ('फियर फैक्टर', 'खतरों के खिलाड़ी') हो या पर्दे पर उनकी झलक ही हो, सबमें एक फ्रेशनेस होती है। सचमुच आकाश मेरी मुट्ठी में कर लिया है रोहित शेट्टी ने।

"मुझे लगता हैं कि रीमेक या सीक्वल बनाना एक सुरक्षित दांव हैं"

रोहित शेट्टी

निर्देशक के रूप में एक दशक तक हिट देने के बाद, रोहित ने अपने प्रोडक्शन हाउस, रोहित शेट्टी पिक्चर के तहत गोलमाल अगेन और सिम्बा जैसी फिल्में करने के बाद खुद को एक सफल निर्माता साबित किया है। हिंदी फिल्मों के अलावा, रोहित शेट्टी पिक्चरस की ओरिजिनल वेब सीरीज के साथ डिजिटल कंटेंट करने वाले दर्शकों को संबोधित करने और रोहित के प्रशंसकों को डिस्कवरी किड्स पर लिटिल सिंघम जैसी एनिमेटेड कंटेंट के साथ पूरा करने के लिए निश्चित रोल प्लान हैं। रोहित निश्चित रूप से जानते हैं कि दिल कैसे जीता जाए! ताजा खबर यह है कि रोहित शेट्टी जिन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि अक्षय कुमार के साथ सूर्यवंशी, सिम्बा के बाद उनकी एक्शन पैक्ड फिल्म होगी, अब बहुत जल्द निर्देशक के रूप में फराह खान के साथ एक फिल्म शुरू करने का फैसला किया है। फिल्म को रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत किया गया है और रोहित शेट्टी पिक्चर द्वारा निर्मित है। यह देखने के लिए रोमांचक होगा कि इन दो रचनात्मक दिमागों को जीवन के तमाशे से बड़ा बनाने के लिए एक साथ आना चाहिए।

■ क्या यह सच है कि आपने फराह खान को एक फिल्म निर्देशित करने के लिए साइन किया है?

– हाँ। यह सच है कि मैंने अपने प्रोडक्शन हाउस, रोहित शेट्टी पिक्चर के लिए सबसे बड़ी एक्शन कॉमेडी फिलक का निर्देशन करने के लिए फराह खान को साइन किया है। गोलमाल अगेन और सिम्बा जैसी मेरी फिल्मों की भारी सफलता के बाद, मेरा प्रोडक्शन हाउस अपनी सरगम का विस्तार करने के लिए उत्सुक है और निर्देशक के रूप में फराह खान के साथ मेरी अगली फिल्म के साथ, मेरे बैनर रोहित शेट्टी पिक्चर दर्शकों को एक सरप्राइज देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

■ फरहा को आपके लिए फिल्म निर्देशित करने के लिए कहने का विचार कैसे आया ?

– मेरी प्रोडक्शन कंपनी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि फराह ने हमारे लिए एक फिल्म निर्देशित करेंगी, क्योंकि वह बेहद प्रतिभाशाली और मेहनती है। यह निश्चित रूप से एक अद्भुत जुड़ाव होगा। मैं इस बेहद प्रतिभाशाली के साथ काम शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता हूं और यह बताना एक समझदारी होगी कि मैं वास्तव में फराह खान के साथ अपनी फिल्म को फ्लोर पर लाने के लिए उत्सुक हूं।

■ यह पहली बार है कि आपने सिम्बा के साथ एक रीमेक किया है जो तेलुगु हिट टेम्पर का रीमेक है!!

– मीडिया विस्फोट होने पर ही लोगों को पता चलता है कि रीमेक बनाया जा रहा है। यह ऐसा कुछ नहीं है जो नया हो। नागार्जुन ने 'फूल और कांटे' का रीमेक बनाई थी और चिरंजीवी ने 'मुन्ना भाई एमबीएस' की रीमेक बनाई थी। मैंने तमिल हिट सुधु कववम का हिंदी रीमेक बनाने की योजना बनाई थी, लेकिन इस योजना को अब ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

■ तमिल फिल्म ने रैंक के न्यूकमरस का दावा किया। क्या सुधु कावुम के रीमेक में सितारे होंगे?

– सुधु कावुम चार मिसफिट किडनैपर्स, एक राजनेता के बेटे और एक मनोरोगी पुलिस अधिकारी के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक अपहरण मामले के बारे में एक जांच करता है। हिंदी संस्करण में, हम सेकंड हाफ में प्लॉट को बड़े पैमाने पर ट्विस्ट करना चाहते थे। हिंदी संस्करण के लिए किसी भी लीड पेयर में हमने रैंक नहीं की थी। कन्नड़ अभिनेता सुदीप का नाम ओरिजिनल वर्शन में विजय सेतुपति द्वारा प्रतिरूपित भूमिका के लिए भी प्रस्तावित किया जा रहा है।

■ क्या आपको लगता है कि रीमेक इंडस्ट्री में आज सुरक्षित दांव हैं?

जब मैं गोलमाल सीरीज़ बनाने के लिए तैयार था, तब भी हमें नहीं पता था कि यह सीरीज़ एक बड़ी हिट साबित होगी। मैं भाग्यशाली था कि हमारी गोलमाल सीरीज़ ने बॉक्स ऑफ़िस पर क्लिक किया, हालाँकि यह भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है कि दर्शकों को इन दिनों क्या पसंद आएगा। सच का सामना करते हैं। कोई भी फ्लॉप नहीं बनाना चाहता। अगर, बॉलीवुड में हर साल बन रही 200 फिल्मों में से, केवल 10 सफल होती है तो वे या तो रीमेक हैं या उस मामले में कोई सीक्वेल, मुझे लगता है कि रीमेक या सीक्वल बनाने के लिए यह एक सुरक्षित दांव है।

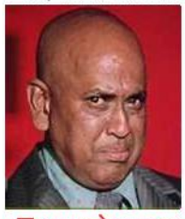

■ आप गोलमाल 4 कब लॉन्च कर रहे हैं?

– मुझे लगता है कि हमें सीक्वल के साथ आने से पहले कम से कम दो साल का अंतर देना चाहिए, जैसे कि हमारे पास गोलमाल की पिछली सीरीज के रिलीज के बीच का अंतर था।

■ क्या आपने कभी अपने दिवंगत पिता शेट्टी साहब की तरह अभिनय करने की योजना बनाई?

– मुझे पता है कि कैमरे के सामने मैं एक बुरा अभिनेता बन जाऊंगा और इसलिए मैं कभी भी अभिनय में हाथ नहीं आजमाऊंगा और सिर्फ डायरेक्शन पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

■ क्या आपने अजय और काजोल को एक साथ एक फिल्म में साथ लाने का सोचा है?

– अगर मुझे सही स्क्रिप्ट मिलती है जो इन दोनों के साथ न्याय करेगी, तो मैं अपनी फिल्म में अजय और काजोल को एक साथ लाने का सोचूंगा।

■ अजय आपकी हिट फ्रेंचाइजी सिंघम के निर्माता थे। एक निर्माता के रूप में अजय कैसा है?

– अजय हमारे बॉलीवुड में सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्हें ज़ख्म और शहीद भगत सिंह के अभिनय के लिए दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। अजय न केवल एक महान अभिनेता और निर्देशक हैं, बल्कि एक शानदार निर्माता भी हैं, जो अपने निर्देशक के साथ बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं करते हैं, क्योंकि उनके पास यह खुली नीति है, जहां यूनिट में हर कोई, स्पॉट बॉय से लेकर निर्देशक चिप्स तक अपने विचारों के साथ, हालांकि वह निर्देशक को अपनी फिल्म में शामिल करने के लिए जो भी विचार करना चाहते है, उसे लागू करने की स्वतंत्रता छोड़ देते है।

■ बॉलीवुड में आज एक सफल निर्देशक के रूप में आपका स्वागत करने से आप कितने खुश हैं?

– सच्चाई बताने के लिए, बिना किसी आवाज के, मैं काफी खुश हूं और खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि अभी मैं एक क्वालिटी स्पेस में हूं, जहां इनोवेटिव डायरेक्टर्स के लिए बहुत स्कोप है, जो बॉक्स से हटकर सोचने के लिए तैयार हैं।

■ क्या आप समझा सकते हैं?

– यदि पहले के दौर में, हमारे बीच में विजय आनंद, गुरुदत्त आदि जैसे फिल्मकार थे, तो मुझे खुशी है कि आज हमारे साथ राजकुमार हिरानी, इम्तियाज अली आदि जैसे शानदार फिल्मकार हैं, जो पीके और हाईवे जैसी फिल्में बना चुके हैं, जो आम तौर पर बॉलीवुड की एनी फिल्मो से अलग हैं।

■ अपनी फिल्मों की शूटिंग के लिए आप हमेशा गोवा को अपनी पसंदीदा जगह क्यों मानते हैं, चाहे वह गोलमाल, ऑल द बेस्ट हो या सिंघम और सिंघम 2 और अब सिम्बा?

– मैंने गोवा में अपनी ज्यादातर फिल्मों की शूटिंग करना पसंद किया है क्योंकि गोवा हमेशा से मेरा सबसे पसंदीदा शूटिंग स्थान रहा है जहां तक भारत की बात है। मैं गोवा को अजय के लिए बहुत भाग्यशाली मानता हूं और मुझे उन फिल्मों के रूप में जिन्हें हमने एक साथ शूट किया है, जो एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई हैं। मैं गोवा सरकार द्वारा फिल्मों के लिए एक नोडल सिस्टम सिंगल विंडो क्लीयरेंस स्थापित करने के लिए गोवा सरकार के अद्भुत कदम की सराहना करता हूं, जहां फिल्म निर्माता एक ही खिड़की के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों से सभी प्रकार की मंजूरी प्राप्त कर सकते हैं।

■ आप केवल अजय देवगण, शाहरुख खान और अब रणवीर सिंह जैसे बड़े सितारों के साथ काम करने के लिए एक चिह्नित प्राथमिकता क्यों दिखाते हैं और प्रतिभाशाली न्यूकॉमर्स को रैंक करने के लिए ब्रेक देने के बारे में नहीं सोचा?

– मैं उस धारणा के विपरीत दोहराना चाहूंगा जो मैं शाहरुख खान जैसे सितारों के बाद ही चाहता हूं या उस चीज के लिए जो मेरे साथ काम करने के लिए अजय देवगन और रणवीर सिंह को पसंद करता है, वास्तविक सच्चाई यह है कि जब मैं अपनी फिल्मों की कहानी की मांग करता हूं, तो मैं प्रतिभाशाली रैंक के नए कलाकारों के साथ काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मुझे नई स्क्रिप्ट लेखकों के साथ काम करने में भी समान रूप से दिलचस्पी है जो बहुत सारे वादे दिखाते हैं। यदि मुझे निर्देशक के रूप में किसी प्रोजेक्ट के लिए समर्पित होने का समय नहीं मिलता है, तो मैं हमेशा नए कॉमर्स को प्रोत्साहित करने के लिए किसी अन्य निर्देशक के साथ फिल्म लॉन्च कर सकता हूं।

मुझे कभी नहीं पता था कि मैं कॉमेडी में इतना अच्छा हूँ..

रोहित शेट्टी

इंटरनेशनल फिल्म 'फेस्टिवल ऑफ इंडिया गोवा' का अंत ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर रोहित शेट्टी के साथ हुआ। सीनियर जर्नलिस्ट और फिल्म क्रिटिक मयंक शेखर ने रोहित शेट्टी का इंटरव्यू लिया। रोहित शेट्टी ने कहा है, 'मैंने यहां 12 फिल्मों की शूटिंग की है। 14 साल पहले मैंने यहां गोलमाल की शूटिंग की थी। यहां के लोग बहुत सकारात्मक है। यहां का लैंडस्केप भी बहुत सुंदर है।

■ गोलमाल का सफर कैसे शुरू हुआ ?

– मैं अजय देवगण के साथ एक फिल्म बना रहा था,

जब नीरज वोरा मेरे पास आए। उन्होंने कहा कि मैंने एक प्ले लिखा है क्या आप उस पर फिल्म बनाना चाहेंगे? मैं अजय के पास गया और उनसे कहा कि, मैं थ्रीलर फिल्म नहीं बनाना चाहता हूं ।मैं अब इस पे फिल्म बनाना चाहता हूं। अजय ने कहा कि आप एक ऐक्शन डायरेक्टर हैं, मैं एक एक्शन एक्टर हूं और आप कॉमेडी बनाना चाहते हैं? पर फिर वो मान गए। उस वक्त ये मेरे लिए रोजी–रोटी का सवाल था क्योंकि मेरी पहली फिल्म 'जमीन' ने अच्छा बिजनेस नहीं किया था। रोहित शेट्टी के इंटरव्यू के कुछ अंश

जैसा कि सब जानते है कि गोलमाल फिल्म के सभी पाट्र्स सुपरहिट रहे थे। इसी के चलते एक बड़ी खबर सामने आ रही है कि फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के पांचवां पार्ट बनाने का निर्णय कर लिया है। पिंकविला के अनुसार, गोलमाल 5 एक नई दिलचस्प कहानी पर आधारित होगी। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू की जाएगी। अभिनेता अजय देवगण ने बताया है कि मैं और रोहित गोलमाल की अगली फिल्म बनाने वाले है जैसा कि मैंने पहले बताया कि यह फुल ऑफ मस्ती से भरी फिल्म होगी और यह मेरी पसंदीदा सीरीज है।

■ कौन–कौन से डायरेक्टर्स की फिल्में देखकर आप बड़े हुए हैं?

– मनमोहन देसाई, विजय आनंद। मैं बचपन से लार्जर दैन लाइफ वाली फिल्में देखता रहा हूं। मुझे सिनेमा में बहुत विश्वास है। टिकट की रेट बहुत ज्यादा है। मैं दर्शकों को एंटरटेनमेंट देने का पूरा प्रयास करता हूं क्योंकि वो मुझे अपनी मुश्किल से कमाए पैसे देते हैं। मुझे सभी तरीके का सिनेमा पसंद है।

■ आप अपने पिता (एक्टर मास्टर शेट्टी) के साथ सेट पर जाया करते थे। आपने कब सोचा कि आपको भी इस इंडस्ट्री में काम करना है?

– मैं अपने पिता के साथ अक्सर सेट पर जाया करता था। मेरा पहला आउटडोर एक्सपीरियंस शालीमार के सेट पर जाना था। मुझे हमेशा से लगता था कि मैं यही करना चाहता हूं। मैं एक्शन डायरेक्टर बनना चाहता था अपने पिता के जैसा। मैं जब 16 साल का था तब से मैंने अपने करियर की शुरुआत की । मैं स्कूल के बाद कभी कॉलेज नहीं गया। मैंने अजय की सभी फिल्मों को असिस्ट किया है। मैं वीरू(देवगन) जी का असिस्टेंट था।

■ आप यंगर जेनरेशन को क्या कहना चाहेंगे?

– आप हमेशा एक विद्यार्थी की तरह रहें। हमेशा ऑबजर्व करते रहना चाहिए क्योंकि हर किसी में कुछ ना कुछ खास बात होती है। अगर कोई किसी ऊंचाई पर पहुंचा है तो यह इसलिए है क्योंकि वो उसके योग्य होगा। वीरू जी से अमित जी अमित जी से लेकर अजय इन सब की काम करने की लगन को देखिए ।मैं मानता हूं कि अगर आपको 10 रूपये दिए जा रहे हैं आपको हजार रुपए का काम करना चाहिए। हर दिन आपको भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए और कोई भी चीज मजाक में नहीं लेनी चाहिए।

■ आपने अपने पिता को बहुत कम उम्र में ही खो दिया। ये कितना मुश्किल रहा है?

– बहुत मुश्किल था. जब आप सफल हो जाते हैं तो यह एक कहानी बन जाती है। मेरी मां के पास मेरी स्कूल फीस देने के भी पैसे नहीं थे। पर मैं हमेशा जीवन के प्रति सकारात्मक रहा हूं और किसी को कभी किसी भी चीज के लिए मैंने ब्लेम नहीं किया है। मुझे लगता है कि किसी को ब्लेम करने से कुछ सुधरता नहीं है, इसलिए हमेशा आगे बढ़ते रहो।

■ जब आपकी पहली फिल्म नहीं चली तो आपको कैसा लगा?

– अगर आपकी कोई फिल्म नहीं चलती है तो आपको बुरा लगता है। अब लोग कहते हैं कि 'जमीन' अच्छी फिल्म थी। तो मैं सोचता हूं, अरे तब तुम कहां थे (हंसते हुए)।

■ क्या आपने कभी सोचा था कि आप कॉमेडी में इतने अच्छे हैं?

– मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि मेरे अंदर यह (कॉमेडी) है।

■ सिंघम के बारे में बताएं।

– मैं कॉमेडी फिल्में बना रहा था और सब अच्छी चल रही थी। तब मैंने सोचा कि मैं एक ही तरह की फिल्में तो नहीं बना रहा। मैंने इसके बारे में अजय से कहा। अजय ने कहा अगर आपके पास कोई एक्शन वाली स्क्रिप्ट है तो मुझे बताएं। और इस तरह से सिंघम की शुरुआत हुई।

■ आप एक्टर्स और टेक्नीशियन के लिए बहुत कुछ करते हैं जिनके पास अब काम नहीं है।

– सिर्फ मैं ही नहीं ,बहुत से लोग उनकी मदद करते हैं। वो सामने आकर बताते नहीं है। आज तक मेरे फिल्म के सेट पर सबसे छोटी टीम 250 लोगों की रही है। कुछ लोग जो मेरे पिता के साथ काम करते थे वो मेरे साथ भी काम कर रहे हैं। लोग पूछते हैं इतने सारे लोग तुम्हारे सेट पर क्या कर रहे हैं और मैं कहता हूं, कुछ लोग काम करेंगे,कुछ लोग दुआ देंगे।

इस युग के मनमोहन देसाई हैं रोहित शेट्टी

कहानी में वो दिखाना जो लोगों ने कभी सोचा भी न हो, मल्टीस्टारर फिल्में बनाना और एक्शन भी ऐसा रखना कि दर्शकों की दांतों तले उंगलियाँ दब जायें। फिर सबसे बड़ी बात, ऐसे लार्जर देन लाइफ करैक्टर्स जिनको देखकर हॉलीवुड के सुपर हीरोज भी शरमा जाएँ, अब तो आप समझ ही गये होंगे कि ऐसी फिल्में बनाने वाले फिल्मकार कोई और नहीं बल्कि मनमोहन देसाई ही थे।

लेकिन कोई ऐसा डायरेक्टर–प्रोड्यूसर जो मनमोहन देसाई के नक़्शे–कदम पर मॉडर्न एरा सिनेमा में चल रहा हो, तो वो खतरों के खिलाड़ी डैशिंग डायरेक्टर रोहित शेट्टी ही हैं। रोहित शेट्टी का सिनेमा भी मास–पब्लिक को देखकर ही तैयार होता है और पब्लिक भी उनकी फिल्मों के लिए जमकर प्यार लुटाती है।

जैसे मनमोहन देसाई ने अमर–अकबर–एंथनी (अमिताभ बच्चन, ऋषि कपूर, विनोद खन्ना) या परवरिश (विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन, शम्मी कपूर) में तीन–तीन हीरोज को एक साथ लेकर फिल्म को एक नए आयाम पर पहुँचा दिया था, वैसे ही रोहित शेट्टी भी सूर्यवंशी में तीन–तीन सुपरस्टार्स के साथ काम कर सिनेमा को बहुत समय बाद मल्टीस्टारिंग फिल्म दे रहे हैं।

रोहित शेट्टी की सबसे अच्छी खासियत ये भी है कि उनकी फिल्म में तीन हों या तीस करैक्टर्स हों, वह सबको बराबर स्क्रीन स्पेस देते हैं और छोटे–से–छोटे एक्टर को भी पूरा फोकस देते हैं।

शायद इसी लिए कैटरीना कैफ रोहित शेट्टी के बारे में ये खुलकर कहती हैं कि "रोहित शेट्टी के साथ सूर्यवंशी में काम करना औसम एक्सपीरियंस है, सिम्बा (रणवीर सिंह), सिंघम (अजय देवगन), और सूर्यवंशी (अक्षय कुमार) के साथ काम करके तो मेरी लाइफ बन गयी"

रोहित शेट्टी से जब मनमोहन देसाई के बारे में सवाल किया जाता है तब वह बेबाक होकर कहते हैं "शायद ये मेरे जीन्स में है, मनमोहन देसाई भी दर्शकों की नब्ज पकड़ते थे, मुझे लगता है कि मैं भी कुछ कुछ दर्शकों की पसंद समझने लग गया हूँ। कभी मैं उन्हें दिलवाले बना देता हूँ तो कभी चेन्नई एक्सप्रेस में बिठाकर सैर करा लाता हूँ तो कभी खतरों के खिलाड़ी में स्टंट सिखाने ले जाता हूँ। फिर जबतक मैं गाड़ियाँ न उड़ा लूँ, तबतक मुझे चैन नहीं पड़ता"

कमर्शियल फिल्मों में भी सीरियस ड्रामा से शुरुआत करने वाले रोहित शेट्टी जाने कब कॉमेडी फिल्म्स बनाने लगे और डेविड धवन के बाद कॉमेडी फिल्मेकर्स में किंग की हैसियत रखने लगे। लेकिन सिंघम सीरीज या यूँ कहूँ पुलिस यूनिवर्स से रोहित फिर से सीरियस मोड में आ गये हैं। पुलिस यूनिवर्स की पहली फिल्म सिंघम दर्शकों और समाज को अन्दरतक हिलाने का माद्दा रखती है। वहीं

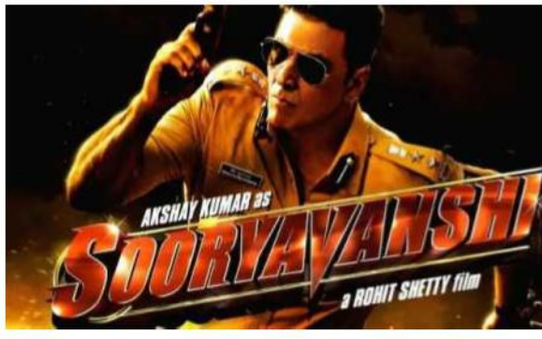

सिंघम टू भी पोलिटिकल और ढोंगी बाबाओं पर अच्छा कटाक्ष है। साथ ही टेम्पर की रीमेक सिम्बा में रणवीर सिंह के साथ सोसाइटी के एक सीरियस मुद्दे को कॉमिक तरीके से दर्शाते हुए, लीक से हटकर अंत दिखाया था।

अब सूर्यवंशी में अक्षय कुमार सिम्बा और सिंघम के साथ ड्रग्स कार्टेल से लड़ते दिखाई देंगे।

यह फिल्म 5 नवम्बर को दिवाली के मौके पर देश भर के सिनेमा घरों में रिलीज होगी। आप इस फिल्म को सपरिवार कोविड गाइडलाइन्स को फॉलो करते हुए देख सकते हैं।

रोहित शेट्टी-बड़े दिलवाले.... कपिल शर्मा शो की झलकियां

रोहित शेट्टी के पिता पर्दे के मशहूर फाइटर 'शेट्टी' ने भी संघर्ष के बाद ही कामयाबी पाई थी।

—शरद राय

आज के पसंदीदा कामयाब डायरेक्टरों में रोहित शेट्टी का नाम आता है, जिनकी अमूमन सारी फिल्में हिट हैं। रोहित जानेमाने फाइटर, फाइट मास्टर (स्टंट डायरेक्टर) और पर्दे के पॉपुलर खलअभिनेता शेट्टी के बेटे हैं। रोहित की फिल्मों के स्टंट देखकर लोगों को उनके पिता की याद हो आती है। सीनियर शेट्टी एक्शन के कोरियोग्राफर थे, एक्टर थे और पर्दे पर उनकी एंट्री डरावनी सिचुएशन लेकर आती थी। उन्ही के बेटे रोहित शेट्टी एक्शन फिल्मों के उस्ताद निर्देशक हैं। लोग कहते हैं स्टंट का शौक उनमे बाप से अनुवांशिक मिला है। कम लोग जानते हैं कि अपने ढंग के एक अकेले अभिनेता 'शेट्टी' को

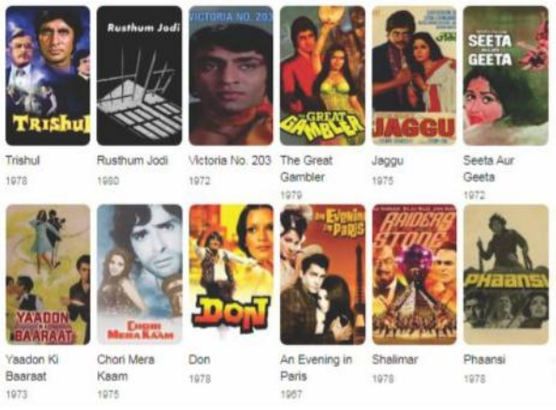

Trishul 1978 | Rusthum Jodi 1980 | Victoria No. 203 1972 | The Great Gambler 1979 | Jaggu 1975 | Seeta Aur Geeta 1972

Yaadon Ki Baaraat 1973 | Chori Mera Kaam 1975 | Don 1978 | An Evening in Paris 1967 | Shalimar 1978 | Phaansi 1978

फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में लंबा संघर्ष करना पड़ा था। आइए, एक नजर दौड़ाते हैं उस अभिनेता के कैरियर पर जिसकी स्क्रीन पर एक झलक आते ही लोग समझ जाते थे कि अब धुँवाधार मारपीट होनेवाला है।

मुदद्दू बाबू शेट्टी (एम बी शेट्टी) को अधिकतर दर्शक सिर्फ शेट्टी नाम से ही जानते हैं। पर्दे पर प्रायः निर्माता भी उनका यही नाम टाइटल में देते थे और अधिकतर उनकी फिल्मों में उनके करेक्टर का नाम भी शेट्टी ही हुआ करता था। दूसरे शब्दों में कहें तो सिनेमा में शेट्टीश्यों का परिचय ही बनकर वह आए थे। बाद में सुनील शेट्टी, रोहित शेट्टी, हृदय शेट्टी, आथिया शेट्टी... आदि नाम सिनेमा उद्योग से जुड़ते गए! मुदद्दू शेट्टी उर्फ शेट्टी ने 1500 से 2000 फिल्मों में काम किया था। मंगलोर से वह मुम्बई (तब बॉम्बे) जब फिल्मों का शौक मन मे पाले आए थे, फिल्मों

की राह इतना आसान नही था। उनकी भाषा तुलु थी। भाषा की प्रॉब्लम और रहने की कोई जगह ना होने के कारण वह कॉटन ग्रीन में एक उदीपि होटल में वेटर का काम किए। फिर वह बॉडी बिल्डिंग और फाइटिंग की ट्रेनिंग लेकर फिल्मों में काम पाने का संघर्ष शुरू किए। अपनीय टावरिंग पर्सनालिटी और सफाचट सिर

की वजह से वह नोटिस किए जाने लगे। शेट्टी को 1957 में पहली फिल्म मिली 'तुमसा नहीं देखा' और फिर तो 1981 तक फिल्मों का कारवां चल पड़ा। शेट्टी का शुरुआती जीवन संघर्ष भरा रहा। उन्हें अधिकतर विलेन रोल ही मिलते थे। लम्बा चौड़ा शरीर, माथे पर चमक और टकला सिर वाली इमेज ऐसी बनी की वह हर फिल्म में गुंडे की भूमिका ही करते दिखे जो मुख्य विलेन के अंडर में काम करने वाला गुंडा ही होता था।

शेट्टी अभिनीत अधिकतर फिल्में हैं जिनमे वह अपने प्रचलित नाम शेट्टी के रूप में ही काम किये हैं। ये फिल्में हैं– 'तुमसा नहीं देखा, कैदी नम्बर 911, तेल मालिस, चायना टाउन, नीली आंखें, फिर वही दिल लाया हूँ, अप्रैल फूल, शागिर्द, ऐन इवनिंग इन पेरिस, नाइट इन लंदन, द ट्रैन, यकीन, कब क्यूं और कहां,

गुनाहों का रास्ता, इंसान और शैतान, कहीं आर कहीं पार, बुड्ढा मिल गया, यादों की बारात, समाधि, कहानी किस्मत की, फकीरा, दुनिया का मेला, शंकर दादा, ईमान धरम, द ग्रेट गैम्बलर, काला पानी, एक और एक ग्यारह, आग के शोले, जुर्माना आदि आदि।

मुददू बाबू शेट्टी एक एक्सपर्ट स्टंटमैन, एक्शन कोरियो ग्राफर और

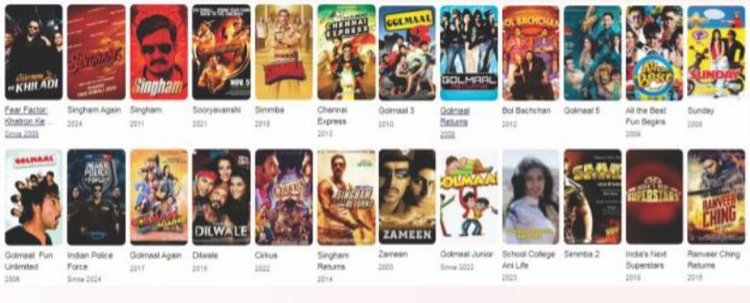

फिर अभिनेता थे। उनकी एक फिल्म के स्टंट निर्देशन के फिल्मांकन के समय एक स्टंट मैन की दुर्घटना में डेथ हो गयी थी, इस घटना ने उन्हें बहुत प्रभावित किया। वह फिल्मों से विरक्त से हो गए थे। काम छोड़कर घर मे बैठ गए थे। उनका अंतिम दिन संघर्षमय ही गुजरा था। उस घटना के दो साल बाद (1982) में उनकी भी मृत्यु हो गयी। जब शेट्टी दुनिया को अलविदा कहकर गए उनके होनहार बेटे रोहित शेट्टी की उम्र सिर्फ 9 साल थी। वह यह भी नहीं देख सके कि उनका बेटा बॉलीवुड का कितना बड़ा फिल्मकार बन गया है!

रोहित शेट्टी: "मैं वीरू देवगन को अपना आइडल मानता हूं"...

मायापुरी डेस्क

उड़ती कारें, एक दीवार से दूसरी दीवार पर कूदना, जीप के ऊपर हाथापाई करना, जब हम इन चीजों के बारे में पढ़ रहे होते हैं तो हमारे जेहन में एक ही नाम आता है, रोहित शेट्टी का। कई लोगों के लिये प्रेरणास्रोत रोहित से रियलिटी शो 'इंडियाज नेक्स्ट सुपरस्टार्स' की शूटिंग के दौरान उनके आइडल के बारे में पूछा गया।

बचपन से ही एक्शन जॉनर पसंद है...

हिन्दी सिनेमा में एक्शन को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया, लेकिन अलग-अलग निर्देशकों द्वारा। किसी को मार-काट पसंद आता है तो किसी को स्पीड, हालांकि कुछ अपनी कल्पनाओं की उड़ानों को कहीं ऊपर लेकर गये। कुछ ऐसी ही ताकत रोहित शेट्टी के पास है, जो एक्शन की दुनिया में इतिहास रचने के लिये जाने जाते हैं। इस बारे में उनका कहना है, "मैं एक्शन के बारे में जो कुछ भी जानता हूं अपने गुरु वीरू देवगन की वजह से। उनकी वजह से मुझे बचपन से ही यह जोनर इतना पसंद है। मुझे याद है जब मैं उन्हें असिस्ट कर रहा था और मैं उनसे ढेरों सवाल करता था, वह बड़े ही धैर्य से उनके जवाब दिया करते थे।" वह अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु को देते हैं!..

तब्बू की साड़ियां प्रेस करते थे रोहित शेट्टी, रह चुके है काजोल के स्पॉट बॉय

मायापुरी डेस्क

बॉलीवुड में एक्शन फिल्मों के बादशाह और शानदार निर्देशक रोहित शेट्टी अपना 46वें बर्थडे मना रहे हैं। रोहित शेट्टी आज उन निर्देशकों मे से हैं जिसके साथ लोग काम करने के लिए तरसते हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब रोहित शेट्टी ने वो काम भी किए जो उनको देखकर आप कभी अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं। जी हाँ बॉक्स ऑफिस के बादशाह रोहित शेट्टी पहले अभिनेत्री तब्बू की साड़ियां प्रेस करते थे और काजोल के तो वह स्पॉटबॉय भी रहे हैं।

इसके बाद उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होने 2003 में आई फिल्म जमीन से निर्देशन की शुरुआत की। इस फिल्म में अजय देवगन लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म लोगों को काफी पसंद आई और वहां से रोहित शेट्टी और अजय देवगन की जोड़ी ने जन्म लिया।

फिर एक के बाद धमाकेदार फिल्मों में दोनो ने काम किया। इस जोड़ी ने मिलकर अबतक लगभग 10 फिल्मों में काम किया है और काफी बड़ी बड़ी हिट्स दी हैं। इनमें से सिंघम और गोलमाल जैसी जबरदस्त फिल्में भी शामिल है। उनकी फिल्मों को लेकर लोगों को कॉमेडी और एक्शन जबरदस्त रहने की उम्मीद पहले ही जग जाती है। चेन्नई एक्सप्रेस, गोलमाल अगेन, सिम्बा जैसी कई हिट फ़िल्में दी है!..

आसिम रियाज पर भड़के रोहित शेट्टी, कहा-'उठा के यहीं पटक दूंगा...

आसना जैदी

रोहित शेट्टी का स्टंट रियलिटी शो **"खतरों के खिलाड़ी सीजन 14"** शुरु हो चुका हैं. शो शुरु होने के साथ ही चर्चा में आ चुका हैं. दरअसल, शो के लेटेस्ट एपिसोड़ में आसिम रियाज ने सभी कंटेस्टेंट्स से बहसबाजी करनी शुरु कर दी. वहीं होस्ट द्वारा समझाए जाने पर भी वह नहीं माने. इस घटना ने रोहित शेट्टी को इस हद तक परेशान कर दिया कि वह अपना आपा खो बैठे. यहीं नहीं इस पूरे घमासान के बाद रोहित शेट्टी ने आसिम रियाज को शो से बाहर कर दिया.

जब टास्क को करने में आसिम रियाज की रही नाकाम कोशिश

दरअसल, यह सब घमासान तब शुरू हुआ जब 3 कंटेस्टेंट आशीष मेहरोत्रा, नियति फतनानी और आसिम रियाज को एक हवाई स्टंट करने के लिए कहा गया. रोहित शेट्टी के निर्देशानुसार, कलाकारों को सीसॉ पर खड़े होकर लटकते हुए तख्त से झंडे हटाने थे. टास्क के लिए प्रतियोगियों को सीसॉ पर चलते हुए चार झंडे लेने थे और फिर पांचवें झंडे को हटाने के लिए छलांग लगानी थी. दो बेस्ट प्रदर्शन करने वालों को एलिमिनेशन से बचाना था. आशीष और नियति ने टास्क पूरा किया, लेकिन आसिम रियाज ने नहीं किया. इसके कारण बाकी लोगों ने आसिम रियाज से कहा कि उसे अपनी विफलता की जिम्मेदारी लेने की जरूरत है.

आसिम रियाज ने दी मेकर्स को चुनौती

वहीं स्टंट करने में विफल होने के बाद जैसे ही आसिम रियाज फ्लोर पर उतरे, उन्होंने मेकर्स को चुनौती देते हुए कहा, "मेरे सामने करो. मैं तुम लोगों से एक रुपया नहीं लूंगा. अगर तुम करोगे तो मैं एक रुपया नहीं लूंगा, कैमरा चालू है." रोहित ने आसिम से स्टंट न कर पाने का कारण पूछा. आसिम ने बताया कि कैसे संतुलन बनाना असंभव था क्योंकि दूसरे छोर पर पकड़ने के लिए कोई रॉड नहीं थी. रोहित शेट्टी ने फिर एक रिहर्सल वीडियो दिखाया जिसमें कंटेस्टेंट्स को सौंपे जाने से पहले स्टंट का टेस्ट किया गया था. उन्होंने बताया कि कैसे हर टास्क को पहले टीम द्वारा किया जाता है क्योंकि वे सभी सुरक्षा उपायों की जांच करते हैं और फिर कंटेस्टेंट्स से उन्हें करने के लिए कहा जाता है.

आसिम रियाज पर भड़के रोहित शेट्टी

यही नहीं रिहर्सल वीडियो देखने के बाद, आसिम रियाज ने कहा, "हां, मैंने सबूत मांगा था". रोहित शेट्टी ने आसिम रियाज से पूछा, "अब तुम क्या कहना चाहते हो." आसिम रियाज ने कहा, "सर, मैंने कोशिश की और यह ठीक है. मैं अपनी जिंदगी में बहुत शांत और व्यवस्थित हूं. मैं यहां स्टंट करने के लिए हूं. अगर ऐसा होता है तो ठीक है, मैं अपना बेस्ट प्रदर्शन करूंगा. मैं किसी को हराना नहीं चाहता. अपने इंटरव्यू में भी मैंने कहा है". इसके बाद रोहित शेट्टी ने बीच में टोकते हुए पूछा, "आसिम, तुम्हें क्या परेशानी है?" आसिम रियाज ने जवाब दिया, "सर कोई परेशानी नहीं है. मैं बहुत व्यवस्थित हूं." रोहित शेट्टी ने आगे कहा,

"कल भी तूने बहुत बकवास की." जब आसिम खुद को समझाने की कोशिश कर रहा था, तो रोहित ने अपना आपा खो दिया और कहा, "सुन मेरी बात सुनले वरना मैं उठा के यहीं पटक दूंगा. ऐसे मेरे से बदतमीजी नहीं करना".

आसिम ने अभिषेक कुमार पर निकाला गुस्सा

वहीं जब आसिम रियाज रोहित शेट्टी से बात करने के लिए उनके पास पहुंचे, तो रोहित ने उन्हें अपनी जगह पर जाने के लिए कहा. इस दौरान अभिषेक कुमार ने भी आसिम को वापस जाने के लिए कहा. हालांकि, रोहित ने सभी कंटेस्टेंट्स से कहा कि वे कुछ न बोलें. जैसे ही अभिषेक ने उन्हें वापस जाने के लिए कहा, असीम भड़क गए और उन पर उंगली उठाते हुए चिल्लाए, "मेरे साथ बकवास मत करो. मैं 31 साल का हूं और इंडस्ट्री में 15 साल से हूं. तुम किसकी बात कर रहे हो? तुम अभी-अभी मशहूर हुए हो." अभिषेक कुमार ने आसिम रियाज से पूछा, "क्या तुम्हें जलन हो रही है?" आसिम ने चिल्लाते हुए कहा, "नहीं, मुझे जलन नहीं हो रही है. हर कोई मशहूर है. जो शोर मैंने देखा है ना, किसी ने नहीं देखी है".

आसिम रियाज ने मेकर्स पर लगाया इल्जाम

यही नहीं जब आसिम चिल्ला रहे थे, तो रोहित और अन्य कंटेस्टेंट्स ने उन्हें शांत होने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी. आसिम के व्यवहार को देखकर कंटेस्टेंट्स हैरान रह गए. खतरों के खिलाड़ी 14 की टीम भी आसिम को शांत करने के लिए आगे आई, जो गुस्से में चिल्लाते रहे. टीम से बात करते हुए आसिम ने कहा, "आप लोग मुझे जो पैसे दे रहे हैं, मैं उसका तीन गुना कमाता हूं. मेरे पास इतना पैसा है कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते. मैं 6 महीने के अंदर 4 कारें बदलता हूं. क्या आपको लगता है कि मुझे उस पैसे की जरूरत है? यह उन प्रशंसकों के लिए है जिनके लिए मैं यहां आया हूं, इन हारे हुए लोगों के लिए नहीं." यह सुनकर अभिषेक अपना आपा खो बैठे और उन्होंने आसिम से अपनी बात पर ध्यान देने को कहा. आसिम ने अपने जूते उतारकर उन पर हमला करने की कोशिश की. इस बीच, शालीन भनोट ने अभिषेक को एक तरफ खींच लिया और उन्हें इस स्थिति से दूर रहने को कहा. आसिम ने फिर टीम से कहा, "आप इंटरनेट पर चर्चा देख रहे हैं. यह मेरी वजह से है. क्या आप समझ रहे हैं? क्योंकि यह 4 साल बाद है. जब भी मैं 10 साल बाद आता हूं, तो यही चर्चा होती है. वरना ये आते जाते पता नहीं चलता." इसके बाद आसिम गुस्से में चले गए और रोहित शेट्टी ने उनके रवैये पर सवाल उठाए.

रोहित शेट्टी ने आसिम रियाज को शो से बाहर निकाला

इसके बाद कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए रोहित शेट्टी ने बताया कि वह 10 साल से शो होस्ट कर रहे हैं और अब तक 150-200 कंटेस्टेंट्स शो का हिस्सा बन चुके हैं. रोहित ने विस्तार से बताया कि कैसे उन्होंने कंटेस्टेंट्स को डांटा है और कुछ ने अपना दृष्टिकोण बताया है, लेकिन आसिम जैसी अराजकता पहले कभी नहीं हुई. शेट्टी ने कहा, "यह मेरे लिए एक झटके जैसा था." इसके बाद रोहित शेट्टी ने आसिम रियाज को शो से निकाल दिया. आसिम को बाहर का रास्ता दिखाए जाने के बाद, रोहित शेट्टी ने कहा, "मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, लेकिन अब वह इस शो में आगे नहीं रह सकते. उनका अपना नजरिया है, इसमें कोई संदेह नहीं है और मैं उसका सम्मान करता हूं. मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं. वह एक युवा बच्चा है और भगवान उसे सफलता प्रदान करें". कंटेस्टेंट्स ने फिर स्थिति को शांति से संभालने के लिए रोहित शेट्टी की तारीफ की!..

"खतरों के खिलाड़ी 14" इस बार शूट हुई डर की नई कहानियां इन रोमानिया...

मायापुरी डेस्क

किस्मत साहसी का साथ देती है, लेकिन रोमानिया में, नसीब निडर का साथ देगा! 'टूरिस्ट ट्रैप' की अपनी धारणा को फिर से रचने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि कलर्स पहली बार रोमानिया में फोबिया फाइटर्स की अपनी टुकड़ी को ले जाकर छुट्टियों की स्क्रिप्ट को पुन: लिखते हुए, भारत के पसंदीदा स्टंट-आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' का 14वां सीज़न पेश कर रहा है. 'रोमानिया में डर की नई कहानियां...' थीम के साथ, इस शो के प्रतियोगी चाहे जितनी भी साहसी तैयारियां कर लें लेकिन यह डरावनी छुट्टी निश्चित रूप से उन्हें हिलाकर रख देगी. इस संस्करण की सभी नवीनताओं के बीच, शो का एक पहलू नियत बना हुआ है, वह है ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर और अवॉर्ड विजेता टीवी होस्ट, रोहित शेट्टी का मेज़बान के रूप में अपनी भूमिका को दोहराना और अपने व्यापक अनुभव से डेयरडेविल्स को सलाह देना. एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा निर्मित, हुंडई की पेशकश, स्पेशल पार्टनर्स इंडिका ईज़ी हेयर कलर और विक्स, एसोसिएट पार्टनर्स स्मिथ एंड जोन्स पास्ता मसाला और अंबुजा सीमेंट, 'खतरों के खिलाड़ी 14' का प्रीमियर 27 जुलाई को हुई और उसके बाद हर शनिवार-रविवार रात 9:30 बजे प्रसारित होगा, केवल कलर्स पर.

शुरुआत में, दर्शकों का भव्य स्वागत किया जाएगा क्योंकि रोहित शेट्टी एक हेलिकॉप्टर में आसमान से उतरते नज़र आएंगे, और एक हाई-ऑक्टेन कार चेज़ पर उतरकर वह प्रतिष्ठित यूरोपीय ओपन-एयर रेड बस में पहुंचेंगे. इतना ही नहीं, शो के साहसी प्रतियोगी रोमानिया के लोकप्रिय जगहों से इस बस में चढ़ेंगे. लेकिन उन्हें नहीं पता है कि; उनका दर्शनीय स्थलों का भ्रमण एक रोमांच से भरपूर एडवेंचर होने वाला है! इस सीज़न के रोमांच से भरपूर कार्यक्रम में, हर हफ्ते एक नई थीम के साथ प्रतियोगियों के पासपोर्ट पर रोंगटे खड़े करने वाले और घबराहट से भरपूर पलों का स्टाम्प लगेगा. आखिरकार, वैरायटी से ही डर में तड़का लगेगा! प्लेन्स से लेकर ट्रेन, बस से लेकर केबल कार तक - परिवहन का कोई भी साधन इसकी खतरनाक चुनौतियों से सुरक्षित नहीं है. और रोंगटे खड़े कर देने वाले पहले मुकाबले में, ये बहादुर प्रतियोगी रोमानिया के खूंखार भालुओं के आमने-सामने आएंगे, जिससे यह खिलाड़ी बनाम भालू का महामुकाबला बन जाएगा!

वायकॉम18 के अध्यक्ष - जनरल एंटरटेनमेंट, आलोक जैन ने कहा,

"लगातार 13 रोमांचक सालों से, खतरों के खिलाड़ी साहस की परीक्षा लेने वाले मनोरंजन के मामले में सबसे आगे रहा है, और यह निरंतर लाखों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाए हुए है. पूरी क्षमता के साथ बढ़ते हुए, इस प्रमुख शो ने निडर एडवेंचर की विरासत बनाई है, और यह आगामी सीज़न इसे हर हफ्ते नई थीम के साथ रोमांच के नए मानक स्थापित करेगा. यह शो पहली बार रोमानिया पहुंचा है, जिसके साथ यह डर पर जीत हासिल करने की अपनी परंपरा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा. इसकी विरासत, बेहतरीन दर्शक संख्या, मजबूत सोशल

मीडिया मौजूदगी, और निष्ठावान दर्शक इसे उन विज्ञापनदाताओं के लिए आदर्श मंच बनाते हैं, जो अपनी इच्छित डेमोग्राफ़िक के अंदर बेहतरीन प्रभाव छोड़ना चाहते हैं और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना चाहते हैं. इस सीज़न में, हम पहली बार अपने प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक के रूप में हुंडई का स्वागत करते हुए, एक अभूतपूर्व साझेदारी के साथ उत्साह बढ़ा रहे हैं. साथ मिलकर, हम एडवेंचर के इस रोमांचक सफर का अधिकतम लाभ उठाते हुए आगे बढ़ेंगे. हमें इस बात की खुशी है कि रोहित शेट्टी ने इस शो की मेज़बानी करते हुए एक दशक पूरा कर लिया है, जिन्होंने अपनी विशिष्ट शैली और ब्लॉकबस्टर एनर्जी से रोमांच से भरपूर चुनौतियों में प्रतियोगियों को प्रेरित किया और उनका मार्गदर्शन किया."

मेज़बान रोहित शेट्टी ने कहा,

"डर का डटकर सामना करना खतरों के खिलाड़ी की मूल भावना रही है और जबकि हम रोमानिया में अपने 14वें सीज़न को पेश कर ने जा रहे हैं, तो हमने केवल जगह नहीं बदली है - हम नियम पुस्तिका को भी पुन: लिख रहे हैं. इस हाई-ऑक्टेन शो की मेज़बानी करते हुए एक दशक का समय हो गया है, और मैं आपको बता दूं, रोमांच तो अभी प्रबल होना शुरू ही हुआ है. इस सीज़न में, हम अपने साहसी प्रतियोगियों को उनकी उच्चतम सीमा तक बढ़ावा देने वाली चुनौतियों के साथ दबाव का स्तर बढ़ा रहे हैं. मैं दर्शकों को इस सीज़न के भव्य प्रीमियर का अनुभव कराने की प्रतीक्षा खत्म कर रहा हूं."

बनिजय एशिया और एंडेमोल शाइन इंडिया के संस्थापक और ग्रुप सीईओ, दीपक धर ने कहा,

"एंडेमोल शाइन इंडिया में, हमें खतरों के खिलाड़ी को भारत में एक्शन और एडवेंचर से भरपूर मनोरंजन का प्रतीक बनते देख काफी गर्व महसूस होता है. फियर फैक्टर के इंटरनेशनल फॉर्मेट को भारत में लाना अपने आप में हमारे लिए रोमांचक स्टंट था, जिसे हम पिछले 14 सालों से सफलतापूर्वक निभा रहे हैं. इस साल, रोमानिया के लाजवाब परिदृश्य हमारे टेलीविज़न के सबसे प्रिय चेहरों को सबसे नवीन चुनौतियां देने की पृष्ठभूमि बनेंगे. हम अपने मेज़बान रोहित शेट्टी को धन्यवाद देते हैं, जो एक दशक से इस शो का स्तंभ रहे हैं, जिन्होंने स्टंट परफ़ॉर्म के दौरान एक्शन में अपने व्यापक अनुभव से प्रतियोगियों को लाभान्वित किया है. यह मंच ऐसे सीज़न के लिए तैयार है, जो पहले से कही ज्यादा लुभावना और रोमांचक होगा. इसके अलावा, हमारा मानना है कि कलर्स के साथ हमारा मजबूत जुड़ाव ही इस शो को हर साल नई ऊंचाइयों पर पहुंचाता है."

इस साल, 12 निडर प्रतियोगियों का ऑल-स्टार लाइनअप रोमानिया में बहादुरी का अपना अनूठा ब्रैंड लाने के लिए तैयार है. इस सूची में शामिल हैं: 'बिग बॉस' के पूर्व प्रतियोगी शिल्पा शिंदे, अभिषेक कुमार, निमृत कौर अहलूवालिया, शालीन भनोट और असीम रियाज़; मराठी सुपरस्टार गशमीर महाजनी, लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती; फिटनेस इंफ्लूशंसर कृष्णा श्रॉफ टीवी पर अपना डेब्यू कर रही हैं; और फिक्शन एक्टर्स करण वीर मेहरा, केदार आशीष मेहरोत्रा, नियति फतनानी और अदिति शर्मा रियलिटी टीवी में कदम रख रहे हैं. इस नए सीज़न में, दर्शक मनोरंजक डायनेमिक्स की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि अभिषेक और शालीन को उनकी नई दोस्ती के लिए "छोटे मियां बड़े मियां" का टैग दिया गया है, और करण और शिल्पा ने अपने चंचल प्रैंक्स के लिए "शिकार" नाम इस्तेमाल किया है. अभिषेक का अपनी टूटी-फूटी अंग्रेज़ी से रोमानियाई लड़कियों को आकर्षित करने की कोशिश करना और सुमोना का हैरान करते हुए कॉमेडी क्वीन से स्टंट परफॉर्मर में बदलाव करना दिलचस्प होगा. करिश्मा और साहस के इस धमाकेदार मिश्रण के साथ, 'खतरों के खिलाड़ी 14' दर्शकों को उनकी सीटों से बांधे रखने का वादा करता है, जो दिल की धड़कने बढ़ाने वाले एक्शन के बीच एकमात्र सुकून भरी जगह होगी.

हुंडई पेश करता है 'खतरों के खिलाड़ी 14', स्पेशल पार्टनर्स इंडिका ईज़ी हेयर कलर और विक्स, एसोसिएट पार्टनर्स स्मिथ एंड जोन्स पास्ता मसाला और अंबुजा सीमेंट, इसका भव्य प्रीमियर 27 जुलाई को शरू हुआ और उसके बाद यह हर शनिवार-रविवार रात 9:30 बजे प्रसारित किया जाएगा, केवल कलर्स पर

18 साल के इंतजार के बाद, 'गणेश-भक्त' शोमैन रोहित शेट्टी की सार्वजनिक महागणेश की दिव्य मूर्ति को प्रायोजित करने की बारी आई!

चैतन्य पडुकोण

18 साल के इंतजार के बाद, तीन साल पहले (सितंबर 2021) आखिरकार बॉलीवुड के 'शोमैन' निर्माता-निर्देशक और रियलिटी-एक्शन टीवी शो होस्ट रोहित शेट्टी की बारी आ गई (कोरोना मास्क पहने हुए) अपनी पत्नी माया शेट्टी के साथ 'इच्छापूर्ति' गणेश मूर्ति की लागत को प्रायोजित करना और भी अत्यंत पूजनीय देवताओं के लिए विस्तृत पूजा-आरती-प्रार्थना करें अंधेरीचा राजा-सार्वजनिक (नवसाला पावनारा) गणेश दूर स्थित वीरा देसाई रोड, अंधेरी पश्चिम मुंबई।

एक्शन किंग निर्देशक रोहित जिन्होंने अजय देवगन अभिनीत फिल्म 'ज़मीन' (2003) से निर्देशन में पदार्पण किया था, वास्तव में ज़मीन से जुड़े हुए और स्वभाव से ज़मीनी हैं। गतिशील निर्देशक-टीवी एक्शन रियलिटी शो होस्ट रोहित शेट्टी अपनी अगली कॉप-यूनिवर्स ब्लॉकबस्टर 'सिंघम अगेन' को नवंबर 2024 में दिवाली वीकेंड पर रिलीज़ करेंगे। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह के साथ ("लेडी सिंघम") दीपिका पादुकोण और करीना कपूर और कई अन्य लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

"इच्छापूर्ति" (इच्छापूर्ति) मूर्ति जिसके लाखों निष्ठावान आम आदमी भक्तों का विशाल समूह है बॉलीवुड बिरादरी में भी वे सबसे अधिक पूजे जाने वाले गणेश देवताओं में से एक हैं। अंधेरीचा राजा समिति के प्रवक्ता उदय सालियान के अनुसार, प्रत्येक वर्ष महा गणेश मूर्ति को कौन प्रायोजित करेगा, इसका निर्णय 'सुव्यवस्थित लॉटरी प्रणाली' के माध्यम से बहुत पहले ही कर लिया जाता है। "वास्तव में, रोहित शेट्टी ने अपने आइडल-प्रायोजन की बारी लगभग 18 साल पहले ही बुक कर ली थी और इतने सालों तक अपनी बारी का धैर्यपूर्वक इंतज़ार किया। इस बार बच्चों से भावी प्रायोजकों के भाग्यशाली नाम चुनने को कहा गया। अब, प्रायोजन वर्ष 2066 तक के लिए बुक हो गया है," उदय सालियान ने बताया।

बॉलीवुड स्टार-अभिनेताओं, मॉडलों और अन्य का एक बड़ा समूह अभिनेत्रियाँ जिनमें शामिल हैं प्रियंका चोपड़ा, शिल्पा शेट्टी, कंगना रनौत, शत्रुघ्न सिन्हा, रंजीत, सुनील शेट्टी, नाना पाटेकर, अनुप जलोटा, रवीना टंडन, सोनम कपूर, उर्वशी रौतेला, साक्षी तंवर, शे फाली ज़रीवाला और भी कई पिछले कई वर्षों से (कोरोना महामारी आने से बहुत पहले) सेलेब्स धार्मिक रूप से अंधेरीचा राजा पंडाल में दर्शन के लिए आते रहे हैं। 'दर्शन' और 'आरती-प्रसाद'। यह है एकमात्र सार्वजनिक मूर्ति (अब मुंबई में इसे 'संकष्टी' के दिन विसर्जित किया जाता है, कुछ दिन अनत चतुर्दशी के बाद (अंतिम दिन जब अन्य सभी मूर्तियों को विसर्जित कर दिया जाता है।) में 56 वाँ वर्ष (२०२१), आयोजकों-ट्रस्टियों ने विदा करना अंधेरीचा राजा को शुभ संकष्टी दिवस पर गणेश उत्सव 2020 और 2021 में सख्त अनुपालन किया गया बीएमसी अधिकारियों द्वारा घोषित कोविड-19 सुरक्षा प्रतिबंध!...

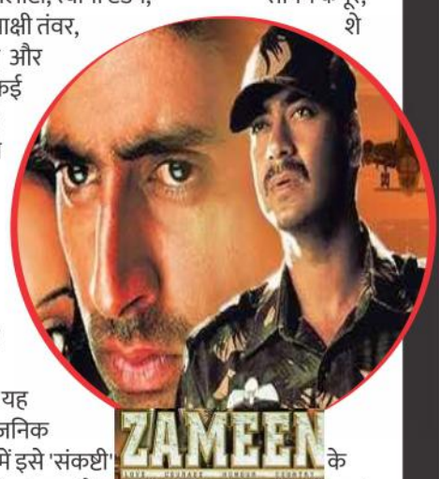

मस्ती भरी शरारतें

रोहित भाई, सिंघम अगेन का प्रमोशन भी मायापुरी में होगा ना?

अजय भाई, मेरा तो बहुत पुराना रिश्ता है मायापुरी से, मेरी बहन चंदा मायापुरी के लिए लिखती थी.. आप हुकुम करो सब हो जाएगा!

क्या आपने चेन्नई एक्सप्रेस के टाइम सोचा था कि हम साथ में सिंघम पर काम करेंगे?

नहीं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक लेडी कॉप वो भी सिंघम यूनिवर्स मैं बन पाऊंगी.. धन्यवाद रोहित जी!

बेटा, मेरे शो पर बहुत मेहनत करना.. मेरे शो में लड़का लड़की सब एक बराबर है !

सर, एक्शन में आपका हाथ कोई नहीं पकड़ सकता.. लेकिन आपको निराश नहीं करेंगे हम!

रोहित शेट्टी से झगड़े के बाद उमर रियाज ने किया अपने भाई आसिम का सपोर्ट...

आसना जैदी

रोहित शेट्टी का स्टंट रियालिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 इस समय काफी चर्चा में बना हुआ हैं. शो के शुरुआत में कंटेस्टेंट आसिम रियाज और होस्ट रोहित शेट्टी के बीच काफी झगड़ा हुआ. इस जोरदार बहस के बाद मेकर्स ने आसिम रियाज को शो से बाहर निकाल दिया. वहीं अब उमर रियाज ने अपने भाई आसिम रियाज का सपोर्ट किया हैं.

उमर रियाज ने किया आसिम रियाज का समर्थन

आपको बता दें उमर रियाज ने खतरों के खिलाड़ी 14 के होस्ट रोहित शेट्टी के साथ अपने भाई आसिम रियाज की लड़ाई का बचाव किया है. उमर रियाज ने अपने एक्स हैंडल पर एक रहस्यमयी नोट शेयर किया. उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, "किसी को इस स्तर तक नीचा मत दिखाओ कि उसका सबसे बुरा शैतान बाहर आ जाए! उसके बाद जो कुछ भी होता है वह उचित नहीं है और कभी नहीं होगा! प्यार किसी व्यक्ति के लिए चमत्कार कर सकता है और नफरत किसी व्यक्ति को उसका सबसे बड़ा दुश्मन बना सकती है! बस इतना ही कह रहा हूं". भले ही उमर ने अपने पोस्ट में आसिम या रोहित शेट्टी का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनके पोस्ट की टाइमिंग ने नेटिजन्स को यह विश्वास दिला दिया कि वह अपने भाई का बचाव कर रहे हैं.

इस वजह से शुरु हुई आसिम और रोहित शेट्टी की लड़ाई

बता दें खतरों के खिलाड़ी 14 के लेटेस्ट एपिसोड में आसिम रियाज और रोहित शेट्टी के बीच तीखी बहस हुई. दरअसल, यह सब घमासान तब शुरू हुआ जब 3 कंटेस्टेंट आशीष मेहरोत्रा, नियति फतनानी और आसिम रियाज को एक हवाई स्टंट करने के लिए कहा गया.आशीष और नियति ने टास्क पूरा किया, लेकिन आसिम रियाज ने नहीं किया. इसके कारण बाकी लोगों ने आसिम रियाज से कहा कि उसे अपनी विफलता की जिम्मेदारी लेने की जरूरत है. वहीं टास्क में असफल होने के बाद आसिम ने कहा कि चुनौती असंभव थी और टीम से कहा, "मेरे सामने करो. मैं तुम लोगों से एक रुपया नहीं लूंगा. अगर तुम करोगे तो मैं एक रुपया नहीं लूंगा, कैमरा चालू है." इसके बाद रोहित ने एक रिहर्सल वीडियो दिखाया, जिसमें टीम ने सुरक्षित रूप से टास्क पूरा किया.

आसिम रियाज पर भड़के रोहित शेट्टी

इसके बाद रोहित शेट्टी ने बीच में टोकते हुए पूछा, "आसिम, तुम्हें क्या परेशानी है?" आसिम रियाज ने जवाब दिया, "सर कोई परेशानी नहीं है. मैं बहुत व्यवस्थित हूं." रोहित शेट्टी ने आगे कहा, "कल भी तूने बहुत बकवास की." जब आसिम खुद को समझाने की कोशिश कर रहा था, तो रोहित ने अपना आपा खो दिया और कहा, "सुन मेरी बात सुनले वरना मैं उठा के यहीं पटक दूंगा. ऐसे मेरे से बदतमीजी नहीं करना".

आसिम रियाज ने मेकर्स को दी चेतावनी

टीम से बात करते हुए आसिम ने कहा, "आप लोग मुझे जो पैसे दे रहे हैं, मैं उसका तीन गुना कमाता हूं. मेरे पास इतना पैसा है कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते. मैं 6 महीने के अंदर 4 कारें बदलता हूं. क्या आपको लगता है कि मुझे उस पैसे की जरूरत है? यह उन प्रशंसकों के लिए है जिनके लिए मैं यहां आया हूं, इन हारे हुए लोगों के लिए नहीं".

रोहित शेट्टी के शो से निकले आसिम

इसके बाद आसिम को शो छोड़ने के लिए कहा गया. रोहित शेट्टी ने कहा, "मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, लेकिन अब वह इस शो में आगे नहीं रह सकते. उनका अपना नजरिया है, इसमें कोई संदेह नहीं है और मैं उसका सम्मान करता हूं. मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं. वह एक युवा बच्चा है और भगवान उन्हें लता प्रदान करें".

कृष्णा श्रॉफ ने "KKK" पर अपना पहला स्टंट सिर्फ इतने मिनट में पूरा किया...

मायापुरी डेस्क

बॉस लेडी **कृष्णा श्रॉफ 'खतरों के खिलाड़ी 14'** में अपने टेलीविजन डेब्यू के साथ धूम मचा रही हैं और पहले से ही शो में अपनी जगह बना रही हैं. पहले एपिसोड में उन्होंने अपना पहला स्टंट सिर्फ 6 मिनट और 23 सेकंड में पूरा किया. इस चुनौती में एक मिलिट्री ग्रेड एयरप्लेन के पीछे से झंडे इकट्ठा करना शामिल था और बेहद तेज़ हवा के दबाव के बावजूद, कृष्णा ने इसमें सफलता हासिल की.

शो के प्रीमियर से पहले, कृष्णा ने होस्ट रोहित शेट्टी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया. उन्होंने लिखा, "फर्स्ट रियलिटी शो, फर्स्ट टीवी स्टंट, फर्स्ट प्रोजेक्ट विद itsrohitshetty. आई ऑनेस्टली वुड नॉट हैव डन द थिंग्स आयी वॉज एबल टू अचीव विदआउट रोहित सर चियरिंग मी ऑन, गाइडिंग मी एंड पुशिंग बियॉन्ड व्हाट इवन आयी बिलीवड आयी वॉज इवन कैपेबल ऑफ बिकॉज़ ही बिलीवड इन मी." उन्होंने इस इमोशनल नोट को लिखते हुए होस्ट के साथ बिहाइंड द सीन्स फोटो भी शेयर कीं. अपने अनुभव पर विचार करते हुए उन्होंने इसे "डरावना लेकिन संतोषजनक" बताया.

इस सीज़न में, कृष्णा का मुकाबला सुमोना चक्रवर्ती, गशमीर महाजनी, करण वीर मेहरा, आसिम रियाज़, शालीन भनोट, निमृत कौर अहलूवालिया और दूसरे कॉंटेस्टेंट्स से होगा. एक वेंचर और अब एक टीवी स्टार के रूप में, कृष्णा श्रॉफ अपने रास्ते में आने वाली हर चुनौती पर विजय पाने के लिए तैयार हैं!...

जैकी श्रॉफ और नीलम कोठारी के लेटेस्ट ट्रैक 'तू' को तलविंदर ने दी आवाज

बॉलीवुड के दिग्गज जैकी श्रॉफ और नीलम कोठारी भूषण कुमार द्वारा निर्मित आकर्षक संगीत वीडियो 'तू' में एक साथ स्क्रीन पर शानदार वापसी कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित पुनर्मिलन में दोनों तीन दशकों में पहली बार स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे, जो प्रशंसकों के लिए पुरानी यादों और उत्साह की लहर लाएगा। 'तू' केवल एक गाना नहीं है; यह एक भावनात्मक यात्रा है जो तलविंदर द्वारा गाए गए सदाबहार प्रेम के सार को दर्शाती है।

नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह से भरे जैकी श्रॉफ ने कहा,

''इतने सालों के बाद नीलम के साथ फिर से जुड़ना वाकई बहुत खुशी की बात है। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करना अविश्वसनीय रूप से खास होता है जिसके साथ आपका इतना समृद्ध इतिहास हो। तलविंदर का गाना 'तू' बहुत ही भावपूर्ण है और मेरा मानना है कि यह कई लोगों के दिलों को छू जाएगा। हमने साथ मिलकर जो जादू बनाया है, वह दर्शकों को बहुत पसंद आएगा और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि इसे किस तरह से लिया जाएगा।''

नीलम कोठारी ने पुरानी यादों और उत्साह के साथ अपने सहयोग पर बात करते हुए कहा,

''जैकी के साथ स्क्रीन पर वापस आना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। यह आश्चर्यजनक है कि जिस व्यक्ति के साथ आपने इतने सारे पल साझा किए हैं, उसके साथ काम करना पुरानी यादों को फिर से ताजा कर सकता है। तलविंदर का यह गाना खास है – इसमें एक गहराई और भावना है जो मुझे विश्वास है कि श्रोताओं से गहराई से जुड़ेगी।''

गीत के पीछे की प्रतिभाशाली आवाज तलविंदर ने इस परियोजना के लिए अपना आभार और प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा,

''जैकी श्रॉफ और नीलम कोठारी जैसे दिग्गज लोगों के साथ तू पर काम करना एक बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। उनके बीच की केमिस्ट्री असाधारण है और इसने ट्रैक को खूबसूरती से पूरक बनाया है। हमने इस गीत को दिल को छूने वाला बनाने की कल्पना की थी, और मैं इस बात से रोमांचित हूं कि यह कैसा निकला। यह सहयोग एक सपने के सच होने जैसा है, और मुझे विश्वास है कि 'तू' की भावनात्मक गहराई दूर–दूर तक दर्शकों के साथ गूंजेगी।''

'तू' का संगीत वीडियो 31 जुलाई से टी–सीरीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हो गया है। 'तू' के साथ, प्यार की एक पुरानी लेकिन ताजा कहानी का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाइए।

बेटे जुनैद की डेब्यू फिल्म "महाराज" की रिलीज पर क्यों तनाव में थे आमिर...

आसना जैदी

आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फिल्म महाराज के जरिए हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया है. इसमें वह पत्रकार और समाज सुधारक करसनदास मूलजी की भूमिका में नजर आए. जुनैद ने अपनी पहली फिल्म में ही अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया है. वहीं पिता आमिर खान ने अपने बेटे की फिल्म की सक्सेस पार्टी होस्ट की. इस दौरान आमिर खान ने दर्शकों की प्रतिक्रिया के बारे में रिलीज से पहले तनाव महसूस करने की बात स्वीकार की.

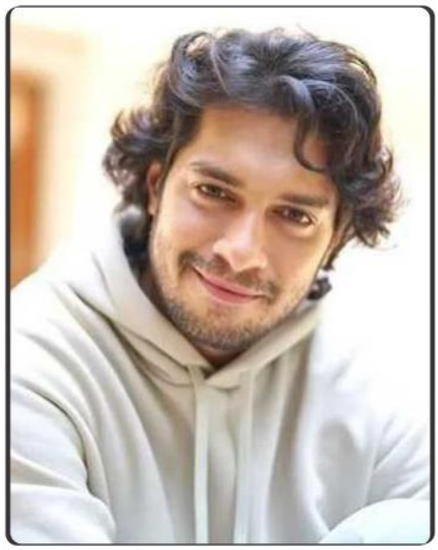

आमिर खान ने बेटे जुनैद की तारीफ

दरअसल, आमिर खान ने लेटेस्ट इंटरव्यू में कहा, "जब जुनैद की फिल्म महाराज रिलीज हुई, तो मैं बहुत तनाव में था कि लोग उसका काम पसंद करेंगे या नहीं. जुनैद खान ने अपने लिए हकीकत में कड़ी मेहनत की है और उसने कभी भी मुझसे किसी भी तरह की मदद नहीं ली. इसलिए मुझे बहुत गर्व और खुशी है कि उसने इसे अपने तरीके से अपनी शर्तों पर बनाया है और आप जानते हैं और मैं यह देख सकता हूं".

आमिर खान ने अशोक पंडित, राज पंडित संग अपने संबंध को लेकर की बात

पार्टी के दौरान आमिर खान ने निर्माता अशोक पंडित, राज पंडित के पिता के साथ अपने संबंधों के बारे में भी बात की. उन्होंने बताया कि वे अशोक पंडित के साथ सहानुभूति रखते हैं, क्योंकि हाल ही में उन्होंने एक डेब्यू करने वाले बच्चे के साथ माता-पिता की भावनाओं का अनुभव किया है. आमिर खान ने बताया कि वे और अशोक एक-दूसरे को कॉलेज के समय से जानते हैं, जिससे उनके बीच एक मजबूत रिश्ता बन गया है. जब अशोक ने उन्हें अपने बेटे के लिए कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, तो आमिर ने एक पिता के रूप में अपने हाल के अनुभव को देखते हुए बिना किसी हिचकिचाहट के सहमति दे दी.

"महाराज" को करना पड़ा था कानूनी मुद्दों का सामना

अपनी पहली फिल्म महाराज में, जुनैद खान को चुनौतियों का सामना करना पड़ा जब फिल्म को कानूनी मुद्दों का सामना करना पड़ा. गुजरात उच्च न्यायालय में एक खास धार्मिक समूह के सदस्यों द्वारा महाराज के खिलाफ याचिका दायर की गई, जिसके कारण नेटफ्लिक्स पर फिल्म की रिलीज में देरी हुई. हालांकि, थोड़े समय के स्थगन के बाद, अदालत ने फैसला सुनाया कि फिल्म किसी खास धर्म को लक्षित नहीं करती है और इसकी रिलीज की अनुमति दे दी.

जुनैद खान का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो जुनैद खान जल्द ही साई पल्लवी के साथ एक रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसका नाम 'एक दिन' बताया जा रहा है. इसके अलावा जुनैद खान बोनी कपूर और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं. अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित यह फिल्म हिट तमिल फिल्म 'लव टुडे' का आधिकारिक रूपांतरण है. दूसरी ओर आमिर खान की बात करें तो एक्टर जल्द ही सितारे जमीन पर नाम की फिल्म से वापसी करने जा रहे हैं. इसका निर्देशन आरएस प्रसन्ना कर रहे हैं. फिल्म में उनके साथ जेनेलिया देशमुख भी हैं.

बड़प्पन हो तो अमिताभ बच्चन जैसा !

जो अपनी ही नहीं, जया की गलतियों पर भी माफी मांग लिया करते हैं

– शरद राय

83 साल के अमिताभ बच्चन में अभी भी वो जोश है जो 25– 30 साल के युवा में होता है। उनकी फिल्मों को देखकर उनकी एनर्जी महसूस की जा सकती है। कहते हैं उम्र बढ़ने पर लोग चिड़चिड़ा जाते हैं। खासकर तब जब आए दिन परिवार में कलह की खबरें बनती रहती हों।लेकिन, अमिताभ के अंदर अभी भी वही शालीनता बनी हुई है जो उनके ही मैन– स्टारी– दिनों में हुआ करती थी।

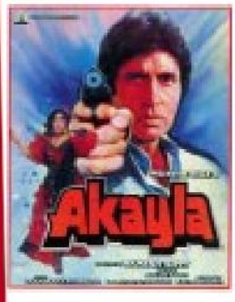

मर्यादा, शिष्टता और परिमार्जित भाषा शैली में बातचीत करना कोई अमिताभ से सीखे। बॉलीवुड में कोई ऐसा बंदा नहीं जो उनकी तरह बोलना जानता हो और हमेशा दूसरे का लिहाज करना जानता हो। अगर उनसे कोई चूक होजाती है तो केबीसी जैसे बड़े मंच पर भी तुरंत नम्रता से 'माफ कीजिएगा' बोल देते हैं।

जिज्ञासा से लवरेज इतने हैं बिग बी कि उनको ट्वीटर, आजकल X और इंस्टाग्राम पर नजर दौड़ाने की आदत है। किसी स्टार की फिल्म लगी है तो उसकी तारीफ करते हैं और अपने मन की बात शेयर करते हैं। पिछले दिनों उन्होंने लिखा कि वह अब तक काम के लिए भागते हैं। अपनी एक भागती हुई तस्वीर शेयर करते उन्होंने लिखा कि मैं 'अग्निपथ' से अब तक भाग रहा हूं। इस फोटो के साथ उन्होंने अपने घर की लॉन में दौड़ने की अभी की एक तस्वीर भी डाला है।

लेकिन, वह सम्भवतः जल्दबाजी में जो तस्वीर दौड़ने की डाले थे वो फिल्म 'अग्निपथ' की नहीं बल्कि उनकी ही दूसरी फिल्म 'अकेला' की थी। अमिताभ को जैसे ही गलती समझ मे आयी वह तुरंत अपनी गलती को सुधारते हुए माफी मांगे और एक दूसरी पोस्ट शेयर करते हुए लिखे–

apologise... the picture i posted of running saying from agnipath..wrong! its from AKAYLA. thank you well wishers.

सोचिए, अमिताभ बच्चन की जगह कोई और स्टार होता तो क्या वह अपने फैन से इसतरह से माफी मांगता, जबकि उनकी ही फिल्म की फोटो थी वो।

हालिया रिलीज अश्विन नाग निर्देशित फिल्म 'कल्कि 2898 AD' में अमिताभ बच्चन की भूमिका अश्वत्थामा को लोग बहुत तारीफ दे रहे हैं। यह फिल्म इस साल की सबसे अधिक कमाई (1000 करोड़ पार) देनेवाली फिल्म है।फिल्म के एक दृश्य में आजीवन अमर रहने का वरदान पाए अश्वत्थामा के शरीर का एक लटका हुआ दृश्य इनदिनों खूब वायरल हुआ है, उस दृशांकन के बारे में बच्चन के काम की खूब तारीफ हो रही है। लेकिन अमिताभ हैं जो फिल्म के दूसरे हीरो प्रभास की जमकर तारीफ कर रहे हैं और उनको तेलुगु का भगवान तक कहने से नहीं रुके हैं। शालीनता की ऐसी मिसाल अमिताभ बच्चन बहुत बार पेश करते रहते हैं जब वह अपनी फिल्म में अपनी तारीफ को डायजेस्ट कर लेते हुए साथी कलाकारों की तारीफ करते रहते हैं।

अमिताभ बच्चन की नम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण है कि उनकी पत्नी अभिनेत्री–सांसद जया बच्चन बहुत अग्रेसिव अंदाज में अपनी बात कह जाती हैं तब अमिताभ को लोगों को उनकी बात पर सफाई पेश करने के लिए आगे आना पड़ता है। सबसे खराब स्थिति तो कुछ साल पहले तब बन गयी थी जब महाराष्ट्र में मराठी मुद्दे पर एक आंदोलन सा शुरू हुआ था और उत्तर प्रदेश–बिहार के लोगों को भगाने की बात कहकर उनको तगड़ा क्रिटिसाइज किया जा रहा था। उनदिनों जया बच्चन जी एक मंच पर मराठी भाषा पर बोल गयी थी कि 'नहीं आती मुझे मराठी, मैं यूपी (प्रयागराज) से हूं !' उस समय उनकी बात को गलत तरीके से प्रचारित करके मराठी का एक समूह उनके खिलाफ हो गया था। उस समय एक भी उत्तर भारतीय नेता जया बच्चन के समर्थन में बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाया था... तब अमिताभ बच्चन को जया बच्चन की तरफ से माफी मांगने के लिए आगे आना पड़ा था कहते हुए कि जया का मतलब ये नहीं, ये था। मुम्बई हमारी कर्म भूमि है, हम यहां की रोटी खाते हैं। ऐसा बहुत बार होता है जब परिवार के किसी भी सदस्य की उटपटांग बातों पर माफी अमिताभ ही मांगते हैं।

आज बिग बी की औकात बॉलीवुड में शाहंशाह की है। लेकिन, वह डॉउन टू अर्थ हैं। गलती करते नहीं हैं। हम्बल इतने हैं कि केबीसी के शूट पर पार्टिसिपेंट को अपने हाथों से पानी की गिलास पकड़ाते हैं, नैपकिन से उनके पसीने पोछते हैं और सामने वाले को ऐसा शो करते हैं जैसे वह उनसे भी बड़ा हो। पार्टीसिपेंट चहककर बातें करने लग जाते हैं, कभी लगता ही नहीं कि वे अमिताभ बच्चन के सामने हों।

ऐसे हैं बिगबी– जो इंस्टा पर अपनी एक फोटो में फिल्म का नाम गलती से किसी अपनी ही दूसरी फिल्म का लिख जाते हैं तो फैंस से माफी मांगते हैं, दूसरी पोस्ट डालते हैं और लिखते हैं–'' apologise... the picture i posted...wrong! शायद ही कोई और उदाहरण मिले कामयाबी के एवरेस्ट पर बैठा ऐसा सितारा !!

निर्माताओं ने जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म 'गुड लक जेरी' के दो साल पूरे होने का जश्न मनाया...

मायापुरी डेस्क

आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शन्स ने अपने प्रोडक्शन वेंचर 'गुड लक जेरी' की रिलीज के दो साल पूरे होने पर जश्न मनाया। फिल्म को बेस्ट ब्लैक कॉमेडीज़ में से एक माना जाता है, इसके इमोशनल कोशियंट के लिए इसकी सराहना की जाती है। इसकी सफलता का श्रेय इसकी स्टोरीटेलिंग और इमोशनल मोमेंट्स के साथ ह्यूमर को बैलेंस करने की क्षमता को दिया गया है।

इंस्टाग्राम पर एक एनीवर्सरी पोस्ट के साथ, प्रोडक्शन हाउस ने कहा, "हियर टू द केयोस, द कॉमेडी, एंड द करेज दैट मेड जेरी इज जर्नी ए रोलर कोस्टर राइड! सेलिब्रेटिंग #2YearsOfGoodLuckJerry."

किरदारों और उनके क्विर्क्स का जश्न मनाते हुए, मेकर्स ने इस कहानी के बारे में बात करते हुए एक फनी वीडियो भी शेयर किया। यह फिल्म

2022 में ओटीटी पर रिलीज हुई और इसे अपनी अनूठी कहानी के साथ एक मजबूत दर्शक वर्ग मिला।

वर्तमान में, कलर येलो प्रोडक्शन्स के दो दिलचस्प प्रोजेक्ट रिलीज़ के लिए हैं। 'फिर आई हसीन दिलरुबा' और 'नखरेवाली'। राय 'तेरे इश्क में' का भी निर्देशन करेंगे, जो धनुष के साथ उनका तीसरा प्रोजेक्ट है!...

सोनू सूद ने अपने जन्मदिन पर अपनी निर्देशित एक्शन फिल्म 'फतेह' की रिलीज डेट की घोषणा की!

मायापुरी डेस्क

सोनल हीरो सोनू सूद आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'फतेह' की रिलीज डेट की घोषणा की, जो एक साइबर क्राइम थ्रिलर है और सोनू सूद की निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। सोनू सूद ने इसकी घोषणा एक नए पोस्टर की एक फ़ोटो के साथ की, जिसने निश्चित रूप से फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ा दी है, जो 10 जनवरी, 2025 को रिलीज हो रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए सूद ने लिखा, "बी रेडी फॉर दी नेशन्स बेस्ट एक्शन फिल्म।"

सूद ने जैसे ही पोस्ट डाला, उनके फैंस और शुभचिंतकों ने कमेंट सेक्शन में प्रशंसा की बाढ़ ला दी। उन्होंने कहा कि कहानी "महत्वपूर्ण" है और इस पर सभी का ध्यान चाहिए। शक्ति सागर प्रोडक्शन्स और ज़ी स्टूडियोज द्वारा निर्मित, 'फतेह' में सूद नसीरुद्दीन शाह और जैकलीन फर्नांडीज के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे।

'फतेह', जो एक डायरेक्टर के रूप में सूद की डेब्यू फिल्म है, साइबर क्राइम के वास्तविक जीवन के उदाहरणों पर प्रकाश डालेगी। ज़ी स्टूडियोज़ और शक्ति सागर प्रोडक्शन के बैनर तले बनी यह फिल्म अपने एक्शन सीन्स के साथ भारतीय एक्शन को एक पायदान ऊपर ले जाने का वादा करती है, जिसे टॉप हॉलीवुड तकनीशियन्स की देखरेख में डिजाइन और शूट किया गया है!...

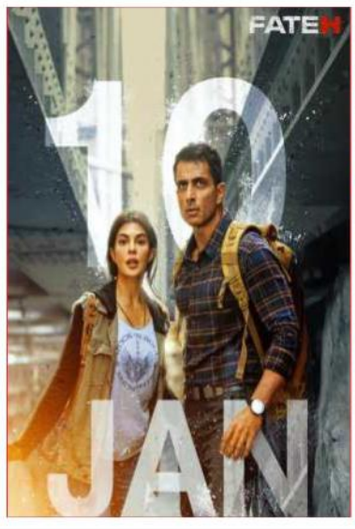

बोनी कपूर की दिवंगत सतीश कौशिक को भावभीनी श्रद्धांजलि

हाल ही में एक कार्यक्रम में बॉलीवुड निर्माता बोनी कपूर ने दिवंगत अभिनेता और फिल्म निर्माता सतीश कौशिक को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी. निर्माता के शब्दों ने कौशिक के साथ उनके गहरे बंधन और स्थायी दोस्ती की एक ज्वलंत तस्वीर पेश की, जो फिल्म उद्योग में उनके साथ–साथ के सफर को दर्शाती है।

बोनी कपूर ने याद करते हुए कहा,

''सतीश कौशिक मेरे लिए परिवार की तरह थे. उन्होंने हमारे साथ अपना फिल्मी करियर शुरू किया. मुझे याद है कि उस समय वो सात दिन के लिए एक छोटी सी भूमिका और एक दिन की शूटिंग थी.'' दिवंगत कौशिक की उनकी यादें प्रतिष्ठित फिल्म मिस्टर इंडिया में उनके सहयोग तक फैली हुई हैं, जहाँ मुख्य सहायक के रूप में सतीश की प्रतिभा ने उन पर और लेखक जावेद अख्तर दोनों पर एक अमिट छाप छोड़ी. इस प्रशंसा के कारण कौशिक ने 'रूप की रानी चोरों का राजा' का निर्देशन किया।

अपने साझा इतिहास पर विचार करते हुए, बोनी कपूर ने बताया,

''उन्होंने मेरे साथ 4 फिल्में की हैं, 5वीं फिल्म फ्लोर पर जाने वाली थी, लेकिन वे हम सबको छोड़कर चले गए. सतीश में एक गर्मजोशी थी जो बहुत कम लोगों में थी. ऐसी खूबियाँ जो बहुत कम लोगों में थीं. एक सच्चे जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति. और उनका परिवार के साथ इतना अच्छा रिश्ता था कि वे घर आकर मेरे पिता से मिलते थे. और यह परंपरा उनके जीवित रहने तक जारी रही. तो ऐसा लगता है जैसे मैंने अपने शरीर का कोई अंग खो दिया है।''

बोनी कपूर की श्रद्धांजलि पेशेवर प्रशंसा से परे थी, जिसमें सतीश कौशिक की बहुमुखी प्रतिभा और उनके जीवंत व्यक्तित्व पर जोर दिया गया.

''हमारे बीच जो रिश्ता था, उसके अलावा, वह एक बहुत ही प्रतिभाशाली व्यक्ति थे. वह लिख सकते थे, वह अभिनय कर सकते थे, वह गा सकते थे. वह सब कुछ कर सकते थे. वह हर पार्टी का मूड सेट कर देते थे. यह उनका अद्भुत गुण था कि चाहे कोई भी परिस्थिति हो, वह सभी को खुश करना जानते थे. इसलिए हम उन्हें याद करते हैं,

हम उन्हें हमेशा याद रखेंगे. वह एक अद्भुत व्यक्ति थे, एक शानदार चरित्र. वास्तव में एक महान इंसान, अपनी बेटी के लिए एक शानदार पिता. वह एक पारिवारिक व्यक्ति थे. और मुझे यकीन है कि जो भी उनके साथ बातचीत करेगा, वह उन्हें जब तक जीवित रहेगा, याद रखेगा. वह सतीश कौशिक थे।''

बोनी कपूर के हृदयस्पर्शी शब्द वहां उपस्थित सभी लोगों को गहराई से प्रभावित कर गए, तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सतीश कौशिक का उन लोगों पर गहरा प्रभाव था जो उन्हें जानते थे तथा जिन लोगों के जीवन को उन्होंने अपनी गर्मजोशी, प्रतिभा और उदारता से छुआ था।

अनिल कपूर द्वारा होस्ट किया गया 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 3' को मिले इतने व्यूज, स्ट्रीमिंग ओरिजिनल्स की लिस्ट में टॉप पर...

मायापुरी डेस्क

अनिल कपूर द्वारा होस्ट किया जा रहा शो 'बिग बॉस ओटीटी 3' एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में धूम मचा रहा है। ऑरमैक्स मीडिया के अनुसार, 'बिग बॉस ओटीटी 3' ने 22-28 जुलाई के सप्ताह के लिए भारत में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले स्ट्रीमिंग ओरिजिनल की लिस्ट में पहला स्थान हासिल किया है। यह शो 7.9 मिलियन व्यूज के साथ लिस्ट में टॉप पर रहा। इस लिस्ट में 'कमांडर करण सक्सेना', 'हाउस ऑफ द ड्रैगन सीजन 2', 'ब्लडी इश्क' जैसे कई ओटीटी प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

इस सीज़न की सफलता विशेष है क्योंकि यह एक होस्टिंग के रूप में अनिल कपूर का डेब्यू है। इससे पहले, एक सर्वे रिपोर्ट में बताया गया था कि रियलिटी शो पिछले सीज़न की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि तीन सप्ताह के भीतर, तीसरे सीज़न को 30.4 मिलियन से अधिक बार देखा गया है। सिनेमा आइकन द्वारा होस्ट किए गए तीसरे सीज़न ने 'बिग बॉस ओटीटी 2' द्वारा अर्जित टोटल व्यूज का लगभग 45% आकर्षित किया, जो प्रभावशाली है क्योंकि इस बार दर्शकों को शो देखने के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म का सब्सक्रिप्शन लेना पड़ा।

'बिग बॉस ओटीटी 3' के अलावा, अनिल कपूर अपनी अगली फिल्म 'सूबेदार' में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और अभिनय कौशल दिखाने के

लिए तैयारी कर रहे हैं, जिसके लिए एक्टर एक फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। यह फिल्म निर्देशक सुरेश त्रिवेणी के साथ उनका पहला कोलैबोरेशन है। इसके अलावा, ऐसी भी खबरें हैं कि वह YRF स्पाई यूनिवर्स में शामिल हो सकते हैं!...

जॉन अब्राहम बताते हैं कि उनके 'वेदा' फिल्म में 'सिर्फ एक्शन नहीं, बल्कि इमोशन, ड्रामा और दबंग लड़की (शरवरी) की इंसाफ-की-लड़ाई भी है'

चैतन्य पड़कोण

एक वरिष्ठ फिल्म के रूप में पत्रकार, मैं जॉन अब्राहम को उनके मॉडलिंग के दिनों से ही एक शांत, गरिमामय, सुंदर, मर्दाना मॉडल के रूप में जानता हूं, यहां तक कि उन्होंने अपनी पहली डेब्यू फिल्म जिस्म (2003) भी साइन की थी। मुख्य अभिनेता इसलिए 'वेदा' के शानदार ट्रेलर-लॉन्च मीडिया-कॉन्फ्रेंस में जब अन्यथा शांत स्वभाव वाले जॉन स्पष्ट रूप से शांत, परेशान, चिढ़े हुए दिखाई दिए मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए। यह जॉन की मुख्य भूमिकाएं निभाने की प्राथमिकता के बारे में था और मैं शुरू में जॉन की स्पष्ट प्रतिक्रिया से चकित था। लेकिन फिर विनम्र जॉन जल्दी ही शांत हो गए और मंच पर अपने कलाकारों और क्रू के साथ पोज़ देते हुए पुनः प्रसन्नचित्त हो गए।

साथ ही स्पष्टवादी स्वभाव के जॉन ने समाचार-मीडिया और थिएटर-दर्शकों से भी आग्रह किया कि वे केवल ट्रेलर से प्रभावित न हों, बल्कि पूरी फिल्म 'वेदा' देखने के लिए यहां क्लिक करें। "क्योंकि शानदार एक्शन से भरपूर 'वेदा' में शरवरी की न्याय की लड़ाई के माध्यम से बहुत सारी तीव्र भावनाएं, नाटक और महिला-सशक्तिकरण भी है। पिछली फिल्मों में से, मैंने निखिल आडवाणी के साथ भी काम किया है, ' वेद; मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छी फिल्म है मैंने अब तक निर्देशक निखिल आडवाणी के साथ शूटिंग की है। यह बेहतरीन विषय-वस्तु वाली एक बहुत अच्छी फिल्म है और यह निश्चित रूप से चलेगी और सराही जाएगी, "आत्मविश्वास से भरे जॉन ने स्पष्ट किया, जो कार्यक्रम में एक स्मार्ट डिजाइनर परिधान पहने हुए थे।

हमें संक्षेप में याद करने की जरूरत है कि जॉन अब्राहम ब्लॉकबस्टर हिट 2023 फिल्म पठान में मेगा-स्टार शाहरुख खान के साथ टकराव में एक नकारात्मक प्रमुख भूमिका में बहुत प्रभावशाली थे!

इस बीच निर्देशक निखिल आडवाणी, जिन्हें मैं उनकी ऐतिहासिक संगीतमय पहली फिल्म 'कल हो ना हो' (2003) से जानता हूं, ने मुझसे साझा किया कि फिल्म ने कुछ मौन अपमानजनक शब्दों और वाक्यांशों के साथ "यूए" प्रमाणपत्र की हकदार थी। "हमारी फिल्म 'वेदा' यह एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है, और यहां तक कि किशोर छात्र भी इसे अपने माता-पिता या बड़ों के साथ देख सकते हैं। फिल्म 'वेदा' स्वतंत्रता दिवस की थीम के साथ खूबसूरती से मेल खाती है और अन्याय के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई को दर्शाती है। वेदा का किरदार शरवरी वाघ ('मुंज्या' सुपरहिट हॉरर फिल्म की प्रसिद्धि) ने बखूबी निभाया है और उसका कठोर बदला लेने वाला अवतार है। मेरी फिल्म वेदा के नकारात्मक (खलनायक) किरदार को वास्तविक जीवन के मार्शल आर्ट विशेषज्ञ और शानदार अभिनेता ने बखूबी निभाया है। अभिषेक बनर्जी, फिर जॉन अब्राहम, अपने पूर्ण समर्पण के साथ, उनकी सर्वोच्च नाटकीय क्षमता और अद्भुत एक्शन क्षमता ने "वेदा" को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। साथ ही, हमारे पास एक शानदार अतिथि भूमिका में आकर्षक अभिनेत्री तमन्ना भाटिया भी हैं, "निखिल ने बताया। ," .

ज़ी स्टूडियोज़, एम्मे एंटरटेनमेंट, और जावेद मनोरंजन आज अनावरण उनकी आगामी एक्शन से भरपूर ड्रामा 'वेदा' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी हो गया है। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जॉन अब्राहम और

शारवरी मुख्य भूमिका में हैं।

'वेदा' लचीलेपन और अदम्य मानवीय भावना की एक शक्तिशाली कहानी है। यह फिल्म एक युवा महिला वेदा की यात्रा पर आधारित है, जो यथास्थिति को चुनौती देने का साहस करती है। न्याय के लिए उसकी लड़ाई को एक पूर्व सैनिक के अटूट समर्थन से बल मिलता है, जो उसकी ढाल और हथियार बन जाता है.

ट्रेलर में रोमांचकारी अनुभव का वादा किया गया है, जो कि उच्च-ऑक्टेन एक्शन दृश्यों से भरा है और भावनात्मक रूप से आरोप लगाया क्षण. यह ऑफर ए झलक में दुनिया का वेद और न्याय की खतरनाक खोज में उसे किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

जॉन अब्राहम, ज्ञात के लिए उसका ताकतवर और एक्शन से भरपूर भूमिकाएँ, है तय करना को बाँटना एक और शानदार अभिनय। उन्होंने कहा, "मैं 'वेदा' जैसी फिल्म का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। यह एक ऐसी कहानी है जो दर्शकों को पसंद आएगी और उन्हें सही के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित करेगी।"

निखिल आडवाणी के लिए 'वेदा' उनकी दसवीं फिल्म है निर्देशकीय विशेषता पतली परत कहते हैं, "मैं अनुभव करना बहुत दृढ़ता से के बारे में फिल्म ('वेदा') प्रस्तुत करते हुए जो पूरी तरह से मनोरंजन करती है। लेकिन साथ ही एक सामाजिक प्रेरक संदेश भी देती है, आपके विचारों को उकसाती है, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी दर्शकों के साथ लंबे समय तक रहती है। हां, वेद वही फिल्म है।"

उमेश ज़ी स्टूडियोज़ के सीबीओ के.आर. बंसल कहते हैं, "हमें गर्व है को जुड़ा हो 'वेदा' के साथ. यह एक शक्तिशाली कहानी साथ मज़बूत पात्र, और हम विश्वास यह इच्छा जोड़ना साथ ऑडियंस पर ए गहरे स्तर पर।"

अंत में, मधु भोजवानी का एम्माय मनोरंजन शेयर, "हम हैं रोमांचित को लाना 'वेदा' दर्शकों के लिए। यह फिल्म कहानी कहने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है जो प्रेरित करती है और सशक्त बनाती है। हमें अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म पर बहुत गर्व है और इसे सिनेमा-थिएटर और उत्सुक दर्शकों के सामने लाने के लिए उत्साहित हैं।"

द फ़िल्म इसमें अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिका में हैं, तमन्ना भाटिया एक विशेष भूमिका में हैं। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित और असीम अरोड़ा द्वारा लिखित 'वेदा' का निर्माण किया गया है। ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा, उमेश के.आर. बंसल, मनीषा आडवाणी, मधु भोजवानी, जॉन अब्राहम द्वारा निर्मित तथा मीनाक्षी दास द्वारा सह-निर्मित है।

ज़ी स्टूडियोज, एम्मे एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत, एम्मे एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन, 'वेदा' गुरुवार, 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है!

कियारा आडवाणी का लीडिंग एक्ट्रेस बनने तक का सफर

शिल्पा पाटिल

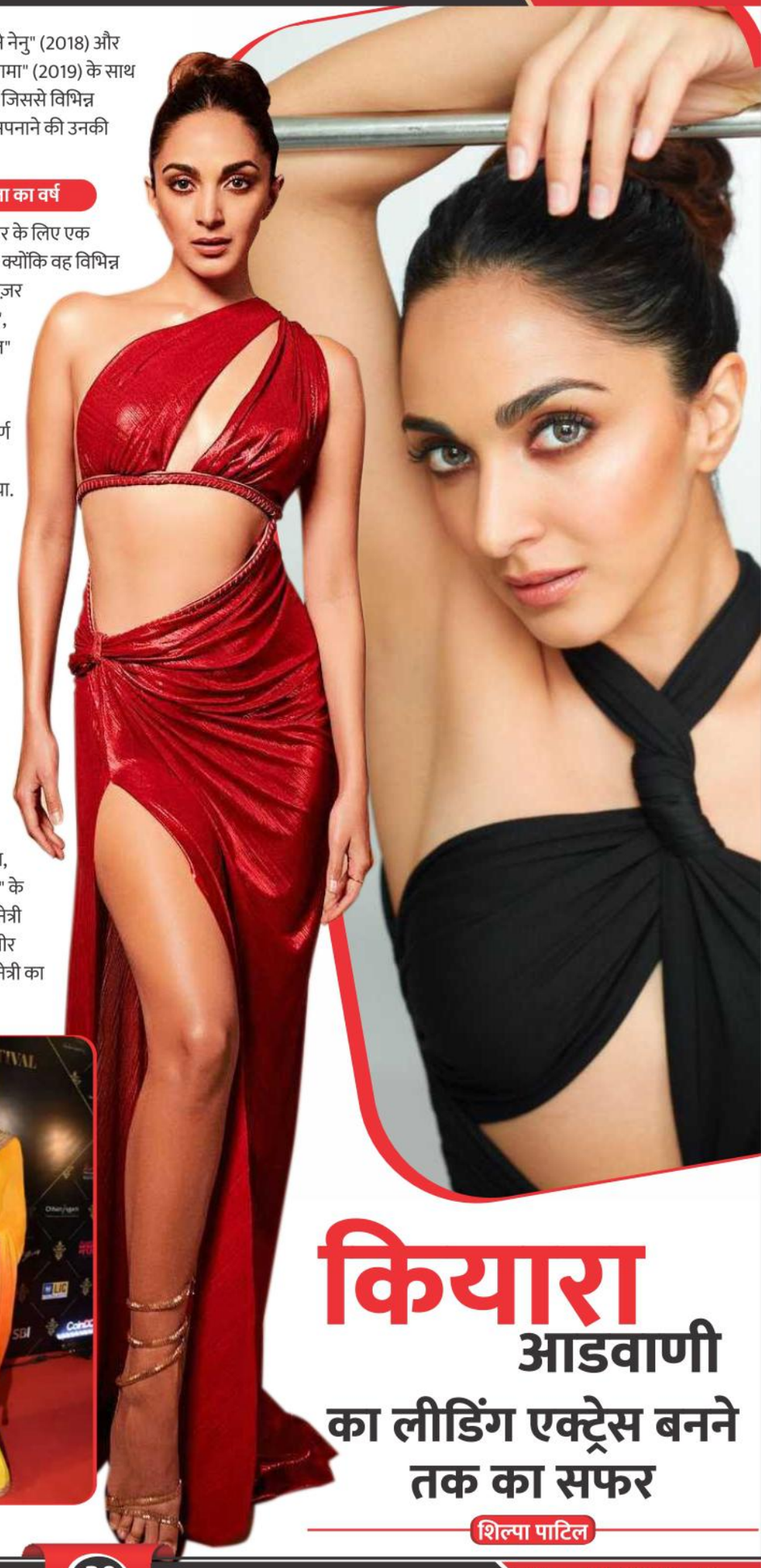

भारतीय सिनेमा में कियारा आडवाणी का सफ़र समर्पण और कलात्मक विकास की एक प्रेरक कहानी है. यह सिर्फ़ मुख्य भूमिका पाने की बात नहीं है, बल्कि इस दौरान उन्होंने जो चुनाव किए, उन्होंने उन्हें एक अग्रणी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है.

एक परीकथा-सी शुरुआत नहीं

कियारा की सिल्वर स्क्रीन पर पहली उपस्थिति 2014 की कॉमेडी फिल्म "फ़गली" में आई थी. हालाँकि इस फिल्म को कोई ख़ास सफलता नहीं मिली, लेकिन इसने कियारा को अपने हुनर को दिखाने और इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत करने का एक मंच प्रदान किया. शुरुआती असफलताओं के बावजूद, कियारा ने उम्मीद नहीं खोई और खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित करने के लिए कड़ी मेहनत जारी रखी.

अपने पैर जमाना

निराश होने के बजाय, कियारा ने अपने हुनर को निखारना जारी रखा और 2016 में, उनके करियर ने एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया, जब उन्हें बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा "एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी" में एक महत्वपूर्ण भूमिका मिली. क्रिकेटर एमएस धोनी की पत्नी साक्षी सिंह धोनी की भूमिका ने उन्हें पहचान दिलाई और उन्हें सुर्खियों में ला दिया. साक्षी की भूमिका को उसकी प्रामाणिकता और भावनात्मक गहराई के लिए सराहा गया, जिसके लिए उन्हें नामांकन और पुरस्कार मिले.

बहुमुखी प्रतिभा केंद्र में

इसके बाद कियारा ने ऐसे प्रोजेक्ट किए, जिनमें उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ. उन्होंने राजनीतिक ड्रामा "भारत अने नेनु" (2018) और एक्शन-ड्रामा "विनय विद्या रामा" (2019) के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रखा, जिससे विभिन्न फिल्म निर्माण शैलियों को अपनाने की उनकी क्षमता साबित हुई.

2019: सफलता का वर्ष

वर्ष 2019 कियारा के करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, क्योंकि वह विभिन्न शैलियों की कई फिल्मों में नज़र आईं. उन्होंने "लस्ट स्टोरीज़", "कबीर सिंह" और "गुड न्यूज़" जैसी फ़िल्मों में उल्लेखनीय अभिनय किया, जिनमें से प्रत्येक ने उनकी विविधतापूर्ण भूमिकाओं को अपनाने की क्षमता और क्षमता को दर्शाया. उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएँ निभाईं - "लस्ट स्टोरीज़" में करण जौहर के सेगमेंट के लिए स्वतंत्र और उत्साही मेघा, "कबीर सिंह" में शांत और आरक्षित प्रीति और मज़ेदार "गुड न्यूज़" में शांत स्वभाव वाली मोनिका. तीनों फ़िल्मों को समीक्षकों ने सराहा और कियारा के अभिनय ने उनकी विविधता और फ़िल्म को आगे बढ़ाने की क्षमता को प्रदर्शित किया, जिसके लिए उन्हें "गुड न्यूज़" के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का IIFA पुरस्कार और "कबीर सिंह" के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का

ज़ी सिने पुरस्कार भी मिला. कियारा ने नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल फिल्म "गिल्टी" में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाया, जिसमें उन्होंने बलात्कार के आरोपी एक कॉलेज छात्रा का किरदार निभाया. जटिलता से जूझते हुए एक बहुस्तरीय किरदार नानकी दत्ता के उनके किरदार ने अपनी गहराई और संवेदनशीलता के लिए प्रशंसा बटोरी.

अग्रणी महिला का दर्जा और उससे आगे

तब से, कियारा लगातार एक के बाद एक दमदार प्रदर्शन कर रही हैं. "शेरशाह" में डिंपल की भूमिका निभाकर कियारा ने अपने करियर में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया. कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित युद्ध-ड्रामा ने कियारा की अपने किरदारों में गहराई और भावना लाने की क्षमता को प्रदर्शित किया. विक्रम बत्रा की मंगेतर के रूप में, कियारा ने प्यार, त्याग और लचीलेपन के सार को दर्शाते हुए एक मार्मिक प्रदर्शन किया और फिल्म की सफलता ने इंडस्ट्री में उनकी स्थिति को और मजबूत किया.

उन्होंने हॉरर-कॉमेडी **"भूल भुलैया 2"** जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया है, जहाँ उन्होंने कॉमेडी टाइमिंग को भावनात्मक गहराई के साथ सहजता से मिश्रित किया है, क्योंकि वह फिल्म के अलौकिक तत्वों को बखूबी पेश करती हैं. कॉमेडी-ड्रामा **"जुगजुग जियो"** में कियारा ने नैना का एक सूक्ष्म किरदार निभाया है, जो एक युवा महिला है जो अपने माता-पिता के खराब रिश्ते के साथ-साथ खुद के रिश्ते के बीच फंसी हुई है, जो किरदार की भावनात्मक उथल-पुथल और लचीलेपन को दर्शाता है.

"सत्यप्रेम की कथा" में कियारा ने कथा नामक युवती का किरदार निभाया था, जिसका उसके प्रेमी ने यौन शोषण किया था और कैसे वह अंततः एक अरेंज मैरिज के बाद अपने पति के सहयोग से अपने पिछले आघात का सामना करती है. फिल्म में कियारा के अभिनय की काफी प्रशंसा की गई, कुछ लोगों ने इसे उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ अभिनय बताया.

कियारा का सफ़र उनके समर्पण और प्रयोग करने की इच्छा का प्रमाण है. अपने डेब्यू से लेकर बॉलीवुड की प्रमुख ब्लॉकबस्टर फ़िल्मों तक, उन्होंने हर प्रोजेक्ट में खुद को चुनौती देकर एक बहुमुखी और शक्तिशाली अभिनेत्री के रूप में अपनी जगह बनाई है. आज, कियारा आडवाणी भारतीय सिनेमा की अग्रणी अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें उनकी प्रतिभा, सुंदरता और दर्शकों से जुड़ने की क्षमता के लिए सराहा जाता है. कई बेहतरीन प्रोजेक्ट और बढ़ते प्रशंसक आधार के साथ, "मशीन" से प्रसिद्धि तक का उनका सफ़र हर जगह महत्वाकांक्षी अभिनेत्रियों के लिए प्रेरणा का काम करता है.

"स्क्विड गेम सीजन 2" आएगा 2 से 26 दिसंबर 2024 के बीच नेटफ्लिक्स पर

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

निर्देशक ह्वांग डोंग–ह्युक की चर्चित वेब सीरीज "स्क्विड गेम सीजन 2" को लेकर लंबे समय से चर्चाएं गर्म है। इसके प्रशंसक सवाल पूछ रहे थे कि दूसरा सीजन कब से स्ट्रीम होगा, अब खुद निर्देशक ह्वांग डोंग–ह्युक ने इंटरनेट पर अपनी तरफ से एक नोट लिखकर बताया है कि सीरीज 'स्क्विड गेम' का दूसरा सीजन दो दिसंबर से 26 दिसंबर तक 'नेटफ्लिक्स' पर स्ट्रीम होगा और इसका अंतिम सीजन 2025 में स्ट्रीम होगां।

थ्रिलर–ड्रामा वाली वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' का पहला सीजन 2020 में स्ट्रीम हुआ था,तभी यह वायरल सनसनी बन गया था। और लोग पिछले चार साल से इसका इंतजार कर रहे थे, यह इंतजार अब इस साल के अंत में दो दिसंबर को खत्म होगा। निर्देशक का दावा है कि यह सीजन पहले सीजन से कई गुणा ज्यादा मनोरंजक होगा। वेब सीरीज के कार्यकारी निर्माता, लेखक और निर्देशक ह्वांग डोंग–ह्युक ने सोयाल मीडिया पर एक हार्दिक पत्र के माध्यम से यह खबर दुनिया भर के प्रशंसकों को दी है। घोषणा एक ट्रैक रेस के रोमांचक टीज़र के साथ हुई, पदक के लिए नहीं, बल्कि अस्तित्व के लिए। जैसे ही शव गिरते हैं, फ्रंटमैन दर्शकों को शुरू होने वाले वास्तविक खेल के लिए तैयार करता है।

इसलिए सुनिश्चित करें कि आपके पास अपने खिलाड़ियों की संख्या सही है और संभावनाएं आपके पक्ष में हैं, क्योंकि आप एक बार फिर खेलों में गि–हुन की वापसी में शामिल हो रहे हैं।

"स्क्विड गेम सीजन दो का सारांश :

'स्क्विड गेम" जीतने के तीन साल बाद प्लेयर 456 गेम के पीछे के लोगों को ढूंढने और उनके शातिर खेल को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अपनी खोज को निधि देने के लिए इस धन का उपयोग करते हुए, गी–हुन सबसे स्पष्ट स्थानों से शुरू करता है। सबवे में डीडकजी बजाते हुए एक तेज सूट वाले व्यक्ति की तलाश करें। लेकिन जब उसके प्रयास अंततः परिणाम देते हैं, तो संगठन को खत्म करने का रास्ता उसकी कल्पना से भी अधिक घातक साबित होता है खेल को समाप्त करने के लिए, उसे इसमें फिर से प्रवेश करने की आवश्यकता होती है।

निर्देशक ह्वांग डोंग–ह्युक, जिन्होंने 74वें प्राइमटाइम एम्मीज़ो में ड्रामा सीरीज़ के लिए उत्कृष्ट निर्देशन का पुरस्कार जीतने वाले पहले एशियाई बनकर इतिहास रचा, एक बार फिर निर्देशक, लेखक और निर्माता के रूप में श्रृंखला का नेतृत्व कर रहे हैं। यिम सी–वान, कांग हा–नेउल, पार्क ग्यु–यंग, ली जिन सहित नए कलाकारों की एक त्रुटिहीन सूची के साथ ली जंग–जे, ली ब्यूंग–हुन, वाई हा–जून और गोंग यू ने सीज़न 1 से अपनी भूमिकाओं को दोहराया। –यूके, पार्क सुंग–हून, यांग डोंग–ग्यून, कांग ए–सिम, ली डेविड, चोई सेउंग–ह्यून, रोह जे–वोन, जो यू–री, और वोन जी–एन रंगीन पात्रों के समूह को पूरा करते हुए नए सीजन में नजर आएंगे।

"स्क्विड गेम सीजन दो' के लेखक व निर्देशक ह्वांग डोंग–ह्युक,कार्यकारी निर्माता किम जी–योन, ह्वांग डोंग–ह्युक,प्रोडक्शन कंपनी फ़र्स्टमैन स्टूडियो है।

5 अभिनेत्रियाँ जिन्होंने डेनिम लुक में धमाल मचा दिया

– मायापुरी डेस्क

डेनिम कभी भी फैशन से बाहर नहीं जाता है, और इन बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने साबित कर दिया है कि यह कितना बहुमुखी और फैशनेबल हो सकता है.

जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर डेनिम पोलो और डेनिम स्कर्ट के साथ डेनिम कॉर्ड सेट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं. इस कोऑर्डिनेटेड आउटफिट ने उन्हें एक फ्रेश और जवां लुक दिया, जो किसी भी कैजुअल आउटिंग के लिए एकदम सही था.

अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने ट्रेंडी टॉप और हाई वाइड–लेग जींस के साथ डेनिम कॉर्ड सेट चुना. इस लुक में फैशन के साथ आराम का मिश्रण था, जो डेनिम–ऑन–डेनिम ट्रेंड पर आधुनिक नजरिया पेश करता है.

कृति सेनन

कृति सेनन ने डेनिम कॉर्सेट और फुल–लेंथ डेनिम स्कर्ट पहनकर बोल्ड अंदाज में अपनी छाप छोड़ी. इस संयोजन ने उनके लंबे कद को उभारा और कैजुअल फैब्रिक में लालित्य का स्पर्श लाया।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने बेल–बॉटम डेनिम पैंट के साथ डेनिम कोर्सेट पहना. इस रेट्रो–प्रेरित लुक ने क्लासिक और समकालीन शैलियों के संयोजन के लिए उनके स्वभाव को प्रदर्शित किया।

मिथिला पालकर

मिथिला पालकर डेनिम ट्यूब क्रॉप्ड टॉप और डेनिम जींस में बेहद कूल दिखीं. यह कैजुअल लेकिन स्टाइलिश पहनावा एक आरामदायक दिन के लिए एकदम सही है।

इनमें से प्रत्येक अभिनेत्री ने दर्शाया है कि डेनिम फैशनेबल और बहुमुखी दोनों हो सकता है, जिससे यह हर किसी की अलमारी में होना आवश्यक हो जाता है।

महा-गायक सोनू निगम के 51वें जन्मदिन पर पहुंचे सितारें

–चैतन्य पडुकोण

पिछले साल अपने 50वें जन्मदिन पर, मेगा–स्टार पॉप और प्लेबैक गायक सोनू निगम ने मुंबई के होटल सहारा स्टार में सितारों से सजी एक भव्य बर्थडे पार्टी का आयोजन किया था. इस साल अपने 51वें जन्मदिन पर बहुमुखी प्रतिभा के धनी सोनू ने इसे अलग तरीके से मनाने का फैसला किया और नवीनतम कार्यक्रम मुंबई के एक ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें उनके चुनिंदा प्रशंसकों और जावेद अख्तर, अनूप जलोटा, तलत अजीज, शंकर महादेवन, अनु मलिक, सुदेश भोसले, शान, सोनू, डब्बू मलिक, पापोन, संगीतकार सलीम और

संजय टंडन ('इसमरा' के) जैसे शीर्ष संगीत सेलेब्स शामिल थे. सभी ने एक साथ मिलकर हैप्पी बर्थडे गीत गाया, जबकि सोनू ने पारंपरिक बर्थडे केक काटने की रस्म निभाई.

लेकिन इसी मौके पर एक 'कहानी में ट्विस्ट' था, इसी मौके पर सोनू ने अपने आदरणीय वरिष्ठ सहयोगी प्रतिष्ठित गायक–संगीतकार अनूप जलोटा का जन्मदिन भी पिछली रात (29 जुलाई) मनाया, सोनू निगम और अनूप जलोटा दोनों ने खुशी–खुशी एक–दूसरे का बर्थडे केक काटा.

इस पर खुशमिजाज, मजाकिया लेकिन मुखर लेखक–गीतकार जावेद अख्तर ने प्रतिक्रिया दी. जावेद भाई ने कहा, 'यह पहली बार है, जब मैं दो दोस्ताना सेलेब्स को एक–दूसरे के जन्मदिन का केक काटते हुए देख रहा हूं. आम तौर पर, अन्यथा लोग एक–दूसरे के रास्ते और सड़कें काटते हैं.' जिस पर वहां मौजूद सभी लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की. कुछ सेकेंड के बाद, बड़े दिल वाले गुरु–स्टार–मेकर और संगीत–गुरु विनोदी अनूप जलोटा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम एक–दूसरे के रास्ते और रास्ते खोलना पसंद करते हैं, और सभी ने एक बार फिर ताली बजाई.

विनम्र सोनू जो हमेशा अपने वफादार, उत्साही प्रशंसकों के विस्तारित परिवार से जुड़े रहे हैं. अपने 51वें जन्मदिन पर, सोनू ने दिन का पहला आधा हिस्सा अपने चुनिंदा प्रशंसकों के साथ मुंबई के एक ऑडिटोरियम में एक डॉक्यूमेंट्री–मूवी मीट में बिताया. आज मुंबई में दिखाई गई संक्षिप्त, प्रेरक डॉक्यूमेंट्री 'सिम्फनी ऑफ फेट' (YouTube पर उपलब्ध) इस साल फरवरी में सोनू के दुबई लाइव कॉन्सर्ट के बारे में है. जब शो से ठीक तीन दिन पहले सोनू ने 'अपनी आवाज लगभग खो दी थी'. और कैसे उन्होंने समय पर चिकित्सा उपचार, दैवीय हस्तक्षेप और भगवान के आशीर्वाद से 'वापस वापसी' की. जिसके बाद सोनू दुबई के कोका कोला एरिना में लगभग 17000 से ज़्यादा प्रशंसकों की मौजूदगी में 03 घंटे 15 मिनट का नॉन–स्टॉप लाइव शो कर पाए. योजना के बारे में बात करते हुए, सोनू निगम ने बताया कि "हमने इतनी बड़ी संख्या में प्रशंसकों के लिए साढ़े तीन घंटे का शो किया." भावुक उत्साह के साथ सोनू ने यह भी कहा, 'हमने कुछ ऐसा (डॉक्यू–फिल्म) बनाया जो इतना खास था कि हमने इसे अपने 'आत्मा–साथियों' के साथ साझा करने का फैसला किया, जिन्हें दूसरे लोग प्रशंसक कहते हैं. जो लोग आपको ईमानदारी से प्यार करते हैं और आपके काम का अनुसरण करते हैं, वे आपके जीवन को परोक्ष रूप से जीते हैं. इसलिए, जब दुबई कॉन्सर्ट के दौरान मेरे अनुभव जैसी घटना हुई, तो मैंने एक संक्षिप्त वृत्तचित्र बनाने का फैसला किया और अपने प्रशंसकों के विस्तारित परिवार को इसका हिस्सा बनाने का मन किया.' सोनू ने कहा, जिन्होंने पिछले महीने (जून

2024) प्रतिष्ठित सिडनी ओपेरा हाउस ऑडिटोरियम (ऑस्ट्रेलिया में) में लगातार दो 'लाइव' शो (विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए) भी किए.

हाल ही में, निगम ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों से अनुरोध किया था कि अगर वे उनके जन्मदिन पर उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वे 'रजिस्टर' करें. "लाइव परफॉर्म करने के अपने 47 सालों में, मंच के अंदर और बाहर, दोनों जगह बहुत सारे उतार–चढ़ाव आए हैं. पहली बार, मेरे विस्तारित परिवार को गायक सोनू निगम के पीछे "असली सोनू" देखने को मिलेगा, जिसे वे प्यार करते हैं और आशीर्वाद देते हैं. मेरा जन्मदिन आमतौर पर मेरे लिए एक भावनात्मक और आध्यात्मिक मामला होता है, जहाँ मैं बस अपने अस्तित्व में डूब जाता हूँ," सोनू ने साझा किया, जिन्होंने अतीत में एक बाल कलाकार और बॉलीवुड फिल्मों में एक रोमांटिक नायक के रूप में भी काम किया है. और यहां तक कि अपने दोस्त–गुरु सचिन पिलगांवकर द्वारा निर्देशित मराठी क्षेत्रीय फिल्म नवरा माजा नवसाचा (2005) में अतिथि भूमिका भी निभाई.

(वीडियो मायापुरी कट पर देखें)

अनूप जलोटा: मेरे चाहने वालों का प्यार अपनापन जन्मदिन का अनमोल तोहफा है

—चैतन्य पडुकोण

पद्मश्री अनूप जलोटा का जन्मदिन था और अब वे 71 साल के हो गए हैं। 28 जुलाई रविवार शाम से ही जश्न–ए–जलोटा–जन्म समारोह शुरू हो गया था। नितिन मुकेश, हरिहरन, ऋचा शर्मा, पापोन, सुमीत टप्पू, साई राम अय्यर के साथ–साथ प्रसिद्ध गीतकार–लेखक जावेद अख्तर और गायक संजय टंडन (ISAMRA के संस्थापक–सीईओ) सहित कई प्रतिष्ठित सेलेब–गायक अनूप–जी के जन्मदिन ('लाइव' गाना खजाना के साथ) का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए। यह आयोजन शिवाजी पार्क क्षेत्र में समुद्र के सामने स्थित जलोटा के नए आलीशान शीर्ष–मंजिला अपार्टमेंट में हुआ। अगले दिन सुबह एक निजी जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया, जिसका आयोजन प्रसिद्ध व्यवसायी और करीबी पारिवारिक मित्र अशोक हिंदुजा और उनके परिवार द्वारा किया गया। शाम को फिर से उनके विशाल निवास पर, मशहूर गायकों की एक और टोली (लगभग सभी ने 'दिल–से' प्रस्तुत किया) जिसमें जसपिंदर नरूला, मधुश्री, समीर दाते और दीपाली सोमैया–दाते, राम शंकर, जॉली मुखर्जी, संजीवनी बेलांडे, समीर सेन, अशोक खोसला, चंदन दास, शमीर टंडन, कृतिका श्रीवास्तव और करिश्माई गायक–उद्यमी लालित्य मुनशॉ (प्रसिद्ध 'रेड रिबन' संगीत लेबल के) शामिल थे। अनूप–जी के साथ लालित्य का मध्यरात्रि के बाद का भक्ति युगल गीत समारोह का सबसे बढ़िया समापन था, जैसा कि अनूप–जी ने स्वयं घोषित किया था।

सा रे गा मा पा पुरस्कार विजेता इशिता विश्वकर्मा और शास्त्रीय गायक अयान खान जैसे लोकप्रिय प्रतिभाशाली युवा गायकों ने भी अपने लाइव एक्सटेम्पोर गायन से प्रभावित किया। जन्मदिन की पार्टी में प्रस्तुतियों के मधुर 'लाइव' सरप्राइज एक्सटेम्पोर मिश्रण का नेतृत्व खुद मेजबान अनूप जलोटा ने किया, जिन्होंने कई फिल्मी गाने भी गाए, जिन्होंने आमंत्रित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस जन्मदिन समारोह में शामिल सितारों में जीवंत अभिनेत्री–मॉडल तनु विद्यार्थी भी शामिल थीं, जिनका चेहरा दिग्गज स्टार नायिका परवीन बॉबी से मिलता जुलता है। अभिनेत्री तनु ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने 'दीवार' (1975) की नायिका पर एक बायोपिक भी की है।

'हालाँकि मैं अभी–अभी 71 वर्ष का हुआ हूँ, लेकिन अपने गायन संगीत के जुनून की बदौलत मैं दिव्य युवा ऊर्जा से पुनः ऊर्जान्वित महसूस कर रहा हूँ। ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अभी–अभी 71 वर्ष पूरे किए हैं। ईमानदारी से कहूँ तो मैं अपने सभी शुभचिंतक, सहकर्मी, सेलिब्रिटी गायकों और करीबी दोस्तों के प्यार, स्नेह और भावनात्मक आत्मीयता (अपनापन) के अनमोल उपहार से अभिभूत हूँ। उत्साहित सदाबहार ऊर्जावान भजन सम्राट और गजल बादशाह संगीतकार–गायक–निर्माता–अभिनेता अनूप जलोटा, जिनके नए सुसज्जित समुद्र–सामने वाले अपार्टमेंट में हर जगह खूबसूरत फूलों के गुलदस्ते और आमंत्रित लोगों द्वारा दिए गए उपहार सजे हुए थे। बाद में, अनूप–जी ने मुझे बताया कि जलोटा के सचिव–प्रबंधक भरत–भाई ओझा की देखरेख में अपूर्व खंडेलवाल द्वारा शानदार जन्मदिन की सजावट की व्यवस्था की गई थी।

अनूप जलोटा की जन्मदिन की झलकियां

(वीडियो मायापुरी कट पर देखें)

करीना और सैफ: द रॉयल पेरेंट्स नेक्स्ट डोर?

–सुलेना मजुमदार अरोरा

किसने सोचा होगा कि इन अदाओं भरी मुस्कुराहट और ग्लैमरस लाल कालीन पर रैंप करने वाले लोग, अपने निजी जीवन में एक सुंदर दिल और प्यार भरा स्वभाव इख्तियार करते हैं? मैं बात कर रही हूं बॉलीवुड की शाही जोड़ी, करीना कपूर और सैफ अली खान की जो अपने ठाठ बाट और रॉयल रुतबे के बावजूद इतने जमीन से जुड़े हुए हैं। करीना और सैफ के बच्चों की पूर्व नैनी (बच्चे संभालने वाली, दाई मां), ललिता डिसिल्वा के हालिया खुलासे ने पटौदी परिवार की एक दिल छू लेने वाली तस्वीर पेश की है, जो न केवल राजसी परिवार की शान है, बल्कि ऐसे माता–पिता की भी झांकी हैं, जिन्हें आप अपने पड़ोसी के रूप में देखना पसंद करेंगे।

ललिता, जिस महिला को अपने नन्हे नवाबों, तैमूर और जहांगीर की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन्होने इस जोड़े के बारे में कुछ आनंददायक बातें बताकर नेटिजन्स को आश्चर्य में डाल दिया।

उसने बताया कि करीना और सैफ अपने घर में काम करने वाले सभी हेल्पर, या स्टाफ की बहुत इज्जत करते हैं। उन्हे वही खाना परोसा जाता है जो खुद करीना और सैफ खाते हैं। अनाज हो या सब्जी, या फल, सभी कुछ हाई क्वॉलिटी का आता है घर में, जिसे सबको बांटा जाता है और सबके साथ मिलजुल कर खाया जाता है।

पता चला कि जब एक बार यह अफवाह उड़ी थी कि बच्चे संभालने के लिए नैनी को हर महीने ₹2.5 लाख का भारी वेतन दिया जाता है तो इन अफवाहों से तंग आकर नैनी ने एक दिन करीना से शिकायत करते हुए कहा था कि क्या वो 2.5 लाख रुपये लेती है? इसपर हमेशा मजाकिया रहने वाली करीना ने इन अटकलों पर हंसते हुए इसे 'मजाक' बताया और कहा कि बहन आप इन अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान ना देना। ।

आप कल्पना कर सकते हैं कि स्टाइल और ग्रेस की प्रतीक करीना अपने स्टाफ के साथ खिलखिलाती है, उनके साथ खाना भी खाती है? करीना का यह दिल छूने वाला स्पष्ट पक्ष है जो उसे इतना भरोसेमंद बनाता है। और हमें सैफ को भी नहीं भूलना चाहिए, जो ललिता के अनुसार एक कुशल और प्रेम से भरपूर पिता हैं। अब नवाब सैफ अली खान पहले जैसा नहीं रहा जब वह सबसे अलग–थलग, कटा कटा, अलूफ रहता था। अब यह सैफ बच्चों के साथ खेलता है, उन्हे कंधों पर बिठाकर घुमाता है, पत्नी, बच्चों और नैनी को भी साथ सैर पर ले जाता है। बच्चों के साथ खूब बातें करता है और कहानियां भी सुनाता है।

यह देखना ताजगी से भरा एहसास देता है कि अपनी स्टारडम के बावजूद, करीना और सैफ, अपने पैरों को मजबूती से जमीन पर रखने में कामयाब रहे हैं। करीना और सैफ के अच्छे स्वभाव के कारण, उनके घर में गर्मजोशी भरा और समावेशी माहौल बनता है।

इसलिए, अगली बार जब आप करीना और सैफ को नवाबी ठसक और ठाठ–बाट के साथ सिग्नेचर ड्रेस पहने हुए देखें, तो याद रखें, इस सार्वजनिक छवि के पीछे इन दो लोगों का एक प्यार भरा संसार है, जहाँ वे सबके साथ हँसते, खेलते हैं, मजाक करते हैं, ठीक हमारे आपके तरह। सच बात तो यह है कि राजघराने को भी जीवन को असाधारण बनाने के लिए थोड़े से सामान्य होने की जरूरत होती है।

अंगूरी भाभी का मानसून फोटोशूट हो गया वायरल!

—मायापुरी प्रतिनिधि

मुंबई में मानसून सिर्फ एक मौसम ही नहीं है, बल्कि सुखद अनुभव भी है, जो मूड को अच्छा कर देता है और रूह को सुकून पहुंचाता है। इस जादुई मौसम में एण्ड टीवी के 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी के रूप में मशहूर शुभांगी अत्रे को एक खूबसूरत फोटोशूट करवाने के लिये प्रेरित किया। शुभांगी की खूबसूरत तस्वीरें अब ऑनलाइन धूम मचा रही हैं। शुभांगी को एक चमकीली लाल और सफेद साड़ी में देखा गया, उनके बाल खुलकर लहरा रहे हैं, जो मुंबई की मशहूर काली–पीली टैक्सी और भव्य गेटवे ऑफ इंडिया के पीछे पारंपरिक खूबसूरती का एहसास दिला रही थी। अन्य तस्वीरों में, उन्होंने एक लाइट व्हाइट कलर का कपड़ा पहना है, जो समुद्र की शांत सुंदरता को दर्शा रहा था। अपने मानसून रोमांच के बारे में बताते हुये शुभांगी ऊर्फ अंगूरी भाबी ने कहा, ''मानसून मेरा पसंदीदा मौसम है। बारिश में बाहर निकलना बेमिसाल आनंद और सुकून देता है। मेरी जिन तस्वीरों को इतनी ज्यादा तारीफ मिल रही है, वह मेरे एक दोस्त ने ली थी, न कि किसी प्रोफेशनल फोटोग्राफर ने। मैं हमेशा से ही मुंबई की इन बेमिसाल चीजों के साथ तस्वीरें खिंचवाना चाहती थी और इस सीजन में मुझे यह परफेक्ट मौका मिल भी गया।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस तस्वीरों को जो प्यार मिल रहा है, उसके लिये मैं सभी लोगों की बेहद आभारी हूं। प्रकृति हमेशा से मेरी प्रेरणा रही है, चाहे वह मलशेज घाट की हरी–भरी वादियां हों या मुंबई का जिंदादिल जीवन। मैं हमेशा मानसून के दौरान मुंबई की खास खूबसूरती को कैद करना चाहती थी, और मैं इसके नतीजों से बहुत खुश हूं।''

हालांकि, शुभांगी ने बारिश के मौसम के दौरान सुरक्षा बरतने की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''मैं लोगों को बाहर घूमने और मानसून का आनंद उठाने के लिये प्रोत्साहित करती हूं, लेकिन साथ ही उनसे मेरी विनती भी है कि वे सुरक्षा का ख्याल रखें। भारी बारिश चुनौतीपूर्ण हो सकती है, इसलिये घर से तभी बाहर निकलें जब हल्की बारिश हो रही हो।'' उनसे जब पूछा गया कि मानसून के दौरान क्या उन्हें किसी चुनौती का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने कहा, ''जी बिल्कुल, हालांकि, इस मौसम में मुंबई का नजारा अद्भुत होता है, लेकिन यह अपने साथ कई चुनौतियां भी लेकर आता है। मेरे पहले शो के लिये बारिश के सीन की शूटिंग के दौरान एक ऐसी ही घटना हुई थी, जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। यह एक नाइट सीन था और बारिश का मौसम होने के बावजूद शूटिंग जारी रखने के लिये हमें आर्टिफिशियल रेन का सहारा लेना पड़ा। हमारी शूटिंग लगभग 12 घंटे चली और मैं ठंड के मारे थर–थर कांप रही थी। हर टेक के बाद, मैं एक छोटे से फायर अरेंजमेंट के पास जाकर बैठ रही थी, जो उन्होंने एक सिगड़ी में बनाई थी। शूटिंग पूरी होने के बाद मुझे बुखार और सर्दी हो गई थी। हमारे प्रोफेशन में हमें बहुत कुछ करना पड़ता है, लेकिन बाद में मैं बहुत खुश हुई, क्योंकि हमारे प्रशंसकों को वह सीन बेहद पसंद आया था।''

शुभांगी अत्रे को अंगूरी भाभी के रूप में देखिये, 'भाबीजी घर पर हैं' में हर सोमवार से शुक्रवार, सिर्फ एण्ड टीवी पर रात 10:30!

सनी लियोनी की 'कोटेशन गैंग' को मिली नई रिलीज डेट, मेकर्स ने शेयर किया मोशन पोस्टर!

—मायापुरी प्रतिनिधि

सनी लियोनी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कोटेशन गैंग', जिसने अपने फैंस को अपनी अभिनय क्षमता से सरप्राइज कर दिया है, एक नई तारीख पर सिनेमाघरों में आ रही है। यह फिल्म, जिसमें लियोनी अपनी सामान्य ग्लैमरस इमेज से हटकर एक मर्डरर की भूमिका निभाती है, 30 अगस्त से सिनेमाघरों में कहर ढाने वाली है। एक्ट्रेस ने एक नए मोशन पोस्टर के साथ नई रिलीज डेट की घोषणा की, जो विवेक कुमार कन्नन निर्देशित इस फिल्म की दुनिया में सनी की भूमिका की एक आदर्श झलक है।

'कोटेशन गैंग' में, सनी अपनी अभिनय क्षमताओं का एक डार्क और कॉम्प्लेक्स साइड दिखाने के लिए तैयार हैं, जो फिल्म की कहानी में गहराई और साजिश जोड़ती है। एक्ट्रेस जैकी श्रॉफ और प्रिया मणि के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। सनी की अभिनय क्षमता के साथ जैकी श्रॉफ की एक्सपर्टीज और प्रिया मणि की वर्सेटिलिटी के साथ, 'कोटेशन गैंग' एक शानदार और लेयर्ड सिनेमेटिक एक्सपीरियंस के साथ एक विजुअल ट्रीट होने का वादा करती है।

सनी उन रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से कभी नहीं कतराती हैं, जो एक अभिनेत्री के रूप में उनकी सीमा को दर्शाते हैं और 'कोटेशन गैंग' इसका प्रमाण है। हालांकि, वह बॉलीवुड में अपने काम के लिए व्यापक रूप से जानी जाती हैं लेकिन पूरे देश में उनका फैनडम किसी अन्य की तरह नहीं है, जिससे पैन इंडिया स्टार के रूप में एक्ट्रेस की स्थिति मजबूत हो गई है। 'कोटेशन गैंग' के अलावा, अभिनेत्री की झोली में कई प्रोजेक्ट्स हैं। उनके पास, अनुराग कश्यप की 'कैनेडी', हिमेश रेशमिया और प्रभुदेवा के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म और पाइपलाइन में एक मलयालम फिल्म भी है।

NO ONE CAN SHINE YOUR BRAND AS

DOES.

BRIGHT OUTDOOR

PRINT TV RADIO PR DIGITAL
CELEBRITY EVENTS & CREATIVES

PAN INDIA & INTERNATIONAL OOH

info@brightoutdoor.com | www.brightoutdoor.com | +91 9320971103

सिनेमाघरों में 100 रूपये में देखें 'कल्कि' ऐसे करें ऑनलाइन टिकट बुक

– प्रीति शुक्ला

कल्कि 2898 ई. में दीपिका पादुकोण , प्रभास और दिशा पटानी की फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया है फिल्म ने 1,000 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है ऐसे में फिल्म की सफलता के लिए फिल्म के मेकर्स ने सेलिब्रेट करने का नया तरीका लाये हैं तो तैयार हो जाइए, फिल्म प्रेमियों! 2 अगस्त से शुरू होने वाले एक हफ्ते के लिए, आप भारत भर के सिनेमाघरों में सिर्फ 100 रूपये में बड़े पर्दे पर साइंस–फिक्शन सनसनी 'कल्कि 2898 AD' देख सकते हैं यह विशेष ऑफर दुनिया भर में धूम मचाने वाली महाकाव्य महा ब्लॉकबस्टर का अनुभव करने का एक बेहतरीन अवसर है हाल ही में वैश्विक स्तर पर 1,000 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली यह फिल्म भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा रही है नाग अश्विन के दूरदर्शी निर्देशन में, कल्कि 2898 AD में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण जैसे बेहतरीन कलाकार हैं 27 जून को रिलीज हुई यह पौराणिक साइंस–फिक्शन एक्शन ड्रामा एक शानदार तमाशा है, जिसमें समृद्ध भारतीय पौराणिक कथाओं के साथ भविष्य की साइंस फिक्शन का मिश्रण है

अनाउंस किया नया टिकेट प्राईज

साल 2898 में स्थापित, फिल्म की दिलचस्प कहानी में दिव्य रहस्य को बनाए रखने के लिए भगवान कृष्ण के चेहरे को चित्रित करने से परहेज किया गया है, और हाल ही में अभिनेता नानी द्वारा सीक्वल में कृष्ण की भूमिका निभाने की अफवाहों को अश्विन द्वारा खारिज कर दिया गया है कल्कि 2898 AD के लिए उत्साह बढ़ता जा रहा है क्योंकि निर्माताओं ने एक्स पर एक जश्न मनाने वाला पोस्टर साझा किया है, जो 1,000 रूपये करोड़ का आंकड़ा पार करने की उनकी उपलब्धि को दर्शाता है पोस्ट में दुनिया भर के दर्शकों के अपार समर्थन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया गया है अमिताभ बच्चन ने अपने आभार में, अपने आधिकारिक एक्स पेज पर इस भावना को दोहराया, फिल्म की सफलता और प्रशंसकों से मिले प्यार का जश्न मनायाअगर आप इस सिनेमाई चमत्कार को नहीं देख रहे हैं, तो चिंता न करें – इसकी डिजिटल रिलीज का इंतजार ज़्यादा नहीं होगा कल्कि 2898 AD का प्रीमियर 23 अगस्त, 2024 को अमेजॉन प्राइम वीडियो पर होने वाला है कल्कि 2898 ई. की महाकाव्य गाथा में गोटा लगाने के लिए तैयार हो जाइए – और याद रखिए, आप इसे केवल 100 रूपये में बड़े पैमाने पर देख सकते हैं!

फिल्म में अमिताभ अश्वत्थामा की भूमिका निभा रहे हैं. कमल सुप्रीम यास्किन की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्हें परिसर का घोषित देवता माना जाता है. कल्कि 2898 ई. में दीपिका पादुकोण , प्रभास और दिशा पाटनी भी हैं. मृणाल ठाकुर, विजय देवरकोंडा और दुलकर सलमान ने भी फिल्म में कैमियो किया है. प्रभास की साइंस–फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2898 AD' देश और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा रही है. फिल्म ने दो दिनों में दुनियाभर में जबरदस्त कलेक्शन किया है।

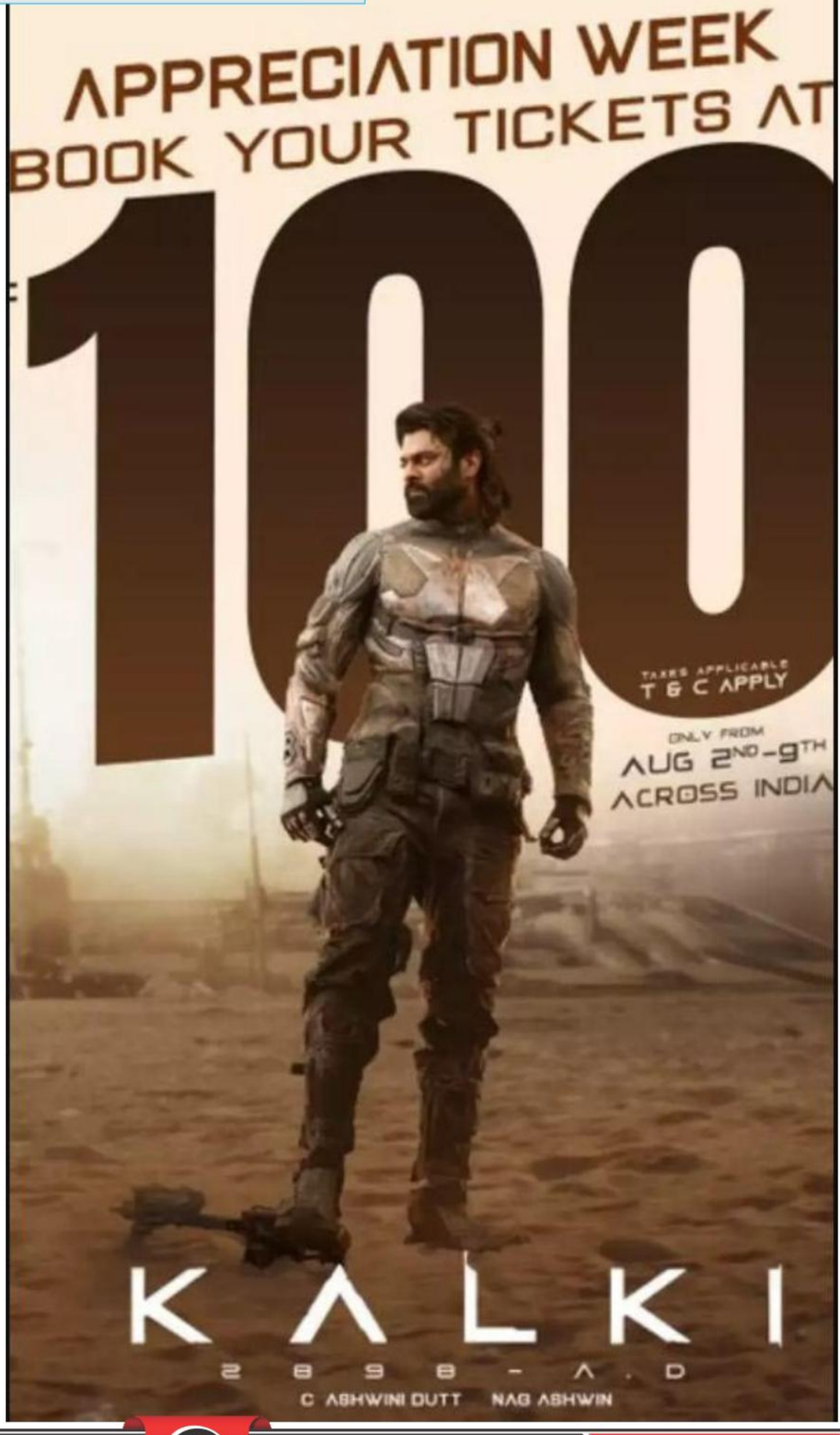

वो अभिनेत्रियाँ जो अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स में पुलिस अधिकारियों का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं

–सुलेना मजुमदार अरोरा

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों द्वारा पुलिस अधिकारियों का चित्रण हमेशा से एक रोमांचक छवि रही है, जिसमें उनके फैंस स्क्रीन पर मजबूत शक्तिशाली महिला पात्रों के समर्थन में हमेशा एक कदम आगे खड़े रहें हैं। सच पूछिए तो पुलिस की भूमिका के लिए ऐक्टर्स को गंभीर तैयारी की आवश्यकता होती है और तब जाकर स्क्रीन पर एक अनूठी कहानी पेश की जाती है। वैसे तो भारतीय फिल्मों और सीरीज के इतिहास में पुरुष पुलिस शुरू से ही कहानी का अभिन्न अंग रहें हैं लेकिन स्त्री कलाकारों द्वारा फिल्मों या सीरीज में पुलिस की भूमिका निभाना बाद में शुरू हुआ है और तब यह माना जाने लगा है कि ये अभिनेत्रियाँ अपने पावरफुल परफॉर्मेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने में वाकई, पुरुषों से ज्यादा सक्षम है। आइए आज के जमाने में उन महिला कलाकारों के कुछ बहुप्रतीक्षित चित्रणों पर एक नजर डालते है जो जल्द ही बड़े और छोटे पर्दे पर पुलिस की भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं।

दीपिका पादुकोण – सिंघम अगेन

रोहित शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन में, उनके पुलिस जगत में नई प्रवेशी, दीपिका पादुकोण लेडी सिंघम की भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म रोहित शेट्टी के प्रसिद्ध कॉप यूनिवर्स में उनके प्रवेश का प्रतीक है। अपनी सशक्त स्क्रीन उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली, दीपिका की एक मजबूत, निडर पुलिस अधिकारी की भूमिका का प्रशंसकों और आलोचकों द्वारा उत्सुकता से इंतजार किया जाता है।

कृतिका कामरा – ग्यारहः ग्यारहः

कृतिका कामरा ZEE5 की आगामी सीरीज, 'ग्यारह ग्यारह' में पुलिस की वर्दी पहनने के लिए तैयारी कर रही हैं। अपने बहुमुखी अभिनय कौशल के लिए जानी जाने वाली कृतिका इस गंभीर अवतार में एक समर्पित और नेक पुलिस वाले का किरदार निभाती नजर आएंगी। अपने प्रदर्शन में प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने भूमिका के लिए सारे जरूरी, आवश्यकता और कौशल में महारत हासिल करने के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है।

भूमि पेडनेकर– दलदल

थ्रिलर, 'भक्षक' में अपनी भूमिका से ताजा उभरी भूमि पेडनेकर, अब आने वाले 'दलदल' श्रृंखला के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। अमृत राज गुप्ता द्वारा निर्देशित, भूमि पेडनेकर, मुंबई की नवनियुक्त पुलिस उपायुक्त रीता फरेरा की भूमिका निभाएंगी। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर इस श्रृंखला से अपना पहला लुक साझा किया है , जिसमें वह एक कमांडिंग पुलिस की वर्दी में नजर आ रही हैं, जो एक शक्तिशाली और सम्मोहक प्रदर्शन का संकेत दे रहा है।

करीना कपूर खान – द बकिंघम मर्डर्स

करीना कपूर खान हंसल मेहता द्वारा निर्देशित, 'द बकिंघम मर्डर्स' में एक गंभीर और गहन प्रदर्शन देने के लिए तैयार हैं। कहानी के अनुसार, वह अपने एक व्यक्तिगत दुःख से निपटने के दौरान एक जटिल हत्या के रहस्य को सुलझाने वाले जासूस बने हुए एक पूर्व पुलिसकर्मी का किरदार निभाएंगी। करीना ने साझा किया है कि यह भूमिका, जिसमें उनका किरदार एक बच्चे को खोने के गम से जूझ रहा है, ने उन्हें भावनात्मक रूप से थका दिया है, जो किरदार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

कुबरा सैत – देवा

कुबरा सैत शाहिद कपूर के साथ, फिल्म 'देवा' में एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। आज की तारीख में यह फिल्म खूब सुर्खियां बटोर रही है। फिल्म की शूटिंग के दौरान, कुबरा ने एक्शन से भरपूर भूमिका और फिल्म द्वारा प्रदान किए गए मुंबई के अनूठे परिप्रेक्ष्य के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया है। उनका चरित्र चित्रण, स्क्रीन पर एक ताजा और एक्टिव ऊर्जा लाने का वादा करता है।

सोनाक्षी सिन्हा – दहाड़ 2

सोनाक्षी सिन्हा अपनी हिट सीरीज, 'दहाड़' के दूसरे सीजन में एक पुलिस अधिकारी की अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं। इसके निर्माताओं ने 'दहाड़ 2' की योजना की घोषणा की है, और सोनाक्षी के फैंस एक बार फिर सोनाक्षी को पुलिस की वर्दी में देखने के लिए उत्साहित हैं। पहले सीजन में उनके दमदार प्रदर्शन ने उनकी वापसी के लिए काफी उम्मीदें जगा दी हैं। शादी के बाद ये सोनाक्षी का पहला पुलिस किरदार होगा।

उर्वशी रौतेला के बाथरूम वीडियो लीक के पीछे के अपराधी का खुलासा, 'घुसपैठिया' ट्रेलर में

–सुलेना मजुमदार अरोरा

पिछले दिनों सोशल मीडिया में उर्वशी रौतेला के बाथरूम में नहाने का सीक्रेट विडियो लीक होने से हड़कंप मच गया था। वीडियो में उर्वशी के बाथरूम के दृश्य, जहां वो अपने कपड़े उतारकर नहा रही होती है ने पिछले दिनों सोशल दुनिया में वाद विवाद का तूफ़ान ला खड़ा किया था। इस खतरनाक वीडियो लीक से जहां उर्वशी के चाहने वालों ने इस मामले में तुरंत अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की माँग के साथ हल्ला बोल किया वहीं कई नेटिजन्स ने इस पूरे प्रकरण को खारिज कर के उर्वशी को लेकर तरह तरह के नैस्टी कमेंट्स पास करना शुरू कर दिया था जिसके कारण उर्वशी को अपना कमेंट बॉक्स को बंद कर देना पड़ा था।

अभी यह हंगामा चल ही रहा था कि फिल्म 'घुसपैठिया' का ट्रेलर लॉच हो गया और तब जाके उस बाथरूम वीडियो लीक का रहस्य बाहर आया, द कैट इज आउट ऑफ द बैग। यानी पर्दाफाश हो गया, कल प्रिट पकड़ा गया। अपराधी कौन है, मालूम पड़ गया। अपराधी और कोई नहीं, बल्कि फिल्म 'घुसपैठिया' का प्रमोशन हैं। इस फिल्म में डिजिटल खतरों और वीडियो लीक को लेकर जनता को आगाह किया गया है और एक दृश्य में उर्वशी को बाथरूम में नहाने के दौरान, उसका वीडियो उतारने और उसे वायरल करने के बारे में बताया गया है। यानी यह इस फिल्म का दृश्य है जिसे फिल्म के प्रमोशन के लिए इस्तेमाल किया गया है।

दरअसल उर्वशी रौतेला, अक्षय ओबेरॉय और विनीत कुमार सिंह अभिनीत फिल्म 'घुसपैतिया' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म

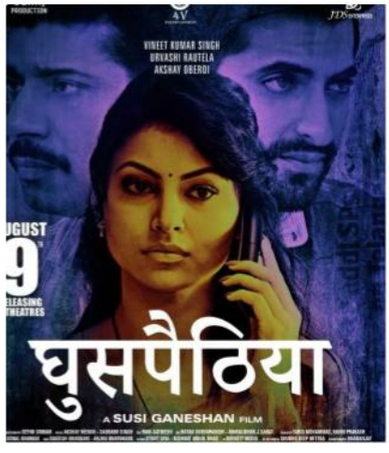

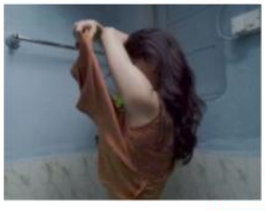

डिजिटल दुनिया के खतरों के बारे में आगाह करती है, जिसमें लड़कियों का पीछा करना और जुनून जैसे मुद्दे भी शामिल हैं।

फिल्म में उर्वशी रौतेला एक जिंदादिल गृहिणी की भूमिका में हैं। वह सोशल मीडिया से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इसके प्रति उसका जुनून कहानी में नाटकीय और अप्रत्याशित मोड़ लाता है। विनीत कुमार सिंह एक दृढ़निश्चयी पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते हैं। अक्षय ओबेरॉय एक आकर्षक स्टॉकर की भूमिका में हैं। ट्रेलर से पता चलता है कि इसमें ढेर सारे रोमांचक और रहस्यमयी पल होंगे जिसके पात्र एक रोमांचक फिल्म अनुभव का वादा करते हैं।

उर्वशी रौतेला ने अपने रोल के बारे में बात की. उन्होंने कहा कि यह चुनौतीपूर्ण और आकर्षक दोनों है। उनका मानना है कि फिल्म का हर हिस्सा दर्शकों का मन मोह लेगा. उन्होंने परियोजना के प्रति अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए निर्देशक सुसी गणेशन की भी प्रशंसा की।

फिल्म यह देखती है कि आधुनिक डिजिटल खतरे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से हमारे जीवन को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। यह विश्वास और गोपनीयता पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों को भी संबोधित करता है। सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित और एम रमेश रेड्डी, ज्योतिका शेनॉय और मंजरी सुसी गणेशन द्वारा निर्मित 'घुसपैतिया' 9 अगस्त को रिलीज होने वाली है। एक आश्चर्यजनक मोड़ में, ट्रेलर कुछ अजब क्षणों का भी संकेत देता है। इससे साबित होता है कि डिजिटल खतरों के बारे में थ्रिलर में भी एक या दो लाइट मोमेंट्स के लिए जगह है।

जरा सोचिए, स्टॉकर सोशल मीडिया का इतना दीवाना हो गया है कि वह अपने लक्ष्य को ट्रैक करने के लिए हैशटैग का उपयोग करना शुरू कर देता है। #FollowMeForever शायद उसका नया आदर्श वाक्य हो सकता है। यहां तक कि विनीत कुमार सिंह द्वारा निभाया गया गंभीर पुलिसकर्मी भी खुद को कुछ मनोरंजक दुविधाओं में पा सकता है। वह मित्र अनुरोधों की कभी न खत्म होने वाली धारा से बचने के साथ अपने अपराध–विरोधी कर्तव्यों को संतुलित करने का प्रयास करता है।

ऐसा लग रहा है कि 'घुसपैठिया' सस्पेंस और दुविधाओं का मिश्रण परोसने के लिए तैयार है। यह मूवी अनुभव को मनोरंजक बनाने के साथ–साथ रोमांचकारी भी बनाता है।

'औरों में कहां दम था' खा गई मात पब्लिसिटी से। माउथ पब्लिसिटी से हो सकता है भला

—शरद राय

जैसा 'मायापुरी' ने पहले भी कहा है कि इनदिनों फिल्मों के प्रचार का बदलता रवैया भी फिल्मों का बिजनेस बिगड़ने का कारण हो रहा है। किस फिल्म को कैसी पब्लिसिटी दी जाए यह बात जबसे सुलझे पत्रकारों और पत्र–पत्रिकाओं से हटकर युट्यूबिया– सोशल मीडिया को सौंपा जा रहा है, फिल्मों के चलने का गणित गड़बड़ा रहा है। इस पखवारे की दो फिल्में गलत पब्लिसिटी का शिकार हुई हैं। ये फिल्में हैं अक्षय कुमार की 'सरफिरा' और अजय देवगन की इसी शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'औरों में कहां दम था'।

हम पहले चर्चा करेंगे 'औरों में कहां दम था' की। एक कुशल लेखक–निर्देशक नीरज पांडे, जिन्होंने पूर्व में 'अ वेडनेस डे', 'स्पेशल 26' और 'बेबी' जैसी फिल्में दिया है, की उनकी इस फिल्म को प्रचार देने में कोताही बरती गई है। अजय देवगन तब्बू की जोड़ी की यह दसवीं फिल्म है।अजय देवगन का इंटेन्स रोल और तब्बू का हर रोल में खुद को ढाल लेना दर्शकों को हमेशा भाता है। 'सिंघम' स्टार अजय देवगन की पिछली दो फिल्में 'दृश्यम 2', और 'शैतान' लोगों को पसन्द आयी थी। 'औरों में कहां दम था' में अजय देवगन की आवाज में 'जितना ही तुझे पाया, उतना ही हममें कम था। दुश्मन हम ही थे अपने, औरों में कहां दम था।' की थीम लाइन अपनी ओर खींचती है, खींचती है कृष्णा और वसुधा के प्यार की कशिश! लेकिन, यह फील दर्शकों तक बराबर पहुंचायी नहीं जा सकी। प्रचार देने में देरी हुई, समझदार पत्रकारों और मीडिया पोर्टल तक फिल्म पहुंची नहीं और सोशल मीडिया ने रिलीज से पहले ही फिल्म को फ्लॉप घोषित कर दिया। फिल्म की शुरूआती रिलीज रिपोर्ट गलत पब्लिसिटी के कारण बहुत उत्साह जनक नहीं है। बेशक अब माउथ पब्लिसिटी ही फिल्म को संभाल सकती है।

ऐसा ही कुछ हुआ है अक्षय कुमार की पिछली फ्लॉप फिल्म 'सरफिरा' के साथ। लोगों ने फिल्म की तुलना कर दिया 'बड़े मियां छोटे मियां' के साथ। सोचने वाली बात है कि जो फिल्म 'सुराराई पोटरू' साउथ की भाषाओं में धमाल कामयाबी करती है। जिस फिल्म को और उसके हीरो (सुरिया) को नेशनल अवॉर्ड दिया जाता है, जिस फिल्म का हिंदी डब वर्सन भी हिट हो जाता है, उसी फिल्म की रीमेक 'सरफिरा' पानी नहीं मांगती, ऐसा क्यों? यह भी एक मीनिंगफुल फिल्म थी किंतु हिंदी भाषा मे उसे दर्शकों तक सही वाचन नहीं मिला।

अभिप्राय यह कि फिल्म निर्माताओं को सिरे से सोचना होगा कि प्रचार कैसे करें। पहले की व्यवस्था में फिल्में बिना सोशल मीडिया के कैसे 25–50 हफ्ते चला करती थी, जुबली–सिल्वर जुबली हुआ करती थी? मायापुरी, स्क्रीन, स्टारडस्ट की जरूरत क्यों थी, वह कवच फिल्मों को रिलीज पूर्व आज भी चाहिए।

संजय दत्त ने फैंस को दिया तोहफा, 'KD द डेविल' से शेयर किया अपना लुक

– असना ज़ैदी

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने 29 जुलाई 2024 को अपना 65वां जन्मदिन मनाया. वहीं अपने बर्थडे पर संजय दत्त ने फैंस को खास गिफ्ट दिया हैं. इस खास मौके पर 'केडी–द डेविल' के निर्माताओं ने दत्त का फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी किया है. संजय दत्त के इस लुक को देखकर फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

धक देवा की भूमिका में नजर आएंगे संजय दत्त

आपको बता दें 29 जुलाई 2024 को निर्देशक प्रेम ने फर्स्ट–लुक पोस्टर और मोशन पोस्टर शेयर किया. इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ''शैतान के लोकतंत्र के भगवान, धकदेवा, रुकेडी के विंटेज युद्ध के मैदान में कदम रखते हैं, तीव्रता का तूफान लेकर आते हैं. हमारे प्यारे #संजयदत्त सर को जन्मदिन की बहुत–बहुत शुभकामनाएं! हम उन्हें #केडीदडेविल में पाकर बहुत खुश हैं, जन्मदिन की बधाई बाबा @duttsanjay#dhakdeva". निर्देशक प्रेम की इस पीरियड फिल्म में वह धक देवा की भूमिका निभाएंगे।

केडी–द डेविल को लेकर एक्साइटेड हैं संजय दत्त

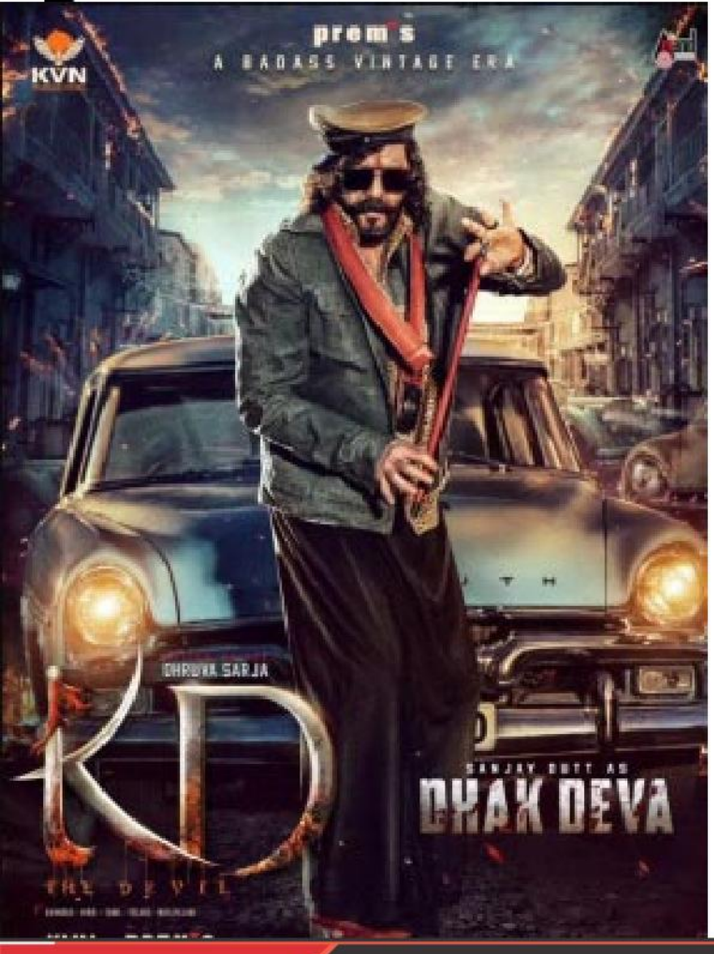

केडी–द डेविल में काम करने को लेकर संजय दत्त ने बात करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं केडी–द डेविल का हिस्सा बनकर एक्साइटेड हूं. मुझे प्रेम सर ने जिस तरह से फिल्म की दुनिया की कल्पना की थी, वह मुझे बहुत पसंद आया. यह एक ऐतिहासिक एक्शन फिल्म है और पूरे भारत में फिल्माई जाएगी. मुझे इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, जिसमें इस प्रोजेक्ट के लिए इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन दिमागों ने मिलकर काम किया है''।

दिसंबर 2024 में रिलीज होगी फिल्म केडी–द डेविल

केडी–द डेविल में संजय दत्त के अलावा शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद, वी रविचंद्रन और ध्रुव सरजा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक ऐतिहासिक एक्शन एंटरटेनर, 'केडी–द डेविल' को केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है और प्रेम द्वारा निर्देशित किया गया है. अखिल भारतीय बहुभाषी फिल्म तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए तैयार है. 'केडी–द डेविल' की शूटिंग अभी तेज गति से चल रही है और यह दिसंबर 2024 में सिनेमाघरों में आएगी।

संजय दत्त का वर्कफ्रंट

केडी– द डेविल के अलावा संजय दत्त ने रणवीर सिंह के साथ एक और बड़ी फिल्म भी साइन की है. राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म "उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक" के लिए मशहूर निर्देशक आदित्य धर अपनी दूसरी बड़ी मोशन पिक्चर बनाने जा रहे हैं, जिसमें प्रभावशाली कलाकारों के साथ एक रोमांचक ड्रामा होने का वादा किया गया है. फिल्म में संजय दत्त और रणवीर सिंह के अलावा आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियो की ज्योति देशपांडे ने लोकेश धर और आदित्य धर के साथ मिलकर अपने बैनर बी62 स्टूडियो के तहत किया है. इस विशाल नाट्य प्रस्तुति के लिए मुख्य शूटिंग अब आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है।

"KKK 14" से आसिम रियाज़ के बारे में शिल्पा शिंदे ने चौंकाने वाले दावे किए...

प्रीती शुक्ला

शिल्पा शिंदे ने आसिम रियाज के समर्थन में आवाज उठाई है और आरोप लगाया है कि रोमानिया में खतरों के खिलाड़ी 14 की शूटिंग के दौरान उन्हें 'धमकाया' गया और 'उकसाया' गया होस्ट रोहित शेट्टी के साथ तीखी झड़प के बाद स्टंट आधारित रियलिटी शो से आसिम के अचानक निकाले जाने पर काफी चर्चा पैदा कर दी है। आसिम, जो एक टास्क हार गए थे और साथी प्रतियोगियों अभिषेक कुमार और शालीन भनोट को 'हारे हुए' के रूप में संदर्भित किया था, को शो से बाहर कर दिया गया था एपिसोड के बाद, शिल्पा शिंदे, जो वर्तमान में छोटी सर्जरी से उबर रही हैं, ने स्वीकार किया कि हालांकि आसिम का व्यवहार उचित नहीं था, लेकिन उन्हें लगा कि अन्य प्रतियोगियों की उसे उकसाने और धमकाने की हरकतों ने उसकी चरम प्रतिक्रिया में योगदान दिया

डाउन-टू-अर्थ होना चाहिए

एक्ट्रेस ने बताया "कुछ भी नहीं हुआ था आप के सारा पानी चला जाता है डाउन-टू-अर्थ होना चाहिए एक बंदा एक तरफ और बाकी एक झुंड है, उसको भड़काया गया क्योंकि वे उसके स्वभाव को जानते थे सबलोग सक्सेस हैंडल नहीं कर पाते सब लोग गलत थे, सब लोग सही थे मैंने उसे बार-बार बोला कि वो चुप रहे, बहस न करे रोहित शेट्टी से बात करें या बहस करें वे उसके स्वभाव को जानते थे और फिर भी उसे धमकाते थे और उकसाते थे हर कोई सफलता नहीं संभाल सकता"शिल्पा ने यह भी कहा कि आसिम रियाज को बिग बॉस की तुलना में खतरों के खिलाड़ी से अलग तरीके से संपर्क करना चाहिए था उन्होंने बताया, "वो आक्रामक नहीं था, लेकिन वह बातूनी है... वह अपना अनुभव और जिस दर्द से वह गुजरा है उसे साझा करना चाहता था उसको ज्यादा बोलने की आदत है उसको चुप रहना पड़ता है उसे बोलने का अंदाज गलत हो सकता है" वह अपने अनुभव और अपने द्वारा सहे गए दर्द को साझा करना चाहता था उसे अत्यधिक बात करने की आदत है, जो कभी-कभी समस्याग्रस्त हो

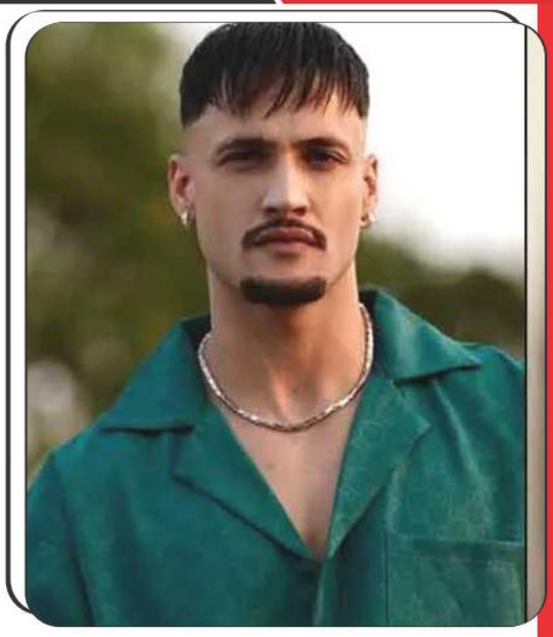

सकती है खुद को व्यक्त करने का उसका तरीका हमेशा उचित नहीं हो सकता है

स्टंट का शो है

आगे उन्होंने कहा "ये बिग बॉस नहीं है.. आपकी वहां दोस्ती हुई तो उसकी इज्जत करनी चाहिए इसको खींचो मत रबर की तरह, स्टंट वाला शो है मुंह से झगड़ा करने की कोई जरूरी नहीं है तू-तू मैं मैं हुई जो आसिम के फैन्स नहीं है उन्हें भी नोटिस किया कि उसको धमकाया, चीज को दबा दिया मैं चुप थी और उसे भी चुप रहने के लिए कहा अगर आपने शो में दोस्त बनाए हैं, तो दोस्ती का सम्मान करें इस मुद्दे को एक निश्चित बिंदु से आगे नहीं बढ़ाना चाहिए था खतरों के खिलाड़ी स्टंट-आधारित शो है, यहां तक कि जो लोग उनके प्रशंसक नहीं हैं, उन्हें भी इस पर बात करने की कोई जरूरत नहीं है , बता दे आसिम रियाज को हाल ही में होस्ट रोहित शेट्टी और उनके साथी प्रतियोगियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के बाद खतरों के खिलाड़ी 14 से बाहर कर दिया गया था!...

आमिर खान सीख रहे हैं गायन : क्या गायक बनने की है तैयारी..??

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

बॉलीवुड में 'मिस्टर परफैक्शनिस्ट के रूप में मशहूर अभिनेता, फिल्म निर्माता व निर्देशक आमिर खान हमेशा हर काम को पूरे परफैक्शन के साथ अंजाम देते रहे हैं। वह जिस किरदार को निभाते हैं,उसमें पूरी तरह से डूब जाते हैं। यानी कि किरदार को आत्मसात कर लेते हैं. इसका सबसे बडा उदाहरण उनकी फिल्म ''दंगल'' है, जिसके लिए उन्होने अपना वजन बढ़ाया व घटाया भी था। वह फिल्में भी बनाते रहते हैं। कुछ समय पहले फिल्म 'लापता लेडीज' आयी थी, जिसका निर्माण उन्होने किया था, पर इसका निर्देशन उनकी पूर्व पत्नी किरण राव ने किया था। इन दिनों वह फिल्म ''सितारे जमीन पर'' का निर्माण व उसमें अभिनय भी कर रहे हैं,जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी आर एस प्रसन्ना संभाल रहे हैं। वही वह राज कुमार संतोषी के निर्देशन में फिल्म ''लाहौर 1947'' का भी निर्माण कर रहे हैं।

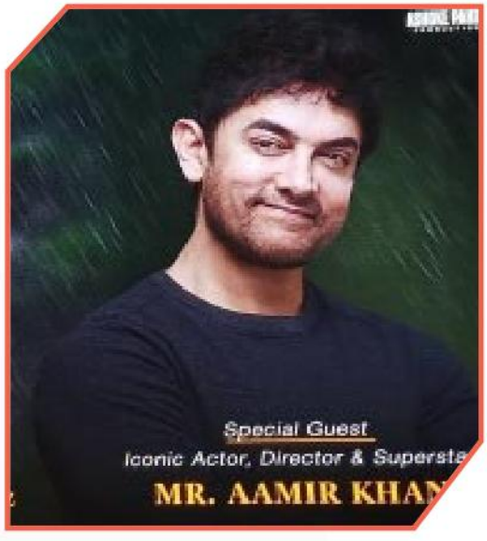

और अब पिछले एक वर्ष से आमिर खान गायन भी सीख रहे हैं। और वह भी गुरू शिष्य परंपरा का पालन करते हुए। इन दिनों उनके हाथ में बंधा हुआ 'गंडा' देखा जा सकता है। जी हॉ! यह सच है और इस बात का खुलासा खुद आमीर खान ने उस वक्त किया, जब वह अशोक पंडित के बेटे व गायक राज पंडित के गीत ''कुड़िये' को लॉन्च करने के लिए इस्कॉन हाल पहुॅचे थे।

गायन सीखने का राज खोलते हुए आमिर खान ने कहा –

''इसके बाद आमिर खान ने बताया कि उन्होने गायन सीखना शुरू कर दिया है.उन्होंने अपने हाथ पर बंधा शिष्य होने का 'गंडा' दिखाते हुए कहा– ''आप सभी को जानकर खुशी होगी कि मैने गायन सीखना शुरू किया है.मुझे संगीत व गायन का शौक रहा है.पर संगीत या गायन बिना गुरू के नहीं सीखा जा सकता..इसलिए मैने सुचेता जी को अपना गुरू बनाया.उनसे विधिवत शिष्य होने की शिक्षा ली और पिछले एक वर्ष से गायन की ट्रेनिंग ले रहा हूँ.मैं संगीत को इंज्वॉय करता हूँ.मेरे लिए संगीत मेडीटेशन है.''

आमिर खान के इस कबूलनामे के बाद अब बॉलीवुड में चर्चाएं गर्म हैं कि क्या आमिर खान भविष्य में फिल्मों में गीत गाते हुए नजर आने वाले हैं? अथवा वह किसी ऐसी फिल्म में अभिनय करने वाले हैं,जिसमें उनका किरदार गायक का है. ...खैर..अब समय ही इन सवालों का जवाब देगा..पर यह सच है कि आमिर खान इन दिनों गायन सीखने व संगीत का रियाज करने में काफी समय दे रहे हैं।

राज पंडित के गीत 'कुड़िये' का आमिर खान ने किया लोकार्पण

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

किसी भी नवोदित गायक व संगीतकार के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या हो सकती है कि उसके सिंगल गाने को परफैक्शनिव्ट माने जाने वाले मशहूर अभिनेता आमिर खान के हाथों लोकार्पण हो। जी हाँ! हम बात कर रहे हैं फिल्मकार अशोक पंडित के बेटे राज पंडित की, जिनके गाने 'कुड़िये' का लोकार्पण अभिनेता आमीर खान के हाथों 31 जुलाई को मुंबई के इस्कॉन हाल में संपन्न हुआ। इस गीत के गीतकार आईपी सिंह है, जो कि खुद भी बेहतरीन गायक हैं। इसका वीडियो राज पंडित और जोया अफरोज पर फिल्माया गया है। इसे 'मर्चेंट रिकॉर्ड ने जारी किया है। वीडियो निर्देशक व कैमरामैन तुशार महाजन है। इस अवसर पर राज पंडित की मां और कश्मीरी फोक गायक नीरजा पंडित भी मौजूद थीं।

इन दिनों मुंबई में हर फिल्म इवेंट/प्रेस कॉर्फेंस का दो घंटे देरी से शुरू होना फैशन सा बन गया है। हम राज पंडित के गाने ''कुड़िये'' के लोकार्पण समारोह में तय समय दोपहर दो बजे 'इस्कॉन' हाल पहुँच गए थे। पर कार्यक्रम की शुरूआत लगभग दो घंटे देरी से हुई। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए संचालन की जिम्मेदारी स्वयं राज पंडित ने ही संभाली और कार्यक्रम में हुई देरी के लिए सबसे पहले माफी भी मांगी।

राज पंडित ने कार्यक्रम की शुरूआत में हुई देरी के लिए माफी मांगने के बाद सबसे पहले गाने 'कुड़िये' का मतलब समझाते हुए कहा – ''यहां पर लगभग सभी लोग 'कुड़िये' को लेकर कन्फ्यूज्ड हैं। तो मैं बता दूँ कि यह कश्मीरी शब्द है। मैं खुद भी मूलतः कश्मीर से हूँ। कश्मीर में 'कूर' का मतलब लड़की होता है और जब किसी लड़की को प्यार से बुलाना हो, तो हम उसे कहते है 'कुड़िये'। मेरी परवरिश में कश्मीरी माहौल व संस्कृति का अहम प्रभाव रहा है।''

उसके बाद राज पंडित ने मंच पर संगीतकार सलीम सुलेमान को बुलाया। सलीम सुलेमान ने ही अपनी कंपनी से इस गीत को जारी किया है। इस तरह वही इसके निर्माता हैं। इसके अलावा सलीम सुलेमान को राज पंडित अपना मेंटोर मानते हैं।

सुलेमान ने कहा – ''मुझे राज पर गर्व है। इसने लंबी यात्रा तय की है। इसने काफी कड़ी मेहनत की है। बिना मेहनत के कुछ भी नसीब नही होता।'' जबकि सलीम ने कहा– ''इट्स इमेजिन...राज सिर्फ गायक ही नहीं बल्कि कंपोजर भी है। लेकिन पहली बार राज ने अपने इस गाने के वीडियो में जोया अफरोज के साथ अभिनय भी किया है। और काफी तारीफ वाला अभिनय है।''

फिर राज पंडित ने अपने पिता और निर्माता अशोक पंडित जी को बुलाया। उसके बाद खास मेहमान के तौर पर आमीर खान को मंच पर बुलाया गया। आमिर खान ने मंच पर पहुँचते ही याद करते हुए बताया कि वह सबसे पहले राज पंडित से 17 वर्ष पहले तब मिले थे, जब राज को पोगो चैनल की तरफ से सवर्श्रेष्ठ म्यूजीशियन का अवॉर्ड मिला थां। उस वक्त राज की उम्र सिर्फ 13 वर्ष थी। आमिर ने आगे कहा–''पिछले सप्ताह अशोक पंडित ने मुझे फोन करके बताया कि राज का पहला इंडीपेंडेट गाना आ रहा है, और मुझे उसे रिलीज करना है, तो मैंने बधाई दी। मुझे राज के बड़े होने और इस उपलब्धि के लिए राज पर गर्व है।'' उसके बाद आमिर खान ने राज के उज्जवल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

आमिर खान ने आगे कहा – ''अशोक ने मेरे पास गाना भेजा था, तो मैने गाना सुना। गाना अच्छा है। राज की आवाज अच्छी है। मुझे कूरिए का मतलब पता नहीं था, तो मुझे लगा कि गोरिए है और राज का उच्चारण गलत है। तो मैं यह सोचकर आया था कि अशोक से कहूंगा कि राज का उच्चारण सुधरवाओ। लेकिन अब मुझे पता चला कि यह कश्मीरी शब्द 'कुड़िये' है। अन्यथा राज का तकल्लुफ बहुत सही है।''

राज ने आमिर से कहा – ''सर मैंने आपकी फिल्में और आपके इंटरव्यू देखकर उच्चारण करना सीखा है।''

फिर मंच पर जोया अफरोज और तुशार महाजन को बुलाया गया। आमिर खान ने दोनो के काम की तारीफ की। फिर गीतकार आई पी सिंह को मंच पर बुलाया गया। पता चला कि राज, आई पी सिंह के साथ यह छठा गाना लेकर आए हैं। आई पी सिंह गायक व गीतकार दोनो हैं, पर उन्होंने 'कूरिए' गीत को सिर्फ लिखा है।

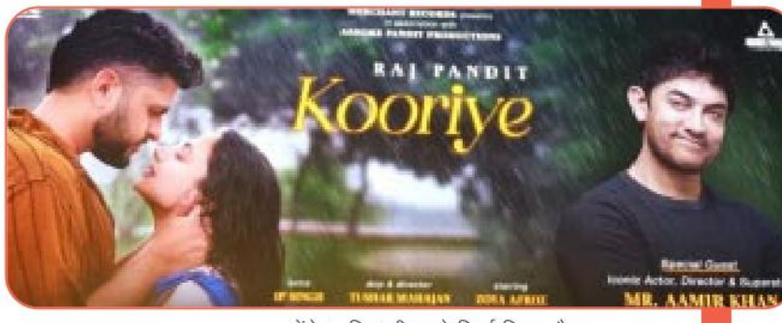

उसके बाद आमिर खान ने गाने का लोकार्पण कर शुभ कामनाएं देते हुए सभी को गाने का वीडियो दिखाने का ऐलान किया और सभी के साथ बैठकर खुद भी देखा। गाना देखने के बाद आमिर खान ने कहा–''बहुत खूबसूरत गाना है। जोया अफरोज, राज और निर्देशक तुशार महाजन ने बेहतरीन काम किया है।''

सुलेमान ने कहा – ''इन दिनों हम लोग वैसे गाने नहीं बना रहे है जो कि टाइमलेस हो,मगर राज का यह गाना ''कुड़िये'' टाइम लेस गाना है। यह तो लंबी रेस का घोड़ा है। इसमें शुद्ध मेलोडी है और बिना किसी साज के भी गाया जा सकता है। गाने में ठहराव है।''

उसके बाद राज ने इस गाने के साथ जुड़ी पूरी टीम को मंच बुलाया और सभी से आमिर खान मिले।

राज पंडित के गाने 'कुड़िये' के लोकार्पण के लिए हामी भरने की वजह बताते हुए आमिर खान ने कहा– ''पहली बात तो अशोक पंडित से हमारे पुराने संबंध हैं। हम दोनों कालेज के दिनों से एक साथ हैं। लेकिन इस बार खास तौर पर जब अशोक ने कहा कि यह मेरे बेटे का मसला है, तो मैने बिना कुछ सोचे कह दिया कि मैं आऊंगा। क्योंकि पिता होने के चलते मैं खुद इसी दौर से गुजर रहा हूँ। जब 'जुनैद' की फिल्म 'महाराज' नेटफिलक्स पर स्ट्रीम हुई तो मैं तनाव में था कि लोगों को पसंद आएगी या नहीं। आज अशोक भी उसी दौर से गुजर रहा है। आज मैं अशोक के बेटे को सपोर्ट करने के लिए आया हूँ। मैने जुनैद की हर फिल्म में पार्श्वगायक के तौर पर राज पंडित को लेने की सलाह दी हैं।''

अर्जुन रामपाल ने आदित्य धर की अगली फिल्म की शूटिंग की शुरू

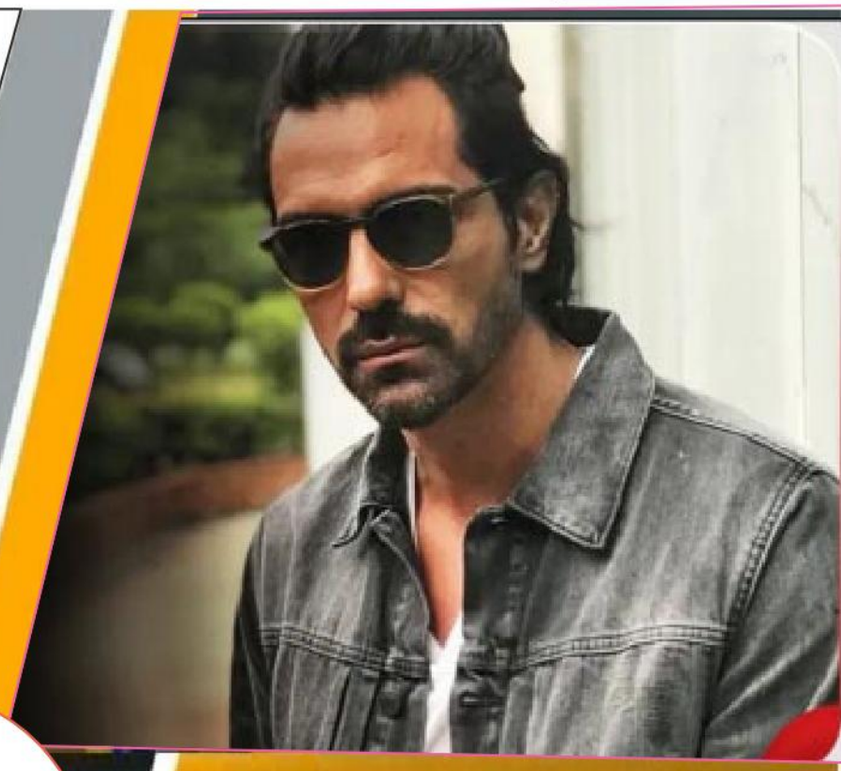

एक रोमांचक घटनाक्रम में, अर्जुन रामपाल ने निर्देशक आदित्य धर की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है. यह बहुप्रतीक्षित परियोजना फिल्म उद्योग के सर्वश्रेष्ठ को प्रोत्साहित करने वाले एक महत्वपूर्ण सहयोग का प्रतीक है. फिल्म की कहानी के बारे में विवरण गुप्त रखा गया है, लेकिन घोषणा ने प्रशंसकों और उद्योग के अंदरूनी सूत्रों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है. फिल्म में अर्जुन के अलावा संजय दत्त, रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना और आर माधवन जैसे कई कलाकार हैं।

अर्जुन रामपाल ने सोशल मीडिया पर एक अपडेट के साथ आगामी उत्साह की झलक दी, और इस परियोजना को जीवन में लाने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की. उन्होंने लिखा, ''और इस तरह यह शुरू होता है... इसके लिए बहुत उत्साहित हूं. #बैंकॉक #फिल्मिंग #बीटीएस'' प्रशंसकों में उत्साह साफ है क्योंकि दर्शक अर्जुन रामपाल का कभी न देखा गया अवतार देखने की उम्मीद कर रहे हैं।

'संगीत के बिना हम जीवन जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते

—मायापुरी प्रतिनिधि

क्योंकि इस सृष्टि का उत्थान ही ष्ओमष् से हुआ है, जिसे हिंदू धर्म में सृष्टि की आदि ध्वनि माना जाता है। संगीत, भावनाओं का संक्षिप्त रूप है और इसी संगीत को अपनी आवाज के जरिये हर इंसान की आत्मा तक पहुंचाया मोहम्मद रफी साहब ने, रफी जैसे कलाकार मरा नहीं करते अमर होते है यह कहना था प्रसिद्ध व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक और कला प्रमोटर डॉ. राजेंद्र जैना का, जिन्होंने रफी साहब की 45वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एएएफटी स्कूल ऑफ म्यूजिक व जे. आर. एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित एक संगीत कार्यक्रम का मुख्य अतिथि के रुप में उद्घाटन किया। इस अवसर पर मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष संदीप मारवाह मौजूद रहे, संदीप मारवाह ने कहा की जो भी इंसान संगीत को चाहता है वो रफी साहब को नही चाहता हो ऐसा हो नहीं सकता, जो रफी साहेब को सुनता हों वो संगीत से अलग हो ऐसा हो नहीं सकता।

इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र जैना ने संगीत उद्योग में मोहम्मद रफी के स्मरणीय योगदान के विषय में बात की, जिसमें उन्होंने हिंदुस्तान की, सभी भाषाओं में 7000 से अधिक गीतों की रचना पर प्रकाश डाला।

यहां तक की अंग्रेजी भाषा नही जानते हुए भी अंग्रेजी में अपनी आवाज के जादू का परचम लहराया। रफी साहब को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए, डॉ जैना ने रफी जी के शम्मी कपूर पर फिल्माए गए, कई गाने भी गाए, मारवाह स्टूडियो में छात्रों से भरा खचाखच सभागार जोरदार तालियों से गूंज रहा था। यह कार्यक्रम न केवल मोहम्मद रफी की संगीत प्रतिभा का जश्न मनाने का अवसर था, बल्कि उन छात्रों को सम्मानित करने का भी अवसर था ,जो उनकी विरासत को जीवित रखना चाहते हैं। संदीप मारवाह ने डॉ. राजेंद्र जैना को एएएफटी के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन क्लब की आजीवन सदस्यता प्रदान करते हुए सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर क्रिएटिव डायरेक्टर व फिल्म पायरेसी इरेडिकेशन सेल के अध्यक्ष सुनील पाराशर ने कहा की रफी साहब का कोई सानी नही जो जूनून रफी साहब मे था वही जूनून संदीप मारवाह की मेहनत व राजेंद्र जैना संगीत के प्रति समर्पण में दिखता है

करिश्मा कपूर

द अल्टीमेट इनसाइडर ऑन द थ्री खान्स

—सुलेना मजुमदार अरोरा

नब्बे के दशक में करिश्मा कपूर का बोलबाला सर चढ कर बोल रहा था। वो बॉलीवुड में चंचलता, शालीनता और एलिगेंस की प्रतीक थी और उन दिनों सभी बड़े निर्माता निर्देशक करिश्मा कपूर को अपनी बड़ी बड़ी फिल्मों में साइन करने के लिए उतावले रहते थे. लिहाजा करिश्मा को बड़े प्रोजेक्टस के साथ साथ बड़े बड़े नायकों के साथ काम करने का मौका भी मिलता रहा। वो उन चंद बॉलीवुड हीरोइंस में से एक है जिन्हे तीनों खान – सलमान, शाहरुख और आमिर के साथ स्क्रीन साझा करने का अनूठा मौका मिला।

हाल ही में एक साक्षात्कार में, करिश्मा ने बॉलीवुड के प्रत्येक खान की एक ज्वलंत तस्वीर पेश की, जिसमें उन्होंने इन तीन खानों के व्यक्तित्व के उन पहलुओं का खुलासा किया जो उनके ऑन–स्क्रीन व्यक्तित्व से परे हैं।

आइए जानते हैं कि करिश्मा ने सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के बारे में क्या नई बातों की जानकारी दी। करिश्मा ने कहा, बॉलीवुड में हम सब लगभग एक साथ बड़े हुए हैं,

बॉलीवुड के सर्वोत्कृष्ट नायक सलमान खान, करिश्मा की कहानी में एक दिलचस्प व्यक्ति के रूप में उभरे। लोलो ने सलमान के संक्रामक उत्साह की तरह इंगित करते हुए कहा, सलमान खान ऊर्जा का भंडार है, हमेशा कुछ मस्ती के लिए तैयार रहता है, उस पक्ष का खुलासा करते हुए, जिसे सार्वजनिक छवि के बीच अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है कहा, लोलो ने सलमान के संक्रामक उत्साह को इंगित

करते हुए बताया, शॉट के दौरान जैसे ही कैमरा घूमा, उनके एक्शन में कोई न कोई अद्भुत परिवर्तन हुआ। वे अविश्वसनीय रूप से फोकस्ड और एक सच्चे प्रोफेशनल बन जाते हैं, करिश्मा ने सलमान के साथ कई फिल्मों में काम किया जैसे, जागृति तथा निश्चय (1992), 'जीत' 1996 जुड़वा' (1997), बीवी नंबर वन, तथा 'हम साथ साथ हैं' (1999) दुल्हन हम ले जाएंगे तथा चल मेरे भाई (2000).

बॉलीवुड में रोमांस के बेताज बादशाह शाहरुख खान के साथ करिश्मा ने नब्बे के दशक के सबसे सफल फिल्मों में काम किया था। करिश्मा ने शाहरुख खान के साथ उन दिनों की याद करते हुए कहा, शाहरुख सर्वोत्कृष्ट अभिनेता के रूप में हमेशा बॉलीवुड में दिग्गज रहे हैं, आज भी है। करिश्मा ने कहा, शाहरुख का समर्पण अद्वितीय है, वे बहुत मेहनती है। उन्होंने उन

Raja Hindustani
1996

Dil To Pagal Hai
1997

Murder Mubarak
2024

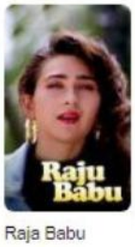

Raja Babu
1994

Jeet
1996

Hum Saath - Saath Hain
1999

Jaanwar
1999

Hero No. 1
1997

Dulhan Hum Le Jayenge
2000

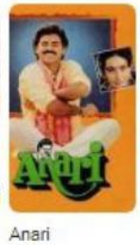

Anari
1993

Jigar
1992

Biwi No.1
1999

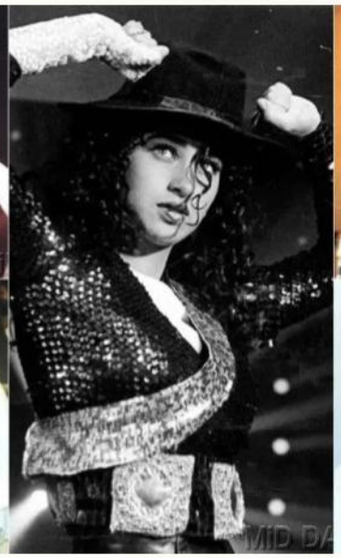

उदाहरणों को याद किया जहां वह अपने इस नायक के साथ, शूट किए जाने वाले दृश्यों का सावधानीपूर्वक रिहर्सल किया करते थे, जो एक सुपर स्टार के रूप में उनकी उदारता का प्रमाण था। उन्होंने उनकी सहयोगात्मक भावना पर जोर देते हुए कहा, 'वह सुर्खियों को साझा करने के लिए काफी इच्छुक रहते हैं। शाहरुख खान के साथ करिश्मा ने दिल तो पागल है (1997) में काम किया।

बॉलीवुड में अपने असाधारण परफेक्शनिष्ठता के कारण आमिर खान को एक बारीकी से विवरण करने वाले व्यक्ति के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। करिश्मा ने भी यह बात आमिर खान के प्रशंसा के स्पर्श के साथ स्वीकार किया, परफेक्शन के लिए उनकी प्यास के बारे में तो सब जानते है। उन्होंने सेट पर बिताए गए लंबे घंटों के किस्से साझा किए, जब आमिर ने अपने किरदार की प्रत्येक बारीकियों का गंभीरता के साथ पता लगाया। करिश्मा ने कहा कि वैसे आमिर के गंभीर बाहरी आवरण के नीचे, उसे एक गर्मजोशी भरा और सहयोगी सहकर्मी प्राप्त हुआ। करिश्मा ने आमिर खान के साथ फिल्म 'अंदाज अपना अपना' (1994) और 'राजा हिन्दुस्तानी' (1996) जैसे सुपर हिट फिल्मों में काम किया था।

करिश्मा का यह अवलोकन, इन प्रतिष्ठित स्टार्स की दुनिया की एक प्रत्यक्ष झलक हैं। यह एक ऐसी दुनिया है जहां हंसी और कड़ी मेहनत एक साथ ही मौजूद है, जहां सौहार्द और प्रतिस्पर्धा एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। और इन सबके केंद्र में, अनुभवी अभिनेत्री करिश्मा कपूर हैं, जिन्होंने नब्बे के दशक से लेकर 2000 के शुरुआती दशक के सिनेमाई परिवर्तन को बनते हुए न केवल देखा है, बल्कि सक्रिय रूप से भाग भी लिया है।

अपने व्यक्तिगत अनेक्डाट्स से परे, करिश्मा की यह अंतर्दृष्टि बॉलीवुड के कलाकारों पर एक मूल्यवान परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है। तीनों खानों ने अपने–अपने अनूठे तरीकों से इंडस्ट्री को आकार दिया है और उनके साथ करिश्मा की यात्रा भी बॉलीवुड के विकास को दर्शाती है। उनमें से प्रत्येक के बारे में निजी अनुभव साझा करने और उनसे सीखने की उनकी क्षमता एक अभिनेत्री के रूप में उनकी अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है।

चूँकि करिश्मा हमेशा से ही फिल्मी स्क्रीन पर चमकती रहती हैं, तीनों खानों की सह–कलाकार के रूप में उनकी विरासत निस्संदेह उनके शानदार करियर में एक महत्वपूर्ण अध्याय बनी रहेगी। और बॉलीवुड के फैंस के लिए, उनके अनुभव, इंडस्ट्री के सबसे प्रिय सितारों के जीवन में एक आकर्षक झांकी पेश करती हैं।

Coolie No. 1
1995

Prem Qaidi
1991

Haan Maine Bhi Pyaar Kiya
2002

Shakti: The Power
2002

Andaz Apna Apna
1994

Ek Rishtaa: The Bond of Love
2001

Zubeidaa
2001

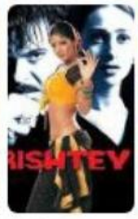

Rishtey
2002

Judwaa
1997

Aashiq
2001

Dangerous Ishhq
2012

Krishna
1996

जब कई बड़ी फिल्में लुढ़क गयी, उनके साथ की कम बजट की 'अमीना' 16 वें हफ्ते का जश्न मना रही है

– शरद राय

पिछली ईद पर तीन फिल्में रिलीज हुई थी जिनमें दो भारी भरकम बजट की थी 'बड़े मियां छोटे मियां' और मैदान'। इनके साथ ही रिलीज हुई तीसरी कम बजट फिल्म थी 'अमीना'। दो बड़ी फिल्मों का क्या हुआ बताने की जरूरत नहीं, इनके साथ ही तीसरी रिलीज हुई एक छोटी फिल्म थी 'अमीना'...जो इस शुक्रवार को 16 वें हफ्ते में प्रवेश कर सिनेमा घरों में चल रही है। 'अमीना' एक ऐसी फिल्म है जो बिना तामझाम, बिना बड़े प्रचार के दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना रही है। यह फिल्म बिना शोर शराबे के उतनी ही मजबूती से चल रही है, जितनी पहले दिन थी।फिल्म के निर्माता– निर्देशक हैं कुमार राज। सह निर्माता हैं धरम जायसवाल।

'अमीना' की कहानी एक निडर और साहसी महिला की है, जिसने अपने सपनों को साकार करने के लिए समाज के हर बंधन को तोड़ दिया। फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आई अदाकारा रेखा राणा ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से हर किसी का दिल जीत लिया। उनके साथ अनंत महादेवन और कुमार राज ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। उनकी अदायगी में वह शक्ति और संकल्पना थी, जो किसी भी दर्शक को प्रेरित कर सकती है।

फिल्म की कहानी और स्क्रिप्ट डॉ. प्रो. किशन पवार और आफताब हसनैन ने लिखी है, जिनकी लेखनी ने फिल्म को गहराई और विश्वसनीयता प्रदान की है।

फिल्म का निर्देशन और निर्माण कुमार राज ने किया है, जिन्होंने अपनी दृष्टि और संवेदनशीलता से इस फिल्म को सजीव कर दिया है। उनका निर्देशन हर फ्रेम में

दिखाई देता है, जो फिल्म को एक नई ऊंचाई पर ले जाता है। कहानी की गहराई और चरित्रों की जटिलता को जिस तरह से उन्होंने प्रस्तुत किया है, वह वाकई काबिल–ए–तारीफ है।

फिल्म का संगीत भी इसकी एक और खासियत है, जो इस्माइल दरबार द्वारा तैयार किया गया है। हर गीत, हर धुन कहानी के साथ पूरी तरह मेल खाती है और दर्शकों को भावनाओं के सफर पर ले जाती है। गानों ने भी अपनी अलग पहचान बनाई है और चार्टबस्टर बन गए हैं।

डॉल्बी एटमॉस में साउंड डिजाइन निहार रंजन समल द्वारा किया गया है, जो फिल्म के हर सीन को जीवंत बनाता है। साथ ही, फिल्म में रजा मुराद की आवाज ने इसे और भी प्रभावशाली बना दिया है।

'अमीना' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। यह फिल्म महिलाओं की शक्ति और उनके संघर्ष की कहानी है। यह दिखाती है कि अगर हौसला और जुनून हो तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

कुमार राज प्रोडक्शन की यह पांचवीं फिल्म है। इससे पहले उनकी फिल्म थी 'तारा' जिसको 500 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं और फिल्म को फॉरेन लैंग्वेज केटेगरी में ऑस्कर में एंट्री मिला था। अब 'अमीना' भी वैसे ही पसंद की जा रही है जो इस बात का सबूत है कि सच्ची और प्रभाव परक कहानियां हर किसी को पसंद आती हैं। 'अमीना' को लेकर भी कुमार राज उतने ही आशावान है। उनका कहना है ''इस फिल्म को तकनीकी लेबल पर बहुत पसंद किया जा रहा है। फिल्म देखने वाले दर्शक जानते हैं रेखा राणा और अनंत महादेवन की भूमिका वाली इस फिल्म को दोहरी स्टाइल में पेश किया गया है।फिल्म की कहानी में एक तरफ फिल्म चल रही है और दूसरी तरफ थियरेटर चल रहा है और वही लड़की है अमीना और मीना।''

कुमार राज एक और प्रायोगिक फिल्म बनाने की तैयारी से जुड़ गए हैं जो बरसात बाद शुरू होगी। वह एक हॉलीवुड फिल्म 'we the silk warm' बनाने की तैयारियों में भी हैं। ''फिलहाल तो हम अभी 'अमीना' की कामयाबी मनाने की सोच रहे हैं। मेरा विश्वास है फिल्म 25 हफ्ते चलेगी।'' बड़े उत्साह से कहते हैं कुमार राज।

कोल टाउन की रहस्यमयी गलियों में लौटने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि अमेजॉन मिनीटीवी ने "तुझपे मैं फ़िदा सीज़न 2" का दिलचस्प ट्रेलर पेश किया है

मायापुरी डेस्क

अमेजॉन की मुफ़्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा अमेजॉन मिनीटीवी दर्शकों को कोल टाउन में वापस ले जाने के लिए तैयार है - प्यार, दिल टूटने और रहस्य से भरी एक जादुई यात्रा पर - क्योंकि यह आधुनिक समय की परीकथा, तुझपे मैं फ़िदा के दूसरे सीज़न की घोषणा करती है। पहले सीज़न की शानदार सफलता के बाद, स्ट्रीमिंग सेवा ने आज बहुत अधिक प्रत्याशा के साथ आगामी सीज़न के लिए आकर्षक ट्रेलर का अनावरण किया। बीबीसी स्टूडियो प्रोडक्शंस इंडिया द्वारा निर्मित, इस सीज़न में प्रिय कलाकारों की वापसी हुई है, जिसमें रुद्राक्ष जायसवाल और निकित ढिल्लन क्रमशः मार्कस और आयरा की अपनी भूमिकाओं को दोहराते हैं।

दिलचस्प ट्रेलर हमें इस बात की झलक देता है कि, कैसे मार्कस और आयरा के बीच कभी इतनी चमकीली चिंगारी जलती थी, जो अभी भी बनी हुई है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, हम देख सकते हैं कि ब्रेकअप के बाद वे अपने दिलों को फिर से जोड़ रहे हैं, लेकिन उनके इर्द-गिर्द की परछाइयाँ एक काला रहस्य छिपाए हुए हैं। जैसे-जैसे मार्कस और आयरा कोल टाउन के खतरनाक रहस्यों का पता लगाते हैं, क्या वे सुलह कर पाएंगे, या उनकी कहानी एक दुखद मोड़ लेगी?

अमेजॉन मिनीटीवी के हेड ऑफ़ कंटेंट अमोघ दुसाद कहते हैं, " तुझपे मैं फ़िदा का दूसरा सीज़न गहन रोमांस, रहस्य और साज़िश का सही मिश्रण है। कथा और कथानक निश्चित रूप से दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे, क्योंकि कोल टाउन की खामोश गलियों में रहस्य छुपता रहता है। बेहतरीन कलाकार, मनोरंजक कहानी और बेहतरीन पटकथा निस्संदेह दर्शकों को पसंद आएगी। "

बीबीसी स्टूडियोज प्रोडक्शंस इंडिया के जीएम समीर गोगटे ने कहा, " तुझपे मैं फ़िदा ने वाकई हमारे दर्शकों के दिलों और दिमाग पर कब्जा कर लिया है और हम मार्कस और आयरा को और अधिक रोमांस और साज़िश के लिए वापस लाने के लिए उत्साहित हैं। हम हमेशा अपने भागीदारों को सामग्री प्रदान करने के नए तरीके खोजते रहते हैं और अमेजॉन मिनीटीवी इस रोमांटिक थ्रिलर के साथ दर्शकों तक पहुँचने के लिए एकदम सही मंच प्रदान करता है।"

सीरीज में अपनी भूमिका को फिर से निभाने को लेकर उत्साहित रुद्राक्ष जायसवाल ने कहा, "मैं सीजन 2 में एक बार फिर मार्कस की यात्रा पर जाने के लिए उत्साहित हूं। मेरा किरदार गहन विकास का अनुभव करता है, अपने निजी जीवन और कोल टाउन के जटिल रहस्यों में गहराई से उतरता है। जैसे-जैसे मार्कस एक गंभीर दिल टूटने से उबरने की दर्दनाक प्रक्रिया से गुजरता है, उसे आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार होने से पहले खुद को फिर से बनाना और फिर से परिभाषित करना होगा।"

उन्होंने आगे कहा, " कहानी कहने का मेरा जुनून और अपने काम के प्रति अटूट समर्पण मुझे मार्कस की यात्रा को वास्तविक प्रामाणिकता और तीव्रता के साथ पेश करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर पल हमारे समर्पित दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ जाए। मैं एक समृद्ध, सूक्ष्म प्रदर्शन लाने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हूं जो मार्कस के विकास के सार को पकड़ता है, और मैं इस आकर्षक अध्याय को हमारे दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। आपने हमें जो प्यार और समर्थन दिया है, उसके लिए धन्यवाद, यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। ...

काजोल की बेहतरीन फिल्में, जिनसे उन्होंने फैन्स के दिलों पर चलाया जादू

– असना ज़ैदी

काजोल इंडस्ट्री में एक्टिंग से ज्यादा अपने बेबाक और चुलबुले स्वभाव के लिए जानी जाती हैं. शनिवार 5 अगस्त को एक्ट्रेस अपना 49वें जन्मदिन मना रही हैं. अपने इस 31 साल के करियर में काजोल ने एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में की हैं. बता दें कि काजोल ने फिल्म 'बेखुदी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. काजोल के बर्थडे पर आज हम आपको उनकी बेहतरीन फिल्मों के बारे में बताएंगे जिन्होंने अपनी एक्टिंग से सबको अपना दीवाना बनाया।

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995)

काजोल ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में काम किया और यह जोड़ी ऑन–स्क्रीन पर फैंस की पसंदीदा जोड़ी बन गई. फिल्म में काजोल ने 'सिमरन' नाम की लड़की का रोल प्ले किया था।

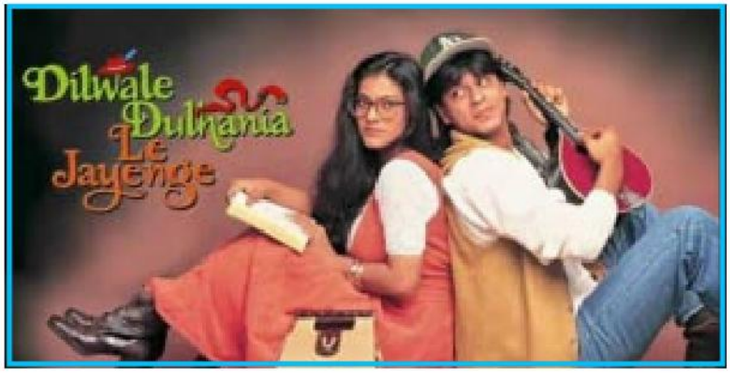

कुछ कुछ होता है (1998)

फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल ने अंजलि शर्मा की भूमिका निभाई थी. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल शाहरुख खान के साथ नजर आई थी।

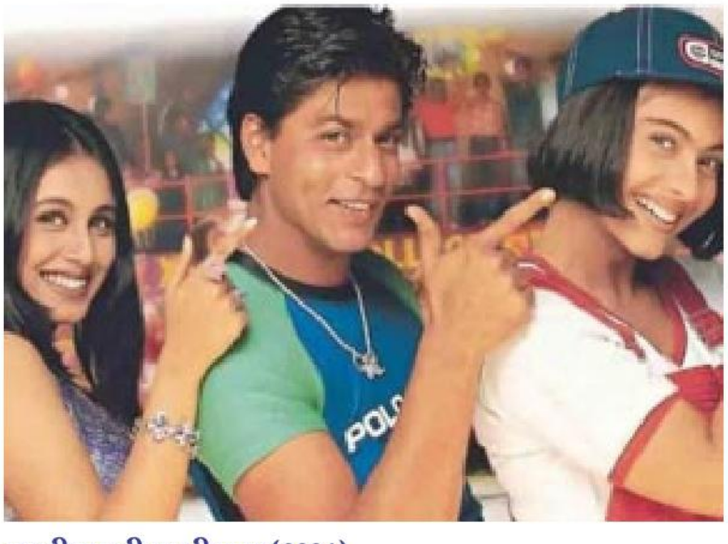

कभी खुशी कभी गम (2001)

'कभी खुशी कभी गम' फैमिली ड्रामा फिल्म में काजोल ने एक मिडिल क्लास पंजाबी लड़की का किरदार निभाया था. उनकी कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को काफी इम्प्रेस किया और उनका ये डायलॉग 'तुस्सी बड़े मजाकिया हो' काफी मशहूर हुआ।

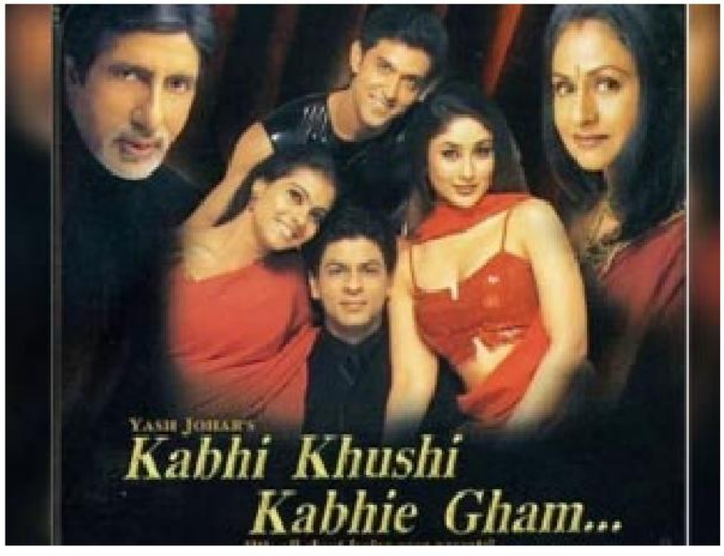

माई नेम इज खान (2010)

फिल्म 'माई नेम इज खान' में, काजोल ने सिंगल मॉम मंदिरा की भूमिका निभाई, जिसे एक ऑटिस्टिक मुस्लिम व्यक्ति रिजवान खान से प्यार हो जाता है. एक हादसे में अपने बेटे के मारे जाने के बाद, मंदिरा अपनी हालत के लिए रिजवान को कसूरवार ठहराती है और एक जासूस की मदद से मामले को सुलझाने की कोशिश करती है।

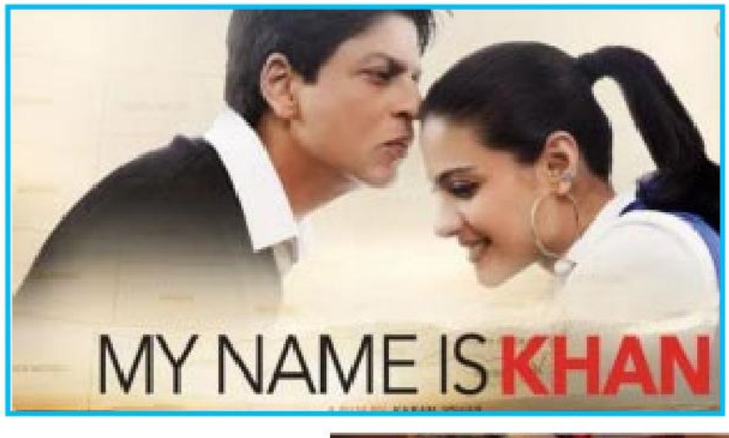

तानाजी (2020)

अजय देवगन और काजोल फिल्म 'तानाजी' में 20 साल बाद साथ नजर आए. यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई. इस फिल्म के लिए अजय देवगन को बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था।

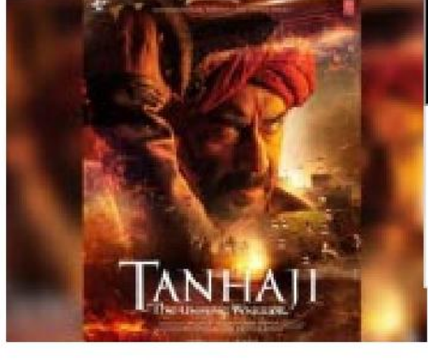

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

क्या आप जानते हैं सिद्धार्थ पी मल्होत्रा निर्देशित 'महाराज' 9 एकड़ जमीन पर बनी थी?...

मायापुरी डेस्क

फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने दर्शकों को 'महाराज' की दुनिया की मेकिंग के पीछे की एक झलक दी। वीडियो से पता चलता है कि प्रोजेक्ट के सेट को बनाने में 700 से अधिक कर्मचारी लगे। मेकर्स ने यह भी साझा किया कि पूरा सेट 9 एकड़ जमीन पर बनाया गया था और इसे पूरा करने में 10 महीने लगे।

महाराज के निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, "यहां अमित रे और सुब्रत चक्रवर्ती द्वारा डिजाइन किए गए शानदार सेट डिज़ाइन किया गया है, जब मैंने पीरियड बनाते समय आदि से पूछा था कि मैं स्क्रीन पर समय को फील और स्मेल करने के लिए रियल लोकेशन्स पर शूटिंग करना चाहता हूं, तब महाराज से एक बड़े सिनेमाई अनुभव वाली फिल्म लाने के लिए आदि और उनके विजन को धन्यवाद, उन्होंने मुझे इन प्रतिभाशाली प्रोडक्शन डिज़ाइनर्स के साथ सशक्त बनाया, जिन्होंने ऐसे सेट डिजाइन किए जो प्रॉप्स से लेकर नक्काशी और फिनिश तक हर तरह से शानदार और डिटेल्ड थे! अमित और सुब्बू सर को धन्यवाद और मुझे राजीव रवि से बहुत खुशी है कि हम आपके विजन के साथ न्याय कर सके और मेरे विजन को जीवंत बना सके एन्जॉय द यूनिट...

'महाराज' ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर बेहतरीन सफलता हासिल करते हुए क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों से व्यापक प्रशंसा हासिल की। इससे पहले, यह न सिर्फ भारत में टॉप 10 चार्ट में टॉप पर थी, बल्कि 22 दूसरे देशों में भी नंबर एक स्थान पर है। हाल ही में, मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर आदित्य चोपड़ा और वाईआरएफ टीम को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, "एक बार फिर, आदि ने मुझे एक ऐसी कहानी को जीवंत करने की इजाजत दी, जिसे बताने की जरूरत थी। मैं महाराज से मिल रहे प्यार से बहुत खुश हूं। आदि आपके और पूरी वाईआरएफ टीम के प्रति मेरा ग्रैटिट्यूड सिर्फ एक साधारण 'धन्यवाद' देना काफी नहीं लगता।"

मल्होत्रा ने 'महाराज' से डेब्यू करने वाले जुनैद खान की भी तारीफ की। उन्होंने कमेंट किया "जुनैद वास्तव में उस कहावत को साकार करता है, 'एक फल पेड़ से दूर नहीं गिरता।' उनका वर्क एथिक और अभिनय कौशल स्पष्ट रूप से उनके पिता [आमिर खान] के प्रभाव को दर्शाते हैं।" 'महाराज' ने 2018 की ब्लॉकबस्टर 'हिचकी' के बाद मल्होत्रा की डायरेक्टर चेयर पर वापसी है!..

मेरा सोनू इतना सोना, इतना प्यारा-सोनू सूद माँ की सदा....

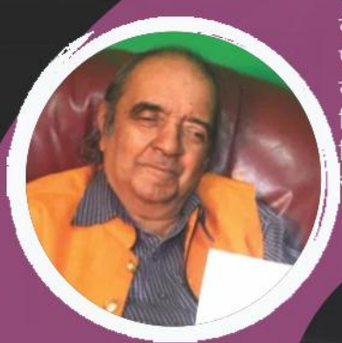

अली पीटर जॉन

यह मुझे उन बेटों के क्लब में सोनू सूद का स्वागत करने के लिए बेहद खुशी और आनंद देता है जो अपनी मां की पूजा करते हैं। मुझे इस अनोखे क्लब के कुछ अन्य नामों का उल्लेख करना चाहिए और कुछ उल्लेखनीय नाम हैं **दिलीप कुमार, एम.एफ.हुसैन, देवानंद, गुलजार, खुशवंत सिंह,** यह छोटे लेखक और अब क्लब के नवीनतम सदस्य **सोनू सूद** हैं।

सोनू तब भी एक युवा व्यक्ति थे, जब उनकी माँ, **सरोज** ने उन्हें उन विचारों और मूल्यों के बारे में सिखाया, जिनके साथ वह बडे हुए हैं, कुछ साल पहले उनकी मां की मृत्यु हो गई, लेकिन जो उन्होंने उन्हें सिखाया था और

उन्होंने सीखने का अभ्यास किया था, वह अब उनके जीवन का एक हिस्सा है, और यह उनकी माँ के कारण है जो कुछ वह आज है, हमारे पास बेहतर अभिनेताओं में से एक है, एक इंसान जो श्रेष्ठ है और जो पिछले आठ महीनों के दौरान उभरा है, वह है प्रवासियों का मसीहा और सेवा करने के लिए और जरूरतमंद लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए एक बड़े दिल वाला आदमी हैं।

सोनू जब सरकार और संस्थानों की प्रवासी (माइग्रेंट) समस्या को हल करने के तरीकों को खोजने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तो उन बहादुर और साहसिक कदमों को कोई कैसे भूल सकता है? कोई कैसे भूल सकता है कि सड़कों पर और रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर और यहां तक कि विभिन्न हवाई अड्डों पर उन्होंने कैसे सुनिश्चित किया कि लाखों लोग सुरक्षित घर वापस चले गए या नहीं? क्या यह विश्वास करना मुश्किल नहीं है कि एक आदमी वह कर सकता है जो सरकार केवल करने की योजना बना सकती हैं या करने का सपना देख सकती हैं या करने का वादा कर सकती हैं? जो चुनौती लगभग अविश्वसनीय थी, उसे लेने का साहस एक आदमी कैसे कर सकता था? उन्होंने कैसे यह किया है जो कोई भी करने की कोशिश नहीं कर सकता है?

मैंने खुद इन सवालों के जवाब खोजने की कोशिश की है और मैं एक तरह के निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि यह उनकी मां थी जो अपने बेटे के पीछे का बल थी जिसने उनसे ऐसा कराया जो लगभग असंभव माना जाता था।

और समय के साथ और सोनू सूद की बढ़ती गतिविधियों के साथ वह जितना संभव हो उतनी मदद करने के लिए केवल अपने विश्वास को मजबूत करते है। सोनू उन (मिग्रंट्स) प्रवासियों की समस्याओं को हल करने से नहीं रुके, जो अब यह मानने लगे हैं कि वह भगवान के अवतार हैं और बिहार और यूपी में बहुत सारे माता–पिता हैं, जिन्होंने अपने बच्चों का नाम सोनू और यहां तक कि सोनू सूद रखा और अपने बच्चो को उनकी तरह बनाने का सपना देखा हैं।

प्रवासी मुद्दा केवल सोनू द्वारा निपटाया गया मुद्दा नहीं है, उनके द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि वे उन संकटों का सामना कर सकें जो भविष्य में आने वाली समस्याओं से चिंतित थे। सोनू ने अलग–अलग राज्यों में सड़कें भी बनवाई हैं। वह किसी भी संख्या में सर्जरी के पीछे के ऑर्गनाइजर रहे हैं और किडनी, लीवर और अन्य ऑर्गन फैलिएर से पीड़ित रोगियों को एक नया जीवन देने में सफल रहे हैं। अब उनके पास 970 और अधिक रोगियों की सर्जरी करने में मदद करने की योजना है और जिस तरह से वह काम कर रहे हैं, ऐसा नहीं लगता है कि यह अद्भुत आदमी आने वाले समय में बड़ा बदलाव लाएगा।

हाल के बिहार चुनावों के दौरान उनके राजनीतिक परिदृश्य का हिस्सा होने के बारे में कई अटकलें थीं, लेकिन राजनीति और राजनेताओं से दूर रहकर, उन्होंने केवल अपनी प्रतिष्ठा, लोकप्रियता और कद को और अधिक बढ़ाया है।

लेकिन अच्छे काम की कोई तारीफ नहीं हो सकती है और यही सोनू सूद के साथ हो रहा है। उन्हें दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से वाहवाही मिल रही है और सम्मान भी मिल रहा है, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य पर ध्यान नहीं दिया, जो मुझे लगता है कि उनके लिए उनकी मां ने बहुत पहले तय किया था।

उनकी मां ने एक बार उन्हें बताया था कि बच्चे को दिया जाने वाला सबसे अच्छा उपहार शिक्षा है। और यही वह लक्ष्य है जो सोनू अब पूरी लगन के साथ अपना रहे है। यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसने अब उन छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ बहुत ही मूल्यवान कदम उठाए हैं जिनके पास बेहतर प्रकार की शिक्षा के लिए जाने का साधन नहीं है और यह विश्वास करना फिर से मुश्किल है कि यह एक आदमी किसी भी तरह के किसी भी भेद के बिना इतने सारे राज्यों में इतने सारे छात्रों की मदद कर सकता है। अब विज्ञापन में सैकड़ों छात्र हैं जो विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का अनुसरण कर रहे हैं, सभी फाइनेंसियल सपोर्ट और इस व्यक्ति की प्रेरणा के कारण हैं।

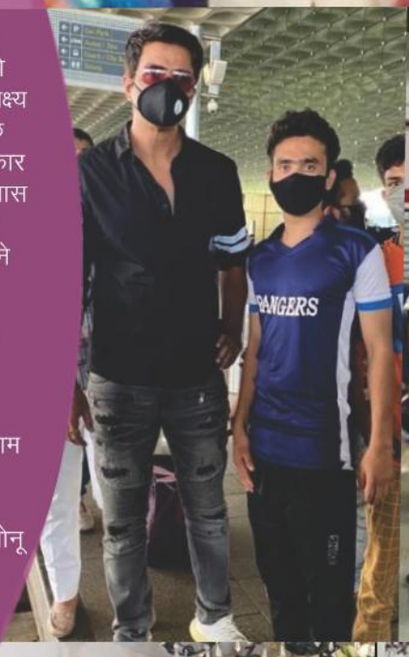

और यह आदमी अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कैसे काम करते है यह इस हालिया इशारे से देखा जा सकता है। एक ऑटो चालक एक बहुत ही भयानक दुर्घटना से गुजरा था और अपने दोनों हाथों को बुरी हालत में पाया था। भीड़ में से किसी ने सोनू के बारे में सुना था और उसको सोनू से संपर्क करने का एक तरीका खोजने को कहा था। अगर समय पर मदद नहीं मिलती, तो ऑटो चालक को अपने हाथों को खोना पड़ता क्योंकि चोटें सेप्टिक फैला सकती थी और जितनी जल्दी हो सके सर्जरी की जरुरत थी। सोनू को हादसे की सारी जानकारी मिली और उन्होंने ऑटो चालक को एक संदेश लिखा, जिसमें कहा गया था कि उसके हाथ बच जाएंगे और उसी संदेश में उसने ऑटो चालक को लिखा कि वह उसे अस्पताल से वापस आने के बाद उसे अपने ऑटो में सवारी के लिए ले जाने की उम्मीद करते हैं। क्या आप सोच सकते हैं कि उस युवा ऑटो चालक ने क्या महसूस किया होगा जब उसे फिरसे जीवन मिला है।

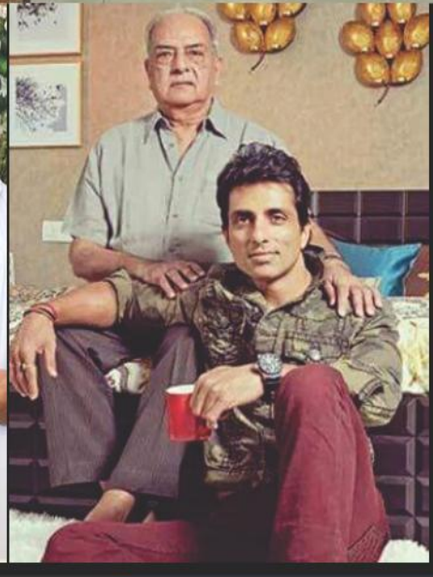

मैं बस इतना कर सकता हूं कि सोनू के लिए एक प्रार्थना करे कि वह अपने मानवीय कार्यों को जारी रखे, किसी और चीज के लिए नहीं, तो केवल अपनी मां के प्यार के लिए।

अनु– छवि शर्मा

संजय दत्त की झुलसती जीवन गाथा, बस चलती जा रही है

—अली पीटर जॉन

संजय दत्त सम्भवतः उन चन्द लोगों में से होंगे जो शायद हजार बार जीये और हजार बार मरे होंगे। उनकी जिंदगी किसी साधारण इंसान की जिंदगी जैसे नहीं थी फिर भी वे अपनी

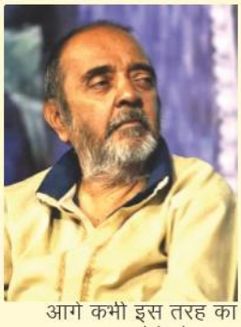

असाधारण और उच्श्रृंखल जीवन की कहानी सुनाने के लिए बचे रहे, जिसमें था उनका अशांत बचपन, अव्यवस्थित युवावस्था, आसमान छूने वाली अतुलनीय स्टारडम और मातापिता ने जिस देश की सेवा में अपनी पूरी जिंदगी न्योछावर कर दी उसी देश के विरुद्ध अपराध की तोहमतें लगना, उसके साथ ही कोर्ट कचहरी में भगदड़ और अंत में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पाँच वर्ष तक का सश्रम कारावास की सजा दिए जाना, फिर पुणे के यरवडा जेल में खतरनाक सजायाफ्ता मुजरिम की तरह जेल में सख्त काम करना, कागज के लिफाफे बनाना और एवज में चंद रुपये का मेहनताना पाना और उस मेहनताने को जमा करना ताकि कारावास पूरा होने के बाद जब वे जेल से छूट जाए तो बच्चों के लिए उपहार खरीद सके और अपने आप से ये कसम खा सके कि आगे कभी इस तरह का जीवन वो नहीं जीएगा। जिस तरह पिछले 56 साल से जी रहा था। इतना सब होने के बावजूद उनके चाहने वालों ने उनका साथ नहीं छोड़ा और जब पच्चीस फरवरी को, जेल से, उनके अच्छे वर्ताव के चलते उनकी सजा को कुछ कम करके रिहा कर दिया गया तो उनके हजारों प्रशंसक, चाहने वाले, परिवार वालों ने यरवडा जेल से छूटने पर उन्हें लिवाने और उनका स्वागत करने पहुँचे। ऐसे चाहने वालों के लिए ये बनता है कि उनके अजब जीवन को फिर से खंगाल कर उनके प्यारे संजय दत्त की जीवन यात्रा के बारे में उन्हें बताया जाए जिन्हें सब प्यार से संजूबाबा पुकारते हैं।

संजू का जन्म सुनील दत्त और नरगिस के सबसे बड़े बेटे के रूप में हुआ था, जिन्होंने काफी गर्मागर्मी वाली परिस्थितियों में शादी की थी, जब सुनील दत्त बॉलीवुड में एक नवागंतुक थे और जिन्हें महबूब खान की 'मदर इंडिया' में कास्ट किया गया था शूटिंग के दौरान उन आग की लपटों में कूद गए थे जिसमें नरगिस फंस गई थीं और अपने जीवन और करियर को जोखिम में डाल कर भी नरगिस को सुरक्षित बाहर निकाल लाए थे। संजू को उनके माता–पिता का भरपूर प्यार और देखभाल मिली, लेकिन वे दोनों अभिनेताओं के रूप में इतने व्यस्त थे कि उनके पास यह देखने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला कि उनके संजू बाबा कैसे बड़े हो रहे हैं। जब उन्हें

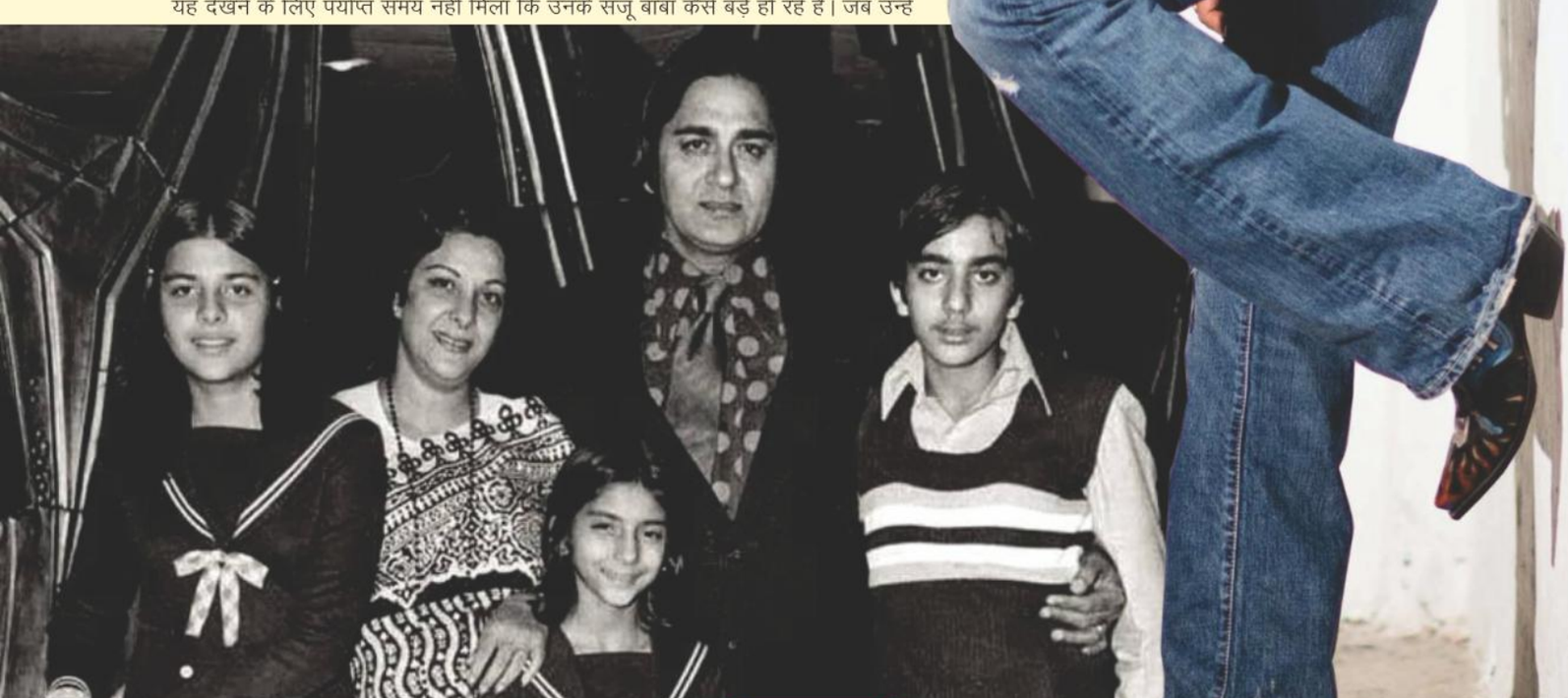

पता चला कि वह गलत राहों से जा रहा है, तो उन्होंने उसे बोर्डिंग स्कूल भेजने का फैसला किया, लेकिन माता–पिता से दूर रहने से भी वो दूसरे बिगड़ैल लड़कों की संगत में फँस गए और बहुत कम उम्र में ड्रग्स लेने लगे। उनके माता–पिता को नशे की लत के बारे में तब पता चला जब वह नशेड़ी के रूप में वापस आये। हालाँकि उनकी इस स्थिति ने उन्हें अपने पिता की तरह एक स्टार बनने के लक्ष्य से नहीं रोका और उनके पिता ने उन्हें एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने तथा चुनौतियों का सामना करने और बतौर स्टार विकसित होते देखने के लिए पूरी दिलचस्पी ली। वह भारत के बेहतरीन एक्टिंग शिक्षकों में से एक, प्रोफेसर रोशन तनेजा की देखरेख में अभिनय का प्रशिक्षण लेने लगे। फिर संजू को उनके माता–पिता ने महबूब स्टूडियो में बड़ी धूमधाम से लॉन्च किया, जहां पूरी इंडस्ट्री ने उन्हें और खासकर उनके माता–पिता को बधाई दी, जो फिल्म उद्योग के लिए प्रेरणा के प्रमुख स्रोत बन गए थे। संजय दत्त ने 'रॉकी' में नायक के रूप में अपना करियर शुरू किया जिसमें देव आनंद की खोंज टीना मुनीम नायिका बनी।

खैर किसी तरह वो इस फिल्म को पूरा करने में कामयाब रहे, लेकिन इसी बीच अपनी मां को कैंसर पीड़ित होकर खोने की पीड़ा से भी गहराई से गुजरे। इसका असर उन पर इतना पड़ा कि उन्होंने बहुत ज्यादा शराब पीना और ड्रग्स लेना शुरू कर दिया, जो एक अभिनेता के रूप में उनके प्रदर्शन पर साफ दिखने लगा और धीरे धीरे उनके हाथ से अच्छी फिल्मों के ऑफर्स छूटने लगे।

उन्हें कई फिल्म निर्माताओं द्वारा साइन किया गया था लेकिन इससे उनकी नशे वाली जीवनशैली में कोई बदलाव नहीं आया। एक समय ऐसा भी आया जब ड्रग्स और शराब के घातक संयोजन ने उन्हें एक जंगली और हिंसक युवक बना दिया, जो अपने पिता पर हमला करने की कोशिश करते समय दो बार भी नहीं सोचते थे। जब चीजें पूरी तरह से उनके हाथ से निकल गई तब उनके पिता ने उन्हें जर्मनी में एक पुनर्वास केंद्र में भेजने का फैसला किया, जहां से वह पूरी तरह से सुधरे हुए युवा के रूप में लौटे और सौभाग्य से फिल्म उद्योग तब भी खुली बाहों से उनका इंतजार कर रहा था, उनके स्वागत के लिए। एक अभिनेता के रूप में उनका नया जीवन 'जान की बाजी' नामक एक फिल्म से शुरू हुआ और यह शीर्षक जैसे उनके आने वाले समय और जीवन की धोतक बन गई।

वे फिल्मों में बतौर स्टार, एक नए मुकाम पर पहुंच रहे थे, जिसमें उनके साथ विशेष रूप से 'गुमराह' और 'खलनायक' जैसी फिल्में थीं। ऐसा लग रहा था कि खुशी के दिन उनके जीवन में फिर से लौट आयें हैं लेकिन बहुतों को नहीं पता था कि उस समय उसका दिमाग कैसे काम कर रहा था। 1993 में मुंबई में बड़े बड़े दंगे और बम विस्फोट हुए थे। उन दिनों वे सैशेल्स में महेश भट्ट के साथ 'गुमराह' की शूटिंग कर रहे थे, जब उनके पिता ने उन्हें जल्द से जल्द मुंबई लौटने के लिए कहा। उस समय के मुख्यमंत्री श्रीशरद पवार जो उनके पिता (सुनील दत्त) के करीबी दोस्त थे, उन्होंने दत्त को आश्वासन दिया कि उन्हें केवल कुछ जांच के दायरे में रखा जाएगा, लेकिन जब वे मुंबई एयरपोर्ट पर उतरे तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार करके हथकड़ी लगाकर पुलिस हिरासत में ले लिया गया। यहीं से उनके और उनके परिवार के जीवन में तूफान की शुरुआत हुई। उस दिन, उस हवाई अड्डे से शुरू होकर, पिछले वर्ष सजा काटकर जेल से निकलने और जीवन के उनतीस वर्षों की ये यात्रा उनके लिए किसी जहन्नुम की यात्रा से कम नहीं थी, उस दौरान जो जीवन उन्होंने जीया वो कोई जीवन ही नहीं था।

उन्होंने पहली शादी ऋचा शर्मा से की थी जिनसे उनकी एक बेटी त्रिशाला है जो अब चौबीस साल की है और अमेरिका में रहती है। ऋचा की कैंसर से युवावस्था में ही मृत्यु हो गई थी। इसके बाद संजय का दिल कई प्रेम प्रसंगों से जुड़ा लेकिन सबसे ज्यादा चर्चित रहा रिया पिल्लई के साथ का प्रेम प्रसंग। ये वो वक्त था जब संजय गंभीर संकट में थे और देश के दुश्मन कहे जाते थे। वह जेल जाता आता रहा और इन्हीं दिनों 'मुन्नाभाई एमबीबीएस', 'वास्तव' और 'लगे रहो मुन्नाभाई' जैसी सार्थक फिल्में भी की, लेकिन खतरे की तलवार उनके सिर पर लटकी रही, इन्ही दिनों गर्दिशों के बादलों के बावजूद उन्होंने मान्यता से शादी कर ली जिससे न केवल उनका परिवार बल्कि उनके प्रशंसकों को भी घोर आश्चर्य हुआ। लेकिन संजय उस महिला के साथ मजबूती से खड़े रहे जो उनके अनुसार, उनके जीवन में शांति ला सकती थी। कालांतर में उन्हें जुड़वाँ बच्चे भी हुए, लेकिन इससे पहले कि संजय वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकें, आखिरकार उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा दोषी ठहराया गया जिसके परिणाम स्वरूप चार साल से अधिक समय उन्हें जेल भोगना पड़ा, बीच बीच में वे, पैरोल या फर्लो पर बाहर आते रहे, जिस दौरान उन्होंने अपने को फिल्म उद्योग की सभी कार्रवाईयों से दूर रखा और सिर्फ अपने परिवार के साथ समय बिताया।

संजय आखिरी बार बड़े पर्दे पर साल 2019 में आई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म 'पानीपत' में नजर आए थे। लॉकडाउन के बाद 'सड़क 2' सहित उनकी और भी कई परियोजनाएं रिलीज होने की कतार में है। वहीं, एक्टर साहेब बीवी और गैंगस्टर 3, तोरबाज, शमशेरा जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे।

फिल्म 'शमशेरा' में संजय दत्त विलेन की भूमिया निभा रहे हैं। यशराज के बैनर तले बन रही इस फिल्म में रणबीर एक डकैत का किरदार निभाते नजर आयेंगे। ये प्रोजेक्ट काफी दिलचस्प है। वहीं, उनके प्रशंसक 'केजीएफः चौप्टर 2' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेता वो खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। उनके किरदार का नाम है अधीरा।

अनुः–सुलेना मजुमदार अरोरा

हमने 'महाभारत' या 'रामायण ' का रीमेक नहीं,बल्कि इन्हें एडॉप्ट किया है...

सिद्धार्थ कुमार तिवारी

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

बचपन से ही फिल्में देखने के शौकीन रहे सिद्धार्थ कुमार तिवारी अपने पिता की इच्छा के विपरीत मुंबई नगरी में कहानी कहने के लिए आए थे। 2007 में उन्होने 'स्वास्तिक प्रोडक्शंन' की शुरूआत की। सिद्धार्थ कुमार तिवारी ने संस्कृति व कला को संरक्षित करने के महत्व को समझते हुए 'महाभारत', 'शिव शक्ति', 'राधाकृष्ण','पोरस',वंशज,अम्बर धारा,माता की चौकी,चन्द्रगुप्त मौर्य, महाकाली—अंत ही आरंभ है,कर्मफल दाता शनि, शंकर जय किशन 3 इन 1,बाल कृष्ण,सूर्यपुत्र कर्ण,बेगुसराय और 'श्रीमद रामायण' जैसे सीरियलों के साथ टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनायी। आज की तारीख में ''स्वास्तिक प्रोडक्शंस'' के कर्ता धर्ता सिद्धार्थ कुमार तिवारी की पहचान धार्मिक, पौराणिक व ऐतिहासिक सीरियल बनाने वाले के रूप में होती है। मगर बहुत कम लेगो को याद होगा कि सिद्धार्थ कुमार तिवारी ने सबसे पहले 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' और 'फुलवा' जैसे सामाजिक व विचारोत्तेजक सफलतम सीरियलों के निर्माण व निर्देशन से शुरूआत की थी।

पेश है सिद्धार्थ कुमार तिवारी से हुई बातचीत के अंश...

☐ आपके पिता जी शिक्षक थे।तो फिर सिनेमा के प्रति आपकी रूचि कैसे बढ़ी?

आपने एकदम सही कहा। मेरे पिता जी प्रोफेसर थे। मेरी परवरिश कलकत्ता में हुई। घर में कला का माहौल ही नही था। पर मुझे बचपन से ही फिल्में देखने का शौक रहा है। पता नही क्यों धीरे धीरे मेरे में यह बात गढ़ करती गयी कि मुझे यही काम करना है। मुझे मुंबई जाकर रचनात्मक काम करते हुए सिनेमा में काम करना है। पर मुंबई में मैं किसी को जानता नही था। सिनेमा कैसे बनता है,यह भी नही जानता था। इसके अलावा जब मैने अपने पिता जी से अपने मन की बात बतायी,तो मेरे पिता जी ने साफ तौर पर मनाकर दिया। उनका कहना था कि वह मध्यम वर्गीय परिवार से हैं और प्रोफेसर यानी कि शिक्षक हैं। तो मुझे भी ऐसा ही कुछ करना चाहिए। उन्होने मुझे सलाह दी कि मैं मेहनत करते हुए इमानदारी से अच्छी पढ़ाई करुं। मैं अपने पिताजी के खिलाफ जा नही सकता था। जबकि मेरे अंदर तो मुंबई आकर कुछ करने की धुन सवार थी। तो कई तरह से हाथ पैर मारते हुए अंततः हम मुंबई पहुॅच ही गए। मुंबई में हर इंसान को संघर्ष करना पड़ता है। इससे मैं अछूता नही रहा। मैने मुंबई में दो तीन जगहों पर नौकरी भी की। फिर एक दिन मैने नौकरी छोडकर अपना कुछ करने के लिए 2007 के अंत में अपनी कंपनी 'स्वास्तिक प्रोडक्शन' की शुरूआत की,इसी के साथ जिंदगी ने गति पकड़ी और एक अलग राह खुली। 2007 के बाद से अब तक की मेरी यात्रा बहुत ही खूबसूरत रही है। 2007 से रचनात्मक काम करते हुए कई टीवी सीरियल,दो वेब सीरीज का निर्माण व निर्देशन कर चुका हूॅ।

☐ आप मुंबई में कहानियां कहने के लिए आए थे,पर आप खुद उससे पहले किस तरह की कहानियां पढ़ा करते थे?

मेरी यात्रा काफी रोचक रही है। मैं तो हार्ड कोर फिल्मी दिवाना रहा हूॅ। मेरे घर में वही उत्तरप्रदेश वाले परिवारों की तरह का माहौल था। हम चार भाई हैं और मैं सबसे छोटा हूॅ। तो बदमाश भी था। हमारे खानदान में वैल्यू सिस्टम काफी सशक्त था। लेकिन सच यही है कि मैने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐतिहासिक व पौराणिक विषयों पर सीरियल बनाउंगा। जब 2009 में मैने 'महाभारत' पर काम करना शुरू किया,तो पूरे पांच वर्ष लगे इसे स्क्रीन पर लाने में। तब मुझे अहसास हुआ कि इन पौराणिक कहानियों में कितनी गहराई है,कितने भाव हैं। हर कहानी में शब्द से ज्यादा जो भावार्थ है,उसे समझना और दर्शकों तक पहुॅचाने की जरुरत है। तब मुझे अहसास हुआ कि अगर युवा पीढ़ी के तौर पर मैं इन कहानियों को समझ पा रहा हूॅ, तो मेरे जैसे करोड़ों लोग होंगे,जो इन कहानियों के भावार्थ को समझना चाहते होंगे। यह ख्याल आते ही मैने 'महाभारत' को बहुत

बारीकी से पढ़ना शुरू किया। फिर मेरे सामने एक नई दुनिया ही खुल गयी।

☐ लेकिन आपने शुरूआत सामाजिक विषयों से की थी। आपने सबसे पहले सीरियल ''अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो'' का निर्माण किया था। उसके बाद 2013 तक आप 'फुलवा' सहित कई सामाजिक सीरियल बनाए। ऐसे सीरियल बनाने का ख्याल कहां से आया था?

मेरी समझ में यह आया था कि टीवी एक बहुत बड़ा व सशक्त माध्यम है। यहां पर हमें कुछ अच्छी बातें कहनी चाहिए। मैं सास बहू मार्का सामाजिक सीरियल बनाना या कहानियां नहीं सुनाना चाहता था। मैं ऐसी कहानी सुनाना चाहता था,जिसके पीछे कोई सोच हो। 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' की कहानी के पीछे सोच व भाव बहुत अच्छा था। हमारा परिवार गांव से आता है। हमने गांव में देखा है कि जब इंसान के पास दो वक्त का खाना नही होता है, तो उनकी क्या हालत होती है। इस पर सोचते हुए मेरे दिमाग में जो ख्याल आया,उसी के चलते मैने सीरियल बनाया– ''अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो''। इसमें 'बिटिया ही कीजो' के इर्द गिर्द सारा भाव पिरोया हुआ था। उन दिनों 'बिटिया ना कीजो.. ' काफी लोकप्रिय गीत था। क्योकि सारी मुसीबतों के बावजूद जो काम बेटी करती है,वह कोई बेटा नहीं करता। मैं दिल से इस बात पर यकीन करता हूँ कि लड़कियां जो काम कर सकती हैं,वह काम लड़के नही कर सकते। इसी सोच के साथ मैने 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' की कहानी सुनायी थी, जिसे काफी पसंद किया गया। मेरी समझ से तब तक ऐसी कहानी आयी भी नही थी। मैं यह काम इसलिए करता हूँ क्योंकि कहानी सुनाते हुए मैं इंज्वॉय करता हूँ। मैं आज भी हर दिन सोलह से अठारह घंटे काम करता हूँ। यह मेरा ऐसा शौक है,जो मेरी जिंदगी बन गया है। फिर हमने 'फुलवा' बनाया। तो इस तरह की कहानियां कहते हुए हम खुद भी सीखते हैं। मेरे इन सीरियलों में बहुत गहराई से एक विचार था,जिनसे मैं सीख रहा था। मैं तो आज भी काम करते हुए सीख रहा हूँ।

☐ आपके सामाजिक विषयों वाले सीरियल काफी लोकप्रिय हो रहे थे, ऐसे में आप पौराणिक या ऐतिहासिक विषयों वाले सीरियलों की तरफ रुख क्यों किया?

सच यही है कि मैने कभी सोचा ही नहीं था कि मैं 'महाभारत' की कहानी बयां करुंगा। 'महाभारत' की कहानी बयां करने के लिए हजार बार सोचना चाहिए। लेकिन एक दिन 'स्टार प्लस' से विवेक बहल ने मुझे बुलाया और बताया कि उन लोगो को मेरा सीरियल ''अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' काफी अच्छा लगता है और इसके किरदार भी अच्छे हैं। वह चाहते थे कि हम इसी तरह से 'महाभारत' के किरदारों पर भी सोचें। 'महाभारत' का नाम सुनने पर मुझे याद आया कि मैने बचपन में कुछ जगह 'महाभारत' की किताब देखी हैं तो जब मैने 'महाभारत' पढ़ना शुरू किया,तो मैने पढ़ा,शुरूआत में ही लिखा है कि वेद व्यास जी ने गणेश जी को बुलाया और कहा कि वह 'महाभारत' की कथा लिखना शुरू करें गणेश जी ने सोचा कि यह अब मुझे ज्ञान देंगें, तो उन्होने वेद व्यास जी से कहा कि जल्दी जल्दी बोलिएं लेकिन रूकिए नहीं..आप रूकेंगें, तो हमें जाना पड़ेगा.तब वेद व्यास जी ने कहा कि ठीक है..मैं रूकूंगा नही ।पर तुम जो लिखोगे,उसे समझ कर लिखना। इस बात ने मुझे अंदर से हिला दिया। सच कह रहा हूँ। 'महाभारत' पढ़ने के बाद मैं इंसान के तौर पर काफी बदल चुका था। मेरी जिंदगी बदल गयी। 'महाभारत में चारों वेद है। .विश्व में ऐसी कोई कहानी नही है,जो कि 'महाभारत'में न हो। 'महाभरत 'में ही लिखा है,'जो कुछ यहां है,वही दूसरी जगह है। जो यहां नहीं वह कही नहीं..''मैं उत्साहित था। पर सोच रहा था कि मैं इन कहानियों को कैसे कह पाउंगा। मैने उसे पढ़ना व समझना शुरू किया।

☐ 'महाभारत' को पढ़कर समझने के बाद उसे वर्तमान पीढ़ी समझ सके,इसे अनुकूल बनाने के लिए आपकी अपनी क्या तैयारी रही और आपने क्या क्या पढ़ा?

यही तो मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। जबकि सभी मुझे सलाह दे रहे थे कि मैं शापित 'महाभारत' पर काम न करुं। 'महाभारत' की किताब को कोई भी अपने घर में नही रखता। महाभारत बनाने का प्रयास करने वाला चैनल भी बंद हो गया। इधर मैं लगातार काम करता जा रहा था,पर समय बढ़ता जा रहा था। मैं स्केच भी बना रहा था। पर समय छह माह से साढ़े तीन वर्ष बीत गए। बारिश के चलते सेट भी बह गया। आप सोच नही सकते वह सब मेरे साथ हुआ। मतलब मेरे साथ बहुत कुछ बुरा हो रहा था। पर मैने सोच लिया कि हमें हार नही माननी है। 'महाभारत' की कहानी को वर्तमान पिढ़ी तक पहुँचाना जरुरी था। मैने पुणे के भंडारकर इंस्टीच्यूट से संपर्क साधा। कुछ लोगों को रिसर्च करने के लिए रखा। हमारे देश में हर भाषा में अलग वर्जन का महाभारत है। सवाल था कि किसे एकदम स्वीकृत माना जाए। तब मैने भंडारकर इंस्टीच्यूट के क्रिटिकल संस्करण का सहारा लिया.पर हम दूसरे ग्रंथ भी पढ़ रहे थे.मान लीजिए हमने एक कहानी पढ़ी, तो फिर हमने अलग अलग ग्रंथों में उस कहानी के संदर्भ में क्या उल्लेख है,उसे भी पढ़कर जाना.सब कुछ पढ़ने व जानने के बाद सवाल करता था? इसका मतलब क्या हुआ और आज की तारीख में यह समसामायिक कैसे होगा? जिस धृतराष्ट के पास हजारों हाथियों का बल है,वह कमजोर कैसे हो सकता है? धृतराष्ट् को अंधा क्यों लिखा गया? आखिर 'महाभारत' कहना क्या चाहता है? यह सवाल मुझे उत्साहित करते थे,रात रात भर बैठकर सोचता था,सवालों के जवाब ढूढने के लिए दूसरी किताबें तलाश कर पढ़ता। तब निष्कर्ष निकला था कि अगर पिता अपने बेटे के मोह में पड़ जाए,तो वह पिता धृतराष्ट होता है और बेटा दुर्योधन होता है। यह मेरा अपना इंटरप्रिटेशन था। मैने तीस चालिस लोगों की अपनी एक टीम बनायी। 'महाभारत' का लेखन,निर्माण व निर्देशन मैं ही कर रहा था। यह बहुत विशाल विषय है। तो मैने अपने साथ

उन लोगों को जोड़ा,जिनसे मेरी वेब लेंथ मिलती हो। हमें उस दुनिया को भी विज्युअलाइज करना था। हमें इसे इस तरह पेश करना था कि हर इंसान को लगे कि यही हमारी संस्कृति है। यही हमारा इतिहास है और लोगों को उस पर गर्व भी हो। मजेदार बात यह है कि मैं काम करते हुए इंज्वॉय कर रहा था। हम सभी ने कलेंडर में भी देखा है कि कुरूक्षेत्र में युद्ध के मैदान में अर्जुन के रथ पर सारथी बने भगवान कृष्ण गीता का उपदेश दे रहे हैं और सभी खड़े हुए सुन रहे हैं। मेरे मन में सवाल उठा कि भगवान कृष्ण इतनी लंबी गीता कह रहे थे और लोग इंतजार कर रहे थे? इस तरह हर कथा पर सवाल उठ रहे थे? भीष्म को इतने बाण क्यों मारे? एक बाण में ही काम खत्म कर सकते थे। मुझे लगता था कि हर कथा को लेकर जो सवाल मेरे दिमाग में आ रहे हैं, तो वही सवाल दर्शक के दिमाग में भी आएंगे? मैने खोज की तो एक जगह लिखा पाया कि भगवान की एक झपकी हजारों साल माना जाता है। तो मैने अपने सीरियल में बताया कि भगवान ने समय को रोककर उपदेश दिया है। भगवान ने यदि अलौकिक विष्णुरूप दिखाया, तो वह सिर्फ अर्जुन को ही क्यों दिखायी दिया? वहां मौजूद बाकी लोगों को क्यों नही दिखायी दिया। इसका जवाब दिया। मैने यह भी दिखाया कि हर किरदार को मारने से पहले भगवान ने उनके वध की वजह बतायी है। मैने इसे अपनी स्टाइल में पेश किया। मैने हर किरदार की कहानी बयां किया। क्योंकि मैं चाहता था कि जब कुरूक्षेत्र के मैदान में हर किरदार खड़ा हो,तो दर्शक को पता हो कि कौन सा किरदार किस तरह का है। 'महाभारत' एक नही कई किरदारों की कहानी है। मैने सीरियल की शूटिंग शुरू होने से पहले पांच वर्ष तक तैयारी की। कलाकारों का चयन करने के बाद उन्हे डेढ़ वर्ष तक हर तरह क ट्रेनिंग दिलायी। संवाद अदायगी करना सिखवाया। शुद्ध हिंदी चाहिए थी।

☐ 'महाभारत' पढ़ने व समझने के बाद जब आपने सीरियल बनाना शुरू किया,तब आपके दिमाग में किस संदेश को लोगों तक पहुॅंचाने की बात थी?

मेरे अंदर हर बात को लेकर एक उत्सुकता थी कि यह बात क्यों लिखी हुइ है और वही मैं दर्शकों तक पहुॅंचाना चाहता था। 'महाभारत' क्यों लिखी गयी। देखिए,जब इंसान का मनोरंजन होता है,तो वह कहानी सुनने के लिए भाव विभोर हो जाते है। और लोग उस कहानी से कुछ ज्ञान ले लेते हैं। हम किसी को ज्ञान देने जाएंगे, तो कोई भी इंसान ज्ञान नहीं लेना चाहता। 'महाभारत' जब लिखी गयी थी,तब उसमें छोटे छोटे हजारों संदेश दिए गए। उन्हे मैने सीरियल में पेश करने का प्रयास किया। इसलिए हमने भगवान कृष्ण को सूत्रधार बनाया और जो संदेश हम समझ रहे थे,वह कृष्ण के माध्यम से दिलवाया। हमने दिल से इस कहानी को कहा था।

☐ 'महाभारत' पढ़ने,उसे समझने और सीरियल बनाने के दौरान या उसके बाद आपकी जिंदगी में क्या बदलाव आए?

'महाभारत' पढ़ने से पहले मैं बहुत अलग इंसान था। मगर इस पर सीरियल बनाने के बाद मेरी सोच,मेरी कार्यशैली सब कुछ बदला। हम अपनी जिंदगी में सारी गलतियां खुद करके नही सीखते हैं। हमें दूसरों की गलतियों से भी सीखना चाहिए। मेरे अंदर करूणा का भाव आ गया। 'महाभारत' ने मुझे सिखाया कि कोई भी इंसान ब्लैक या व्हाइट नही होता। हर इंसान कहीं न कहीं 'ग्रे' है। अगर आप दूसरे के प्वाइंट आफ व्यू को समझोगे तो आपकी अपनी जिंदगी आज से कल ज्यादा बेहतर होगी। मैने जो कुछ समझा,उसे अपनी जिंदगी में उतारता हूॅं। इसके बाद ही मैने तय कि मैं अपने अतीत की कहानियां अपने भविष्य तक पहुॅंचाउंगा और वही कर रहा हूॅं।

☐ धार्मिक सीरियल हो या ऐतिहासिक सीरियल में सही तथ्य रखने के साथ ही उस माहौल को यथार्थ परक तरीके से उकेरने से लेकर कलाकारों का चयन, उनके कास्ट्यूम आदि पर ध्यान देने के लिए आप की कार्यशैली क्या है?

देखिए,जब मैं 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' जैसी नई कहानी कहता हूॅं, तो इसके किरदारों को लेकर दर्शकों के दिमाग में कोई ईमेज नही है। तो जैसा मैंने बनाया,उसी तरह के किरदार व उसी तरह की दुनिया पर यकीन कर लिया। लेकिन धार्मिक,पौराणिक या ऐतिहासिक किरदारों के कलेंडर नुमा फोटो सभी ने देख रखी है। जब मैं 'राधा कृष्ण' कर रहा हूॅं, तो लोगों के दिमाग में कृष्ण हैं। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम कहानी को किस तरह से एडॉप्ट कर रहे हैं। स्कूल दिनों में हम किताब में जो लिखा होता था,वही उत्तर लिख देते थे,तो हमें पचास प्रतिशत नंबर मिलते थे.शिक्षक कहते थे कि आपने किताब पढ़ने के बाद क्या समझा,यह तो लिखा ही नही। सिर्फ किताब में जो कुछ है,उसे ज्यों का त्यों उतार दिया। तो जिस किरदार पर मैं सीरियल बनाता हूॅं,उसे पहले मैं समझता हूॅं और फिर अपने कंविंशन को मैं अपने कलाकारों को समझाता हूं,तब वह कलाकार उसे परदे पर साकार करता है। इसलिए हम टीम वर्क की तरह काम करते हैं। मैं ऑडीशन ,लुक टेस्ट करने के बाद कलाकार से मिलकर उससे सवाल करता हूॅं कि आप इस किरदार को क्यों करना चाहते हैं? मेरा मानना हे कि यदि किसी को एक किरदार छह माह तक निभाना है,तो वह तब तक उसे सही ढंग से नही निभा पाएगा, जब तक उसके मन में उसे निभाने का कोई भाव ही न हो। कलाकार का मोटीवेट होना बहुत जरुरी है। मैं अपने कलाकार के अंदर एक ताकत भरता हूॅं,एक माहौल बनाता हूॅं। पूरी टीम को एक साथ लाना अति महत्वपूर्ण होता है।

☐ 'महाभारत' बनाने के बाद आप पौराणिक व ऐतिहासिक सीरियलों तक ही सीमित होकर रह गए?

जब मुझे 'महाभारत' बनाने का अवसर मिला,उसे बनाया तो मुझे अहसास हुआ कि महाभारत को लेकर कितनी कम जानकारी मुझे

swastik
PRODUCTIONS

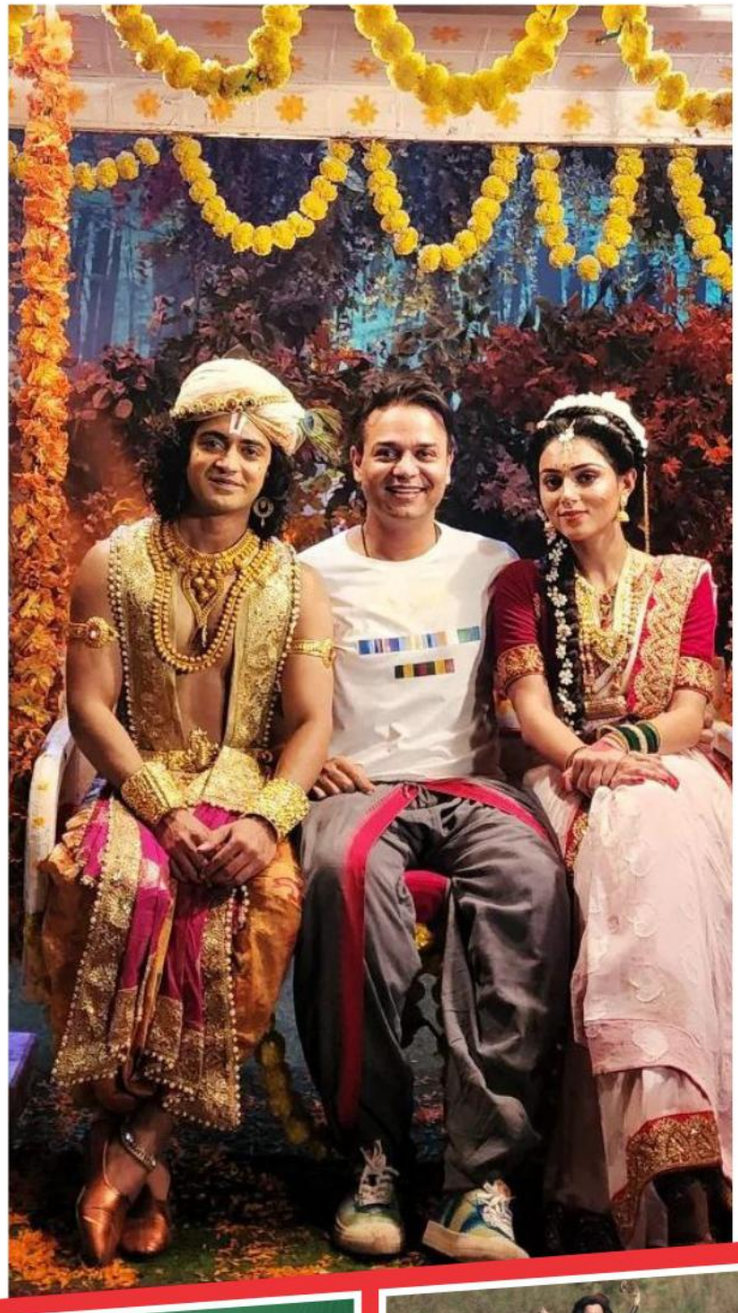

थी। जबकि यह कहानियां हमारी युवा पीढी के लिए बहुत ही ज्यादा समसामायिक हैं। इन्हे कहा जाना चाहिए। हमारे अपने देश में इतिहास भरा पड़ा है। हमें मंगल या ज्यूपीटर जाने की जरुरत नही है। हमारे यहां कि संस्कृति इतनी लाजवाब है कि हमें कहीं और जाने की जरुरत नही है। लोग कहते है कि हम तो मॉडर्न है और यह मैथोलॉजी तो आर्थोडेक्स है। पर 'महाभारत' पढ़ने के बाद मुझे अहसास हुआ कि ऐसा नही है। इसमें बहुत कुछ ऐसा है,जो कि वर्तमान पीढ़ी के लिए जानना जरुरी है। इससे उनकी जिंदगी में बदलाव आएगा। उनकी जिंदगी की तमाम समस्याएं अपने आप खत्म हो सकती हैं। मैं अपने सीरियलों में पूरी एक दुनिया रचता हूँ। 'महाभारत' से राधा कृष्ण की दुनिया अलग है। पौरस की दुनिया तो सबसे अलग है। 'कर्मफल दाता शनि' में शनि की कहानी बिल्कुल अलग है। 'श्रीमद रामायण' और 'शिवशक्ति बहुत अलग है। तो पहले मैं कहानी पढ़ता हूँ,उन्हे समझता हूँ,उन पर सवाल जवाब करता हूं,फिर उनके किरदारों को रचता हूँ। शिवपुराण पढ़कर हमारी सोच में बदलाव आता है। आखिर कैलाश कैसा होगा? वृंदावन कैसा होगा। पौरस के जमाने में संसार किस तरह का था। जब हम यह सब जानने का प्रयास करते हैं, तो हमारी सोच,हमारे विचार बदलते हैं। हमारा इंसान के प्रति व्यवहार बदलता है। अलेक्जेंडर की कहानी बयां करते समय मुझे अलेक्जेंडर की दुनिया,उस वक्त का साम्राज्य भी गढ़ना होता है, इससे हम सीखते चले जा रहे हैं। तो इन सारी चीजों को क्रिएट करना मुझे इतना एक्साइटिंग लगा कि मैं ऐसी ही कहानियां कहता जा रहा हूँ। सास बहू मार्का कहानियां करने की मेरी ताकत कभी नहीं रही। मैंने 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' या 'फुलवा'जैसे सीरियल जरुर बनाए हैं। लेकिन इन दिनों मैं 'सब टीवी' पर सामाजिक सीरियल ''वंशज'' लेकर आया हूँ। इसे काफी पसंद किया जा रहा है। यह मॉर्डन डे' की कहानी है। तो मुझे इतिहास व संस्कृति में रूचि है। मुझे लगा कि आज की पीढ़ी को यह कहानी बतायी जानी चाहिए। वर्तमान पीढ़ी को पता चले कि हमारी जड़े कहां है? हम किसी को प्रणाम क्यों करते हैं? हम किसी के पैर क्यों छूते हैं? हमारे पौराणिक और ऐतिहासिक सीरियलों में सब कुछ विज्ञान सम्मत संदेश है। बस यही सोचकर जितनी कहानियां कहने का मौका मिल रहा है,वह कहते जा रहा हूँ।

☐ 87 से 90 के बीच रामायण व महाभारत बनी और इन्हें जबरदस्त सफल मिली थी। पर बाद में जब इन पर दूसरों ने सीरियल बनाए,तो सफलता नही मिली। ऐसे में जब आप इन पर सीरियल बनाने जा रहे थे तो रिस्की लगा था या नहीं?

देखिए,रामानंद सागर और बलदेव राज चोपड़ा ने जो काम किया,वह कमाल का था। यह दोनो ऑयकॉनिक है। वह दौर अलग था। उस दौर के लिए जिस तरह से उन्होने बनाया, उसके बारे में तो हम क्या कह सकते हैं। उससे तो हम सभी ने सीखा। उस वक्त जो युवा पीढ़ी थी,उसने तो काफी कुछ इन दोनो सीरियलों से सीखा था। अब लगभग तीस वर्ष से अधिक समय बीत चुका है। दर्शकों की नई पीढ़ी आ गयी है। तकनीक काफी विकसित हो गयी है। 'महाभारत' के बाद मैने सोचा था कि मुझे 'रामायण' बनाने का भी मौका मिल जाए,पर यह काम अब मैं पूरे दस वर्ष बाद कर पा रहा हूँ। मैने आपको पहले ही बताया कि हम भी चार भाई हैं। मेरे घर में भी यही माहौल रहा है कि बड़ा भाई राम है,वह सभी का ख्याल रखेगा। 'रामायण' तो हमारे देश की संस्कृति है। हम आधुनिक हो गए हैं,पर इसका अर्थ यह नही कि मेरे व मेरे बेटे के बीच रिश्ता बदल गया हो। रिश्ता तो वही है। माता पिता और बच्चे के बीच का रिश्ता वही है, मगर कहीं न कहीं एक्सप्रेस करने के तरीके में जरुर बदलाव आया है। रिश्तों की समझ एक दूसरे के प्रति काफी बदल गयी है। 'रामायण' पर सिनेमा की शुरूआत से कई फिल्में बन चुकी हैं। इसलिए मेरा मानना है कि हर नई पीढ़ी के लिए 'रामायण' व 'महाभारत' की कहानियां कही जानी चाहिए। हर दस साल में 'रामायण' व 'महाभारत' पर फिल्म/सीरियल बननी चाहिए। हमारे यहां हर दस साल बाद एक नया भारत पैदा होता है। नई पीढ़ी को हम अस्सी का सीरियल देखने के लिए नही कह सकते। हमें तो उनकी पसंद नापसंद को ध्यान में रखते हुए उसी कहानी को नए अंदाज व नए इंटरप्रिटेशन के साथ दिखानी होगी। तो जब मैं 'महाभारत' बना रहा था और अब जब मैं 'रामायण' बना रहूँ तो मुझे रिस्क नहीं लगा,बल्कि मुझे पता था कि मुझे आज की सोच के अनुरूप कहानी सुनानी है। मैने इसी सोच के साथ 'महाभारत' बनाया था,उसे लोगों ने देखा और अब लोग 'श्रीमद रामायण' को भी देख रहे हैं। अगर आप दिल से कुछ काम करो, तो सफलता मिलना तय है। इन कहानियों में गहराई है,जिसे आज की पीढ़ी सुनना चाहती है,पर थोड़ा सा अलग अंदाज में। हमारी संस्कृति यह नही कहती कि सब कुछ उसी तरह से करना होगा। बल्कि संस्कृति कहती है कि आओ और अपनी जिंदगी को जियो। तो इसी सोच के साथ मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करता हूँ। फिर जिसे जो सोचना हो सोचता रहे। आज लोग 'रामायण' के सोनी पर और यूट्यूब पर भी देख रहे हैं। हम 'रामायण' को बहुत अच्छे ढंग से बनाया है। हमारा इंटरप्रिटेशन भी युवा पीढ़ी को पसंद आ रहा है तो वह इसे कहीं न कहीं जरुर देखेंगे।मैं रीमेक नही कर रहा हूँ,बल्कि 'रामायण' की कहानी को अपने हिसाब से एडॉप्ट कर पेश कर रहा हूँ। इसीलिए मैने सोचा कि 'दशरथ' का नाम 'दशरथ' क्यों है? उनका असली नाम 'नेमी 'था, जब में यह सच बताता हूं तो कहानी में रोचकता आ जाती है। इसी तरह 'दो वचन' को लेकर भी रोचक कहानी है। आखिर उन दो वचनों का इतना महत्व क्यो है? इन वचनों की आज की तारीख में समसामायिकता क्या है। पच्चीस साल पहले दिए गए वचन को पूरा करना महत्व क्यों रखता है? उस वक्त तो कोई लिखा पढ़ी नही हुई थी। आज तो लोग अग्रीमेंट की भी अवहेलना कर देते हैं। इससे यह पता चलता है कि वह

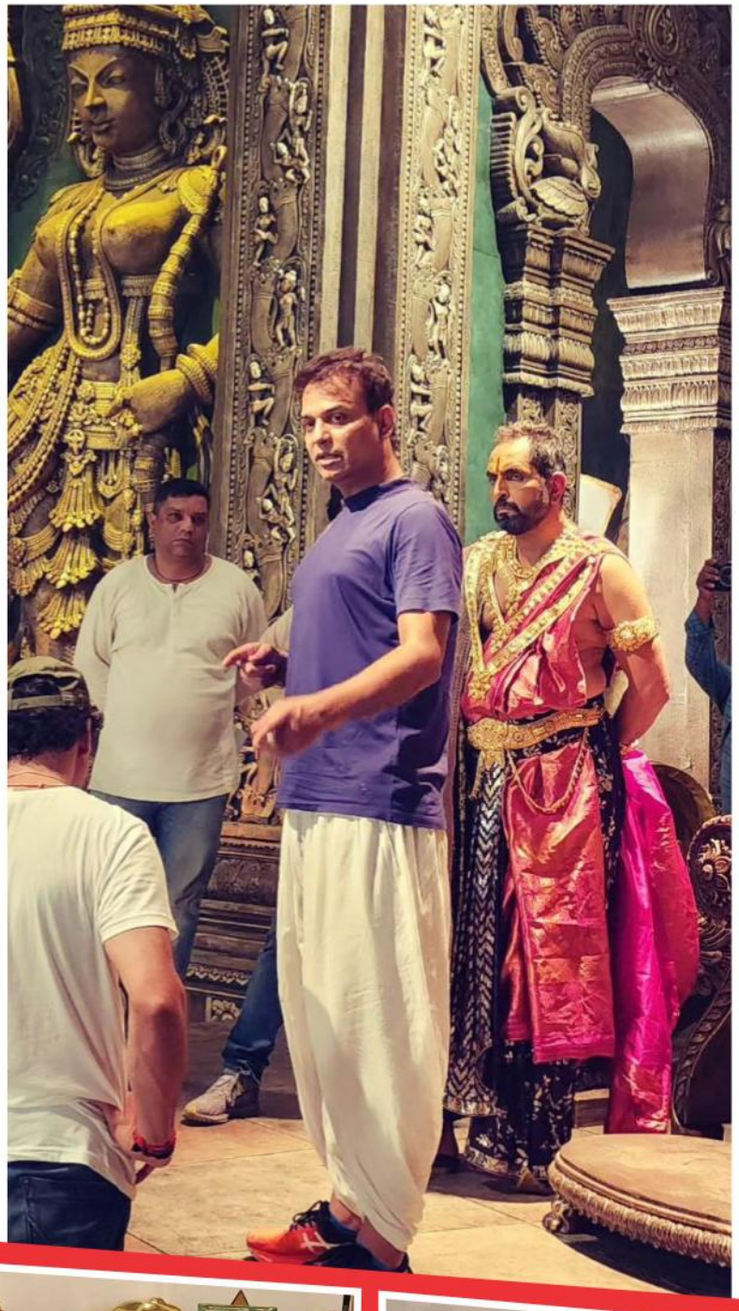

दुनिया कैसी थी।

❑ आप लेखक,निर्माता व निर्देशक हैं। इन तीनो जिम्मेदारियों को किस तरह से निभाते हैं.निर्माता तो धन की सोचता है। लेखक व निर्देशक रचनात्मकता की सोचता है। तो किस तरह के टकराव से गुजरते हैं?

मैं हमेशा यह सोचता हूँ कि मैने इसकी शुरूआत क्यों की थी। मुझे कहानियां कहनी है। मेरी पहली सोच यही रहती है कि हम इस कहानी को सही कह रहे हैं? उसके बाद आता है किस तरह से कहना है। उसके बाद आता है निर्माता वाला एंगल है। बजट और किस जगह कर रहे हैं। पर यह ध्यान रखता हूँ कि बजट वगैरह की सोच के चलते मेरी कहानी के कहने में कोई मिलावट न आने पाए। तो मैने सोचा कि हर बार मैं किराए पर जगह लेकर शूटिंग करता हूँ। अचानक समय के अनुसार जगह वाले का व्यवहार बदल जाता है। एक दिन मैने सोचा कि अगर जगह मेरी होगी,तो कहानी कहने में कोई समस्या नही होगी। इसी सोच के चलते मैने उमरगांव में 25 एकड़ जमीन लेकर 'स्वास्तिक भूमि' नामक स्टूडियो बनाया है। यह सबसे बड़ा स्टूडियो है। जहां सत्रह फ्लोर है, जिन पर हम सीरियल के सेट खड़ा करते हैं। मसलन– 'श्रीमद रामायण' का सेट वहीं पर लगा हुआ है। हमने अयोध्या बसा रखी है। 'इसके अलावा राधा कृष्ण' और 'वंशज' भी वही फिल्माए जा रहे हैं। सभी कलाकार वहीं रहते हैं। इसके अलावा लगभग ढाई हजार लोग वहां पर रहते हैं। पूरा इंफ्रास्ट्क्चार हमने बनाया है, जो कि धीर धीरे विकसित होता जा रहा है। हम इसे इस तरह विकसित कर रहे हैं कि निर्माता निर्देशक अपनी युनिट व स्क्रिप्ट लेकर पहुँचे और पूरा प्रोडक्ट बनाकर वहां से निकले। हम दूसरो को भी वहां पर काम करने का मौका दे रहे हैं। मसलन–फिल्म 'रामसेतु' का सेट वहीं पर लगा था। हमारी 'स्वास्तिक भूमि' पर कई फिल्में व सीरियल फिल्माए जा चुके हैं। यदि हमें हाथी,घोड़े रथ आदि के साथ विशाल स्तर पर शूटिंग करनी है,तो उसके लिए बड़ी जगह चाहिए थी,जो कि हमारे पास 'स्वास्तिक भूमि' में है। मेरे लिए आवश्यक यही है कि मैं कहानी कहने में कहीं भी मिलावट न आने दूँ।

❑ ''स्वास्तिक प्रोडक्शन'' की शुरूआत 2007 में हुई थी। आज हम 2024 में बैठे हैं। तब से अब तक की स्वास्तिक प्रोडक्शन की यात्रा को किस तरह से देखते हैं?

हमारी यात्रा काफी अच्छी रही। हमने अपना आफिस बनाया,जहां हमारा खुद का पोस्ट प्रोडक्शन करने की क्षमता है। हमारा अपना स्टूडियो है। हम अपनी कहानियों के साथ ही दूसरे के कंटेंट को भी पूरे विश्व भर में वितरित करते हैं। हमारे पास कई कहानियों के कॉसेप्च्युअल राइट्स हैं। हम पूरे विश्व के बाजार में जाकर भारत की कहानियां फैलाते हैं। हम कंटेंट का सिंडीकेशन भी कर रहे हैं। हमने अपना डिजिटल प्लेटफार्म 'स्वास्तिक प्रोडक्शन इंडिया' भी दो साल पहले शुरू किया है। अब हम सीधे ग्राहक तक पहुँच रहे हैं। हम कुछ कहानियां ऐसी बनाने जा रहे हैं,जिन्हे हम सीधे अपने डिजिटल प्लेटफार्म पर ही डालेंगें। इन सत्रह वर्षों में हमारे साथ काफी लोग जुड़े हैं। तो स्वास्तिक का एक दूसरे से गहराई के साथ जुड़ा हुआ एक बहुत बड़ा परिवार है।

❑ पंद्रह वर्षों में आप टीवी इंडस्ट्री में किस तरह के बदलाव देख रहे हैं?

बहुत बदलाव आ गया है। तकनीक के चलते पूरी दुनिया बदल गयी है। पहले हम सिर्फ टीवी ही कर रहे थे। लेकिन तकनीक ऐसी बदली कि अब यह जरुरी नही रह गया कि दर्शक को अपना पसंदीदा कार्यक्रम रात नौ बजे ही देखना पड़ेगा, वह अब किसी भी वक्त देख सकता है। अब तो यूट्यूब बहुत बड़ा प्लेटफार्म हो गया है। अब मोबाइल के चलते जरुरी नही कि एक कार्यक्रम पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख रहा हो, बल्कि वह अलग अलग अपने मोबाइल पर एक ही वक्त में एक ही कार्यक्रम को देख सकता है। तो अब ग्राहक की तरफ से कंजम्शन और एक्सपोजर दोनो बढ़ा है। पूरे विश्व से एक्सपोजर है। तो बहुत सारे अवसर हैं। जरुरी यह है कि आप अपने दर्शक से जो कहानी कह रहे हो,उसमें गुणवत्ता होनी चाहिए।

❑ ओटीटी के आने से टीवी को नुकसान हो रहा है?

टीवी पर कार्यक्रम देखने की पद्धति यह है कि 'शिवशक्ति' देखना है,तो साढ़े आठ बजे ही देख सकते हैं। पर तकनीक ऐसी आ गयी है कि दर्शक जब चाहे, तब वह शिवशक्ति देख सकते हैं। तो टीवी के दर्शक टीवी से हटकर डिजिटल पर देख रहे हैं। ओटीटी पर भी देख रहे हैं। इससे टीवी के बिजनेस मॉडल को जरुर नुकसान हुआ है। लोगों ने कहानी देखना बंद नही किया है,पर किस तरह से किस मीडियम पर देखेंगें, वह बदलाव है।

❑ आपने भी ओटीटी के लिए कुछ बनाया है?

हमने ओटीटी के लिए 'स्केप लाइफ' नामक सीरीज का लेखन व निर्देशन किया है। एक कहानी में छह कहानी कही.अच्छा अनुभव रहा। हर मीडियम पर कहानी कहने का तरीका अलग होता है।

❑ आप तो बचपन से फिल्में देखने के शौकीन रहे हैं,तो फिल्मों से दूरी क्यों?

बस बहुत जल्द यह दूरी खत्म होने वाली है। एक फिल्म की तैयारी लगभग पूरी हो गयी है।

❑ स्वास्तिक प्रोडक्शन के अगले प्रोजेक्ट क्या हैं?

हम डिजिटल पर कुछ ज्यादा ही फोकश कर रहे हैं। इन दिनों स्वास्तिक अपने मौलिक कार्यक्रमों को यूट्यूब व फेशबुक अदि की तरफ बढ़ा रहा है। हम भारत के स्प्रियच्युअल युनिवर्स पर भी काम कर रहे हैं। हम डिजिटल पर मंत्र का मतलब भी समझाने वाले हैं। हम मंदिरों की कहानियां भी बताने वाले हैं। ो हम टीवी पर नही कह सकते,वह हम डिजिटल पर कहने जा रहे हैं। फिल्म पर काम चल ही रहा है। हमने 'शिवशक्ति' के साथ ही 'लक्ष्मी नारायण' की शुरूआत की.'लक्ष्मी नारायण' में यदि शिव आते हैं तो वह 'शिवशक्ति वाले ही शिव आते हैं। हम टीवी,ओटीटी, डिजिटल, संगीत, पॉडकॉस्ट हर तरफ बढ़ रहे हैं।

"Shrimad Ramayan" में राम और रावण के बीच अंतिम युद्ध दिखाया जाएगा...

मायापुरी डेस्क

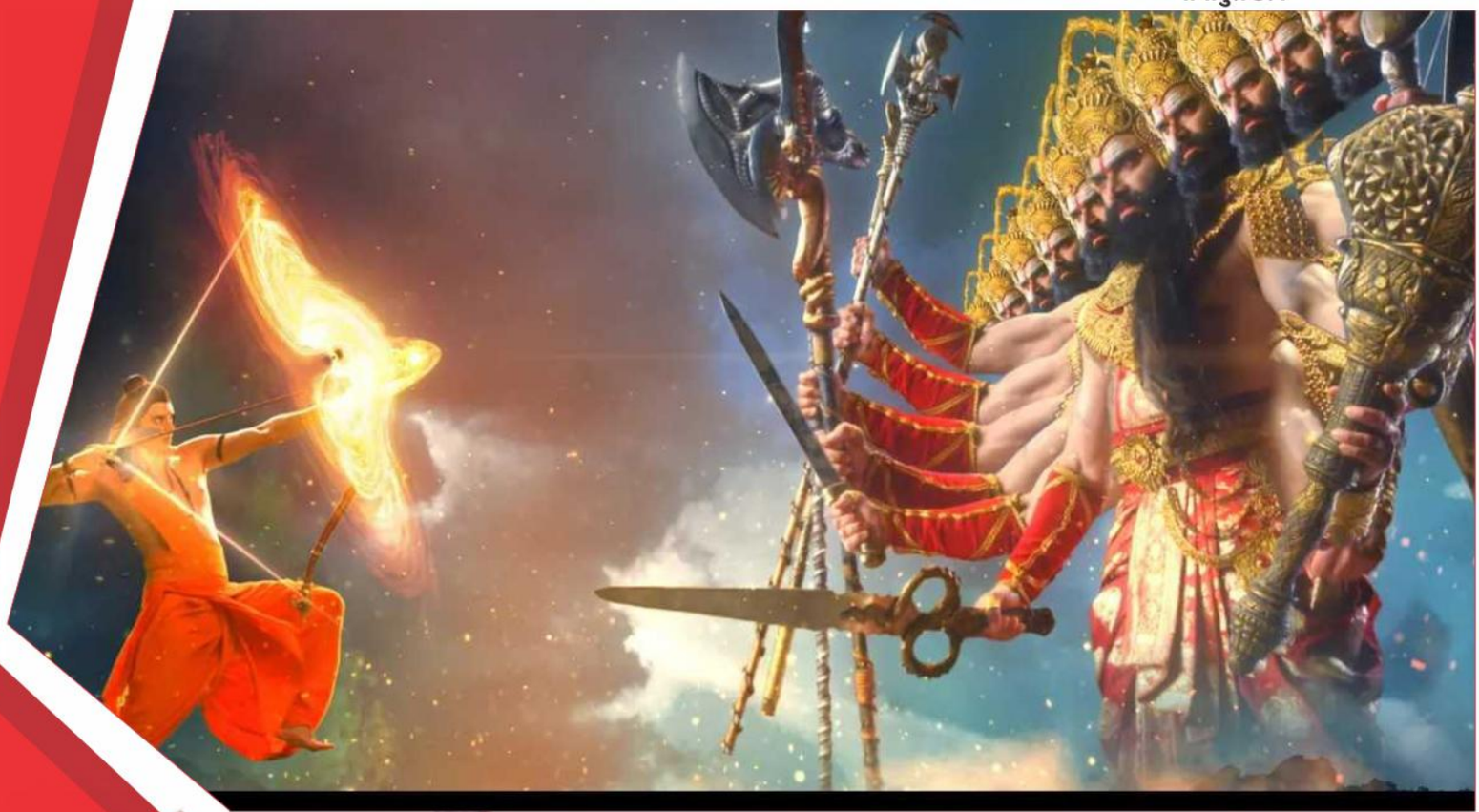

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की महाकाव्य गाथा 'श्रीमद् रामायण' में भगवान राम (सुजय रेऊ) और लंका नरेश रावण (निकितिन धीर) के बीच युद्ध एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुँच जाता है, जब लक्ष्मण (बसंत भट्ट) विजयी होकर इंद्रजीत (ऋषिराज पवार) का वध कर देते हैं। अपने बेटे के मृत शरीर को देखकर लंका नरेश रावण स्तब्ध रह जाता है, और वह भगवान राम के खिलाफ पूर्ण युद्ध की घोषणा कर देता है। अंतिम टकराव से पहले, राजा रावण, जो अपने बेटे की मृत्यु से क्रोधित है, भगवान राम के खिलाफ लड़ाई जीतने की उम्मीद में अधिक शक्ति प्राप्त करने के लिए शिव पूजा करता है।

इस बीच, भगवान राम एक शक्तिशाली शक्ति पूजा करते हैं, जिसमें वे महागौरी का आह्वान करते हैं, तथा रावण की शक्ति पर काबू पाने के लिए उनसे मार्गदर्शन और शक्ति मांगते हैं, जिससे अच्छाई और बुराई की शक्तियों के बीच एक महाकाव्य संघर्ष के लिए मंच तैयार होता है।

भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता सुजय रेऊ ने चल रहे ट्रैक पर अपने विचार साझा करते हुए कहा,

"वर्तमान कहानी की तीव्रता बेजोड़ है। एक तरफ, शक्तिशाली रावण भगवान राम से युद्ध करने की तैयारी कर रहा है और अपने बेटे को खोने का शोक मना रहा है, वहीं दूसरी तरफ, भगवान राम, माता सीता तक पहुँचने के लिए, एक शक्तिशाली पूजा करके अपने दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी का सामना करने की तैयारी करते हैं। इस अंतिम अध्याय में, दर्शक विश्वास और

शक्ति की अंतिम परीक्षा देखेंगे क्योंकि रावण और राम दोनों अपने अंतिम टकराव की तैयारी करते हैं, दोनों ही ईश्वरीय हस्तक्षेप की मांग करते है।"...

Ramayan: अयोध्या और मिथिला को रीक्रिएट करने के लिए बनाए गए 12 भव्य सेट
मायापुरी

A KARAN JOHAR FILM
STUDENT OF THE YEAR
फिल्म स्टुडेंट ऑफ़ द ईयर में सिद्धार्थ को रोल मिलने से नाखुश थे वरुण?
मायापुरी

सलमान से जरीन खान को लगता है डर?
मायापुरी

आलिया- शाहीन को मुस्लिम नाम देने पर महेश भट्ट की मां हो गई थी परेशान?
मायापुरी

रश्मि देसाई ने अपने फाइनेंशियल संघर्षों और उन कठिन पलों को किया याद!
मायापुरी

माही विज ने सिद्धार्थ शुक्ला के निधन से पहले हुई मुलाकात का किया जिक्र
मायापुरी

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

पद्मश्री कैलाश खेर द्वारा संयोजित और निर्देशित 'नई उड़ान' का 8वां संस्करण भारत की लोक संगीत प्रतिभा को उजागर करता है

—मायापुरी प्रतिनिधि

मधुर प्रतिभा और सांस्कृतिक उत्सव की एक सिम्फनी में, पद्मश्री कैलाश खेर द्वारा क्यूरेट और मेंटर किए गए, 'नई उड़ान' के 8वें संस्करण ने कलात्मक उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छुआ। भारत के लोक संगीत क्षेत्रों की जीवंत टेपेस्ट्री से बेहतरीन संगीत प्रतिभाओं को उजागर करने और उनका पोषण करने के लिए समर्पित यह प्रतिष्ठित पहल एक बार फिर स्वतंत्र संगीतकारों के लिए एक आकर्षक प्रकाश स्तंभ साबित हुई । हमने भूमिका चावला, पापोन, प्रशांत वीरेंद्र शर्मा, गायत्री अशोकन, देबोजीत साहा, सुरेश वाडकर, पद्मा वाडकर, संजीवनी भेलंडे, श्रुति अनिंदिता, अमिताभ वर्मा, शिबानी कश्यप, नैतिक नागदा, सोनिया बिरजी, करणवीर वोरा और कई अन्य लोगों की उपस्थिति देखी।

'नई उड़ान' का हालिया संस्करण संगीत कला की असीम संभावनाओं का एक शानदार प्रमाण है, जो उभरते हुए प्रतिभाओं को अपनी अनूठी आवाज को सामने लाने और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के साथ साझा करने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करता है। हर सुर, हर धुन और हर लय भारत की विविध संगीत परंपराओं के सार के साथ गूंजती है, जो दुनिया भर के दर्शकों के दिलों में गूंजती है।

शास्त्रीय प्रस्तुतियों और लोक संगीत से लेकर समकालीन रचनाओं तक, नयी उड़ान ने संगीत की अभिव्यक्तियों के स्पेक्ट्रम का जश्न मनाया, जिससे कलाकारों को संगीत की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से अपनी कहानियों को बुनने का मौका मिला।

कैलाश खेर के दूरदर्शी मार्गदर्शन में, नई उड़ान उत्कृष्टता और अवसर का पर्याय बन गई है, जो कलाकारों को उनकी क्षमताओं के शिखर तक पहुँचने के लिए सही सुर और स्वर प्रदान करती है। 'हमारा लक्ष्य एक वैश्विक मंच बनाना है जहाँ स्वतंत्र संगीतकार अपनी कलात्मकता को व्यक्त कर सकें, दर्शकों से जुड़ सकें और हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर सकें। प्रत्येक संस्करण एक समय में एक धुन के माध्यम से संगीत परिदृश्य को प्रेरित करने, उत्थान करने और बदलने के हमारे मिशन की पुष्टि करता है'

कैलास एंटरटेनमेंट और पद्म श्री कैलाश खेर प्रस्तुत करते हैं नई उड़ान 2024, पुनीत बालन ग्रुप द्वारा संचालित, एक्शन प्लस फुटवियर द्वारा समर्थित

पद्मश्री कैलाश खेर द्वारा संयोजित और निर्देशित 'नई उड़ान' का 8वां संस्करण भारत की लोक संगीत प्रतिभा को उजागर करता है

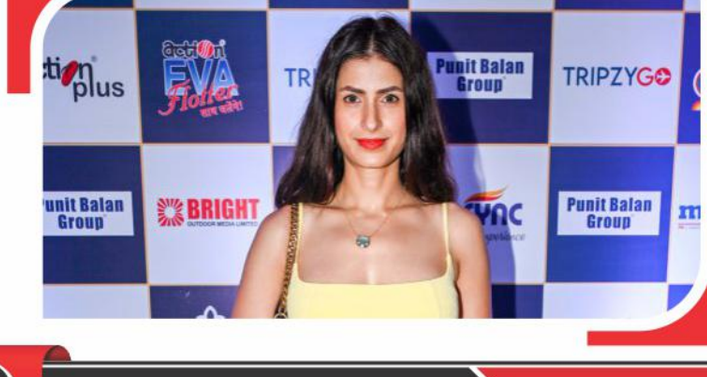

एडिनबर्ग फ्रिंज में डबल–बिल लेकर आने जा रही हैं 'भारत की एकमात्र लौह युवती' के रूप में मशहूर अनु वैद्यनाथन

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

प्रसिद्ध हास्य कलाकार, फिल्म निर्माता और ट्रायथलीट अनु वैद्यनाथन एडिनबर्ग फ्रिंज फेस्टिवल में अपने बहुप्रतीक्षित वन–ओमन शो, मेनगेरी का प्रीमियर करने के लिए तैयार हैं। यह 2022 के बीसी : एडीयानी कि बिफोर चिल्ड्रेन, आफ्टर डायपर्स से ठीक पहले उसी स्थान पर उनके पहले कॉमेडी ऑवर के ठीक पहले होगा। यह डबल–बिल वैद्यनाथन के थिएटर डेब्यू का

भी प्रतीक होगा। उनके शो एडिनबर्ग के द पैटर हाउस में एक के बाद एक चलेंगे।

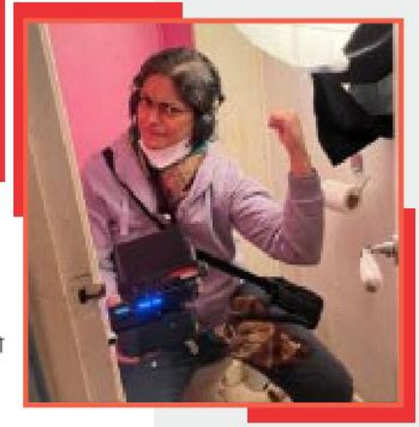

अपनी असाधारण बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, वैद्यनाथन मंच पर अपना अनूठा दृष्टिकोण पेश करती हैं, जो जीवन की कठिनाइयों पर एक प्रफुल्लित करने वाला और व्यावहारिक दृष्टिकोण पेश करती है। यह एक अविस्मरणीय अनुभव होने का वादा करता है, जिसमें मातृत्व, सांस्कृतिक पहचान और व्यक्तिगत अर्थ की खोज पर मजाकिया चिंतन के साथ तीखा हास्य का मिश्रण है।

मेनगेरी थिएटर का एक घंटा है और जीवन के संग्रहों, विरोधाभासों और आप्रवासन और मानसिक स्वास्थ्य पर एक टिप्पणी का एक विचारोत्तेजक अन्वेषण है। यह शो रूपक रूप से जीवन के प्रत्येक सीज़न के सर्वश्रेष्ठ को व्यक्तिगत सन्दूक (नूह के विपरीत) में उसकी यात्रा के मार्मिक चित्रण में चुनता है। बीसी:एडी एक घंटे की स्टैंडअप कॉमेडी है जो एक विश्व स्तरीय एथलीट से गैर–विश्व स्तरीय मां बनने के उतार–चढ़ाव के बारे में है, जिसने ऑफ–ब्रॉडवे, ग्रेटर यूरोप, यूके और भारत सहित दुनिया भर का दौरा किया है।

त्वरित बुद्धि और हार्दिक कहानी कहने के माध्यम से, वैद्यनाथन एक अप्रवासी के रूप में आधुनिक मातृत्व के अनुभवों, प्रवास की चुनौतियों और अंतरसांस्कृतिक विवाह की जटिलताओं पर प्रकाश डालती हैं। एक उत्तर भारतीय से विवाहित दक्षिण भारतीय के रूप में वैद्यनाथन अपने जीवन के विभिन्न चरणों – करियर और विवाह से लेकर पालन–पोषण और व्यक्तिगत संघर्षों की समृद्धि को उजागर करने के लिए अपने अद्वितीय दृष्टिकोण का उपयोग करती हैं।

अनु वैद्यनाथन, जिन्हें अक्सर 'भारत की एकमात्र लौह युवती' के रूप में जाना जाता है, उनके जीवन के अनुभवों को एक हास्य कथा में बदल देती है जो सार्वभौमिक विषयों के साथ प्रतिध्वनित होती है।

नई दिल्ली, भारत में जन्मी अनु वैद्यनाथन ने पर्ड्यू यूनिवर्सिटी और नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ साइंस और मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की। फिर उन्होंने कैंटरबरी विश्वविद्यालय, क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैंड से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

2009 में, अपनी पीएचडी की दिशा में काम करते हुए, वह अल्ट्रामैन कनाडा कार्यक्रम पूरा करने वाली पहली एशियाई महिला बनीं।वह आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लेने के लिए प्रशिक्षण लेने वाली पहली भारत–आधारित एथलीट हैं। वैद्यनाथन पहली भारतीय महिला थीं जिन्होंने 2008 में हाफ आयरनमैन 70.3 क्लियरवॉटर वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने आईआईएम अहमदाबाद और आईआईटी रोपड़ में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में काम किया है। उनका संस्मरण एनीव्हेयर बट होम – एडवेंचर्स इन एंड्योरेंस, 2016 में प्रकाशित हुआ था।

अनु वैद्यनाथन का उल्लेखनीय करियर विविध क्षेत्रों में फैला है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी के साथ, उन्होंने 10 किमी तैराकी, 420 किमी बाइक की सवारी और 84.4 किमी दौड़ सहित अल्ट्रामैन इवेंट को पूरा करने वाली पहली एशियाई के रूप में बाधाओं को तोड़ दिया। उन्हें उनकी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित पुस्तक, एनीव्हेयर बट होम एडवेंचर इन एंड्योरेंस, और सनडांस एपिसोडिक लैब्स और रॉटरडैम फिल्म फेस्टिवल में फीचर और टीवी स्क्रिप्ट के साथ फिल्म निर्माण में उनके प्रवेश के लिए भी मनाया जाता है। उनकी लघु फिल्म 'ब्लिंप' को हाल ही में न्यू जर्सी में लाइटहाउस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में स्वीकृति मिली।

रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट और फिलिप गॉलियर के इकोले गॉलियर में उनके प्रशिक्षण के बाद शो का यह 'डबल बिल' उनके व्यक्तिगत अनुभवों को उनकी हास्य प्रतिभा के साथ मिश्रित करने की परंपरा को जारी रखता है।

खुद अनु वैद्यनाथन बताती हैं, "मेरा जन्म नई दिल्ली में हुआ और मैं बैंगलोर में पली–बढ़ी, जहाँ मेरे माता–पिता के समर्थन और जीवन के प्रति अस्तित्ववादी दृष्टिकोण ने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला। उनकी पीढ़ी में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को स्वीकार न करने के बावजूद, मेरी परवरिश ने मुझे दृढ़ता और आत्म–खोज का महत्व सिखाया। मेनगेरी की शुरुआत एक अप्रत्याशित घटना को संसाधित करने के प्रयास के रूप में हुई; यह मेरे जीवन के सबसे खराब मानसिक स्वास्थ्य संकट के बारे में बात कर रहा है। एक नाटकीय कृति के रूप में विकसित होना जो आधुनिक जीवन पर प्रौद्योगिकी और प्रवासन के प्रभाव की पड़ताल करता है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक पालन–पोषण की सहनशक्ति से परे देखेंगे और इसके स्थायी प्रभावों को पहचानेंगे। बीसीएडी मेरा पहला स्टैंडअप घंटा है और यह बहुत सारी यादें लेकर आता है। मैं 2024 में विश्व–भ्रमण की शुरुआत के लिए इसे फ्रिंज पर वापस लाने के लिए बहुत उत्साहित हूं, जो यूरोप और यूके में 25 स्टॉप के साथ शुरू होगा और जल्द ही और तारीखें जोड़ी जाएंगी। सबसे पहले एक से 17 अगस्त तक ''बच्चों से पहले, डायपर'' और मेनगेरी के बाद का आयोजन गिल्डेड बैलून पैटर हाउस, द पेनी, 3 चैंबर्स सेंट, ईएच में होगा।''

बॉक्स ऑफिस कसौटी

फिल्म रिव्यु : 'प्लैनेट अर्थ III'

'' डेविड एटनबरो का सार्थक प्रयास...''

रेटिंग – ★★★★½

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

निर्माता : निक ईस्टन; विल रिजन; किरी कैशेल; चार्लोट बोस्टॉक; सारा व्हाली; थियो वेब; फ्रेडी देवास; स्टीव ग्रीनवुड
निर्माण कंपनियां : बीबीसी स्टूडियोज़ नेचुरल हिस्ट्री यूनिट; खुला विश्व विद्यालय; बीबीसी अमेरिका; जेडडीएफ; फ्रांस टेलीविज़न; एनएचक
प्रस्तुतकर्ता : डेविड एटनबरो
संगीतकार : हंस जिमर; जैकब शीया; सारा बैरोन
चैनल : सोनी बीबीसी अर्थ पर 29 जुलाई से, हर सोमवार से शुक्रवार,रात नौ बजे

प्राकृतिक व वन्यजीव इतिहासकार के रूप में लोकप्रिय डेविड एटनबरो दुनिया की कुछ सबसे आश्चर्य जनक प्रजातियों का दस्तावेजी करण करते हुए पृथ्वी ग्रह के सुदूर इलाकों की पिछले बीस वर्ष से यात्रा करते हुए ऐसी ऐसी अद्भुत व आश्चर्य जनक यथार्थपरक कहानियां सुना रहे हैं, जिनसे यह दुनिया लगभग अनभिज्ञ है। क्या हमें पता है कि तेंदुआ दो मंजिला इमारत की उंचाई तक पेड़ पर चढ़ सकता है और फिर वहां से छलांग लगाकर वह अपने शिकार पर हमला कर सकता है? क्या हमें हरे रंग के कछुए के बारे में पता है? क्या हमें उन बंदरो के बारे में पता है जो कि रेगिस्तान में अपने नवजात शिशु को जीवित रखने के लिए खुद पानी की तलाश में किस तरह यात्रा करते है। और किस तरह मातृत्व के चलते नियमों की अवहेलना कर अपने वरिष्ठ के कोप का भोजन बनता है.....ऐसी ही अनगिनत अद्भुत यथार्थ परक कहानियों का सजीव वर्णन करते हुए उसका वीडियो / फिल्मीकरण करते हुए डेविड एटनबरो निरंतर यात्रा करते आ रहे है। वह हर दर्शक को ऐसी असाधारण कहानियाँ सुनाते हैं,जो प्रकृति के चमत्कारों को उसके कई रूपों में प्रकट करती हैं। वह इस सीरीज का निर्माण हल्के ड्रोन, हाई–स्पीड कैमरे,दूर से संचालित गहरे समुद्र में पनडुब्बी और अन्य नई तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। वह दुनिया भर में अनदेखे परिदृश्यों की यात्रा कर पूरे विश्व को बताने का प्रयास कर रहे हैं कि किस तरह प्राकृतिक दुनिया अपने लंबे इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है।

डेविड एटनबरो 2006 में पहली बार ''प्लैनेट अर्थ'' का पहला यानी कि मूल भाग लेकर आए थे। जिसे जबरदस्त सफलता मिली थी। उसके बाद 2016 में वह इसका दूसरा भाग ''प्लैनेट अर्थ II '' लेकर आए थे। और अब मूल सीरीज के ल्गभग बीस साल बाद डेविड एटनबरो इसका तीसरा सीजन यानी कि ''प्लैनेट अर्थ III''लेकर आए हैं। लगभग एक घंटे के आठ एपीसोड की इस सीरीज में सुदूर जंगलों और सबसे गहरे महासागरों से लेकर सबसे अंधेरी गुफाओं और सबसे गर्म रेगिस्तानों तक की लुभावनी यात्रा है। इसमें अनदेखे परिदृश्यों का समावेश है। 'प्लैनेट अर्थ III' सीरीज प्राकृतिक दुनिया के विकास और हमारे ग्रह पर रहने वाले प्रत्येक पारिस्थितिकी तंत्र और असंख्य प्राणियों पर गहरा प्रभाव डालती है। हमने इसके लगभग एक एक घंटे की अवधि वाले तीन एपीसोड देखे हैं। और उसी की हम यहां पर समीक्षा करने जा रहे हैं।

इसके आश्चर्य जनक फुटेज को देखकर आनंद लिया जा सकता है, पर भयभीत भी करती है। इन आठ एपीसोडो में वह कुछ उल्लेखनीय प्रजातियों से परिचित कराते हुए हर एपिसोड में नाटकीय, रोमांचकारी और कभी–कभी हार्टब्रोकन कहानियाँ पेश की हैं। इस नई सीरीज में डेविड एटनबरो ने इस बात पर ज्यादा जोर दिया है कि जानवर अपने सामने आने वाली नई चुनौतियों से बचने के लिए किस तरह असाधारण तरीकों का अनुकरण कर रहा है। तो वहीं छोटे व बड़े जानवरों के अंतरंग कारनामों व कहानियों को भी पेश किया है।

हमेशा की तरह सर डेविड एटनबरो द्वारा संचालित यह डाक्युमेंट्री फिल्म प्राकृतिक दुनिया के आश्चर्यों का एक प्रमाण हैं। 43 देशों की यात्रा करते हुए पांच वर्षों में एकत्र किए गए फुटेज आश्चर्यजनक और विस्मयकारी हैं। अकेले पहला एपिसोड, तटों को समर्पित, केंट से ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा, इंडोनेशिया और अन्य स्थानों तक यात्रा करता है। इस परियोजना का पैमाना और दायरा शानदार है। दक्षिण अफ्रीकी प्रायद्वीप के निकट सील पिल्लों का अठखेलियाँ करते हुए एक ईश्वरीय दृश्य, चित्रकारी और आश्चर्य जनक, तब तक दिखाई देता है,जब तक कि महान सफेद शार्क उन्हें बुफ़े के रूप में दिखाई देने वाली चीज़ पर दावत देना शुरू नहीं कर देते। नामीबिया में रेगिस्तानी शेर बहनें हैं, जो रात में समुद्री पक्षियों का शिकार करना सीखती हैं, हालाँकि, जैसा कि बताया गया है,बिल्लियाँ शायद ही कभी भीगने का आनंद लेती हैं.एक दाहिनी व्हेल अर्जेंटीना के तट से दूर एक नर्सरी में अपने बच्चे को जन्म देती है और उसकी देखभाल करती है, जहाँ बछड़े के साथी होते हैं। आर्चर फ़िश कीड़ों को पत्तियों से गिराने और उन्हें भोजन में बदलने के लिए, उनसे 2 मीटर ऊपर तक पानी उड़ाती है। आर्कटिक के पिघलते ग्लेशियर के पानी में, समुद्री देवदूत और समुद्री तितलियाँ हैं – अलौकिक, परी–कथा जैसे जीव जो चमकते हैं और नृत्य करते हैं, अपने विदेशीपन से आश्चर्य चकित होते हैं।

नई दुनिया में प्रजातियों के अनुकूलन के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। ग्रेट व्हाइट शार्क को अकेले शिकारी के रूप में जाना जाता है, इसलिए उन्हें एक साथ काम करते हुए देखना उतना ही अजीब है जितना सील द्वारा उनका पीछा करना। अपनी अब संरक्षित स्थिति के कारण, रेगिस्तानी शेर 40 वर्षों में पहली बार नामीबियाई तट पर लौट आए हैं। हालाँकि इतना आशावान दिखना स्वागत योग्य है, आधे–भरे गिलास का यह दृष्टिकोण यह धारणा छोड़ने के खतरे में है कि पृथ्वी पर जीवन बिल्कुल ठीक होगा, भले ही पर्यावरण और भी अधिक चरम, अधिक विनाशक और जैविक जीवन के लिए अधिक दुर्गम हो जाए.मानव गतिविधि के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में.सर डेविड एटनबरो बार बार जलवायु परिवर्तन के खतरों की तरफ भी इशारा करते हैं.तो वही उन्होने मानव जनित प्रभावो की भी बात की है।

जी हॉं! डेविड एटनबरों ''प्लैनेट अर्थ III में दर्शकों को अद्भुत प्राकृतिक दुनिया की सैर कराते हुए दुनिया के चारों कोनों में ले जाते हैं चाहे वह दुनिया की सबसे समर्पित माँ के परीक्षणों और कष्टों को देखने के लिए समुद्र के तल तक दो मील की यात्रा करना हो, या अफ्रीकी जंगलों में तेंदुए को दो मजिला इमारत जितने उंचे पेड़ों की चोटी पर चढ़ना और फिर वहां से छलांग लगाकर अपने शिकार को पकड़ना हो।

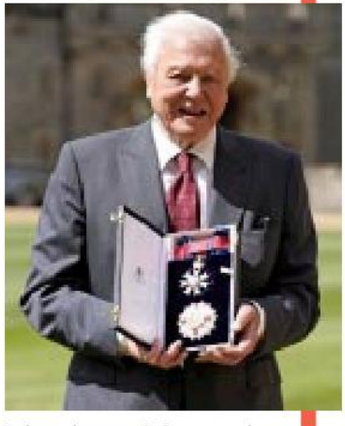

''प्लैनेट अर्थ III के आठ एपीसोड हैं, हर एपीसोड का अलग अलग नाम है–पहला एपीसोड 'कोस्ट' यानी कि तट,दूसरे एपीसोड का ओसिएन यानी महासागर, तीसरा डिजर्ट्स एंड ग्रीनरी यानी रेगिस्तान और घास के मैदान,चौथे फ्रेश वाटर यानी ताजा पानी,पांचवां फारेस्ट यानी जंगल, छठा हाईएस्ट यानी कि चरम, सातवां ह्यूमन यानी मानव और आठवे एपीसोड का नाम हीरो यानी नायक है.।

''कोस्ट्स'' शीर्षक वाले पहले एपीसोड की शुरूआत शिपस्टर्न ब्लफ़, तस्मानिया से होती है। जहां पहला सामना होमो सेपियन्स (एक सर्फर) से करायी जाती है। फिर दक्षिण अफ्रीका के तट पर फर सील पिल्ले के पीछे बड़े सफेद भागते हुए आश्चर्यजनक विहंगम दृश्य नजर आता है। फर सील शिकारी हैं। भीड़ में रहते हैं। फर सील शार्क से भिड़कर उसे भगा देती हैं, पर कुछ कम उंचाई पर उड़ रहे शॉर्क के शिकार हो जाती हैं। फिर आर्कटिक तट पर एटनबरो ले जाते है और बताते है कि 300 अरब टन से अधिक बर्फ पिघलने की प्रक्रिया में है, लेकिन पोषक तत्वों से भरपूर पानी भी निकल रहा है। यहां समुद्री तितली (पंखों वाला एक घोंघा है!) से परिचय होता है। फिर नामीबियाई शेर से परिचय होता है। बताया जाता है कि यह चालिस साल से इस तट पर सुरक्षित हैं। यह शेर रात में समुद्री तट पर समुद्री पक्षियों का शिकार करने के लिए आते हैं। फिर राजसी व्हेल नजर आती है, जो कि अपने बच्चों को उठाती है। फिर पश्चिमी कनाडा और इंडोनेशिया मे आर्चर फिश से परिचय होता है।

कुल मिलाकर 'प्लैनेट अर्थ III शानदार, आंखें खोलने वाला और विस्मयकारी है। तीसरी सीरीज में एटनबरो जलवायु संकट और अन्य पर्यावरण–खतरों के बारे में काफी मुखरता से बात की है। इसके कैमरा टीम की जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। यह सीरीज इस बात की ओर भी इशारा करती है कि प्रकृति में खोजने के लिए अभी भी बहुत कुछ हैं। जो दर्शक वन्य जीवन से परिचित होना चाहते हैं,उनके लिए इस सीरीज में बहुत कुछ है।

बॉक्स ऑफिस कसौटी

फिल्म रिव्यु : 'उलझ'

'' न रोमांच, न जासूसी, सिर्फ दर्शकों को बोर करती...''

रेटिंग – ★★

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

निर्माता : विनीत जैन
लेखक : परवेज शेख और सुधांशु सरिया
संवाद लेखक : अतिका चौहाण
निर्देशक : सुधांशु सरिया
कलाकार : जान्हवी कपू, रोशन मैथ्यू, गुलशन देवैय्या, आदिल हुसेन, राजेंद्र गुप्ता, मियांग चैंग, राजेश तैलंग, जीतेंद्र जोशी
अवधि : दो घंटे चौदह मिनट

2020 में लघु फिल्म ''नॉक नॉक नॉक'' के लिए सर्वश्रेष्ठ डायरेक्टर का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके फिल्मकार सुधांशु सरिया इस बार सह लेखक व निर्देशक के तौर पर जासूसी थ्रिलर फीचर फिल्म ''उलझ' लेकर आए हैं,.उन्होने विषय सही चुना,मगर विषय की उन्हें व उनकी लेखकीय टीम को कोई समझ नही है.जिसके चलते उन्होंने पूरे विषय का कबाडा कर डाला. यह फिल्म बोर करने की बजाय कुछ नही करती.सुधांशु सरिया ने डिप्लोमैटिक प्रोटोकॉल व सुरक्षा से संबंधित नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई हैं.

स्टोरी :

कहानी देश के बेहद सम्मानित डिप्लोमैटिक घराने की तीसरी पीढ़ी की अफसर सुहाना भाटिया के इर्द गिर्द घूमती है। सुहाना भाटिया (जान्हवी कपूर) के पिता धनराज भाटिया (आदिल हुसैन) यूएन काउंसिल के लिए भारतीय प्रतिनिधि नियुक्त किए जाते हैं, जबकि सुहाना को भी उसकी चतुर डिप्लोमैटिक रणनीतियों के कारण ब्रिटेन में सबसे युवा डिप्टी हाई कमिश्नर के तौर पर लंदन में पोस्टिंग मिल जाती है। सुहाना भाटिया (जाह्नवी कपूर) का नाम जब लंदन दूतावास के 'डिप्टी हैड' के तौर पर चुना जाता है तो पिता धनराज भाटिया (आदिल हुसैन) भी चौंक जाते हैं, लेकिन बेटी को लगता है कि पापा को पसंद नहीं आया। सुहाना की इस नियुक्ति से पहले से ही लंदन स्थित भारतीय दूतावास में कार्यरत जैकब तमांग (मियांग चौंग) और सेविन (रोशन मैथ्यू) जैसे कर्मियों को नेपोटिज्म की बू आती है। उधर सुहाना के सामने अपनी पारिवारिक विरासत व अपने पिता के साथ अपनी काबिलियत साबित करने की चुनौती है।

इसी बीच एंबेसी की एक पार्टी में सुहाना की मुलाकात कई भाषाओं के जानकार और बेहतरीन कुक नकुल शर्मा (गुलशन देवैया) से होती है,और वह नकुल से इस कदर प्रभावित हो ती है कि नकुल के साथ उसके घर जाकर हमबिस्तर हो जाती है। सुहाना ने नकुल की असलियत जानने की कोई कोशिश नहीं की। यहां तक कि अपने अपने ड्रायवर सलीम की चेतावनी को भी अनदेखा किया। सुबह होते ही नकुल की असलियत सामने आती है। अब नकुल,सुहाना को उसके प्राइवेट विडियो के आधार पर ब्लैकमेल करके गोपनीय सूचनाएं हासिल करने लगता है और सुहाना इस जाल में बुरी तरह उलझ जाती है। जी हॉ! सुहाना को तमाम गुप्त कागजात और सूचनाएं देश के दुश्मनों को देनी पड़ती हैं, जो बेहद संवेदनशील हैं। इधर भारत के स्वतंत्रता समारोह की वर्षगांठ पर पाक के प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रची जा रही है। अब सुहाना इस जाल से बाहर कैसे निकलती है? उसको फंसाने की यह साजिश किसने रची होती है? उनका मकसद क्या होता है? इसके लिए तो फिल्म देखनी पड़ेगी।

रिव्यू :

फिल्म की कहानी व पटकथा बहुत ही ज्यादा कमजोर व घटिया है। किरदारों में गहराई की भी कमी है। कुल मिलाकर, जो कुछ भी आपके सामने आता है वह या तो सड़ा हुआ होता है या आधा–अधूरा। आप एअरपोर्ट या किसी भी साधारण सरकारी कार्यालय में नही घुस सकते,मगर इस फिल्म के लेखक व निर्देशक की समझ के अनुसार लंदन स्थित भारतीय दूतावास,डिप्टी हाई कमिश्नर के घर वगैरह कहीं कोई सुरक्षा व्यवस्था नही होती है। डायरेक्टर सुधांशु सरिया ने एंबेसी और हाई कमिशन जैसी अति सुरक्षा वाली जगहों पर सुरक्षा और प्रोटोकॉल की जिस तरह धज्जियां उड़ाई हैं, उससे यह कहानी अपनी विश्वसनीयता खो देती है। नेपाल में जिस सुहाना की बुद्धिमत्ता सामने आती है, वह लंदन में डिप्टी हाई कमिश्नर बनते ही एकदम मूर्ख कैसे हो जाती है। कई दृश्यों में तो सुहाना महज एक आम कॉलेज गर्ल की तरह नजर आती है।यह लेखक व निर्देशक की नासमझी का सबसे बड़ा प्रतीक है। कितनी अजीब बात है कि वह पहली ही मुलाकात में एक अंजान नुकल पर अंधविश्वास कर उसके साथ सेक्स संबंध बनाने उसके घर चली जाती हैं।

इतना ही नही क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भारत में किसी धार्मिक स्थल पर जाएं और वहां उस वक्त भी आम श्रद्धालुओं का आना–जाना जारी रहना संभव है? खैरात पाने वाले कतारों में बैठे हों और आसपास प्रधानमंत्री के लिए संकट पैदा करने वाले लोग बहुत आरामतलबी से घूमते रहें,क्या यही प्रोटोकॉल होता है। फिल्म का क्लायमेक्स अति घटिया और अविश्वसनीय है।

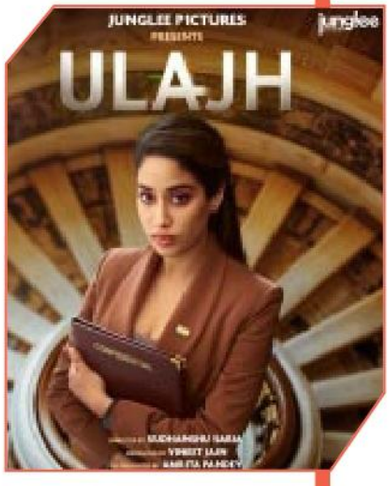

फिल्म निर्देशक सुधांशु सरिया की सबसे बड़ी कमजोर कड़ी यह है कि वह आदिल हुसैन, राजेन्द्र गुप्ता, मैयांग चैंग, साक्षी तंवर और किसी हद तक राजेश तैलंग को भी सही ढंग से इस्तेमाल नहीं कर पाए,वह तो पूरी फिल्म में सिर्फ जाह्नवी कपूर को हीरो बनाने में इस तरह जुटे रहे कि सब कुछ बर्बाद कर दिया।

फिल्म की सिनेमेटोग्राफी, बैकग्राउंड स्कोर, कॉस्ट्यूम जैसे तकनीक पक्ष मजबूत हैं। फिल्म का 'शौकन' गाना सोशल मीडिया पर हिट हो चुका है। प्लेबैक संगीत अनावश्यक लगता है। एक जासूसी थ्रिलर होने के नाते ''उलझ'' को ठेठ बॉलीवुड ग्लैमर, गाने और मेलोड्रामा से दूर रखना चाहिए था, लेकिन अमरीका में सिनेमा पढ़कर आए सुधांशु सरिया को कौन समझाएगा।

एक्टिंग :

एक्टिंग की बात करें तो जान्हवी को अभिनय नही आता यह एक बार साबित हो गया। फिल्म में उसका जो सुहाना का किरदार है,उस के लिए उसका ग्लैमरस नजर आना जरुरी नहीं था। फिल्म के डायरेक्टर ने इस फिल्म में सुहाना के एक्सप्रेशन से ज्यादा कॉस्ट्यूम पर ध्यान दिया, क्योंकि उन्हे तो जान्हवी को हीरो बनाना था। नकुल के करेक्टर में गुलशन देवैया सारी प्रशंसा बटोर ले जाते है। भारतीय विदेश मंत्री रावल के किरदार में राजेंद्र गुप्ता ने कमाल का अभिनय किया है। लंबे अरसे बाद उन्हें किसी फिल्म में एक सही किरदार मिला है। काश लेखक टीम ने इनके किरदार को लिखने में थोड़ी और मेहनत की होती और फिल्म अच्छी बनी होती। मेयांग चांग, राजेश तैलंग, अली खान, आदिल हुसैन और जैमिनी पाठक के जिम्मे फ्रेम सजाने के अलावा कुछ नहीं आया। सेबिन जोसेफ कुट्टी के किरदार में रोसान मैथ्यू ने काफी उम्मीदें बढ़ाई हैं।

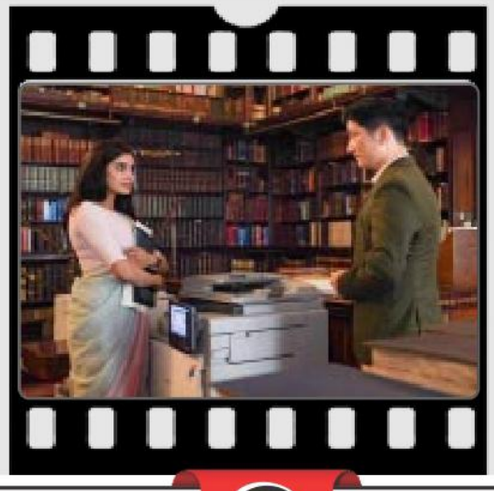

बॉक्स ऑफिस कसौटी

फिल्म रिव्यु : 'औरों में कहां दम था'

'' दर्शक अपनी गाढ़ी कमाई और समय क्यों बर्बाद करे...''

निर्माता : शीतल भाटिया , नरेंद्र हीरावत , संगीता अहीर और कुमार मंगत पाठक
लेखक : नीरज पांडे
निर्देशक : नीरज पांडे
कलाकार : अजय देवगन, तब्बू, शांतनु माहेश्वरी, सई मांजरेकर , जिमी शेरगिल , हार्दिक सोनी और सयाजी शिंदे आदि
अवधि : दो घंटे 25 मिनट

कुछ दिन पहले अजय देवगन की फिल्म ''औरों में कहां दम था'' का जिक्र करते हुए मुंबई के मराठा मंदिर और गेटी ग्लैक्सी सिनेमाघर के मालिक मनोज देसाई ने अजय देवगन को एक महत्वपूर्ण सलाह दी थी। फिल्म ''औरो में कहां दम था'' देखने के बाद हमें लगता है कि अजय देवगन को अपनी मार्केटिंग टीम व पीआरटीम की सलाह को नजरंदाज कर मनोज देसाई की सलाह पर ही अमल करना चाहिए। दो अगस्त को सिनेमाघरों में पहुँची नीरज पांडे लिखित व निर्देशित फिल्म ''औरों में कहां दम था'' इतनी घटिया फिल्म हैं कि दर्शक अपनी गाढ़ी कमायी व समय इस फिल्म के लिए बर्बाद करने से दूरी बनाकर रखना चाहता है। इस फिल्म को देखने के बाद यह अहसास होता है कि फिल्म का नाम ही गलत है। इसका नाम 'औरों में कहां दम था'' की बजाय 'प्यार का मसीहा' या कुछ और होना चाहिए था।

कहानी :

बिहार का एक लड़का कृष्णा (शांतनु माहेश्वरी) दिल्ली होते हुए मुंबई पहुंचता है। वह उच्च शिक्षित है। कंप्यूटर हार्डवेयर की जानकारी के जरिए वह जर्मनी जाने के ख्वाब न सिर्फ देखता है, बल्कि उस सपने को पूरा करने के करीब पहुंच जाता है। कृष्णा जिस चॉल में रहता है,उसी चॉल में रहने वाली मराठी लड़की वसुधा (सई मांजरेकर) से उसे प्यार होता है। जन्माष्टमी, दिवाली, होली उसके सब एक गाने में हो जाते है। मगर जर्मनी की यात्रा करने से पहले कृष्णा को एक ट्रेनिंग के लिए बेंगलुरु जाना है। वह बेंगलुरू जाने वाली रात वसुधा के साथ देर तक समुद्र के किनारे समय बिताकर जब वापस आता है तो वसुधा कहती है कि कृष्णा उसे घर से कुछ दूर ही छोड़ दे और वह पांच मिनट बाद आए। कृष्णा मान जाता है। चार कदम के इस रास्ते में जो होता है, उससे दोनों की जिंदगी बदल जाती है। कृष्णा (शांतनु माहेश्वरी) को दोहरी हत्या के जुर्म में 25 साल के कारावास की सजा सुनाई जाती है। इस घटना के ग्यारह साल बाद कृष्णा के कसम देने के बाद दबाव में वसुधा अभिजीत (जिमी शेरगिल) से शादी कर लेती है, पर सारा सच बताकर। अब अभिजीत, कृष्णा को जेल से बाहर निकालने के प्रयास शुरू कर देता है। 22 साल बाद कृष्णा (अजय देवगन) की जेल से रिहाई होती

है। उसका दोस्त जिग्नेश उसे लेने जेल के बाहर आता है। कृष्णा नहीं चाहता कि वसुधा (तब्बू) उससे मिले। लेकिन वसुधा, कृष्णा से मिलती है और उसे अपने घर ले जाकर अपने पति अभिजीत से भी मिलवाती है। अभिजीत चालाकी से वसुधा को बाहर भेजकर कृष्णा की जुबानी उस रात की घटना का विवरण जानने का प्रयास करता है। फिर कहानी आगे बढ़ती है। पर कहीं कोई मोड़ नही आता। अब सवाल यही है कि उस रात क्या हुआ था? क्या वसुधा उस राज को अपने पेट में छिपाए रह सकेगी। इसके लिए फिल्म देखनी पड़ेगी।

रिव्यू :

'ए वेडनेसडे' ,'स्पेशल 26' और 'बेबी' जैसी क्लासिक थ्रिलर फिल्मों के अलावा 'स्पेशल ऑप्स' जैसी जासूसी वेब सीरीज के सर्जक इस बार अपना ट्रैक बदलते हुए 2024 में साठ व सत्तर के दशक की प्रेम कहानी वाली फिल्म ''औरों में कहां दम था'' लेकर आए हैं, जो कि बेदम है। आखिर नीरज पांडे ने अपना ट्रैक बदलकर 'औरों में कहां दम था'' बनाने की क्यो सोची? इसका जवाब शायद उनके पास हो? लेकिन इस फिल्म की कमजोर कहानी व पटकथा के साथ ही लेखक व निर्देशक नीरज पूरी तरह से भटके हुए नजर आते है। उन्हें यह भी नही पता कि हमारे देश में हर लड़की / महिला के पक्ष शुरू से ही आत्मरक्षा के नाम पर कितनी सुरक्षा / कानून मौजूद रहे हैं। और आज भी है। इसके बावजूद अति कमजोर घटनाक्रम को आधार बनाकर 'प्रेम में बलिदान' की ऐसी कहानी दर्शकों को परोसी है, जो किसी कि गले नही उतरती। एक पारसी होटल मालिक को तीन गुंडों से बचाते समय कृष्णा दिखाता है कि उसके पास कितना तेज तर्रार दिमाग हैं, मगर रात में जो घटना घटती है, उस वक्त वसुधा को बचाने के लिए कृष्णा का यह तेज तर्रार दिमाग आत्मरक्षा में हुए अपराध की बाबत बने कानून का प्रयोग क्यों नहीं करती? इसका जवाब कौन देगा?, बेहतरीन कलाकारों को लेकर नीरज पांडे ने जो फिल्म बनायी है, उसे देखकर यही कहा जा सकता है 'हम तो डूबेंगे सनम तुम्हे भी ले डूबेंगे।''

इस फिल्म को देखते हुए दर्शक को हम दिल दे चुके सनम' व 'दिलजले' के अलावा दक्षिण की कई फिल्में याद आ जाती है। फिल्मकार को पता ही नही चला और कृष्णा द्वारा इलेक्टिक बोर्ड के अंदर डिब्बी में छिपाकर रखी गयी प्लास्टिक की अंगूठी का रंग बदल गया। है न कमाल की बात। क्लायमेक्स के दृश्य की गलती बयां कर मैं लोगों के मुंह

रेटिंग – ★

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

का स्वाद ज्यादा नहीं बिगाड़ना चाहता। फिल्म को बेवजह लंबा खींचा गया है। इसे एडीटिंग टेबल पर कस कर कम से कम चालिस मिनट की अवधि कम करनी चाहिए थी। बेवजह फ्लैशबैक के दृश्यों को कई बार दिखाया गया है। आर्थर रोड जेल के ड्रोन से लिए गए शॉट्स भी अच्छे नहीं हैं और हर बार वही एक ट्रेन इन शॉट्स में आती जाती दिखती रहती है। यह फिल्म समय, धन और प्रतिभा की पूरी बर्बादी है।

फिल्म की कहानी 2001 से 2024 तक चलती है। जबकि 'प्रेम में त्याग व बलिदान' की बातें पचास व साठ के दशक में हुआ करती थी। परेशान कर देने वाले रोमांस का वर्णन करती है। 2000 तक 'काफी डे' संस्कृति आगाज ले चुकी थी। युवा पीढ़ी का प्यार 'काफी डे' पर शुरू होकर 'काफी डे' पर ही खत्म होने लगा था। इतना ही नहीं 'प्यार के लिए बलिदान' की बजाय युवा पीढ़ी की सोच यह हो गयी है कि 'तू नहीं तो और सही।' अब टूटे दिल की बात ही नही रही।

अब सोशल मीडिया के युग में तो युवा पीढ़ी शादी से पहले 'वन–नाइट स्टैंड; के साथ ही कई बार यौन संबंध बनाने को गलत नही मानती। तो यह पीढ़ी 'औरों में कहां दम था' के शुद्ध प्यार की बात कैसे समझेगी,इसे नीरज पांडे समझा भी नही पाए।

फिल्म का गीत संगीत काफी कमजोर है। इस बार संगीतकार एम एम किरवाणी मात खा गए।

अभिनय :

फिल्म में अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी बहुत स्वाभाविक लगती है, लोग इस जोड़ी को काफी समय से पसंद करते आए हैं,मगर निर्देशक यह भूल गए कि यह फिल्म 'विजयपथ' नही है। हताश प्रेमी या प्रेम में बलिदान करने वाले कृष्णा के किरदार में अजय देवगन ने उसी तरह से अभिनय किया है, जिस तरह से वह अतीत में 'दिल है बेताब', 'बेदर्दी' और 'दिलवाले' सहित कई फिल्मों में कर चुके हैं यानी कि उनके अभिनय मे दोहराव ही दोहराव है। तब्बू का अभिनय ठीक है,पर उनमें भी दोहराव है। शांतनु माहेश्वरी को अभी और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। सई मांजरेकर ने बेहतरीन काम किया है और वह इस ओर इशारा करती हैं कि उनके अंदर अभिनय क्षमता है,पर जरुरत है उसे बाहर निकलवाने वाले अच्छे निर्देशक की। अभिजीत के छोटे किरदार में जिमी शेरगिल अपनी छाप छोड़ जाते है। सयाजी शिंदे, जय उपाध्याय, हार्दिक सोनी और बाकी सहायक कलाकारों का अभिनय ठीक ठाक है।

सलमा आगा की बेटी ज़हरा खान ने लेटेस्ट ट्रैक 'Rom Bim Bom' से मचाई धूम...

चैतन्य पडुकोण

खूबसूरत ग्लैमरस गायिका-अभिनेत्री ज़हरा एस खान (जिन्हें साशा आगा खान के नाम से भी जाना जाता है) ने अपने नए ट्रैक "रोम बिम बॉम" के साथ अपने अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू के साथ एक संगीतमय धमाका किया है! यह गाना, वैश्विक संगीत सनसनी एडवर्ड माया और गतिशील जोड़ी रॉम्बी और बॉम्बी के सहयोग से बनाया गया है, जो अपनी अनूठी धुनों और आकर्षक धुनों के साथ दुनिया भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है. यह शानदार ट्रैक अब सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध है.

"रोम बिम बॉम" बहुमुखी ज़हरा के करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि वह वैश्विक संगीत मंच पर कदम रख रही है. यह रिलीज़ ज़हरा के अंग्रेजी संगीत में पहले कदम और एक अंतरराष्ट्रीय लेबल के साथ सहयोग को भी चिह्नित करती है. तेज़ गति वाला यह गीत एडवर्ड माया की सिग्नेचर प्रोडक्शन शैली को ज़हरा के भावपूर्ण लेकिन पैर थिरकाने वाले स्वरों और रॉम्बी एंड बॉम्बी के अनूठे आकर्षण के साथ सहजता से मिश्रित करता है, जो वास्तव में अविस्मरणीय ध्वनि अनुभव बनाता है.

जैसा कि सभी जानते हैं, सुपर टैलेंटेड ज़हरा दिग्गज खूबसूरत वरिष्ठ गायिका अभिनेत्री सलमा आगा खान की जिंदादिल बेटी हैं. गायन और अभिनय दोनों ही ज़हरा के जीन और खून में हैं. एक वरिष्ठ फिल्म-पत्रकार के रूप में मैं पिछले कई सालों से मशहूर अभिनेत्री-गायिका सलमा आगा (1982 की फिल्म 'निकाह' की प्रसिद्धि) और उनकी बेटी ज़हरा (साशा) दोनों को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं.

अपने पिछले सहयोग, "लव स्टीरियो अगेन" (जिसमें माचो टाइगर श्रॉफ शामिल थे) की भारी सफलता के बाद, जिसे यूट्यूब पर 600 मिलियन से अधिक बार देखा गया, ज़हराह और एडवर्ड इस नई संगीत यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं.

ज़हरा उत्साहित हैं,

"'रोम बिम बॉम' का हिस्सा बनना एक सपने के सच होने जैसा है! मैं इस गाने की रिलीज़ के बाद से ही इसकी प्रशंसक रही हूँ, इसलिए एडवर्ड माया और रॉम्बी एंड बॉम्बी के साथ काम करना एक विशेषाधिकार और एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है. 'रोम बिम बॉम' एक ऐसा गाना है जो मुझे लगता है कि सभी क्षेत्रों के लोगों को पसंद आएगा, और मैं हर किसी के इसे सुनने, गाने और इस पर नाचने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ."

"स्टीरियो लव" जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट के लिए प्रसिद्ध, एडवर्ड माया ने इस ट्रैक में अपनी अद्वितीय विशेषज्ञता लाकर, इसमें हाउस, डांस और पॉप तत्वों का अपना विशिष्ट मिश्रण शामिल किया है.

एडवर्ड माया कहते हैं,

"'रोम बिम बॉम' के लिए ज़हरा के साथ फिर से जुड़ना एक स्वाभाविक प्रगति थी. हमारे बीच जो ऊर्जा और रचनात्मकता है, उसे नकारा नहीं जा सकता. ज़हरा एक बहुत ही प्रतिभाशाली गायिका हैं, और मैं उनके साथ फिर से सहयोग करने के लिए अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली महसूस करता हूँ. हमने इस ट्रैक के साथ सीमाओं को आगे बढ़ाया है, और मुझे विश्वास है कि यह एक स्थायी प्रभाव छोड़ेगा."

ज़हराह एस खान एक बहुमुखी भारतीय गायिका और अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपनी

भावपूर्ण आवाज़ और करिश्माई स्क्रीन उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है. "कुसु" और "डांस मेरी रानी" जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट के साथ, ज़हरा ने खुद को भारतीय संगीत उद्योग में अग्रणी संगीत युवा-आइकन के रूप में स्थापित किया है.

एडवर्ड माया एक विश्व प्रसिद्ध रोमानियाई निर्माता, संगीतकार, गायक, गीतकार और संगीतकार हैं जो इलेक्ट्रॉनिक संगीत परिदृश्य में अपने अभिनव योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं. शास्त्रीय संगीत में पृष्ठभूमि के साथ, हाउस, नृत्य और पॉप तत्वों के उनके अनूठे मिश्रण ने दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित किया है. उनका प्रतिष्ठित ट्रैक "स्टीरियो लव" एक वैश्विक घटना बनी हुई है!...

आदित्य रॉय कपूर ने ट्रेनर रोहित नायर के साथ एक नई फिटनेस जर्नी शुरू की

—सुलेना मजुमदार अरोरा

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर, जो हमेशा अपने सेहत और फिटनेस को लेकर बहुत सचेत रहते हैं, अब फिटनेस ट्रेनर रोहित नायर की मदद से अपने फिटनेस लेवल को अगले स्तर पर ले जाने की योजना बना रहे हैं। अली फजल और मृणाल ठाकुर जैसे सितारों के साथ अपने समर्पित प्रशिक्षण के लिए जाने जाने वाले रोहित नायर अब आदित्य को किकबॉक्सिंग और रेग्युलर मुक्केबाजी में इनटेंसिव प्रशिक्षण व्यवस्था के माध्यम से प्रशिक्षित करेंगे।

जब फिटनेस की बात आती है तो आदित्य रॉय कपूर हमेशा एक ट्रेंडसेटर रहे हैं। वह आम तौर पर ह्रष्ट–पुष्ट और अथलीट शरीर वाले हैं, और वे सभी युवा लोगों और विशेष रूप से महिलाओं को आकर्षित करते है। आदित्य कपूर उन लोगों के लिए एक प्रेरणा के प्रतीक है जो व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ शरीर की इच्छा रखते हैं। आदित्य अपनी शारीरिक शक्ति में सुधार जारी रखना चाहते हैं और रोहित नायर की मदद से शरीर को उसी आकार में रखना चाहते हैं जैसा वह अभी है।

रोहित नायर, जिनके पास इंडस्ट्री में कई फिटनेस कार्यक्रम हैं, ने कहा कि वह आदित्य को प्रशिक्षित करने के लिए उत्साहित थे। बेहतर काया पाने के अपने लक्ष्य के प्रति आदित्य बहुत मेहनती और अनुशासित है। वह अपने फिटनेस लक्ष्यों के प्रति बहुत प्रतिबद्ध है और मुझे उसे प्रशिक्षित करने में खुशी हो रही है। हम उसे एमएमए फिटनेस रूटीन के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं, जिसमें किक बॉक्सिंग और रेगुलर बॉक्सिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिससे उनके फ्लेकसिबिलिटी, शक्ति और सहनशक्ति में और सुधार होगा। आदित्य नई तकनीकों के प्रति बहुत ग्रहणशील हैं और वह उसके द्वारा बेहतर शरीर और फिटनेस स्तर हासिल करने के अपने लक्ष्य के प्रति बहुत समर्पित हैं।

जैसे–जैसे आदित्य रॉय कपूर अगले लेवल में आगे बढ़ रहे हैं, प्रशंसकों को इस अभिनेता से प्रदर्शन और फिटनेस के मामले में और भी बहुत कुछ देखने को मिलेगा।

एक्टर अभिषेक बनर्जी ने उल्लेख किया कि 'स्त्री' से लेकर 'मुंज्या' तक हॉरर कॉमेडी जगत में दोहराया जाने वाला एकमात्र किरदार होना अच्छा लगता है।

—सुलेना मजुमदार अरोरा

अभिषेक बनर्जी अब हॉरर कॉमेडी जगत के एक मुख्य आधार की तरह नजर आ रहे हैं, जिसे मैडॉक फिल्म्स और अमर कौशिक द्वारा विकसित किया जा रहा है। आज की तारीख में, अभिषेक बनर्जी का सबसे लोकप्रिय किरदार 'स्त्री' श्रृंखला का चरित्र 'जना' है जो तीन प्रमुख फिल्मों, 'स्त्री', 'भेड़िया' और

'मुंज्या' को जोड़ता है।

अभिषेक बनर्जी की इस बहुआयामी यात्रा की शुरुआत स्त्री से हुई, जिसे समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने सराहा। वह अपने बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्त्री 2' में जना के रूप में उसी ब्रह्मांड में लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं जहां वे पहले वाले 'स्त्री' में थे। इस मल्टीवर्स में फिर एक बार, अजब ट्विस्ट के अलावा, बनर्जी 'भेड़िया' के क्लाइमैक्स दृश्य तथा 'मुंज्या' के अंतिम क्रेडिट में दिखाई दिए, जो उसे इस हॉरर ब्रह्मांड के संपर्क सूत्र के रूप में स्थापित करता है।

अभिषेक बनर्जी ने कहा, 'मैं बेहद खुश और रोमांचित हूं कि मैं इन फिल्मों की कनेक्टिंग कड़ी हूं। उन्होने आगे कहा, 'मैडॉक फिल्म्स और अमर कौशिक के जैसे रचनात्मक और रोमांचकारी ब्रह्मांड का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है,सच पूछो तो एक बार फिर जान का किरदार निभाना बहुत अच्छा था और मैं 'स्त्री 2' में हमारे पास जो कुछ है उसका इंतजार कर रहा हूं।

इन फिल्मों के निर्देशकों ने एक हॉरर कॉमेडी ब्रह्मांड स्थापित करने में बहुत अच्छा काम किया है जहां 'स्त्री', 'भेड़िया' और 'मुंज्या' एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। स्टूडियो और निर्देशकों के दृष्टिकोण ने न केवल प्रत्येक फिल्म के क्षितिज को व्यापक बनाया है बल्कि इसके चारों ओर एक दुनिया भी बनाई जिसका पालन बखूबी किया जाता है। इस ब्रह्मांड का एक और अपरिहार्य तत्व अभिषेक बनर्जी द्वारा निभाया गया चरित्र है जो इन सभी फिल्मों में दोहराया जाता है।

एक जमाने में उनके बंगले और गाड़ियां होती थी, फिर उनकी सारी दुनिया ही लुट गई

भगवान दादा

—अली पीटर जॉन द्वारा

वह महाराष्ट्र के अंदरूनी इलाकों में एक कपड़ा मिल मजदूर के बेटे थे, लेकिन फिल्मों के जादू से पूरी तरह प्रभावित थे। वह अनपढ़ थे और उन्हें एक साधारण मजदूर के रूप में जीवन शुरू करना था लेकिन फिल्मों के लिए उसका प्यार और मजबूत हुआ! उन्हें पता था कि, अगर उन्हें फिल्मों में कुछ करना है तो उन्हें बॉम्बे पहुंचना होगा और सेंट्रल बॉम्बे में तत्कालीन घनी आबादी वाले मिल क्षेत्रों में रहने लगे और एक पहलवान के रूप में नाम कमाया, जिस पर वे चैंपियन साबित हुए और उन्हें **भगवान दादा** नाम मिला।

फिल्मों के प्रति उनके जुनून ने उन्हें स्टूडियो के चक्कर लगाने के लिए प्रेरित किया, जहां उन्हें भीड़ के एक हिस्से के रूप में काम मिला, जहां से वे एक जूनियर कलाकार बने। जब वह स्टूडियो में काम करने में व्यस्त थे, तब उन्होंने नृत्य का अपना स्कूल विकसित किया जो बाद में **"भगवान दादा स्कूल ऑफ डांसिंग"** के रूप में लोकप्रिय हो गया।

उन्होंने अपनी खुद की फिल्म निर्माण कंपनी शुरू करने के लिए पर्याप्त पैसा कमाया और एक ऐसी फिल्म बनाने के बाद, जो एक निरंतर आपदा थी, वह हर समय सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक, गीता बाली के साथ हीरो के रूप में निर्माण, निर्देशन और अभिनय करने में सफल रहे। **"अलबेला"** नाम की फिल्म **भगवान दादा** के नृत्यों और **सी. रामचंद्र** के कुछ असाधारण रूप से लोकप्रिय संगीत से भरपूर थी, जो उनके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे और गीत एक अन्य दोस्त **राजिंदर कृष्ण** द्वारा लिखे गए थे। फिल्म ने एक उन्माद पैदा किया और रिलीज के समय **दिलीप कुमार, देव आनंद और राज कपूर** की फिल्मों की तुलना में अधिक सफल रही। अकेले भगवान दादा के साथ गीतों और नृत्यों और भगवान दादा और **गीता बाली** के बीच युगल गीतों ने ऐसा क्रेज पैदा किया था कि, हर थिएटर में लोगों ने फिल्म को स्क्रीन पर फेंके गए सिक्कों और यहां तक कि करेंसी नोटों में रिलीज किया और सिनेमाघरों में नृत्य किया।

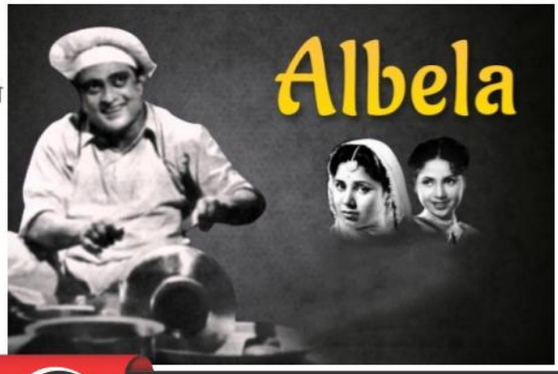

उस एक फिल्म,

"अलबेला" ने एक समय के मजदूर और पहलवान की किस्मत बदल दी! अब उसके पास जुहू में समुद्र के सामने एक विशाल बंगला था, एक बंगला जिसमें पच्चीस विशाल कमरे थे! उनके पास कई तरह की कारें थीं जिनमें से सात उनके निजी इस्तेमाल के लिए थीं! वह सप्ताह के प्रत्येक दिन के लिए एक कार का उपयोग करते थे और किसी भी अन्य सितारे, पुरुष या महिला की तुलना में अधिक अमीर और अधिक लोकप्रिय थे।

सिर्फ एक फिल्म की सफलता ने उन्हें मनोरंजन के फार्मूले को दोहराने के लिए प्रेरित किया, जिसे उन्होंने **"अलबेला"** के साथ आजमाया था, लेकिन भाग्य ने फिर से उनके प्रति दयालु होने से इनकार कर दिया। उनके द्वारा बनाई गई तीन फिल्में जिनमें **"झमेला" और "ला बेला"** शामिल थीं, जो **"अलबेला"** की सफलता से प्रेरित थीं, बॉक्स–ऑफिस पर फ्लॉप हो गईं और भगवान दादा खंडहर में रह गए। बहुत कम लोगों ने इतने कम समय में इतनी सफलता और इतनी अधिक असफलता देखी थी! समुद्र के किनारे

की हवेली को बेचा जाना था और इसलिए प्रसिद्ध **आरके स्टूडियो** के बगल में उनका जागृति स्टूडियो था (वास्तव में यह **राज कपूर** थे जिनके साथ उन्होंने **"चोरी चोरी"** में काम किया था, जिन्होंने उन्हें निर्माता और निर्देशक बनने के लिए प्रेरित किया)। वह आदमी जो एक बहुत ही मददगार बॉस थे, जो मदद के लिए उसके पास आने वाले सभी लोगों की मदद करते थे, उन्हें अब खुद मदद की जरूरत थी। उनके दुख को बढ़ाने के लिए, उनके अपने कुछ रिश्तेदारों ने उनके पास जो भी संपत्ति बची थी, उसे धोखा दिया और वह अकेले रह गये, टूट गये, दिवालिया हो गये और परेल में एक चॉल में रहने के लिए वापस आ गये, जहां वह एक मजदूर थे। उनकी कहानी बेरहमी से एक पूर्ण चक्र में आ गई थी।

उसने वापस लड़ने की कोशिश नहीं की क्योंकि उन्होंने पहले ही आत्मसमर्पण कर दिया था! भगवान जो सूट में स्टूडियो में घूमते थे, अब किसी भी तरह के काम की तलाश में स्टूडियो से स्टूडियो जाते थे। कुछ लोग जो उनके गौरवशाली दिनों के बारे में जानते थे, उन्होंने उन्हें एक बिट रोल प्लेयर या भीड़ में एक नर्तक के रूप में काम करने की पेशकश की और दिन के काम के अंत में उन्हें कुछ सौ रुपये का भुगतान किया जाता! उनकी आँखों में उदासी का एक कुआँ था, लेकिन उन्होंने कभी भीख नहीं माँगी और न ही उनसे भीख माँगी, जिनकी उन्होंने मदद की थी, जैसे प्रसिद्ध **गीतकार आनंद बख्शी** जो सेना में एक सैनिक थे और गीत लिखना चाहते थे और उन्होंने बख्शी को अपना पहला मौका दिया था! फिल्मों के लिए अपना पहला गीत लिखने के लिए।

जब वह जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे थे, तब उनके साथ एक और क्रूर खेल खेला गया। उनके एक रिश्तेदार, जिनके पास **"अलबेला"** का अधिकार था, ने फिल्म को पूरे बॉम्बे में रिलीज़ किया और आश्चर्यजनक रूप से चालीस साल बाद भी फिल्म सिनेमाघरों में चली और नई पीढ़ी के लोगों ने भी स्क्रीन पर पैसे फेंके और महिमा के लिए नृत्य किया और वहाँ एक थे **भगवान दादा** जैसे नृत्य का मजबूत पुनरुद्धार जिसे **अमिताभ बच्चन** ने भी उठाया और इसे अपनी पहचान दी। यह सब चलता रहा क्योंकि भगवान दादा बीमार हो गए और परेल में उस चॉल में अपने गंदे कमरे में कैद हो गए।

यह लेखक **सुनील दत्त** के साथ **भगवान दादा** के कमरे में गया था जहाँ वे एक घर में बनी व्हील चेयर में पाये गये थे जो उसके शौचालय के रूप में भी काम करती थी। वह पूरी तरह से असहाय स्थिति में थे और उनका केवल एक भतीजा और उसकी **पत्नी** थी जो कुछ देखभाल करते थे। जिस व्यक्ति के घर में हर शाम होने वाली पार्टियों में सबसे अच्छी व्हिस्की और अन्य सभी प्रकार की शराब परोसी जाती थी, जब **सुनील दत्त** ने व्हिस्की के लिए उनकी कमजोरी को जानते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ भारतीय व्हिस्की की एक बोतल भेंट की और उन्होंने बोतल पकड़ ली। चूमा और सिर पर रख दिया और क्षण वह बनाया जब **"अलबेला"** में नृत्य की तरह बनने की कोशिश की लेकिन छोड़ दिया।

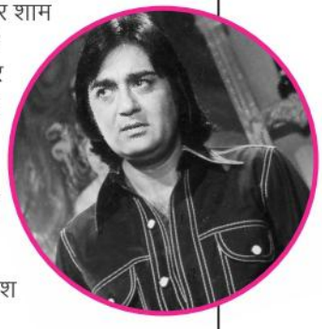

कुछ दिनों बाद, महाराष्ट्र के एक गाँव के लड़के भगवान दादाजी का दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई और उनके सबसे अच्छे दोस्त भी नहीं थे और जिन्हें उन्होंने एक नया जीवन दिया था,

हम दिवानें

उनके पास उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने का समय नहीं था।

एक असामान्य कहानी की याद दिलाने के लिए उनके पास जो कुछ बचा है, वह चॉल के पास रखी एक काली पट्टिका है, जिस पर उनका नाम सफेद अक्षरों में लिखा हुआ था ... सितारे और भारत के किसी भी कोने में और यहां तक कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जहां भी भारतीय हैं, हर तरह के उत्सव में एक **"आवश्यक वस्तु"** है।

एक जिंदगी जिससे हर सितारे को और हम जैसे आम लोगों को भी सीखना चाहिए

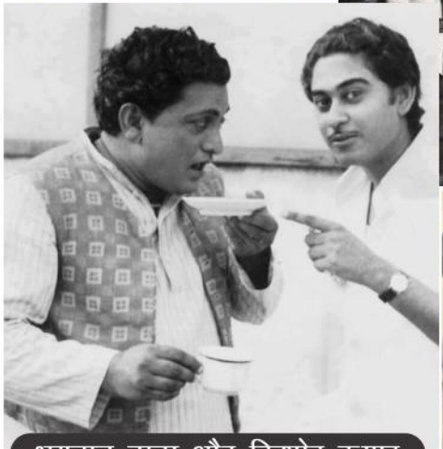
भगवान दादा और किशोर कुमार

मैंने प्यार किया

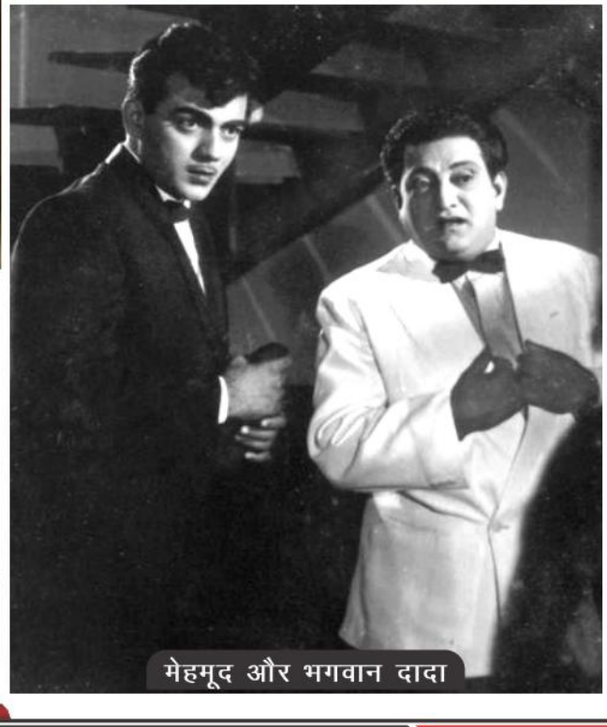
मेहमूद और भगवान दादा

भगवान दादा और संजीव कुमार

जीसस और मीना कुमारी एक ही दिन गुजर गए थे!

अली पीटर जॉन

माई गॉड, आप समय की उड़ान कैसे बनाते हैं! मैं विश्वास नहीं कर सकता कि यह 51 साल पहले इस दिन है कि मैंने अपने पड़ोसी को सुना, **जेड. डी. लारी** जो इसे बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी, **मीना कुमारी** की मृत्यु की घोषणा करती है, यह गुड फ्राइडे था, एक दिन जब दुनिया भर के ईसाई ईसा मसीह के सूली पर चढ़ने और उनकी मृत्यु का स्मरण करते हैं। चर्च में सेवा के लिए तैयारी की जा रही थी, और मेरा भाई जो कभी अज्ञेय था जब वह आठ या दस साल का हो रहा था। अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने के लिए और मैं चर्च जाने की तैयारी कर रहा था। लेकिन, लारी ने जो कहा, उसने लतीफ कम्पाउंड में पूरे माहौल को विचलित कर दिया था, जिस जगह पर मैंने अपने जीवन के पहले अट्ठाईस साल बिताए थे और जहां मैंने दुनिया को धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिक सद्भाव के रूप में जानने के लिए अपना पहला पाठ सीखा था, बाद में!

मीरा कुमारी के बारे में लारी ने हम सभी को कमेंट्री दी और उसके अंतिम संस्कार में जाने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने कभी **कमाल अमरोही** के सहायक निर्देशकों में से एक के रूप में काम किया था, जिसके पति को अब दिवंगत अभिनेत्री **मीना कुमारी** के रूप में जाना जाता था, जिनके बारे में कई कहानियाँ थीं, और मेरे पास उनके बारे में मेरी अपनी कहानियां हैं!

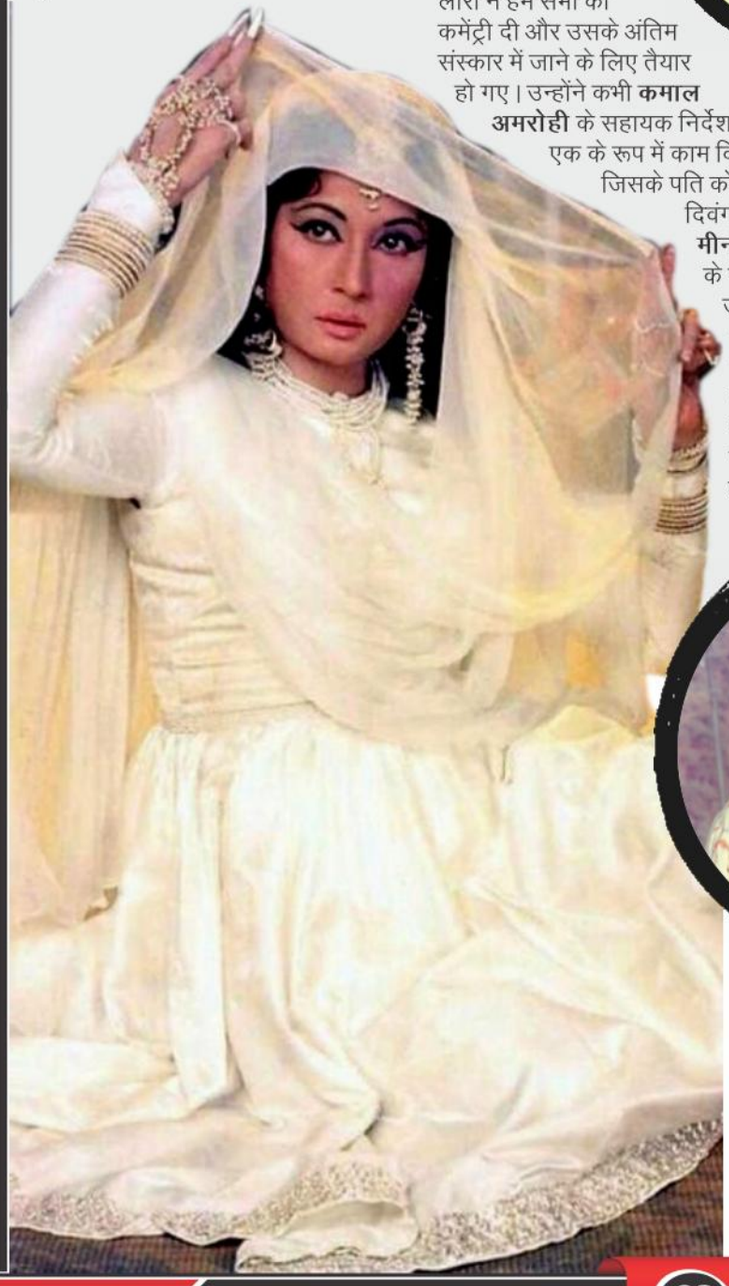

मैंने पहली बार उसे **'देवूल तलाव'** नामक स्थान पर देखा, जहां एक आठ–वर्षीय चर्च के खंडहर के पास एक झील, जिसका नाम सेंट जॉन के नाम पर रखा गया था, जिसे बैपटिस्ट, **यीशु मसीह** का चचेरा भाई कहा जाता था। चर्च के बाहर एक झील थी और इस झील के बगल में मैंने पहली बार मीना कुमारी को देखा, एक विशाल छतरी के नीचे बैठी, एक बेदाग सफेद साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहने, बिल्कुल अकेली बैठी, उसकी आँखों से मुझे एक युवक फिर एक यह महसूस करते हुए कि वह बहुत उदास महिला रही होगी। मैं उसे समय पर वापस लाना चाहता था और उससे किसी भी तरह के सवाल पूछना चाहता था, लेकिन मैं जो कर सकता था, वह सब था और मेरे दिमाग में उन सवालों से भरा हुआ था जो मैं कभी नहीं पूछ सकता था और अब मैं कभी नहीं करूंगा। यह मेरे जीवन की एक बात है जिसे मैं हमेशा पछताता रहूंगा, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, मेरी अपनी कहानियां हैं।

जब मैंने पहली बार उसे देखा, तो मुझे पता चला कि जिस जमीन पर कमलिस्तान स्टूडियो बनाया गया था, वह कभी मीना कुमारी की थी!

उस गाँव से जहाँ मैंने उसे देखा मैं वर्सोवा में यारी रोड पर चला गया और मीना कुमारी के बारे में मेरी कहानियाँ मेरे साथ चल पड़ीं।

मैंने देखा कि कमाल अमरोही एक टैक्सी से निकल रहा है और **सागर समीर** नामक एक इमारत में जा रहा है। मुझे बताया गया कि वह उस इमारत में रहता था जहाँ वह किसी के साथ रहता था। मुझे बताया गया था कि वह महिला थी जिसकी शादी **मीना कुमारी** के मरने के बाद हुई थी।

यह इस इमारत के बाहर था कि, मैं एक पुरानी चाय की दुकान में बैठा था, जो मैंने पुरुषों के एक समूह से मीना कुमारी के बारे में सुनी थी, जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी।

उन्होंने बात की कि **'कमल साहब'** द्वारा मीना कुमारी के साथ दुर्व्यवहार कैसे हुआ। वे जल्द ही इस बारे में बात करते हैं कि कैसे कमल साहब ने भी बाकर नामक एक व्यक्ति की पिटाई की थी, जो कमल साहब की फिल्म बनाने वाली कंपनी के प्रबंधक थे और बाद में कमलिस्तान स्टूडियो के थे। मीना कुमारी के साथ दुर्व्यवहार और बदतमीजी? मैंने पुरुषों से पूछा कि क्या उन्होंने कहा कि वे सच थे और उन्होंने कहा कि वे घिनौने नाटक के गवाह थे। उनके पास कई अन्य कहानियां थीं, लेकिन मैं निश्चित रूप से उस दिग्गज अभिनेत्री की याददाश्त को चोट नहीं पहुंचाना चाहूंगा, जिसकी मैं युवा था। और अभी भी करते हैं।

ऐसे अन्य लोग थे जिन्होंने पीने के बारे में बात की थी और आज के कुछ प्रमुख नाम, जिनमें एक वरिष्ठ अभिनेता और कम से कम दो लेखक भी शामिल थे, जो कवि और फिल्म निर्माता थे, जिन्होंने उनकी कमजोरी का फायदा उठाया और यहां तक कि उर्दू में लिखी गई उनकी कविता से **'प्रेरित'** हुए। **और उसके एकाकी जीवन के बारे में दुखद गीत गाते हुए, किसी से प्रेम करने की लालसा और उसके दुःख भरे जीवन से प्यार नहीं मिला।**

मैं ग्रांट रोड के सेंट एलिजाबेथ अस्पताल में था जहाँ मैंने कुछ पुरानी नर्सों को मीना कुमारी के बारे में बात करते हुए सुना। यह वह अस्पताल था जहाँ 31 मार्च1972 को मीना कुमारी की मृत्यु हो गई थी।

एक अन्य किंवदंती **निम्मी** की मृत्यु हो गई और उसे उसी मुस्लिम कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां पचास साल पहले मीना कुमारी को दफनाया गया था।

उसकी कब्र अभी भी है और इसलिए कुछ पेड़ हैं। और एक त्रासदी के रूप में उसके काम को हमेशा उत्कृष्टता के रूप में याद किया जाएगा जब तक कि स्मृति जीवित रहती है।

मैं कुछ महानतम किंवदंतियों के साथ मिला और जी रहा हूं।

मेरी इच्छा है कि मैं मीना कुमारी के बारे में बात करूं जैसे मैं उन अन्य किंवदंतियों के बारे में बात करता हूं जिनके बारे में मुझे जानने का सौभाग्य मिला है!

मैं यह भी चाहता हूं कि मैं अपने गांव के उस पुराने चर्च के बाहर मीना कुमारी से बात करूं।

कौन जानता है, यह मेरे जीवन में सबसे प्रेरक और भावनात्मक बैठकों में से एक हो सकता था।

मैंने उसे सिर्फ अपनी एक कविता को एक ऑडियो और हर शब्द में सुनते हुए सुना है और यह सब एक कवि से ज्यादा एक अभिनेत्री के बारे में है जो अपने जीवन भर सच्चे प्यार के लिए तरसती है और उसे वह प्यार नहीं मिलता जैसा वह चाहती थी और उसे दुख के साथ जीना पड़ता था और उस दिन तक दर्द, 31 मार्च, 1972, जब उसने एक ऐसी दुनिया के लिए अलविदा कहा, जिसने केवल दर्द की खुराक का दोगुना और अधिक दिया था।

और मैं भटकता हूँ कि भगवान क्या कर रहा था जब उसकी सबसे अच्छी कृतियों को पुरुषों और महिलाओं द्वारा पीड़ा और अपमानित किया जा रहा था जो उसे कभी नहीं समझ सकते थे या उसे जानने के लिए झुकाव या समय नहीं था।

महजबीं तो रोकर और शायद रूठ कर चली गयी, लेकिन मीना कुमारी अमर रहेगी।

एक मुमताज जिसने कई शहंशाओं के गिरते हुए महल को फिर खड़ा किया।

—अली पीटर जॉन

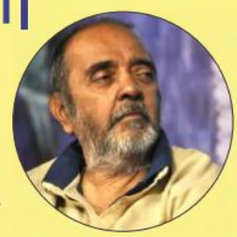

अगर मुझे पुरस्कारों के इस पूरे रैकेट के बारे में सब पता होता, चाहे वह राष्ट्रीय पुरस्कार हो या कुर्ला से कन्याकुमारी तक हर गली और उपनगरों में दिए जाने वाले पुरस्कार हों। मुझे पुरस्कारों की मुमताज अभिनीत फिल्मों सबसे अधिक संख्या देखने के लिए खुद को विशेष पुरस्कार देना चाहिए। मैंने उनकी लगभग सभी फिल्म छोटी भूमिका से लेकर मुख्य भूमिका वाली फिल्मों को देखा था और मैंने उन्हें उनकी पहली फिल्म से उन्होंने जब अपना करियर छोड़ युगांडा के करोड़पति मयूर माधवानी से शादी करने का फैसला लिया तब तक देखा। जब युगांडा पर ईदी अमीन नामक एक अत्याचारी का शासन था, जिसके बारे में कहा जाता था कि उसने हजारों लोगों को मार डाला था और यहाँ तक कि वह मानव मांस खाने के लिए भी जाना जाता था। जिस दिन मुमताज ने इंडस्ट्री छोड़ी, उस दिन हर व्यक्ति किसी न किसी तरह के शोक में था। देव आनंद और दिलीप कुमार से लेकर धर्मेंद्र, जीतेंद्र, दारा सिंह, खान भाइयों (फिरोज, संजय, अकबर और समीर) तक सभी उनको याद किया करते थे। नर्तकियों, कनिष्ठ कलाकारों, तकनीशियनों और उन सभी

लोगों का, उनके लिए जो प्यार और सम्मान था, किस तरह से वह स्टूडियो के चारों ओर घूमने वाली एक संघर्षरत कलाकार से लेकर दिलीप कुमार और देव आनंद जैसे दिग्गजों की प्रमुख नायिका की भूमिका निभा रही थीं। ...

मेरी एक अटूट महत्वाकांक्षा थी कि उनकी आकर्षक कहानी को अपने शब्दों में। मुझे पता था कि यह एक असंभव सपना है, लेकिन मैं क्या कर सकता था जब मेरे जीवन में जो भी हुआ या हो रहा है वह सब ईश्वर की मर्जी से उसकी योजना के अनुसार हो रहा है। ईश्वर या जो भी परमशक्ति है जो इंसान के जीवन के हर क्षण को तय करता है। मैंने अंग्रेजी साहित्य में एम ए किया और जीवन में बहुत कुछ छोटा–बड़ा बनने का सोचा जैसे कि मैंने कई मौकों पर कहा है कि मैं एक रोमन कैथोलिक पादरी, बस कंडक्टर या उदीपी होटल में मैनेजर बनना चाहता था। लेकिन मैंने जो कभी सोचा भी नहीं था, वह होने वाला था। मेरे जीवन के जाने–माने महानतम व्यक्ति के ए अब्बास को लिखे गए सिर्फ एक पोस्टकार्ड ने मेरे जीवन को पलट दिया था और मैं स्क्रीन में काम करने की ओर बढ़ा, जिसे मैं सिर्फ एक अखबार पर पढ़ता था, जब मेरा दोस्त जो था इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप ऑफ

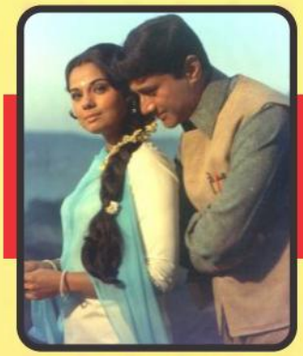
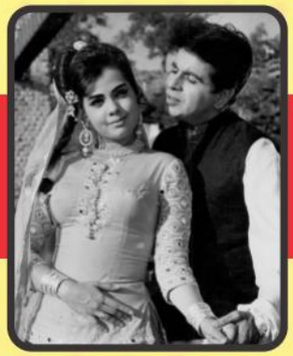

न्यूजपेपर्स के लिए काम करने वाला एक ड्राइवर था, वह अखबार को घर ले आता था क्योंकि वह जानता था कि मुझे हिंदी फिल्में कितनी पसंद हैं और यह भी कि मैं उस साप्ताहिक को खरीद सकने में सक्षम नहीं था जिसकी कीमत केवल पच्चीस नये पैसे थी!

मुझे जल्द ही पता चला कि यह नौकरी जो मैंने ली थी, वह किसी दिन मुमताज से मिलने का मेरा सपना पूरा कर सकती है, भले ही मुझे पता था कि वह युगांडा में रहती है और शायद ही कभी भारत आती है, लेकिन बांद्रा में उनका एक बड़ा अपार्टमेंट होने से मेरे सपने को ताकत मिली।

मैं उनके भतीजे शहजाद को अपने दोस्त राकेश नाथ (जिन्हें रिक्कू के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने स्टार सेक्रेटरी के पद को एक नया अर्थ दिया था) के माध्यम से जाना। मुमताज जब भी मुंबई में होतीं तो शहजाद से मिलने की इच्छा जाहिर करतीं थीं। एक बार शहजाद ने मुझे यह बता कर चौंका दिया कि मुमताज मुंबई में थी। उन्होनें मेरे लिए एक बैठक भी तय की थी और उनके बांद्रा अपार्टमेंट में ड्रिंक और डिनर की व्यवस्था भी की। क्या आप सोच सकते हैं कि उस पूरे दिन मेरी मनःस्थिति कैसी रही होगी?

मैं बांद्रा स्टेशन पर तभी पहुंचा जब शहजाद मुझे छह दरवाजों वाली काली मर्सिडीज से पुकार रहा था। उन्होंने मुझे बताया कि मुमताज ने मेरे कुछ लेख देखे हैं और वह स्क्रीन और मेरा कॉलम अली के नोट्स पूरे पूर्वी अफ्रीका में लोकप्रिय थे क्योंकि वहाँ अधिकांश भारतीय थे जो युगांडा, केन्या और यहाँ तक कि दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में बस गए थे। मैं

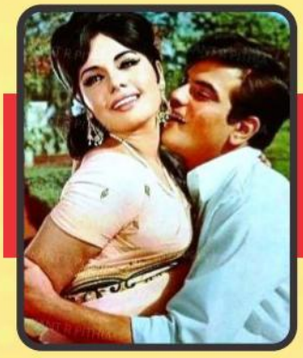

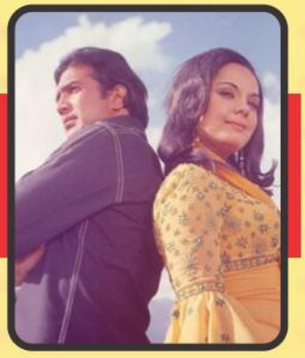

शहजाद की बात भी नहीं सुन रहा था, जबकि उसने मुझ पर इतना बड़ा उपकार किया था क्योंकि मेरे दिल–दिमाग में मुमताज ही चल रहीं थीं।

जिस तरह से महान मुमताज ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया उसे मैं कभी नहीं भूल सकता और जैसे ही शहजाद ने मेरे लिए स्कॉच का पहला पेग बनाया, मैंने मुमताज से कहा कि मैं चाहता हूं कि वे मुझे अपनी पूरी कहानी बताए और मैं उनसे कोई सवाल नहीं पूछूंगा। ....

लेकिन, वह बहुत उदास लग रही थी जो उनसे बिल्कुल अलग था। उन्होनें बताया कि जीवन के सभी सुख और विलासिता होने के बावजूद भी उनका जीवन कितना उबाऊ था। उन्होनें इसे स्पष्ट नहीं किया, लेकिन मुझे लग रहा था कि वह वापसी करने में दिलचस्पी रखती है और उस समय के नायकों और नायिकाओं की माँ की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार थी। मैंने उनसे कहा कि उद्योग खुले हाथों से उसका स्वागत करेगा और मुमताज जिसे मैं उनकी फिल्मों में जानता था वह जीवित हो गई और मुझे उन्हें अपनी कहानी बताने के लिए कहने का मौका मिला, भले ही वह संक्षेप में हो, और जैसे ही मुमताज ने अपनी कहानी कहना शुरू किया तो मैं अपने सपने को पूरा करने का जश्न मनाने के लिए स्कॉच की चुस्की लेता रहा, मुमताज खुलकर अगले दो घंटों तक बात की ... उन्होंने गंभीर संघर्ष के बारे में बात की और कैसे वह और उनकी बहन मल्लिका किसी भी तरह के काम की तलाश में स्टूडियो आई थीं। अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए नौकरी की और कैसे उन्होनें पहली बार खुद को द्वारा बनाई गई एक फिल्म में भीड़ के दृश्य में शामिल किया। डॉ वी शांताराम की बहुत तेज और पारखी नजर थी उन्होनें उनकी फिल्म सेहरा में मुमताज को रानी की नौकरानी की भूमिका निभाने को दी, इसी फिल्म में एक नए अभिनेता जितेंद्र भीड़ भरे सीन का हिस्सा थे...

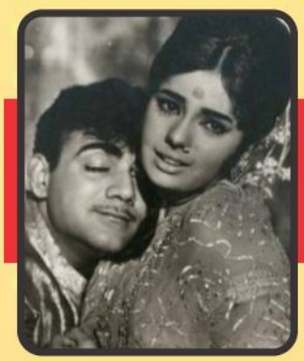
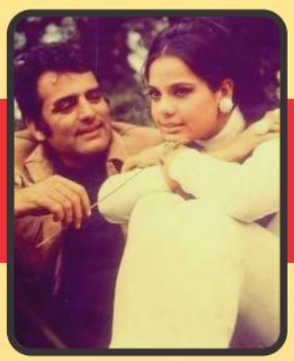

वह अत्यंत भावुक हो उठीं थी और उन्होनें मुझे बताया कि कैसे उसे दारा सिंह की नायिका की भूमिका निभाने के लिए चुना गया, जिसके साथ उन्होनें नायिका के रूप में बारह फिल्में कीं और कैसे गपशप

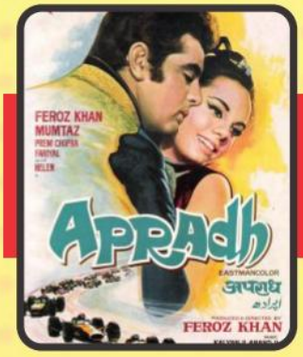

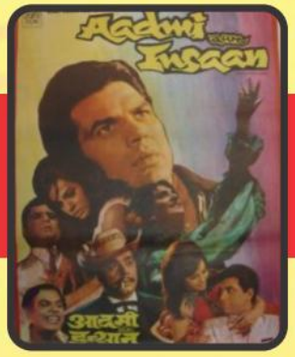

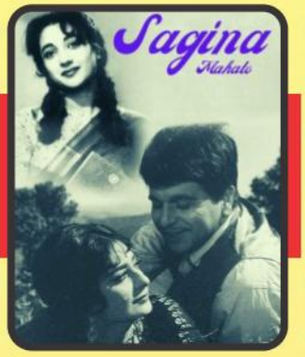

पत्रिकाओं ने उनके रोमांस के बारे में नकली कहानियाँ बनाईं और कैसे उनके कुछ प्रतिद्वंद्वियों ने प्रमुख राजनेताओं के साथ उनके गलत सम्बन्धों की गंदी कहानियाँ फैलाईं जोकि निराधार थीं और केवल उन्हें नीचे खींचने के लिए किया गया था ष्क्योंकि उन्हें यह पचना मुश्किल था कि ये महिला एक बार के संघर्ष से कैसे सफलता की ऊंचाइयों को छू रही है।

उन्होंने बातया की कि कैसे कॉमेडियन–फिल्म निर्माता महमूद ने उनके करियर को बढ़ावा देने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्होंने कहा कि वह हमेशा उन तीन खान भाइयों की आभारी रहेंगी जिन्होंने उन्हें अपनी सभी बड़ी फिल्मों में कास्ट करके उन्हें पूरा प्रोत्साहन दिया। फिरोज खान के बारे में बात करते वक्त वह विशेष रूप से भावुक हो गईं, जिन्हें उनकी पहली फिल्म अपराध के निर्देशक के रूप में पहली बड़ी सफलता

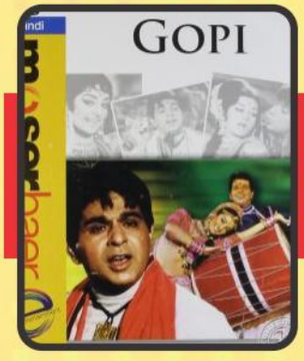

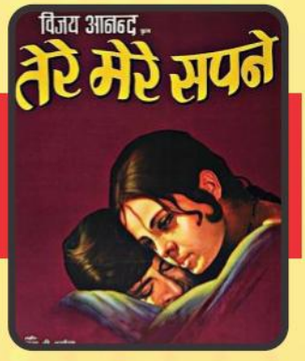

मिली। तब उन्हें नहीं पता था कि उनकी दोस्ती रिश्तेदारी में बदल जाएगी और उनकी इकलौती बेटी का रिश्ता फिरोज के इकलौते बेटे फरदीन से होगा।

वह विश्वास नहीं कर पा रही थी कि एक ऐसे उद्योग में जहाँ आपको प्रभाव की जरूरत है या एक उचित ब्रेक पाने के लिए एक बड़े परिवार से संबंध होना जरूरी है, वहाँ उनका भविष्य क्या होगा यह भी नहीं पता था लेकिन वहाँ कुछ ऐसी बेहतरीन घटनाएँ जो उनके साथ हो रहीं थीं, जिसकी उन्होने कल्पना भी नहीं की थी

एक समय ऐसा भी आया जब कई प्रमुख नायक और निर्देशक उनके प्यार में पागल थे। शम्मी कपूर, जिन्होंने ब्रह्मचारी नामक एक फिल्म की थी। वे अपनी पहली पत्नी, आकर्षक अभिनेत्री, गीता बाली को खोने के बाद उनके प्यार में पागल थे, लेकिन उनके परिवार (कपूरों ने) ने मुमू(जोकि शम्मी मुमताज को पुकारते थे) से शादी करने के शम्मी के फैसले पर आपत्ति जताई थी, जैसा कि उन्होंने कहा था। वह अपने परिवार के इस फैसले से बहुत निराश थे और अंत में उन्होनें भावनगर की राजकुमारी नीला देवी से शादी करने का फैसला किया जिसके बाद वह गहरे जंगलों में आध्यात्मिक यात्रा पर गए और एक बाल बाबा को मिले, जिसने उनका जीवन एक विद्रोही नायक से संत में बदल दिया। जिसके बाद वे लगभग गंजे हो चुके थे और उनका कई किलो वजन बढ़ गया था और उनके गले में सैकड़ों मालाएं थीं। मुमताज ने कहा कि शम्मी अभी भी उनसे प्यार करते थे और उन्हें याद करके रोया करते थे।

दूसरा आदमी जो उनके साथ प्रेम में था, वह महान रोमांटिक 'यश चोपड़ा' थे, जिसने उनकी केवल एक फिल्म आदमी और इंसान का निर्देशन किया था, और प्यार में पड़ गए थे और उससे शादी करना चाहते थे और वह भी उनसे शादी करने को इच्छुक थी। लेकिन यश के बड़े भाई, बीआर चोपड़ा को उनके पिता से निर्देश मिला था कि यश को मुमताज से शादी करने की अनुमति नहीं दी जाए। यश, जो हमेशा अपनी नायिकाओं, विशेष रूप से साधना और मुमताज के साथ प्यार में थे, ने उन्हें अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की माँ के रूप में दीवार में वापसी करने के लिए कहने की कोशिश की, जिसे उन्होंने वैजयंतीमाला की तरह ही विनम्रता से ठुकरा दिया, जो प्रस्ताव अंततः हिंदी फिल्मों की देवी निरूपा रॉय के पास गया, जिन्होंने दीवार करने के बाद जीवन का एक नया पट्टा प्राप्त किया।

एक दौर आया जब मुमताज को सभी नायकों के लिए एक भाग्यशाली शुभंकर माना जाने लगा था और उन्होनें लगभग सभी प्रमुख नायकों के साथ कई फिल्में कीं, लेकिन अधिकतम फिल्में उन्होंने राजेश खन्ना के साथ कीं और उनकी जोड़ी को एक निश्चित शॉट हिट माना जाता था। उन्होंने धर्मेंद्र और जीतेंद्र के साथ भी कई फिल्में भी कीं, लेकिन वह अपने उच्चतम शिखर पर पहुंच गईं, जब पहली बार दिलीप कुमार ने उनकी राम और श्याम में दूसरी नायिका के रूप में सिफारिश की, जब उन्होंने सायरा बानो के साथ काम करने से इनकार कर दिया क्योंकि उन्हें लगा कि वह भूमिका के लिए

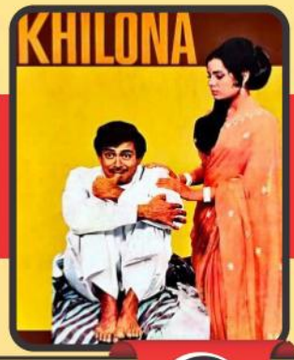

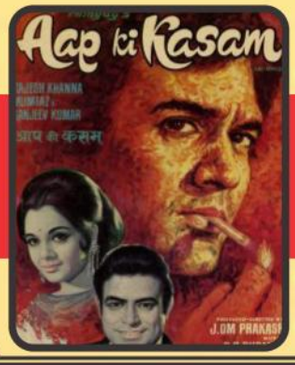

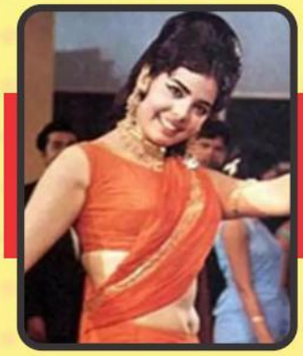

बहुत छोटी हैं और जीवन की अजीब बात यह थी कि दिलीप कुमार द्वारा सायरा के साथ काम करने से इनकार करने के एक साल बाद, उन्होंने उनसे शादी कर ली और उनके साथ बैराग, गोपी और सगीना महतो जैसी फिल्में भी की। मुमताज ने अपने करियर में एक बड़ा कदम और बढ़ाया। उन्होनें देव आनंद के साथ दो फिल्में साइन कीं, हरे राम हरे कृष्णा और तेरे मेरे सपने। उन्हें अब न केवल प्रमुख स्टार माना जाता था बल्कि संजीव कुमार के साथ खिलौना और राजेश खन्ना के साथ आप की कसम में उनकी भूमिकाओं के साथ एक संवेदनशील अभिनेत्री भी माना जाता था।

शशि कपूर अपने करियर में एक बहुत ही कठिन दौर से गुजर रहे थे और किसी ने उन्हें मुमताज के साथ एक फिल्म करने के लिए कहा और उन्होंने वैसा ही किया, जब अशोक रॉय नामक एक अज्ञात निर्देशक द्वारा चोर मचाए शोर नामक फिल्म में एक प्रस्ताव दिया गया था। यह फिल्म सुपरहिट निकली और शशि इतने व्यस्त हो गए कि वे एक दिन में सात फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे।

अमिताभ बच्चन उम्मीद खो रहे थे जब उनकी शुरुआती ग्यारह फिल्में फ्लॉप रहीं। उन्होंने अनुभवी निर्देशक ओपी रल्हन से संपर्क किया, जो धर्मेंद्र को फूल और पार्टनर के साथ स्टार बनाने के लिए जाने जाते हैं। रल्हन फ्लॉप अभिनेता के साथ काम करने के लिए अनिच्छुक थे और उन्होंने अपने सहायक, ओपी घई से उनकी सिफारिश की, जिन्होंने अमिताभ से कहा कि यदि वह उनके साथ काम करना चाहते हैं तो मुमताज को उनकी फिल्म करने के लिए मनाना होगा। कहा जाता है कि अमिताभ ने मुमताज से उनके साथ काम करने का अनुरोध किया था क्योंकि उन्होंने इसे काम जारी रखने के अपने आखिरी मौके के रूप में देखा था। मुमताज जो हमेशा एक स्टार से अधिक बड़े दिल वाली महिला के रूप में जानी जाती थीं, सहमत हो गईं और अमिताभ और मुमताज बंधे हाथ में मुख्य जोड़ी थे, लेकिन मुमताज, भाग्यशाली होते हुए भी उनके बचाव में आने में विफल रहीं और अब उन्होंने अपना बैग पैक कर लिया था लेकिन उनके माध्यम से अमिताभ को महमूद के भाई अनवर अली जैसा दोस्त मिला, जिसने उन्हें रोक दिया और कुछ ही महीनों में अमिताभ को जंजीर मिल गई और बाकी जैसा वे कहते हैं, इतिहास है।

फिर पहलाज निहलानी और डेविड धवन ने उन्हें शत्रुघ्न सिन्हा और अनुभवी अभिनेता बिस्वजीत के बेटे प्रोसेनजीत के साथ आंधियां में एक माँ की भूमिका की पेशकश की। फिल्म न केवल खराब थी बल्कि खराब स्वाद में बनाई गई थी। माँ (मुमताज) और बेटे (प्रसेनजीत) के बीच ऐसे सीन थे जो फिल्म में यंग लवर्स से ज्यादा रोमांटिक लग रहे थे। एक पूरी पीढ़ी बीत चुकी थी और मुमताज की महानता को बहुत कम लोग जानते थे और जो लोग जानते थे वे सोचते थे कि उन्हें अपनी सफलता की कहानी को क्यों बर्बाद करना पड़ा ....

उस रात मुमताज ने आधी रात के बाद मुझे अपनी कहानी सुनाना समाप्त किया और सुनिश्चित किया कि मुझे उसी छह दरवाजों वाली मर्सिडीज में घर भेज दिया जाए जो उन्होनें मुझे लाने के लिए भेजी थी..... वह अब सत्तर साल की है और एक साधारण गृहणी के रूप में देखी जाती है। पत्नी अपनी मार्केटिंग कर रही है और अपने घर की देखभाल कर रही है। अगर हर 'अमर, अकबर, एंथनी' और सिल्क स्मिता पर जीवनी और बायोपिक बनाई या योजना बनाई जा रही है, तो मुझे निश्चित रूप से लगता है कि मुमताज एक अच्छे लेखक द्वारा लिखी गई जीवनी और एक संवेदनशील और समझदार फिल्म निर्माता द्वारा बनाई गई बायोपिक की हकदार हैं। क्या मुमताज का यह दूसरा सपना भी पूरा होगा जिसका मैंने अभी सपना देखा है ???

आज मुमताज 73 की हो गई हैं और अपनी जिंदगी अपने ढंग से जी रहीं हैं और उनको बीती बातों की सिर्फ हल्की हल्की यादें है।

अनु: आकांक्षा मोहन

हरलीन सेठी की 'कोहरा' ने TOIFA2024 में बेस्ट वेब शो का अवॉर्ड जीता

हरलीन सेठी के पास अपनी हालिया रिलीज 'बैड कॉप' की शानदार सफलता के अलावा जश्न मनाने का एक और कारण है. हरलीन की वेब सीरीज ''कोहरा'' को हाल ही में संपन्न 2024 टाइम्स ऑफ इंडिया फिल्म अवॉर्ड्स (TOIFA) में सर्वश्रेष्ठ वेब शो के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

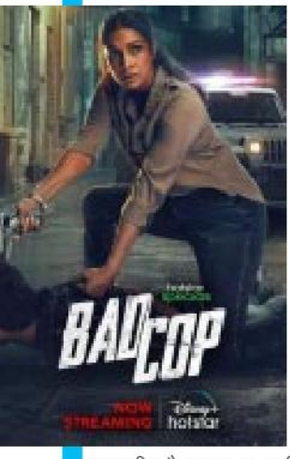

प्रतिभाशाली हरलीन सेठी और ब्रुन सोबती अभिनीत इस मनोरंजक श्रृंखला ने पंजाब में नशीली दवाओं की दुर्दशा को दर्शाने वाली अपनी गहन कहानी और उत्कृष्ट अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शो की सफलता पर विचार करते हुए हरलीन

सेठी ने मदर टेरेसा का एक प्रेरक उद्धरण साझा किया :

''मैं वह कर सकती हूं जो आप नहीं कर सकते, आप वह कर सकते हैं जो मैं नहीं कर सकती, साथ मिलकर हम महान कार्य कर सकते हैं।''

उन्होंने आगे कहा,

''हम सभी ने ऐसी ही एक बेहतरीन चीज बनाई है 'कोहरा', और 2024 में TOIFA द्वारा असाधारण प्रतिभा के साथ सर्वश्रेष्ठ वेब शो के रूप में पहचाने जाने से बहुत अच्छा महसूस होता है. इस मंच के लिए शो के निर्माता सुदीप शर्मा, गुंजीत चोपड़ा, डिग्गी सिसोदिया, रणदीप झा, क्लीन स्लेट फिल्मज और नेटफ्लिक्स को बहुत–बहुत धन्यवाद. यह हमेशा मेरी फिल्मोग्राफी में सबसे खास शो में से एक रहेगा. मुझे निमरत देने के लिए उनका शुक्रिया और दर्शकों का शुक्रिया कि उन्होंने इसे पसंद किया।''

''कोहरा'' में हरलीन के किरदार को खूब सराहना मिली. हरलीन ने एक तलाकशुदा महिला का किरदार निभाया जो शराबी और दुर्व्यवहार करने वाले पिता से जूझ रही है. और हाल ही में देविका के किरदार में उनकी एक्शन सीक्वेंस और एक बदमाश महिला पुलिस अधिकारी की बोल्ड भूमिका के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं।

'घुसपैठिया' के ट्रेलर लॉन्च इंटरव्यू के दौरान उर्वशी रौतेला से ऋषभ पंत के बारे में पूछा गया, और उनका रिएक्शन वायरल हो गया

—सुलेना मजूमदार अरोड़ा

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि उर्वशी रौतेला वैश्विक मंच पर सबसे प्रतिष्ठित भारतीय अभिनेत्री हैं। बार–बार, लगातार जब भारतीय प्रतिनिधि होने की बात आती है, तो उन्हें सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंचों द्वारा सम्माननीय अतिथि की पसंद के रूप में चुना गया है और इस तरह उनकी विश्वसनीयता और सम्मान खुद ही बोलता है कि वह आज की तारीख में कहाँ से लागू कहाँ पहुँच गई है। चाहे आंतरिक फिल्म महोत्सव हों या सौंदर्य प्रतियोगिताएं, उर्वशी रौतेला एक शानदार सफलता की कहानी बनी रही हैं जिसके बारे में दुनिया जानती है। खैर, ऐसा लगता है कि खेल जगत में भी उनके प्रति दीवानगी और मांग काफी समय से जारी है और आज यह विषय नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है।

उर्वशी रौतेला आधिकारिक तौर पर पेरिस ओलंपिक 2024 द्वारा आधिकारिक तौर पर आमंत्रित होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। इस तथ्य को देखते हुए कि कोई अन्य उनकी हमउम्र अभिनेत्री पूरे

भारत के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उर्वशी की तरह अपना जलवा नहीं बिखेर रही है, भारतीयों के लिए, उर्वशी का चयन कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि उन्हें इस बात पर खुशी और गर्व है कि उर्वशी ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर देश को गौरवान्वित किया है। समाचार अपडेट ने निश्चित रूप से उर्वशी रौतेला के साथ–साथ उनके सभी प्रशंसकों को बेहद खुश कर दिया है। इस विशेष निमंत्रण और सम्मान के बारे में खुश और प्रसन्नचित्त उर्वशी रौतेला ने कहा, 'पेरिस ओलंपिक 2024 में आमंत्रित होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री होने पर वास्तव में विनम्र और सम्मानित महसूस कर रही हूं। एक जादुई सपना जो 1.4 अरब भारतीयों का है। आज, हम पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने वाले दुनिया भर के सभी एथलीटों को सलाम करते हैं और उन्हें अपनी शुभकामनाएं और शुभकामनाएं देते हैं। खेल के लिए शुभकामनाएँ।

जहां तक काम का सवाल है, उर्वशी रौतेला बाएं, दाएं और केंद्र में फिल्में साइन करती रही हैं और मांग के अनुसार 'हॉट' रही हैं। इतना ही नहीं, उनकी हालिया हिट फिल्म 'जेएनयू' में उनके शानदार अभिनय के लिए उन्हें जबरदस्त प्यार और सराहना भी मिली। फिलहाल, उर्वशी रौतेला की आने वाली फिल्म 'घुसपैठिया' नौ अगस्त को रिलीज होगी। वर्तमान में लॉन्च किए गए ट्रेलर में उनके हास्य कौशल को दिखाया गया है, विशेष रूप से सोशल मीडिया पर अपने प्रेमी का मूल्यांकन करने वाले दृश्य में।

फिल्म में रौतेला के प्रदर्शन और फैशनेबल लुक ने काफी दिलचस्पी पैदा की है। इस फिल्म को पहले ही सभी ने काफी सराहा है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट भी एक बड़ी सफलता थी, जहां उर्वशी अपनी जातीयता को अपनाते हुए ब्लैक साड़ी में किसी 'शाही रानी' से कम नहीं लग रही थीं। हालाँकि, इन सबके

बीच कुछ ऐसा हुआ कि उर्वशी रौतेला मुश्किल में पड़ गईं। मीडिया के साथ प्रश्नोत्तरी दौर के दौरान, एक रिपोर्टर ने भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत के बारे में बात की, जबकि उन्होंने उर्वशी रौतेला से सवाल पूछा और इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि अभिनेत्री को सोचने पर मजबूर होना पड़ा। वो बोली तो कुछ भी नहीं लेकिन उनके हाव–भाव ने दर्शकों को 'आश्चर्य' का संकेत दिया और कोई आश्चर्य नहीं, कुछ ही समय में, उस सवाल पर उनके चेहरे की प्रतिक्रिया वायरल हो गई। लेकिन फिल्म मेकर्स ने स्थिति संभालते हुए पत्रकारों से फिल्मों के संबंधित सवाल ही पूछने की गुजारिश क्योंकि इस सवाल का फिल्म से कोई लेना–देना नहीं था, लेकिन प्रशंसकों को उर्वशी की शालीनता और चालाकी पसंद आई जिसके साथ उर्वशी ने एक पूर्ण 'बॉस लेडी' की तरह शांत रहकर स्थिति को संभाला। ये वीडियो पूरे इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. यदि आपने अभी तक इसे नहीं देखा है, तो यहां जाएं –

उर्वशी रौतेला की लोकप्रियता ने आम सीमाओं से परे उत्कृष्टता हासिल की है। वह 770 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ फोर्ब्स के शीर्ष 10 में सबसे कम उम्र की और सबसे अधिक कमाई करने वाली वैश्विक आइकन हैं। इंस्टाग्राम पर 73.3 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, वह सबसे पसंदीदा हस्तियों में से एक हैं, उनकी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के लिए उनकी सराहना की जाती है। उर्वशी रौतेला की सफलता और आकर्षण ने उन्हें इंडस्ट्री में अग्रणी बना दिया है

उर्वशी रौतेला के पास अक्षय ओबेरॉय के साथ घुसपैठिया, कमल हासन और शंकर के साथ 'इंडियन 2', नंदमुरी बालकृष्ण, दुलकर सलमान और बॉबी देओल के साथ 'एनबीके 109', आफताब शिवदासानी और जस्सी गिल के साथ 'कसूर' सहित कई प्रोजेक्ट हैं। वह अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम 3', जस्सी गिल

के साथ एक फिल्म, सनी देओल और संजय दत्त के साथ 'बाप' (एक्सपेंडेबल्स का रीमेक), और रणदीप हुड्डा के साथ 'इंस्पेक्टर' में भी दिखाई देने वाली हैं। इसके अलावा, वह 'अविनाश 2' और 'ब्लैक रोज', एक अंतर्राष्ट्रीय संगीत वीडियो में अभिनय करेंगी और एक आगामी बायोपिक में परवीन बाबी का किरदार निभाएंगी। उर्वशी रौतेला का जेसन डेरुलो के साथ एक विशेष संगीत वीडियो सहयोग भी है।

अकादमी पुरस्कार विजेता जेमी ली कर्टिस की साइंस फिक्शन एक्शन कॉमेडी फिल्म ''बॉर्डर लैंड्स'' नौ अगस्त से पूरे विश्व के सिनेमाघरों में

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

अमरीका में अगस्त 2015 से वीडियो गेम्स पर आधारित फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ था। अब तक तमाम फिल्में बन चुकी है। अब नौ अगस्त को भारतीय

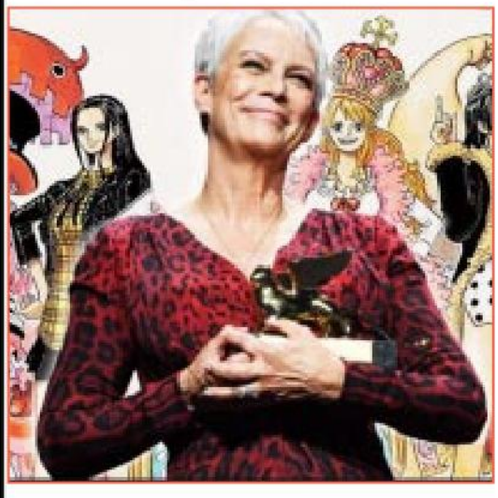

व अमरीकी सिनेमाघरों में ऐसी ही एली रोथ निर्देशित साइंस फिक्शन एक्शन कॉमेडी अमरीकन फिल्म ''बॉर्डरलैंड्स'' रिलीज होने वाली है, जिसकी कहानी कुख्यात डकैट लिलिथ पर केंद्रित है.इस किरदार को केट ब्लैंचेट ने निभाया है.जबकि लिलिथ के अतीत की अप्रत्याशित व्यक्ति डॉ. पेट्रीसिया टैनिस के किरदार को 2023 में फिल्म ''एवरीथिंग एवरीव्हेयर ऑल एट वंस'' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री अकादमी पुरस्कार जीतने वाली अदाकारा जेमी ली कर्टिस ने निभायी है।

66 वर्षीय जेमी ली कर्टिस सिर्फ एक अमरीकी अदाकारा ही नहीं बल्कि वह अभिनेत्री के साथ–साथ निर्माता और लेखिका भी हैं। हॉरर और स्लेशर शैलियों में अपने प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली जेमी ली कर्टिस हास्य किरदारों के अलावा 'चीख रानी' के रूप में भी अपनी पहचान रखती है। कर्टिस को अकादमी पुरस्कार के अलावा एक बाफ्टा पुरस्कार और दो गोल्डेन ग्लोब पुरस्कार के साथ ही दो एमी पुरस्कार और एक ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामांमित हो चुकी हैं।

1977 में टीवी सीरियल ''क्विंसी'' से अभिनय करियर की शुरूआत की थी. अगले ही साल यानी कि 1978 में जॉन कारपेंटर की स्लेशर फिल्म ''हैलोवीन'' में लॉरी स्ट्रोड को किरदार निभाकर रातों रात स्टार बन गयी थीं। इसी फिल्म से लोग उन्हे 'चीख रानी' भी बुलाने लगे थे। उसके बाद उन्होने 'द फॉग', 'प्रोम नाइट','टेरर ट्रेन' और 'रोडगेम्स' जैसी डरावनी फिल्में की। 2022 में 'हैलोवीन' के छठे सिक्वअल ''हेलोवीन एंड्स'में भी अभिनय किया। जेमी ली कर्टिस बेहतरीन लेखक हैं। उन्होने बच्चों के लिए 16 किताबें लिखी हैं। जबकि फरवरी 2022 में 'मदर नेचर' नामक उपन्यास का सहलेखन भी किया । यह ग्राफिक उपन्यास जुलाई 2023 में टाइटन कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित किया गया था, जो कर्टिस और फिल्म निर्माता रसेल गोल्डमैन द्वारा लिखा गया था, और कार्ल स्टीवंस द्वारा चित्रित किया गया था।

कर्टिस 2011 से 2017 तक 'द हफिंगटन पोस्ट ऑनलाइन अखबार' के लिए ब्लॉग लिखा करती थीं। उनकी अपनी वेबसाइट है,जिस पर कर्टिस अपने युवा पाठकों से बातचीत करती हैं। इतना ही नहीं कर्टिस ने 2020 में ऑडिबल पर पॉडकास्ट श्रृंखला 'लेटर्स फ्रॉम कैंप' लॉन्च की। इन दिनों जेमी ली कर्टिस अपनी फिल्म ''बॉर्डरलैंड्स'' को लेकर अति उत्साहित हैं। वीडियो गेम ''बॉर्डरलैंड्स' पर हाई–ऑक्टेन, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित और गतिशील रूपांतरण लेकर आने को पीवीआर ऑयनॉक्स पिक्चर्स अति उत्साहित है।

फिल्म के निर्माता एरिक फीग,एवी और अरी अराद फिल्म 'बार्डरलेंड्स' का आफर लेकर जेमी ली कर्टिस के पास गए,तो जेमी ने तुरंत इस फिल्म के लिए हामी भर दी थी। क्योकि उनकी भूमिका न केवल चरित्र की गतिशीलता को समृद्ध करती है बल्कि कहानी की विषयगत जटिलताओं को भी उजागर करती है। अकादमी पुरस्कार से सम्मानित जेमी ली कर्टिस कहती हैं,'टैनिस की खोज करना बहुत मजेदार था।आपके पास ऐसे लोगों का एक समूह है जो एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ आते हैं, जो एक बहुत ही संतोषजनक कहानी बनती है। वहाँ एक डाकू, एक भाड़े का सैनिक, एक पागल वैज्ञानिक, एक टूटा हुआ अंगरक्षक, एक छोटी लड़की का सड़क पर रहने वाला चूहा और एक रोबोट है – इन सभी को एक दूसरे की ज़रूरत है। दर्शकों को वह पसंद है; वह उस बड़े आख्यान अभियान से संबंधित हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि 'बॉर्डरलैंड्स' की कहानी में महत्वपूर्ण गहराई और तीव्रता है।''

पहले इस फिल्म का निर्देशन लेह व्हेननेल कर रहे थे,पर बाद में एली रोथ ने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली। इसकी शूटिग अप्रैल 2021 में हंगरी के बुडापेस्ट में कोविड 19 की महामारी के दौरान शुरू हुई और उसी वर्ष 20 जून में समाप्त हुई थी। लेकिन जनवरी 2023 में पंद्रह दिन तक इसे रीशूट किया गया। उन दिनों फिल्म के निर्देशक एली रोथ अपनी दूसरी फिल्म ''थैंक्स गिविंग'' की शूटिंग में व्यस्त थे। इसके चलते 'बॉर्डर लैंड्स' की पंद्रह दिन की रीशूटिंग का निर्देशन टिम मिलर ने किया। इससे एली रोथ नाराज नही हुए।

रति अग्निहोत्री ने तब अपने हेल्थ की भी परवाह नहीं की थी और के. बालाचंदर ने भी अपना फायदा नहीं सोचा था

– सुलेना मजुमदार अरोरा

आज जमाना बदल गया है। अब बॉलीवुड के एक्टर्स अपने को बहुत हिफाजत से रखते हैं लेकिन चालीस साल पहले ऐक्टर्स और फिल्म मेकर्स फिल्मों को इतने सच्चाई से बनाते थे कि चाहे हेल्थ पर बन आए या फिल्म फ्लॉप होने का अंदेशा हो, किसी भी तरह से कोई समझौता नहीं किया जाता था।

फिल्म 'एक दूजे के लिए' के दौरान रति अग्निहोत्री को नहीं पता था कि उन दिनों तस्वीरों में कुछ ऐसे रसायनों का इस्तेमाल किया जाता था जो अगर किसी व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाएं तो उसे गंभीर रूप से बीमार या अपाहिज कर सकते हैं। फिल्म में एक सीन है जिसमें रति अग्निहोत्री एक जली हुई तस्वीर की राख को चाय में मिलाकर पी जाती हैं। रति ने उस दृश्य को हकीकत का रूप देते हुए शॉट के दौरान सचमुच चाय में जले हुए रियल तस्वीर की राख को मिलाकर पी गई। उन दिनों रति बहुत यंग थी, किशोरी थी, उनका इम्यून सिस्टम दुरुस्त था, इसलिए भाग्य वश उन्हे उस विषैली हो चुकी चाय का कोई भयंकर परिणाम नहीं हुआ और थोड़ी सी तकलीफ के बाद रति स्वस्थ हो गई थी। उनके शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। ये फिल्म एक दूजे के लिए' को रिलीज हुए 43 साल से ज्यादा हो गए हैं. यह फिल्म 5 जून 1981 को रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन के.बालाचंदर ने किया था।

के. बालाचंदर ने रिलीज से पहले यह फिल्म राज कपूर को दिखाई थी। राज कपूर ने फिल्म देखी और उन्हें यह बहुत पसंद भी आयी थी, लेकिन उन्हें इसका अंत बिल्कुल अच्छा नहीं लगा था। उन्होंने के बालाचंदर को सलाह दी थी कि उन्हें इसका अंत बदलना ही चाहिए क्योंकि वह बहुत दुखी फिल्म है जिसे दर्शक पसंद नहीं करेंगे और फिल्म फ्लॉप हो जाएगी। लेकिन के. बालाचंदर ने मना कर दिया। उन्होने कहा कि फिल्म चाहे फ्लॉप ही क्यों न हो, वे अपनी निर्देशन की कला से समझौता नहीं करेंगे। उनका ये फैसला सही भी साबित हुआ।

दर्शकों को फिल्म का अंत इतना पसंद आया कि दर्शकों ने इसे सौ सौ बार देखा और फिल्म क्लासिक बन गई।

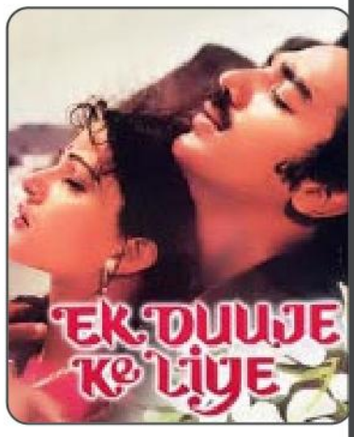

यह फिल्म रति अग्निहोत्री की पहली हिंदी फिल्म थी। इससे पहले रति ने कई फिल्मों में काम किया था। लेकिन वो पूरी साउथ इंडियन फिल्म थी और सिर्फ रति ही नहीं बल्कि एक्ट्रेस माधवी और एक्टर कमल हासन की भी ये पहली हिंदी फिल्म थी। खास बात यह है कि इस फिल्म में महान गायक एस.पी.बालासुब्रमण्यम ने भी पहली बार हिंदी गाने गाए थे। हालाँकि, शुरुआत में लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल को लगा कि शायद एस.पी बालासुब्रमण्यम ठीक से हिंदी गाने नहीं गा पाएंगे।

लेकिन निर्देशक के. बालाचंदर को उन पर पूरा भरोसा था। उन्होंने लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल से कहा कि अगर एक साउथ एक्टर इस फिल्म में अच्छा काम कर सकता है तो एक साउथ सिंगर भी अच्छा गा सकता है। के.बालाचंदर का एस.पी.बालासुब्रमण्यम पर भरोसा काम आया। इस फिल्म के गाने काफी पसंद किये गये थे और खूब चली।

जब के. बालाचंदर ने रिलीज के लिए यह फिल्म वितरक गुलशन राय को दिखाई तो उन्हें भी इस फिल्म का अंत पसंद नहीं आया. राज कपूर की तरह गुलशन राय ने भी बालाचंदर से इस फिल्म का अंत बदलने को कहा. लेकिन चूंकि बालाचंदर इस बात पर अड़े थे कि उन्हें फिल्म इसी अंत के साथ रिलीज करनी है, इसलिए उन्होंने गुलशन राय के साथ ऐसा करने से इनकार कर दिया और आखिरकार उन्होंने ये फिल्म खुद ही रिलीज कर दी।

श्रेया एंटरटेनमेंट और प्रोडक्शंस ने श्रेया राय के जन्मदिन पर दो नए गीतों का विमोचन किया

—मायापुरी प्रतिनिधि

लखनऊ में एक भव्य समारोह में, श्रेया एंटरटेनमेंट और प्रोडक्शंस ने श्रेया राय के जन्मदिन को दो नए गीतों के विमोचन के साथ मनाया। यह कार्यक्रम एक शानदार अवसर था जिसमें श्रेया राय के जन्मदिन की खुशी और नए संगीत रिलीज की उत्सुकता शामिल थी।

नए गीतों का विमोचन

मैं तू सहारा नंद किशोर

गायकः लारिसा अल्मेडा

संगीतः हिमांशु कुमार दीपक

इस गीत की मधुर धुन और मनमोहक गीत संगीत प्रेमियों के बीच लोकप्रिय होने की संभावना है।

हरिहर चूड़ियाँ ले अइहा (भोजपुरी गीत)

गायकः अंजलि आर्या

संगीतः रवि प्रकाश

यह जीवंत भोजपुरी गीत क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाला है और दर्शकों के दिलों को छूने वाला है।

इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों और प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें शामिल हैं:

हेमंत कुमार राय – चेयरमैन

संगीता राय – सीएमडी

श्रेया राय – भविष्य की वाइस चेयरपर्सन

पी महेश्वर, डी तातैया, बिक्रम चक्रवर्ती, विशाल सरोज, संजना मिश्रा, अवधेश कुमार, राजेश सिंह, जमील अहमद, नमित सिंह, सनी उपाध्याय, गौरव यादव, कोमल तिवारी अधिवक्ता

इस समारोह में गायक अभिजीत सावंत, कॉमेडियन राजीव ठाकुर और अभिनेत्री क्लाउडिया सिसला के लाइव प्रदर्शन हुए, जिन्होंने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

श्रेया एंटरटेनमेंट और प्रोडक्शंस से जुड़े श्रेया फाउंडेशन ने सामुदायिक कल्याण के लिए कई पहलें घोषित कीं:

बीएमआईपी (बिल्डिंग और मेंटेनेंस इनिशिएटिव प्रोग्राम): फाउंडेशन निर्माण संबंधी आवश्यकताओं में लोगों की मदद करेगा।

सीईपी (चाइल्ड एजुकेशन पॉलिसी): इस नीति के तहत, फाउंडेशन एलकेजी से 12वीं कक्षा तक के बच्चों की शिक्षा फीस प्रदान करेगा।

एचईपी (हायर एजुकेशन पॉलिसी): फाउंडेशन उच्च शिक्षा के लिए भी समर्थन प्रदान करेगा।

जीएमआईपी (गर्ल्स एंड मैरिज इनिशिएटिव प्रोग्राम): फाउंडेशन लड़कों और लड़कियों की शादी के लिए भी समर्थन करेगा।

गीतों के विमोचन और जन्मदिन के उत्सव ने श्रेया एंटरटेनमेंट और प्रोडक्शंस की संगीत के माध्यम से खुशी लाने और सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम की भव्य सफलता कंपनी की शानदार यात्रा में एक और मील का पत्थर है।

'खेल खेल में' का गाना 'दूर ना करें' हुआ रिलीज

– मायापुरी डेस्क

'खेल खेल में' में काफी चर्चा में रहा है, और इसकी एक अच्छी वजह भी है. हे 'बेबी' और 'देसी बॉयज' के संदर्भों से भरा पहला गाना वायरल हो गया. इस गति को आगे बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने एक मधुर रोमांटिक नंबर, 'दूर ना करें', रिलीज किया है।

विशाल मिश्रा और जहरा एस खान द्वारा गाया गया यह गाना अक्षय और वाणी के किरदारों के बीच के खुशनुमा पलों को दर्शाता है. तनिष्क बागची के संगीत और कुमार के बोलों के साथ, 'दूर ना करें' एक ऐसा ट्रैक है जो इस पारिवारिक मनोरंजक फिल्म में भावनाओं को जगाएगा।

इस गाने में रोमांस पर जोर दिया गया है, वहीं 'खेल खेल में' एक मजेदार लेकिन भावनात्मक रोलर कोस्टर का वादा करता है. इस फिल्म में अक्षय कुमार, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, फरदीन खान, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील जैसे कलाकार शामिल हैं.

गुलशन कुमार, टी–सीरीज और वकाउ फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं 'खेल खेल में'. टी–सीरीज फिल्म, वाकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन, 'खेल खेल में' का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अश्विन वर्दे, विपुल डी. शाह, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है।

यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को देश भर में रिलीज होगी।

सोनू त्यागी ने क्लासिक बॉलीवुड फिल्म 'चरस' के साथ अपने पहले सिनेमाई अनुभव को याद किया

मायापुरी डेस्क

अप्रोच कम्युनिकेशंस और गो स्पिरिचुअल इंडिया के संस्थापक सोनू त्यागी ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए अपने पहले सिनेमा अनुभव की एक ज्वलंत याद साझा की। जिस फिल्म ने उनके युवा मन पर हमेशा के लिए छाप छोड़ दी, वह थी बॉलीवुड की क्लासिक फिल्म 'चरस', जिसमें दिग्गज धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने अभिनय किया था और जिसका निर्देशन प्रसिद्ध रामानंद सागर ने किया था

बॉलीवुड और एंटरटेनमेंट न्यूज़वायर, अप्रोच बॉलीवुड के साथ एक्सक्लूसिव अनुभव साझा करते हुए त्यागी ने बताया कि उन्होंने 8वीं क्लास में स्कूल से छुट्टी लेकर 'चरस' देखी थी। इस अविस्मरणीय रोमांच का स्थान मुरादनगर प्रिया सिनेमा था, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में उनके गांव के पास एक छोटा सा शहर है, एक ऐसी जगह जो उनके दिल में एक खास जगह रखती है।

महेश भट्ट द्वारा निर्देशित और संजय दत्त और कुमार गौरव अभिनीत 'नाम' को देखते हुए 6 साल की उम्र में सिनेमा में अपनी पहली उपस्थिति के बावजूद, जिसमें पंकज उधास का प्रसिद्ध गीत 'चिट्ठी आई है' था, वह कहानी को समझने के लिए बहुत छोटा था। हालाँकि, यह 'चरस' थी जिसने वास्तव में मनोरंजन उद्योग के लिए त्यागी के जुनून को प्रज्वलित किया। अपनी मनोरंजक कहानी और शानदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली इस प्रतिष्ठित फिल्म ने उन पर एक अमिट छाप छोड़ी।

इस अनुभव पर विचार करते हुए त्यागी ने कहा, "'चरस' देखना मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। सिनेमा का जादू और धर्मेंद्र और हेमा मालिनी के शक्तिशाली अभिनय ने मुझे मोहित कर लिया और मनोरंजन जगत में मेरे भविष्य के प्रयासों की नींव रखी। यह एक मासूम विद्रोह था जिसने मुझे मेरी सच्ची पुकार की खोज करने के लिए प्रेरित किया।"

आज, सोनू त्यागी मनोरंजन उद्योग में एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, उनके उपक्रम विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं। पुरस्कार विजेता सेलिब्रिटी प्रबंधन और फिल्म निर्माण कंपनी, अप्रोच एंटरटेनमेंट, उनके समर्पण और अभिनव दृष्टिकोण का प्रमाण है। उनके नेतृत्व में, कंपनी ने हाई-प्रोफाइल

हस्तियों के प्रबंधन, आकर्षक फिल्मों का निर्माण और यादगार आयोजनों को अंजाम देने में एक अलग पहचान बनाई है। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने अमिताभ बच्चन, कैटरीना कैफ, गोविंदा, भाग्यश्री, जैकी श्रॉफ, तनुश्री दत्ता, बॉबी देओल, आदि के साथ विज्ञापन, आयोजन और फिल्मों के लिए काम किया है।

त्यागी की एक और दिमागी उपज, अप्रोच कम्युनिकेशंस, पीआर और एकीकृत संचार में उत्कृष्ट है। एजेंसी अपनी रणनीतिक संचार योजनाओं, मीडिया संबंधों और ब्रांड प्रबंधन के लिए जानी जाती है, जो विभिन्न उद्योगों में विविध ग्राहकों की सेवा करती है। त्यागी की विशेषज्ञता और दूरदर्शी रणनीतियों ने अप्रोच कम्युनिकेशंस को उद्योग में सबसे आगे ला खड़ा किया है, जिससे इसे उत्कृष्टता और विश्वसनीयता के लिए प्रतिष्ठा मिली है।

मनोरंजन और संचार क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के अलावा, आध्यात्मिक जागरूकता और परोपकार को बढ़ावा देने के लिए त्यागी की प्रतिबद्धता ने गो स्पिरिचुअल इंडिया की स्थापना की। यह गैर-लाभकारी संगठन आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने, मानसिक स्वास्थ्य, कल्याण को बढ़ावा देने और सामाजिक कारणों का समर्थन करने के लिए अथक प्रयास करता है। गो स्पिरिचुअल इंडिया आध्यात्मिक पर्यटन, आयोजनों और मीडिया में भी गहराई से उतरता है, जो आध्यात्मिकता और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।

संगठन ने हाल ही में गो स्पिरिचुअल इंडिया न्यूज़ मैगज़ीन लॉन्च की है और एक वेब टीवी/ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म का अनावरण करने की तैयारी कर रहा है, जिससे इसकी पहुँच और प्रभाव का और विस्तार होगा। इन पहलों के माध्यम से, त्यागी का लक्ष्य एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बनाना है जो न केवल मनोरंजन करे बल्कि लोगों को संतुलित और पूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित और प्रेरित भी करे।

त्यागी का 8वीं कक्षा का छात्र होने से लेकर फिल्म देखने के लिए स्कूल छोड़ने से लेकर मनोरंजन और आध्यात्मिक क्षेत्र में अग्रणी व्यक्ति बनने तक का सफर वाकई प्रेरणादायक है। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि एक फिल्म किसी व्यक्ति की भविष्य की आकांक्षाओं और करियर पथ को आकार देने में कितना गहरा प्रभाव डाल सकती है। जुनून और दूरदर्शिता से प्रेरित उनके उद्यम अपने-अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखते हैं, जो त्यागी के अपने काम के प्रति अटूट समर्पण और दुनिया में बदलाव लाने के उनके मिशन को दर्शाता है।

सोनू त्यागी के पास मनोविज्ञान में स्नातक और विज्ञापन प्रबंधन, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ एक समृद्ध शैक्षणिक पृष्ठभूमि है। उन्होंने अप्रोच कम्युनिकेशंस और अप्रोच एंटरटेनमेंट को लॉन्च करने से पहले भारत भर में प्रमुख विज्ञापन एजेंसियों और मीडिया हाउस के साथ काम करके अपने कौशल को निखारा।

अप्रोच एंटरटेनमेंट ग्रुप सेलिब्रिटी मैनेजमेंट, फिल्म प्रोडक्शन,

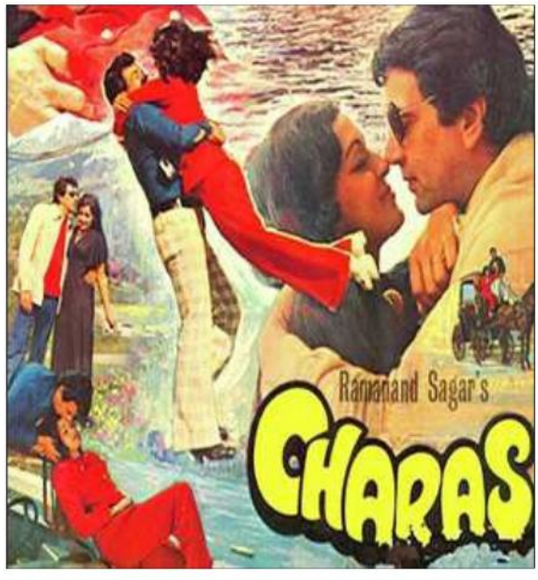

विज्ञापन और कॉर्पोरेट फिल्म समाधान, फिल्म मार्केटिंग और इवेंट और एंटरटेनमेंट मार्केटिंग के लिए एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में खड़ा है। इसके अतिरिक्त, अप्रोच कम्युनिकेशंस एक प्रमुख पीआर और एकीकृत संचार एजेंसी के रूप में काम करती है जो कॉर्पोरेट, हेल्थकेयर, मनोरंजन, वित्त, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों सहित क्षेत्रों में सेवा प्रदान करती है।

मुंबई, नई दिल्ली, गुरुग्राम, गोवा, कोलकाता, देहरादून, चंडीगढ़, हैदराबाद और अहमदाबाद में अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ, अप्रोच एंटरटेनमेंट ग्रुप मनोरंजन, मीडिया और संचार के क्षेत्र में अग्रणी है। समूह की विशेष बॉलीवुड न्यूजवायर और कंटेंट प्रसार इकाई, जिसे अप्रोच बॉलीवुड के नाम से जाना जाता है, उद्योग में इसके प्रभाव और पहुंच को और बढ़ाती है।

गो स्पिरिचुअल इंडिया एक धर्मार्थ आध्यात्मिक संगठन है जो परोपकार, आध्यात्मिक जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य, कल्याण, जैविक प्रथाओं, आध्यात्मिक पर्यटन, आयोजनों, मीडिया और सामाजिक कारणों के लिए समर्पित है। हाल ही में, संगठन ने एक समाचार पत्रिका शुरू की और निकट भविष्य में गो स्पिरिचुअल इंडिया वेब टीवी और ओटीटी लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है!...

Approach
Entertainment

कृति, श्रद्धा, अदा या कियारा, वो कौन है जो चांदनी बार सीक्वल में मुख्य भूमिका निभाएंगी?

—सुलेना मजुमदार अरोरा

बहुचर्चित फिल्म 'चांदनी बार' के सीक्वल में बॉलीवुड के चार सशक्त चोटी की बॉलीवुड स्टार्स पर विचार किया जा रहा है, आइए जानते हैं कि उन चार नायिकाओं को क्यों सोचा जा रहा है इस सीक्वल के लिए और आखिर किसे मौका मिलेगा इस फिल्म में लीड करने के लिए?

कृति सैनन

कृति ने हाल ही में फिल्म 'क्रू' के साथ एक हिट फिल्म दी है और 'मिमी' जैसी चुनौतीपूर्ण फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाई है। उसने फिल्म इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े लोगों के साथ काम किया है और इस वक्त एक टॉप सितारा है। वह हाल ही में ब्लू बटरफ्लाई फिल्मों के साथ निर्माता भी बनी हैं और उन्होंने अपना खुद का

स्किन केयर ब्रांड भी शुरू किया है। कृति अपनी फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं जिसे वह नियमित रूप से अपने प्रशंसकों के साथ शेयर करती ही रहती है।

एक बहुमुखी प्रतिभा के रूप में कृति सेनन ने निश्चित रूप से अपना रास्ता खुद बनाया है, जहां वह आसानी से कॉमेडी से ड्रामा और गंभीर फिल्मों की ओर बढ़ जाती हैं। त्वचा की देखभाल को लेकर उनका सफल व्यवसाय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाते हैं। जैसा कि बताया जा रहा है कि चांदनी बार के यथार्थवादी और उत्तेजक माहौल के लिए एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जो मुख्य किरदार के अंदर घुसकर उसे महसूस कर सके। कृति ने निश्चित रूप से अपनी अभिनय क्षमताएं साबित की हैं और अब इस नवीनतम फिल्म में उन्हें यह दिखाने की जरूरत होगी कि वह इस तरह की भूमिका के लिए जितनी जरूरत हो उतनी प्रखर भी हो सकती हैं।

श्रद्धा कपूर

प्रतिभाशाली श्रद्धा, लाखों लोगों की चहेती हैं। उसकी बहुचर्चित फिल्म, 'स्त्री 2' आने वाली है। हसीना पार्कर से पहले वह एक सोलो फीमेल लीड फिल्म कर चुकी हैं। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ रिजल्ट नहीं ला पाई है लेकिन श्रद्धा को खूब सराहना मिली। एक स्टार किड होने के बावजूद श्रद्धा हमेशा विनम्र रहती हैं और यही बात उनके प्रशंसकों को सबसे ज्यादा पसंद है।

इस वजह से यह भी साबित होता है कि श्रद्धा कपूर के बहुत सारे प्रशंसक हैं और वह दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। 'स्त्री' जैसी फिल्मों में उनके प्रदर्शन से पता चलता है कि एक अभिनेता के रूप में उनमें किस तरह की शक्ति है। हालाँकि, 'चांदनी बार' के हिस्से में एक महिला की आंतरिक लड़ाई और एक 'बार डांसर' के

जीवन के यथार्थवादी चित्रण की आवश्यकता है। श्रद्धा में यह किरदार निभाने की क्षमता तो है लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या वह वास्तव में उस भूमिका को निभा सकती हैं और दर्शकों को भूमिका की भावनात्मक तीव्रता का एहसास करा सकती हैं? शायद हाँ।

अदा शर्मा

अदा शर्मा ने अपनी पहली फिल्म, '1910' के साथ ही अपनी अभिनय क्षमता को साबित कर के दिखा दिया था, और उसके बाद अपनी हालिया फिल्म, 'द केरल स्टोरी' से उन्होंने अपने यथार्थवादी प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया।

'द केरल स्टोरी' अब तक की सबसे अधिक महिला कमाई वाली फिल्म है। उस फिल्म में अदा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा को रेखांकित किया और उनकी एक और रिलीज सनफ्लावर सीजन 2 थी जहाँ उन्होंने एक बार डांसर की भूमिका निभाई। उनकी बहुत बड़ी लॉयल फैन फॉलोइंग भी है।

'अदा शर्मा' ने बिना किसी संदेह के 'द केरल स्टोरी' में अपने सुपर हिट परफॉर्मेंस के साथ अभिनय में खुद को

साबित किया है। 'बार डांसर', के रूप में 'सनफ्लावर सीजन 2' में उनकी सशक्त एक्टिंग उन्हे फिल्म 'चांदनी बार' के लिए एक मजबूत संभावना की उम्मीद देती है। अदा एक ऐसी प्रतिभा है जिस पर संदेह नहीं किया जा सकता है, 'चांदनी बार' में निभाया गया किरदार एक खास तरह की ऊर्जा और अभिनय शैली की मांग करता है जो शायद अदा में है।

कियारा आडवाणी

कियारा ने फिल्म 'कबीर सिंह' में अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया था। हालाँकि उन्होंने बहुत अधिक महिला प्रधान फिल्में नहीं की हैं, लेकिन 'चांदनी बार' फिल्म उनके लिए एक दिलचस्प शुरुआत हो सकती है। उसके प्यारे चेहरे और चुलबुले व्यक्तित्व तथा अंदाज के विपरीत, उसे बिल्कुल अलग कुछ करते हुए देखना दिलचस्प होगा। चांदनी बार जैसी हार्डहिटिंग फिल्म को एक मजबूत महिला नेतृत्व की जरूरत है जिसका भारतीय दर्शकों के साथ बड़ा जुड़ाव हो।

खूबसूरत दिखने वाली नायिका कियारा आडवाणी ने स्क्रीन पर अपने आकर्षण से दर्शकों के वशीभूत तो जरूर किया लेकिन फिर भी अब तक उनकी भूमिकाएँ अधिकतर रोमांटिक और व्यावसायिक क्षेत्र में थीं। 'चांदनी बार' में जिस किरदार को दर्शाया गया है, उसमें अब तक बनी छवि के बिल्कुल विपरीत बोल्डनेस की आवश्यकता है। कियारा के लिए किसी फिल्म में इतना मजबूत किरदार निभाना और खुद को एक उत्कृष्ट कलाकार के रूप में स्थापित करना एक चुनौती से कम ना होगा।

देखते हैं अंततः यह भूमिका कौन निभाता है।

भारत सरकार और व्हाट्सअप में छिड़ी है जंग। क्या व्हाट्सअप बंद होने का सदमा मोबाइल फोन यूजर्स बर्दास्त कर पाएंगे?

– शरद राय

यह अपने ढंग का एक अलग ही मुकदमा है जो भारत सरकार और एक विदेशी संचार माध्यम कम्पनी व्हाट्सअप (WhatsAap) के बीच दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहा है। उच्च न्यायालय में भारत सरकार के नए नियमों को व्हाट्सअप और उसकी मूल कम्पनी मेटा (Meta) ने बदलने के लिए आग्रह करते हुए मुकदमा नालिस किया है। कम्पनी का कहना है कि भारत के नए आईटी नियमों के चलते व्हाट्सअप के फीचर एंड–टू–एन्क्रिप्शन (जो ग्राहक के प्राइवेसी की सुरक्षा करता है) को बंद करना पड़ेगा। इससे भारतीय कंज्यूमर्स के अधिकार का उलंघन होता है। अगर ये नियम नहीं बदले गए तो व्हाट्सअप भारत से अपना बोरिया बिस्तर सिमेटकर वापस चला जाएगा।

बतादें की भारत सरकार ने आईटी नियमों में बदलाव किया है। इस बदलाव के अनुसार चैट का पता लगाने और संदेश प्रवर्तकों (सेंडर और रिसीवर) की पहचान करने का अधिकार सरकार के पास होता है। सरकार की मांग पर विदेशी एप्प कम्पनी को 'एंड– टू– एंड एन्क्रिप्टेड' मैसेज की जानकारी आवश्यकता पड़ने पर देना पड़ेगा।

व्हाट्स कम्पनी का यह फीचर बहुत सफल है और ऐसा माना जाता है कि इस फीचर के ना होने पर व्हाट्सअप की मार्केट गिर जाएगी। इस फीचर से सिर्फ भेजने और सुनने वाले ही दूसरे से संपर्क में होते हैं। उसे कोई दूसरा नहीं जान सकता, यहां तक कि खुद व्हाट्सअप कम्पनी भी।दुनिया भर में व्हाट्सअप के सबसे ज्यादा यूजर्स 40 मिलियन भारत मे हैं। खुद को यहां स्थापित रखने के लिए कम्पनी ने भारतीय नागरिकता एक्ट अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उलंघन बताया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षो की दलील सुनने के लिए 14 अगस्त की तारीख संचित किया है।

आईटी एक्ट 69 A के तहत जब कांग्रेसी सांसद विवेक तंखा ने भारत के आईटी मंत्री अश्वनी वैष्णव से व्हाट्सअप से जुड़े डिटेल देने और व्हाट्सअप के भारत से जाने की बात को खुलासा करने के लिए कहा, तो मंत्री जी ने बताया कि देश की एकता और संप्रभुता के विषय पर कोई समझौता नहीं होगा। वहीं व्हाट्सअप और मेटा का कहना है कि ए नियम 'एन्क्रिप्शन' को कमजोर करता है और उनसे कभी भी कोई मैसेज 'डिक्रिप्ट' करने की मांग की जा सकती है और उन्हें उनको सालों संभालकर रखना पड़ेगा। इससे कंज्यूमर की गोपनीयता खत्म हो जाएगी। हालांकि इस मुद्दे पर व्हाट्सअप ने भारत छोड़कर चला जाएगा ऐसी जानकारी सरकार को नहीं दिया है किंतु अगर गया तो सचमुच एक बड़ी समस्या के आने की आहट से भारतीय कंज्यूमरों में डर है।

बतादें की व्हाट्सअप के फाउंडर ब्रायन एक्शन और जानकुम 2009 में माउंटेनव्यू कैलिफोर्निया में कुछ नया करने की सोच के साथ एप्पस्टोर में शामिल होने के लिए अपना यह एप्प बनाए थे, जो देखते ही देखते पूरी दुनिया मे पॉपुलर होता गया। 2014 में इसे फेसबुक ने खरीद लिया। व्हाट्सअप और फेसबुक दोनो की मूल कम्पनी मेटा

(META) है। भारत मे सर्वाधिक यूजर होने से व्हाट्सअप का एंड–टू–एंड एन्क्रिप्शन फॉर्मेट बहुत कारगर साबित हुआ है। उसके ना रहने पर कंज्यूमर्स के लिए इसकी मनमानी उपयोगिता पर रोक लग जाएगी। व्हाट्सअप इसीलिए भारत से चले जाने की बात करके ग्राहकों में घबराहट पैदा करना चाहता है।

सरकार की दलील भी सही है देश की सुरक्षा, संप्रभुता पर जिस बात से खतरे का अंदेशा हो उसके लिए कड़े नियम होने ही चाहिए। वैसे, चीन में और रूस में व्हाट्सअप पर पहले से प्रतिबंध लगा हुआ है। जहांतक नागरिक अधिकारों के उलंघन की बात है, भारत मे टिकटॉक जैसे कई एप्प पहले भी तो बंद हुए हैं। फिलहाल मामला अदालत के पाले में है।

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही, आईएफएफएम 24 में नृत्य प्रतियोगिता को जज करेंगी।

मशहूर बॉलीवुड स्टार नर्तकी, नोरा फतेही को वार्षिक नृत्य प्रतियोगिता के लिए मेलबर्न के 2024, भारतीय फिल्म महोत्सव का विशेष न्यायाधीश और अतिथि नामित किया गया

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) को यह घोषणाअपने असाधारण नृत्य कौशल के लिए दुनिया भर में मशहूर नोरा नृत्य प्रतियोगिता को जज करेंगी। करते हुए खुशी हो रही है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध नृत्य सनसनी नोरा फतेही बहुप्रतीक्षित नृत्य प्रतियोगिता के लिए जूरी के एक मूल्यवान सदस्य के रूप में महोत्सव में शामिल होंगी। अपने असाधारण नृत्य कौशल के लिए दुनिया भर में मशहूर नोरा नृत्य प्रतियोगिता को जज करेंगी। यह त्योहार की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक बन गया है। नोरा अपनी नवीनतम फिल्म मडगांव एक्सप्रेस की विशेष फैन स्क्रीनिंग भी आयोजित करेंगी।

काम के मोर्चे पर, मडगांव के अलावा नोरा को वरुण तेज के साथ अपने पहले दक्षिणी अभिनय प्रोजेक्ट, 'मटका' और अभिषेक बच्चन के साथ 'बी हैप्पी' की रिलीज का भी इंतजार है, जो सितंबर में रिलीज होने वाली है। नोरा फतेही की मौजूदगी फेस्टिवल के 15वें संस्करण की उत्सुकता बढ़ा देगी। यह 15 से 25 अगस्त 2024 तक होगा

15 साल के इतिहास का जश्न मनाते हुए आईएफएफएम भारत के बाहर एकमात्र भारतीय फिल्म महोत्सव है जिसे किसी अन्य देश की सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है, जो इसे भारतीय सिनेमा और संस्कृति का अनूठा और महत्वपूर्ण उत्सव बनाता है। अपना उत्साह व्यक्त करते हुए नोरा फतेही ने साझा किया, "मैं डांस प्रतियोगिता जूरी के सदस्य के रूप में मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 का हिस्सा बनकर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। नृत्य सार्वभौमिक भाषा है जो लोगों को एक साथ लाती है। मैं प्रतिभागियों की अविश्वसनीय प्रतिभा और जुनून देखकर प्रसन्न हूं। आईएफएफएम एक प्रतिष्ठित मंच है जो भारतीय सिनेमा और संस्कृति की समृद्धि का जश्न मनाता है। मैं इस भव्य उत्सव का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं। आईएफएफएम पुरस्कार विजेता फिल्म महोत्सव के रूप में प्रसिद्ध है और यह खुद को भारत के बाहर भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा उत्सव मानता है।

—सुलेना मजुमदार अरोरा

यह अपनी फिल्मों और प्रतिभा के निष्पक्ष चयन से सभी भाषाओं के फिल्म प्रेमियों का दिल जीतता रहा है। नोरा फतेही द्वारा जज की जाने वाली नृत्य प्रतियोगिता इस वर्ष के उत्सव के मुख्य आकर्षणों में से एक होने का वादा करती है। यह विविध नृत्य रूपों को प्रदर्शित करता है। यह असाधारण प्रतिभा को भी दर्शाता है. 2024 मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल भारतीय सिनेमा संस्कृति और नृत्य का अविस्मरणीय उत्सव होने का वादा करता है। IFFM एक बहु–पुरस्कार विजेता महोत्सव होने के लिए प्रसिद्ध है। यह भारत के बाहर भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा उत्सव है। यह फिल्मों और प्रतिभाओं के उचित और निष्पक्ष चयन के साथ सभी भाषाओं में सिनेप्रेमियों का दिल जीतता रहा है। नोरा फतेही द्वारा जज की जाने वाली नृत्य प्रतियोगिता इस वर्ष के उत्सव का मुख्य आकर्षण होने का वादा करती है। यह विविध नृत्य शैलियों और असाधारण प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। मेलबर्न का भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 भारतीय सिनेमा, संस्कृति और नृत्य का अविस्मरणीय उत्सव बनने जा रहा है।

सिद्धार्थ रॉय कपूर का जन्मदिन:

सिद्धार्थ और विद्या की पहली मुलाकात...

—मायापुरी प्रतिनिधि

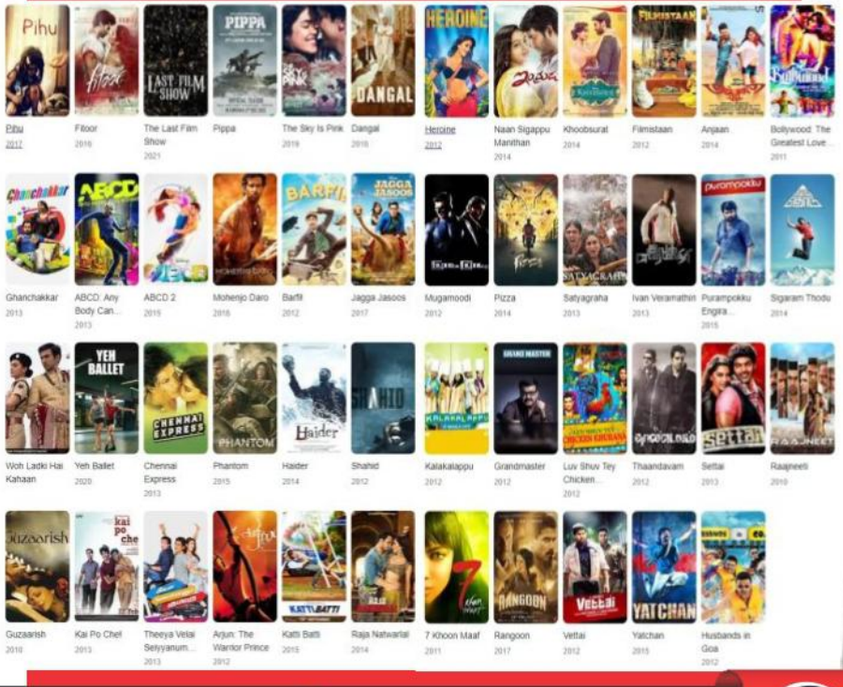

सिद्धार्थ रॉय कपूर बॉलीवुड के मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर हैं. आज वो अपना 49वें जन्मदिन मना रहे है. सिद्धार्थ एक्ट्रेस विद्या बालन के पति है. सिद्धार्थ रॉय कपूर फिल्म्स के फाउंडर हैं. इसके साथ ही 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'हीरोइन', 'बर्फी', 'पीहू', 'दंगल', 'सत्याग्रह' जैसे कई फिल्मों को प्रोड्यूस भी कर चुके हैं. उन्होंने गेम रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के लॉन्च मार्केटिंग पर भी काम किया है, जिसे अमिताभ बच्चन ने होस्ट किया था.

सिद्धार्थ और विद्या बालन पहली बार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में मिले थे. उनकी मुलाकात करण जौहर ने करवाई थी. यही से दोनों की नजदीकियां बढ़ी. इसके बाद सिद्धार्थ का दिल विद्या पर आ गया.

विद्या बालन को शादी के लिए मनाने के लिए सिद्धार्थ को काफी मेहनत करनी पड़ी.

विद्या बालन, सिद्धार्थ रॉय कपूर की तीसरी पत्नी हैं. सिद्धार्थ ने पहली शादी आरती बजाज से की थी जो उनकी बचपन की दोस्त थी. पर ये शादी ज्यादा दिन नहीं चली और दोनों ने एक दूसरे को तलाक दे दिया. आरती बजाज के बाद सिद्धार्थ ने टीवी प्रोड्यूसर कविता के साथ शादी रचाई. लेकिन उनकी ये शादी भी नहीं चल पाई, साल 2011 में कविता और सिद्धार्थ तलाक लेकर अलग हो गए थे. फिर सिद्धार्थ और विद्या बालन ने 14 दिसंबर, 2012 को शादी कर ली. इन्होंने प्राइवेट तरीके से शादी करी, जिसमें सिर्फ दोस्त और परिवार के कुछ करीबी लोग ही शामिल हुए थे.

सनसनीखेज! जियोकोंडा वेसिचेली की गुप्त तस्वीरें लीक! हमेशा किशोर लड़के ही उसके मस्ती भरी शाइनिंग व्यक्तित्व से आकर्षित हो कर पिघल जाते हैं, #सेक्सी #लड़की #जियोकोंडावेसिचेली'

–सुलेना मजुमदार अरोरा

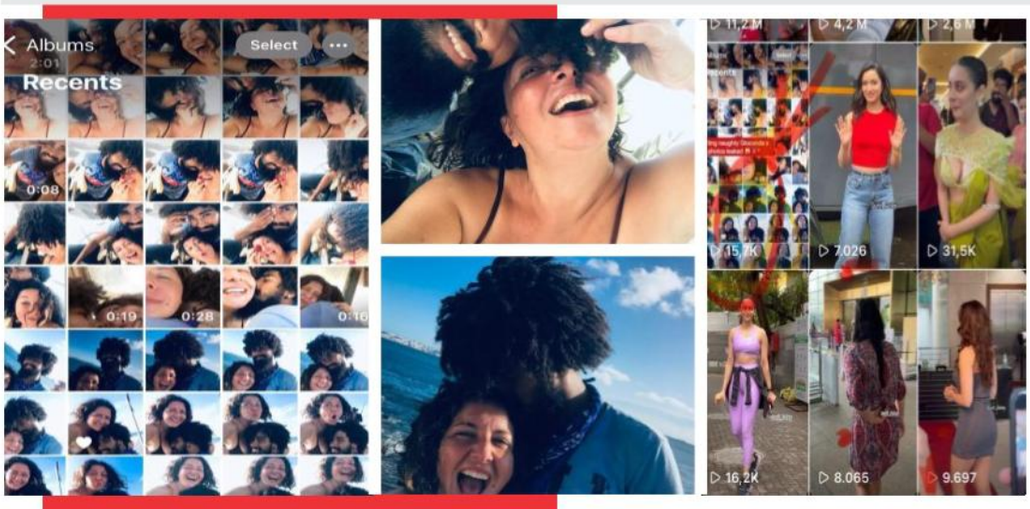

यह एक्सक्लूसिव लीक की गई तस्वीरें पाते ही हम चौंक गए, कुछ युवा और टीनेज हैंडसम लड़के विश्व प्रसिद्ध ऑपेरा क्वीन युवती जिओकोंडा वेसिचेली को जकड़ कर खूब प्यार कर रहे हैं, चूम रहें हैं और जियोकोंडा भी बहुत आनंद ले रही है। इन पर्सनल तस्वीरों को किसने लीक किया? यह जानने के लिए हमने जियोकोंडा के टीम से सम्पर्क किया तो उन्होने बताया कि मैडम के एक पूर्व प्रबंधक ने यह तस्वीरें लीक की है। दरअसल जियोकोंडा के एक शो के दौरान, उनके फोन को वो मैनेजर (अब एक्स) संभाल रहा था और उसने किसी तरह जिओकोंडा के फोन का पासवर्ड का पता लगा लिया और उसने जियोकोंडा के फोन पर सेव्ड सारी तस्वीरों के स्क्रीनशॉट ले लिए और अब जब उसे नौकरी से निकाल दिया गया है, तो उसने मैडम से बदला लेने के लिए उनकी इंटिमेट तस्वीरों को लीक कर दिया। आखिर जियोकोंडा ने अपने मैनेजर को क्यों लात मारकर निकाला? पूछने पर पता चला कि उसने जियोकोंडा के कई शाही शैली के प्राचीन गहने लूट लिए थे (यह गहने दुर्लभ और डेम ऑफ रॉयल हाउस की देन थी) उसे पता था कि जियोकोंडा ने वो गहने कहाँ रखे थे और जब वो स्टेज शो में बिजी थी तब उसने जियोकोंडा के वे गहने चुरा लिए। पकड़े जाने पर जियोकोंडा ने उसपर कार्यवाही करते हुए उसे नौकरी से लात मार के निकाल दिया। ..बदले के तौर पर उस मैनेजर ने ये तस्वीरें लीक कर दी।

ये तस्वीरें लीक होने के बाद जिओकोंडा वेसिचेली अपने लाल पॉर्श कार में तनावग्रस्त चेहरे के साथ ऑफिस से बाहर जाती नजर आई।

खैर जो होना था वो तो हो गया। अब जरा उन तस्वीरों पर गौर कीजिए। जरा देखिए, किस तरह से तस्वीरों में कुछ किशोर लड़के जिओकोंडा को जकड़े हुए उन्हे प्यार कर रहे हैं। ऐसा जान पड़ता है कि वे जियोकोंडा के मजाकिया और सेक्सी चम चम करते युवा सौंदर्य और उचश्रंखल व्यक्तित्व के मोह में पड़ गए हैं। जरा गौर कीजिए कि यह युवा लड़के किस तरह इस फोटो में जियोकोंडा की दीवाने दिखते हैं।

ऐसा साफ नजर आता है कि किशोर वर्ग के लड़के, हमेशा की तरह इस बिंदास, बादास, वाइल्ड और मस्तीखोर, बाला के सोने जैसे तन और सोने जैसे मन के ताप से पिघल रहें हैं और हमेशा इस सुर की रानी पर आकर्षित हो जाते हैं। वाह रे #सेक्सी #लड़की #जियोकोंडावेसिचेली'

मायापुरी मैगजीन की रिपोर्टर ने जब जिओकोंडा के वर्तमान मैनेजर से संपर्क करके यह पूछा कि क्या फोटो में दिख रहा युवा लड़का, जो जिओकोंडा को गले लगा रहा है और चूम रहा है, क्या वह जियोकोंडा का बॉयफ्रेंड है और क्या वे दोनों प्यार में हैं? क्या जिओकोंडा और इस लड़के के बीच कोई गंभीर मामला है, क्योंकि जिस तरह से उस युवक ने जियोकोंडा को जकड़ रखा है और जियोकोंडा का भी चेहरा खिला हुआ है इससे तो यही लगता है कि दोनों प्रेम में लिप्त हैं,?

इस पर जिओकोंडा की टीम ने तुरंत कहा, ष्नहीं, बिल्कुल नहीं, आपको तो मैम ने खुद बताया था कि वह एक स्वतंत्र पक्षी है, वह कभी भी प्रतिबद्ध प्यार में नहीं पड़ेगी, वह कभी भी प्रतिबद्ध रिश्ते की जंजीर में नहीं बंधेगी, वह कभी भूलकर भी शादी या शारीरिक बंधनों में नहीं फंसेगी।ष वो प्यार और सेक्स के खिलाफ नहीं है, उन्हे लगता है कि सेक्स शुद्ध है, सेक्स प्रकृति है, यह ईश्वरीय है, और वह कभी भी प्रकृति के खिलाफ नहीं है। उसे प्रकृति से प्यार है, उसे पूरी दुनिया से प्यार है, क्योंकि वह जानती है कि प्रेम और शारीरिक भोग एक शाश्वत भावना है और वो प्यार में बढ़ना चाहती है, प्यार में नहीं पड़ना चाहती। शी वांट्स टू राइज इन लव, लव नॉट फॉल इन लव।ष

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि ये सभी लड़के जिओकोंडा के स्टिकर हैं। सभी ग्रेंजर्स या 20 साल के युवा किशोर लड़के, स्वतंत्र जीवन शैली और वाइल्ड व्यक्तित्व तथा मस्ती भरी जेनुइन नेचर से इतने अधिक आकर्षित होते हैं कि वे उसे गले लगाने, उसे जकड़ने और उसे चूमने के अलावा कुछ और नहीं कर पाते।ष इतना कहकर जिओकोंडा की टीम ने अपनी बात खत्म की।

हम्म्म, तो पाठकों, यह शरारती छोटी सी वाइल्ड तन और वाइल्ड मन की सुंदर, सेक्सी और सबसे ऊपर एक सच्ची प्रतिभाशाली, लड़की जिओकोंडा, इन युवा लड़कों के काफी अंतरंग आलिंगन का आनंद लेते हुए अपनी स्वतंत्र आत्मा का भी रस ले रही है।

इसे कहते हैं परी लोक की निर्मल प्यार और निर्मल आनंद जो जिओकोंडा के इतालवी शैली, सेक्सी लातीनी रचनात्मक मस्तिष्क की एक प्रेम गीत है जिसका कोई ओर छोर नहीं, जिसका कोई शुरुआत नहीं, जिसका कोई अंत नहीं, जो मांसल शरीर की भूख से ऊपर तो है पर नीचे भी नहीं।

नेट पर चेक करके जरा देखिए, जियोकोंडा की पोस्ट को अन्य सेलिब्रिटीज की तुलना में अधिक व्यूज मिल रहे हैं।

‘स्त्री 2’ का नया गीत ‘आई नई’ में राजकुमार राव ने पहन लिए डांसिंग जूते और दिखाया कमाल

—सुलेना मजुमदार अरोरा

पावरहाउस राजकुमार राव ने 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘स्त्री 2’ के इस नए गाने के लिए अपने डांसिंग जूते पहने और ऐसी धूम मचाई कि सब रह गए दंग।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता राजकुमार राव इस बात का पक्का बंदोबस्त कर रहे हैं कि वह दर्शकों को ‘स्त्री 2’ देखने के लिए टिकट बुक करने का ढेरों कारण दे सके। यह फिल्म जो इस बहुमुखी प्रतिभा वाले अभिनेता के करियर की सबसे बड़ी हिट बनने की ओर अग्रसर है, उसका वो हाल में रिलीज किया गया गीत ‘आज की रात’, सोशल मीडिया पर धूम मचाने के बाद, अब फिल्म का एक नया गाना राजकुमार ने साझा किया, जिसका शीर्षक ‘आई नई’ है, जिसमें राजकुमार राव के नृत्य कौशल को हाई लाइट के रूप में देखा जा रहा है। इस गीत पर राजकुमार राव को सचिन–जिगर की रचना में दिल खोलकर नाचते हुए देखा जा रहा है, जिसमें श्रद्धा कपूर भी उनके ताल में इलाज ताल मिलाती नजर आ रही हैं।

‘स्त्री 2’ न केवल राव की सबसे बड़ी हिट बनने के लिए तैयार है, बल्कि यह फिल्म इस अभिनेता को बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाले के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है। 2024 के वर्ष में राव अब तक तीन अलग–अलग रंगों में दिखे। जहां उन्होंने ‘श्रीकांत’ में एक दृष्टिबाधित उद्योगपति की भूमिका निभाई और ‘मिस्टर एंड मिसेज माही’ में उन्होने खुद ही खुद की अपनी भूमिका निभाई, वहीं अब राजकुमार राव बिक्की के रूप में दर्शकों को गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। तीन फिल्मों में राव की तीन अलग–अलग भूमिकाएँ इस एक्टर की बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण हैं और यही कारण है कि उन्हें सबसे सशक्त कलाकार के रूप में सम्मानित किया जाता है।

जबकि कई लोग ‘श्रीकांत’ में राव के प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की मांग कर रहे हैं, और साथ ही वे इस अभिनेता से ‘स्त्री 2’ के साथ, बॉक्स ऑफिस पर हैट्रिक बनाने की भी उम्मीद कर रहे हैं। मैडॉक फिल्म्स के प्रोजेक्ट से परे, राव ‘विक्की विद्या का वो वाला वीडियो’ में भी नजर आएंगे, जो 11 अक्टूबर को रिलीज होगी।

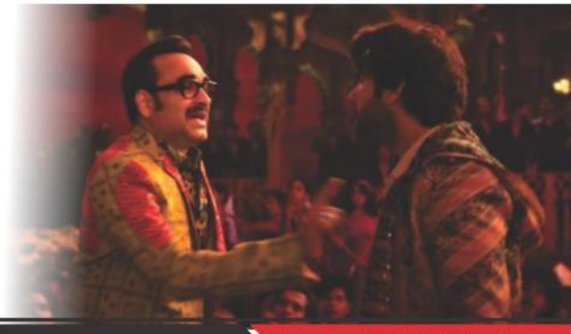

‘फाइटर’ की सफलता ने मुझे करण जौहर कृत धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म ‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी दिया है बताया एक्टर अक्षय ओबेरॉय ने

‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी’ 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी।

–सुलेना मजुमदार अरोरा

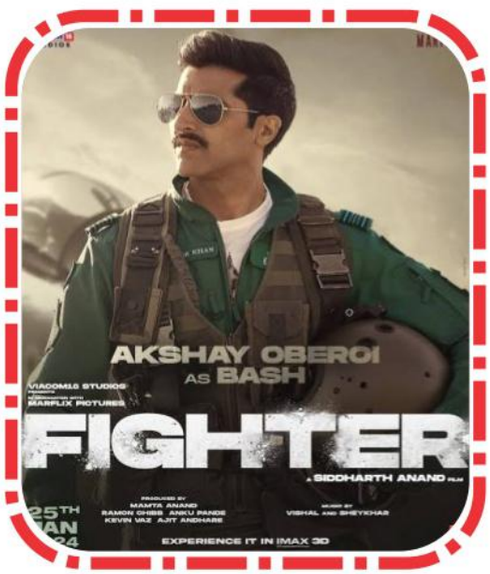

बॉलीवुड में सफलता के पायदान चढ़ते जा रहे अक्षय ओबेरॉय अपनी पिछली फिल्म ‘फाइटर’ में बैश की भूमिका को श्रेय देते हुए कहते हैं कि ‘फाइटर’ में बैश की भूमिका को मैं पूरा श्रेय देता हूं, जिसके कारण मुझे धर्मा प्रोडक्शंस और एक बड़ी दक्षिण फिल्म में प्रमुख भूमिकाएँ मिलीं।

हाल ही में अक्षय को शशांक खेतान निर्देशित करण जौहर कृत धर्मा प्रोडक्शंस की आगामी फिल्म और एक बड़ी दक्षिण भारतीय मूवी में प्रमुख भूमिका के लिए साइन किया गया है ।

कुछ समय पहले, सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित एक्शन से भरपूर ब्लॉकबस्टर फिल्म ‘फाइटर’ ने फिल्म उद्योग में तूफान ला दिया था और अब वो भारत में 2024 की पहली छमाही की शीर्ष 10 सफल फिल्मों में शुमार हो गई है। फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, अक्षय ओबेरॉय, करण सिंह ग्रोवर और संजीदा शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अक्षय ओबेरॉय के लिए, ‘फाइटर’ मेरे करियर को परिभाषित करने वाला फिल्म साबित हुआ है , जिससे मुझे दुनिया भर में वह पहचान मिली जिसके लिए वह पिछले 15 वर्षों से प्रयास कर रहे थे। ओबेरॉय के इस दिल को झकझोरने वाले परफॉर्मेंस ने फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो का ध्यान आकर्षित किया है, जिससे उन्हें आगामी प्रमुख परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ मिलीं।

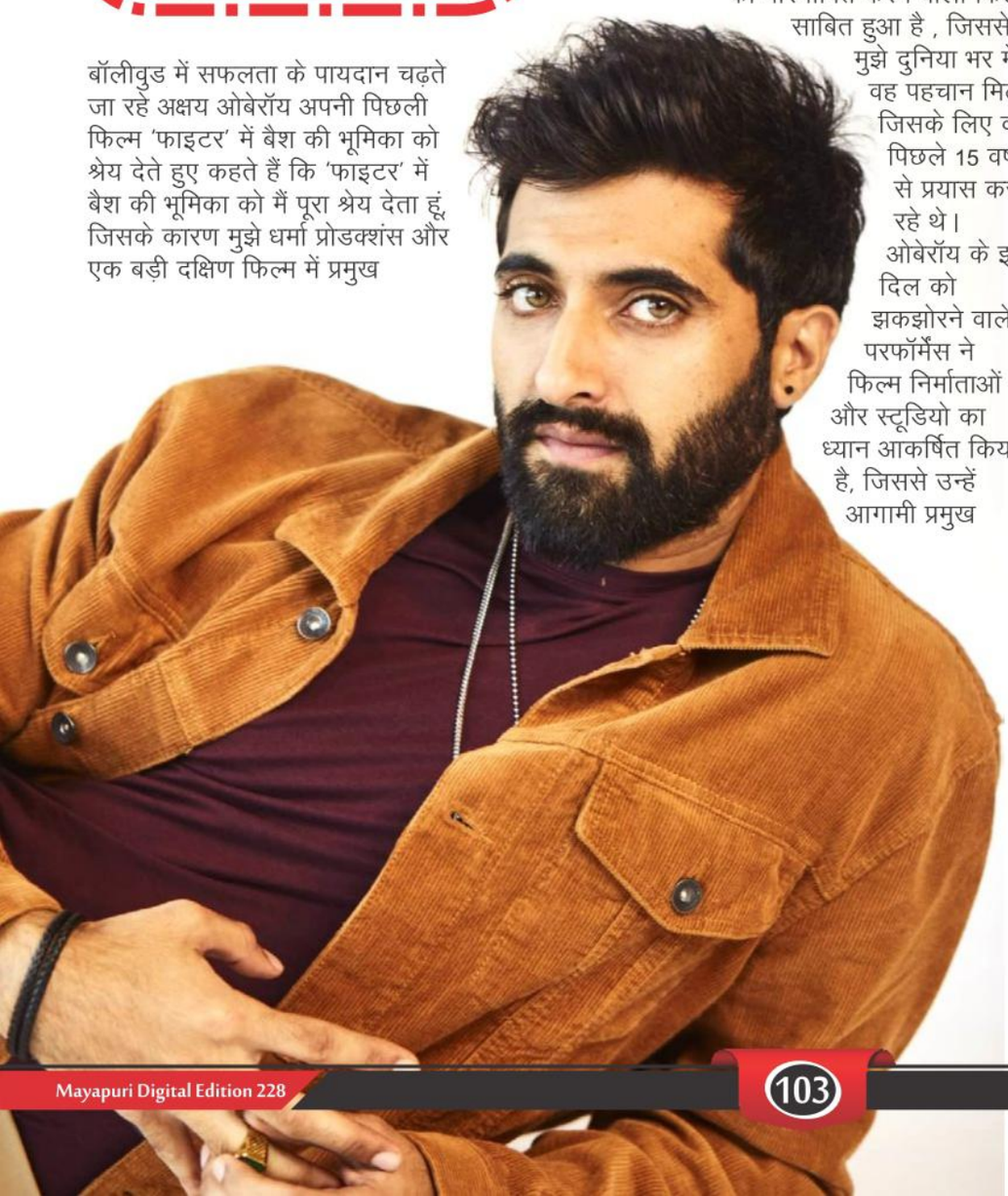

अक्षय ओबेरॉय ने ‘फाइटर’ द्वारा उनके लिए खोले गए अवसरों के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए आगे कहा, ‘फाइटर’ पर काम करना मेरे लिए एक परिवर्तनकारी अनुभव रहा है। यह सिर्फ फिल्म का पैमाना नहीं है, बल्कि जिस तरह से यह दर्शकों के साथ जुड़ा है, वह बहुत बड़ा मायने रखता है दुनिया भर में। मैं यह बताते हुए रोमांचित हूं कि ‘फाइटर’ की सफलता ने मुझे शशांक खेतान द्वारा निर्देशित धर्मा प्रोडक्शंस की आगामी फिल्म ‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी’ में एक महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई है। यह फिल्म एक शानदार प्रोजेक्ट है जहां मुझे वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जैसी धुरंधर प्रतिभाओं के साथ काम करने का मौका मिला है। इसके अतिरिक्त, ‘फाइटर’ की पहचान, दक्षिणी फिल्म उद्योग तक भी पहुंच गई है, और मैं यह घोषणा करते हुए उत्साहित हूं कि मैं एक अनटाइटल्ड दक्षिण परियोजना का हिस्सा बनूंगा जो उतनी ही उत्साहवर्धक होने का वादा करती है।

अपनी मनोरंजक कहानी और शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा प्राप्त करते हुए ‘फाइटर’ का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा आज भी कायम है। फिल्म की सफलता ने अक्षय ओबेरॉय को बॉलीवुड में एक होनहार प्रतिभा के रूप में स्थापित कर दिया है। दर्शक और फिल्म निर्माता समान रूप से उनके आगामी प्रदर्शन को देखने के लिए उत्सुक हैं।

विनीत कुमार सिंह और उर्वशी रौतेला की 'घुसपैठिया' का मोस्ट अवेटेड रोमांटिक सॉन्ग 'तेरे बिना अब तो' रिलीज होते ही हंगामा हो गया

—सुलेना मजुमदार अरोरा

बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'घुसपैठिया' का बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ट्रैक 'तेरे बिना अब तो' आखिरकार रिलीज हो गया है। इस गाने में विनीत कुमार सिंह और उर्वशी रौतेला के बीच गहरी और एक्सट्रीम केमिस्ट्री दिखाई गई है, जिसे देखकर उनके फैंस दीवाने बन गए। नेट की दुनिया में हंगामा मचाने वाली यह सॉन्ग इस डिजिटल खतरों की थ्रीलिंग कहानी के बीच एक उन्माद की तरह क्यों हंगामा मचा रहा है यह देखने वाली बात है।

जाने माने प्रशंसित निर्देशक सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित, घुसपैठिया 9 अगस्त को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फिल्म में विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय हैं, और इसका निर्माण एम. रमेश रेड्डी, ज्योतिका शेनॉय और मंजरी सुसी गणेशन ने किया है। घुसपैठिया एक रोमांचक कहानी के रूप में दर्शकों को एक दहशत की कहानी बताने का प्रॉमिस करती है जो खूबसूरत संगीतमय क्षणों से जुड़ी हुई है, जिसका एक शानदार उदाहरण तेरे बिना अब तो है।

इस गाने को सिद्धार्थ मेनन ने खूबसूरती से गाया है, अक्षय मेनन ने संगीत दिया है और तरंगिनी मेनन ने दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं। मधुर धुन और भावपूर्ण बोल 'तेरे बिना अब तो' को सभी संगीत प्रेमियों के लिए अवश्य सुनने योग्य बनाते हैं।

निर्देशक सुसी गणेशन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'तेरे बिना अब तो' में विनीत और उर्वशी के बीच की केमिस्ट्री कमाल की है। उनके प्रदर्शन ने गाने में एक गहरी भावनात्मक परत जोड़ दी है, जो इसे फिल्म की कहानी के लिए एकदम सही और बेजोड़ बनाती है। हम दर्शकों के साथ इस खूबसूरत गाने को साझा करने के लिए रोमांचित हैं और 9 अगस्त को फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।'

यह फिल्म समकालीन डिजिटल खतरों की जटिलता और हमारे व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन पर उनके प्रभाव पर गहराई से प्रकाश डालती है। यह सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव और विश्वास और गोपनीयता के खतरों पर भी प्रकाश डालता है।

बॉलीवुड स्टार शमा सिकंदर बाली में मस्ती कर रही है

—सुलेना मजुमदार अरोरा

शमा सिकंदर एक ऐसी शख्स हैं जो जब भी मौका मिलता है अपनी घूमने की इच्छा को पूरा करना पसंद करती हैं। उनके सबसे लंबे समय तक, बिना किसी नुक्स के जीवनशैली कई लोगों के लिए प्रेरणा का काम करती है, जो शमा की तरह ही अपनी अनूठी यात्रा का मार्ग भी प्रशस्त करना चाहते हैं। एक महिला के रूप में, वह कई भूमिकाएं निभाती हैं, एक बॉलीवुड अभिनेत्री, मानसिक स्वास्थ्य को सपोर्ट करने वाली, फिल्म निर्माता, और समाज सेवक। अक्सर वह अपने काम में बहुत व्यस्त रहती हैं। हालाँकि, जब भी उसे अपने व्यस्त कार्यक्रम की भागदौड़ से समय निकालने का मौका मिलता है, तो वह इसका अधिकतम लाभ उठाती है और उनके चाहने वाले वास्तव में इसके हर हिस्से को पसंद करते हैं।

शमा कहती हैं, 'आई वर्क वेरी हार्ड, आई हॉलिडे इवन हार्डर.

एक व्यक्ति के रूप में, वह हमेशा सादगी पसंद करती हैं और उनके सबसे पसंदीदा गुणों में से एक यह तथ्य है कि वह जीवन की साधारण छोटी छोटी खुशियों से भी खुशियाँ निचोड़ कर लेती हैं। प्रकृति के बीच रहना एक ऐसी चीज है जिसे वह हमेशा पसंद करती है और यह निश्चित रूप से उसके सोशल मीडिया फीड पर भी प्रतिबिंबित होता है।

शमा सिकंदर इन दिनों बाली में प्रकृति की सुंदरता के बीच मस्ती करती नजर आईं, उनकी इन नवीनतम हॉलिडे मूड की तस्वीरें पूरे इंटरनेट पर वायरल हो गईं।

बाली, इंडोनेशिया शमा का नवीनतम हॉलिडे डेस्टिनेशन है और ऐसा लगता है कि वह वास्तव में वहां 'बहुत अच्छा समय' बिता रही हैं। वह बाली में एक खिली खिली धूप वाले दिन में, अपने समय का भरपूर आनंद लेते हुए धूप में भीगती और सन शाइन से नहाई हुई दिखाई देती है और नेटिजंस निश्चित रूप से उसकी सम्मोहक सुंदरता से आश्चर्यचकित हैं। जिस तरह से वह अपने लाल, डीप नेक के मैक्सी गाउन में कमाल कर रही है वह उनके फैंस को बहुत किक दे रही है और वेल, वह जो सुंदर और रहस्यमय, कभी दबी और कभी खुली हुई मुस्कान दिखा रही है वह इस तथ्य को प्रमाणित करती है कि वह वहां माहौल का आनंद लेते हुए किसी खास कारण से खुश है। वो कारण क्या है, नेटिजंस यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। शमा का आकर्षण उसकी मनमोहक और बचपने से भरपूर आत्मा में निहित है और यही चीज उसे इतना प्यारा व्यक्तित्व बनाती है। तो, यदि आप बाली से शमा की नवीनतम छुट्टियों की तस्वीरें देखने से चूक गए हैं, तो अब देख लीजिए, ये है ट्रेंडिंग तस्वीरें:—

बॉलीवुड ने भारत की बेटी – शूटिंग स्टार, मनु भाकर को किया सलाम

—सुलेना मजुमदार अरोरा

जैसे ही मनु भाकर ने भारतीय खेल इतिहास में अपना विजयी नाम दर्ज कराया, देश खुशी से झूम उठा। निशानेबाजी में दो ओलंपिक पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला और कुल मिलाकर पांचवीं भारतीय बनने के बाद, भाकर की जीत की गूंज, शूटिंग रेंज से दूर दूर तक पूरी दुनिया को सुनाई दे गई।

हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने मनु को बधाई संदेश देकर जहाँ भारत की बेटियों की हर वैश्विक उपलब्धियों पर गर्व जताया वहीं देश की नब्ज को परखने और प्रतिबिंबित करने वाला दर्पण माना जाने वाला बॉलीवुड, इस प्रतिभाशाली युवा शार्पशूटर पर अपनी प्रशंसा की बौछार करने में तत्पर हो गई।

निशानेबाजी में भारत की पहली महिला ओलंपिक पदक विजेता होने की यह ऐतिहासिक उपलब्धि बेहद गर्व का क्षण था, जिसने लाखों युवाओं और बच्चों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भाकर के दोहरे कांस्य ने एक खेल आइकन के रूप में मनु की स्थिति को जबरदस्त तरीके से मजबूत किया।

इस जीत के उत्सव और उत्साह का नेतृत्व बॉलीवुड की ग्लैमरस दुनिया करने में सबसे आगे रही। हर दिल की रानी दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर मनु के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए लिखा, 'सितारों के लिए शूटिंग और इतिहास बनाना!!! बधाई हो, आपने हम सभी को गौरवान्वित किया है।' करीना कपूर खान ने भी इस प्रशंसा में शामिल होते हुए कहा, 'पहली जीत घर है! बधाई @bhakermanu, आपने हम सभी को बहुत गौरवान्वित किया है!

भारत की बेटी मनु के इस अभूतपूर्व विजय पर फिल्म जगत के हर कोने से बधाई संदेश उमड़ने लगे। आलिया भट्ट कपूर, अनुष्का शर्मा, जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, राजकुमार राव, सुनील शेट्टी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, और वरुण धवन उन सारे हस्तियों शामिल थे जिन्होंने भाकर की उपलब्धि की सराहना की। हर दिल अजीज, अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इस भावना को बखूबी व्यक्त करते हुए कहा, "खाता खुल गया..। मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जो पेरिस ओलंपिक में भारत का पहला पदक है।

प्रीति जिंटा ने भी चैंपियन की फोटो शेयर करते हुए लिखा, "#ओलंपिक2024 #ब्रॉन्जमेडल #शूटिंग #पेरिसोलिंपिक्स #जयहिंद #शूटिंग में भारत के लिए पहला पदक जीतने पर @bhakermanu को बधाई। कृति खरबंदा अपने उत्साह को रोक नहीं पाईं और उन्होंने एक समाचार स्निपेट को कैप्शन के साथ साझा किया, ओह हाँ!

राजकुमार राव ने सचमुच एक भावुक इंस्टाग्राम स्टोरी में देश के गौरव को व्यक्त करते हुए लिखा, 'बधाई हो @bhakermanu। हम सभी को आप पर बहुत गर्व है।

मनु भाकर की यह गौरव गाथा उनके कठिन मेहनत और दृढ़ संकल्प की रही है। टोक्यो ओलंपिक में निराशा का सामना करने के बाद, उन्होंने पलटकर पेरिस में दो पदक जीतकर एक अद्वितीय धैर्य के साथ जोरदार वापसी की। उनकी जीत भारतीय नारी शक्ति का प्रमाण है और देश भर के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए आशा की किरण है। मनु की जीत, हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटियों का कल्याण कराओ को रेखांकित करते हुए भारत की नारियों को विश्व में श्रेष्ठ स्थान अर्पण करने की दिशा में एक और कदम की निशानी है।

जैसा कि भारत इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मना रहा है, मनु भाकर देश की खेल शक्ति के प्रतीक के रूप में बहुत ही ऊंचे कद के साथ खड़ी हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर रहे हैं।

ZEE5 पर सिद्धांत कपूर की नई फिल्म 'चलती रहे जिंदगी' से सिद्धांत की गाड़ी चल पड़ी,

पापा शक्ति कपूर, बहन श्रद्धा कपूर से कोई मदद लिए बिना

–सुलेना मजुमदार अरोरा

बॉलीवुड के फिल्म मेकर्स का यह कहना निश्चित रूप से सही है कि अभिनेता सिद्धांत कपूर 'पानी' की तरह हैं। आप उन्हे किसी भी समय, कोई भी चरित्र पकड़ा दीजिए और सिद्धांत सचमुच उसी रूप और उसी आकार में कुछ इस तरह सहजता से ढल जाएगा जैसे कि वह अनंत काल से इसी किरदार में रहा हो। और ऐसा हो भी क्यों न? आखिर उसके रगों में, अभिनय विरासत से दौड़ रही है। पापा शक्ति कपूर, मौसी पद्मिनी कोल्हापुरे, बहन श्रद्धा कपूर और आशा भोंसले भी उनके रिश्ते में हैं (उनके नाना पंडित पंढरीनाथ कोल्हापुरे, लता मंगेशकर और आशा भोंसले के चचेरे भाई थे)। सिद्धांत, एक अभिनेता के रूप में अपनी कुशलता और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने हमेशा क्वांटिटी से पहले क्वालिटी में विश्वास रखा है और उनका काम खुद ही सब कुछ बयां करता है। अपने करियर के सबसे अद्भुत प्रोजेक्टस में से चंद फिल्में, जहां उन्हें उनकी भूमिकाओं के लिए खूब प्रसिद्धि प्राप्त हुई थी वो थी, 'हसीना पारकर', 'यारम', 'भौकाल', 'शूटआउट एट वडाला', 'बॉम्बेरिया', 'असेक', 'पलटन', 'चेहरे' 'हैलो चार्ली', और कई अन्य। सिद्धांत ने हमेशा अपने लिए बड़ी ही चतुराई और सावधानी से ऐसे प्रोजेक्ट चुने हैं जो आम जनता या फिर अपने सामान्य दर्शकों के जीवन से मेल खाते हों और अब एक बार फिर, ऐसा लगता है कि वह अपने नवीनतम प्रोजेक्ट के साथ दोबारा अपने टार्गेट पर आ गए हैं।

सिद्धांत की नवीनतम नई फिल्म 'चलती रहे जिंदगी' अब ZEE5 पर स्ट्रीम हो रही है और फिल्म के साथ–साथ उनके किरदार को भी खूब सराहना मिल रही है। पहले से ही, फिल्म के ट्रेलर रिलीज के समय, वह अपने शानदार अभिनय से अचंभित करने और एक अमिट प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे और अब जब फिल्म रिलीज होकर चर्चे में आ गई है, तो यह निश्चित रूप से दर्शकों के बीच अद्भुत ढंग से जुड़ रही है। यह फिल्म एक मधुर और प्रासंगिक लॉकडाउन ड्रामा है जो कोविड के जमाने को झेल चुके करोड़ों लोगों के लिए एक भावनात्मक जर्नी और एक भयाक्रांत बंदी जीवन को दर्शाती है जो उस समय लाखों लोगों के जीवन का पर्याय बन गया है। इस फिल्म में सिद्धांत ने अपने प्रदर्शन से कमाल कर दिया है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि जैसे ही यह प्रोजेक्ट ZEE5 पर स्ट्रीम होना शुरू हुआ, इंटरनेट पर उनकी बहुमुखी प्रतिभा और उस होशियारी के बारे में चर्चा शुरू हो गई जिसके साथ वह अपने किरदार में इतनी शानदार तरह से समाहित हो गए थे। इस फिल्म 'चलती रहे जिंदगी' से उन्हें मिल रही प्यार और सराहना के बारे में सिद्धांत ने जो बताया वो हम आपको भी बता देतें है, वे बोले, 'यह फिल्म मेरे लिए काफी खास है क्योंकि यह सबसे अधिक प्रासंगिक कहानियों में से एक है जिसका मैं हिस्सा बन रहा हूं। लॉकडाउन का जमाना हर किसी के लिए एक भयानक और कठिन समय रहा है और उसी दौरान, लोगों के कामकाज में कई तरह के उतार–चढ़ाव भी आए हैं। मैं तब सबसे ज्यादा खुश हूं जब अगर एक अभिनेता के रूप में मैं अपने काम के साथ ऐसा जुड़ाव महसूस बना पाता हूं जो हर किसी के लिए भरोसेमंद हो और इस प्रोजेक्ट के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिल रही है, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। आप सभी के प्यार और सराहना के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद और मैं बस इतना कह सकता हूं कि इसके बाद, बहुत कुछ हो रहा है। मैं जितनी जल्द हो सके अपने अद्भुत दर्शकों और प्रशंसकों के सामने अपना सारा काम पेश करने के लिए उत्सुक हूं। धन्यवाद।

खैर, सिद्धांत कपूर को एक बार फिर से जोरदार प्रदर्शन करने और इस प्रोजेक्ट में अपना अभिनय ठीक से कर पाने के लिए बधाई। इसके बाद, उनकी पाइपलाइन में पहले से ही कम से कम 5 दिलचस्प परियोजनाएं हैं जो एक बार फिर दिल जीतने के लिए तैयार हैं और उनके डाई हार्ड फैंस अब और ज्यादा देर तक इंतजार नहीं कर सकते। मैं उनके भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं और सफलता की कामना करती हूं।

अविका गोर ने हमें गौरवान्वित किया है क्योंकि वह भारत और वियतनाम के मिलन समारोह में उपस्थित 52 लोगों में से एकमात्र अभिनेत्री हैं जिन्होंने भारतीय मनोरंजन उद्योग का प्रतिनिधित्व किया है! उन्हें भारत के माननीय **प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी** के साथ लंच के लिए आमंत्रित किया गया है!...

बिग बॉस मराठी **निक्की** और **अंकिता** में भिड़ंत; निक्की ने कहा 'मुझे मत छुओ'...

थाईलैंड में 'मिस इंटरनेशनल क्वीन 2024' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी ट्रांसजेंडर अर्शी घोष

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

थाईलैंड के पटाया में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली मिस इंटरनेशनल क्वीन 2024' अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता, ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अधिक मान्यता प्राप्त प्रतियोगिता है। इस बार इसका आयोजन अगस्त माह में होने जा रहा है,जहां मौजूदा मिस ट्रांसक्वीन इंडिया 2023 अर्शी घोष वैश्विक मंच पर यानी कि प्रतिष्ठित 'मिस इंटरनेशनल क्वीन 2024' प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अर्षी घोष पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में इस साल की शुरुआत में आयी थीं, जब उन्होंने नई दिल्ली 'मिस ट्रांसक्वीन इंडिया 2023' का खिताब जीता था। प्राइड प्लाजा होटल समूह द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पूरे भारत के प्रतियोगियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई थी। सात विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एला देव वर्मा और विक्टोरिया तायिंग ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय उपविजेता स्थान हासिल किया था।

19 वर्षीय 'मिस इंटरनेशनल क्वीन' अर्शी खान का लक्ष्य समाज में समानता और स्वीकृति को बढ़ावा देते हुए थाईलैंड में पर्यटन को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में पर्याप्त पुरस्कार दिए जाते हैं, जिसमें विजेता को 450,000 थाई बहत (लगभग 10,000 पौंड) के साथ–साथ अन्य मूल्यवान उपहार और अवसर मिलते हैं। प्रतियोगी विभिन्न श्रेणियों में भाग लेते हैं, जिनमें शाम का गाउन, राष्ट्रीय पोशाक और प्रतिभा प्रतियोगिताएं शामिल है।

अर्शी घोष इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के संदर्भ में खुद कहती हैं–'' मिस इंटरनेशनल क्वीन में भारत का प्रतिनिधित्व करना सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि मेरी ट्रांस बहनों की आवाज को बुलंद करने का एक मंच है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस अवसर का उपयोग आगे बढ़ाने के लिए करूंगी। लिंग संवेदनशीलता का कारण, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहां जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है, मेरा लक्ष्य भारत के हर कोने और वास्तव में दुनिया को अधिक समावेशी और समझदार बनाना है।''

'मिस ट्रांसक्वीन इंडिया' की संस्थापक और निदेशक रीना राय ने अर्शी की क्षमताओं पर भरोसा व्यक्त करते हुए कहती हैं–''अर्शी लचीलेपन और अनुग्रह की भावना का प्रतीक है, जिसके लिए हमारा पेजेंट खड़ा है। भारत में उसकी जीत सिर्फ शुरुआत थी। मेरा मानना है कि वह लाने की क्षमता रखती है। अंतर्राष्ट्रीय ताज हासिल करना और, इससे भी महत्वपूर्ण बात, वैश्विक स्तर पर ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक शक्तिशाली वकील बनना।''

एक तरफ अर्शी घोष दुनिया भर के प्रतियोगियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रही हैं,तो वहीं वह अपने साथ कई लोगों की आशाएं और सपने भी लेकर आती हैं। उनकी भागीदारी सिर्फ एक खिताब जीतने के बारे में नहीं है; यह बाधाओं को तोड़ने, रूढ़िवादिता को चुनौती देने और अधिक स्वीकार्यता और समानता का मार्ग प्रशस्त करने के बारे में है।

नंदमुरी बालकृष्ण - प्रज्ञा जैसवाल
'NBK109' के लिए एक बार फिर साथ आएं

– मायापुरी डेस्क

तेलुगु सिनेमा के प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक घटनाक्रम में, प्रज्ञा जायसवाल को बहुप्रतीक्षित फिल्म NBK 109 में मुख्य अभिनेत्री के रूप में पुष्टि की गई है। वह दिग्गज नंदमुरी बालकृष्ण के साथ जोड़ी बनाएंगी, जो ''अखंडा'' के साथ उनकी ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद उनके साथ फिर से काम कर रही हैं। बॉबी कोली द्वारा निर्देशित और नागा वामसी द्वारा निर्मित, इस तेलुगु एक्शन ड्रामा में बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल भी हैं, जो प्रतिपक्षी की भूमिका निभाएंगे।

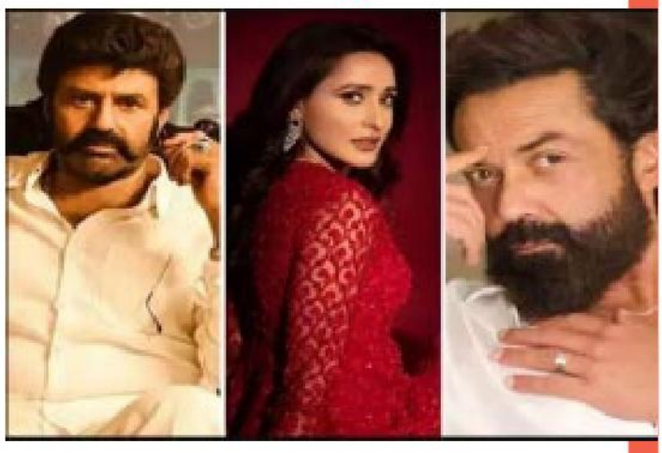

NBK 109 में प्रज्ञा जायसवाल का शामिल होना उनके दिलचस्प करियर ग्राफ में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक पैन इंडिया स्टार के रूप में जानी जाने वाली, उन्होंने ''अखंडा'' और ''कांचे'' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, जिससे तेलुगु सिनेमा में एक प्रसिद्ध नाम के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। ''अखंडा'' में उनकी भूमिका ने न केवल उन्हें आलोचकों की प्रशंसा दिलाई, बल्कि यह उनके करियर की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई।

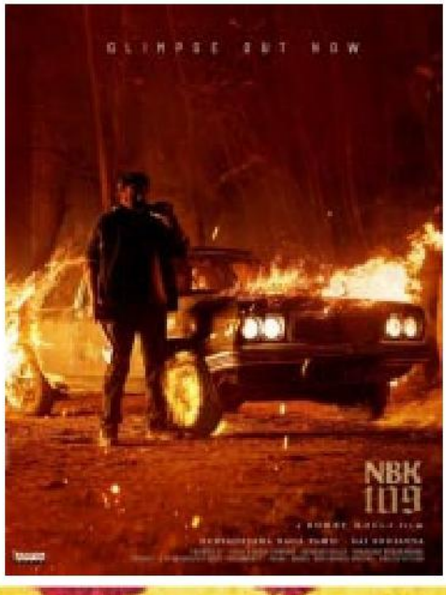

NBK 109 में अपने अकांडा सह–कलाकार नंदमुरी बालकृष्ण के साथ अपनी नई भूमिका पर टिप्पणी करते हुए, प्रज्ञा ने कहा, ''मैं नंदमुरी बालकृष्ण सर के साथ फिर से जुड़कर और बॉबी कोली के निर्देशन में काम करके रोमांचित हूं। NBK 109 एक शानदार प्रोजेक्ट है, और बॉबी देओल और नंदमुरी बालकृष्ण सर के साथ एक प्रतिभाशाली जोड़ी है। मैं दर्शकों को यह दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि हमारे पास क्या है।''

NBK 109 के अलावा, प्रज्ञा जायसवाल कई प्रोजेक्ट्स के साथ अपने क्षितिज का विस्तार करना जारी रखे हुए हैं। वह अक्षय कुमार के साथ बॉलीवुड फिल्म ''खेल खेल में'' और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और शीर्ष सितारों के साथ काम करने के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, प्रज्ञा एक बार फिर से विभिन्न उद्योगों के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं, जिससे एक पावरहाउस कलाकार के रूप में उनकी प्रतिष्ठा और मजबूत होगी।

सोनी सब के शो 'वंशज' में नील की शादी के दिन आएगा नया मोड़

सोनी सब का 'वंशज' पितृसत्तात्मक समाज में लैंगिक भूमिकाओं और विरासत के मुद्दों को प्रदर्शित करके निरंतर दर्शकों का दिल जीत रहा है. तलवार परिवार के आने से इस सीरीज ने नया मोड़ ले लिया है, जो महाजन परिवार का दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी साबित होता है. हालिया एपिसोड्स में, युविका (अंजलि तत्रारी) शादी की तैयारियों के बीच अपने प्यार नील (मोहित कुमार) का बेसब्री से इंतजार कर रही है, और यश (शालीन मल्होत्रा) अपने हार्ट ट्रांसप्लांट की तैयारी के

कार दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद, उसका अपहरण कर लिया जाता है. इस बीच, डीजे नाटकीय तौर पर वापसी करने और युविका को हराने के लिए इस स्थिति का फायदा उठाने की योजना बनाता है. यश हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए तैयार हो रहा है, और नील को पता चलता है कि उसके किडनैपर उसका दिल चाहते हैं, पैसे नहीं, और वह भागने की कोशिश करता है लेकिन उसके पैर में गोली लगती है. क्या नील और युविका के प्यार का अंत हो जाएगा और डीजे की नाटकीय वापसी होगी?

वंशज में युविका महाजन की भूमिका निभाने वाली अंजलि तत्रारी ने कहा,

"पूरी जिंदगी संघर्ष करने के बाद युविका को आखिरकार नील के साथ खुशी का एक पल मिला, जो हर चुनौती में उसका दृढ़ समर्थक रहा है. लेकिन अपनी शादी के दिन, नील के लापता होने से, वह चिंतित हो उठती है. जिस पुरुष से वह प्यार करती है उसके लापता होने से डर उसके मन में घर कर जाता है, जिससे वह बेचैन और भयभीत हो जाती है कि संभवतः कुछ भयानक घटित हुआ है और उनके सपने चकनाचूर हो सकते हैं. आगामी एपिसोड्स में, कुछ चौंकाने वाला वाकये सामने आएंगे जब युविका को नील की किस्मत और डीजे की नाटकीय वापसी का पता चलेगा, जिससे दर्शक हैरान रह जाएंगे."

वंशज में नील की भूमिका निभाने वाले मोहित कुमार ने कहा,

"नील का एकमात्र मकसद अपने प्यार युविका की रक्षा करना और उसे सबसे अच्छा जीवन देना था. जबकि उसके मन में बहुत सी बातें हैं, वह युविका को उनकी शादी के दिन सरप्राइज देने की योजना बना रहा है, लेकिन उसका अपहरण कर लिया जाता है और वह युविका के बारे में सोचकर भाग निकलने के लिए संघर्ष करता है. हालांकि, वह इस बात से अनजान है कि डीजे द्वारा भेजे गए लोग भी उसका पीछा कर रहे हैं, जिसने युविका को बर्बाद करने के लिए और भी भयानक और ताकतवर चाल के साथ अपनी वापसी की है."

वंशज देखते रहिए, हर सोमवार से शनिवार रात 10 बजे, केवल सोनी सब पर!

दौरान भावनात्मक पल शेयर करता है।

आगामी एपिसोड्स में, जब नील एक शादी में जा रहा होता है, तभी यश के अंकल अमरजीत द्वारा भेजे गए गुंडे उस पर हमला कर देते हैं. युविका से बात करते हुए उसकी

एकता आर कपूर और महावीर जैन ने अपनी दिल छू लेने वाली फैमिली एंटरटेनर – बिन्नी एंड फैमिली का पहला लुक किया जारी!

—मायापुरी प्रतिनिधि

फैमिली एंटरटेनर फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' जल्द ही आपके दिलों के दरवाजे पर दस्तक देने के लिए तैयार है। यह स्लाइस ऑफ लाइफ फिल्म, सभी उम्र के दर्शकों के साथ जुड़ने का वादा करती है और पीढ़ी के अंतर को मिटाने का लक्ष्य रखती है।

यह फिल्म एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स, निर्माता महावीर जैन फिल्म्स और वेवबैंड प्रोडक्शन्स के साथ–साथ प्रशंसित फिल्ममेकर शशांक खेतान और मृगदीप लांबा के बीच एक बड़ा कोलैबोरेशन है। फिल्म संजय त्रिपाठी द्वारा लिखित और निर्देशित है।

मेकर्स ने फिल्म के लिए फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें डेब्यू स्टार्स अंजिनी धवन और नमन त्रिपाठी को इंट्रोड्यूस किया गया। ये नए चेहरे इंडस्ट्री में एक नई एनर्जी लाने और न्यूकमर्स इनिशिएटिव की पहली फिल्म में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को सरप्राइज देने के लिए तैयार हैं। जबकि फिल्म में पंकज कपूर, राजेश कुमार, हिमानी शिवपुरी और चारु शंकर भी हैं।

'बिन्नी एंड फैमिली' एक उभरती हुई कहानी है, जो हर पीढ़ी के लिए एक संदेश पेश करती है। फैमिली डायनामिक्स और अलग–अलग ऐज ग्रुप के बीच समझ पर ध्यान देने के साथ, यह फिल्म इंडस्ट्री में नई लहर लाने के लिए तैयार है। पहला पोस्टर दर्शकों के लिए एक फ्रेश और शानदार अनुभव का संकेत देता है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, महावीर जैन ने कहा, 'आज के समय और युग में जब डार्क फिल्मों को अधिक प्रमुखता मिल रही है, हम एक कम्पलीट फैमिली फिल्म ला रहे हैं, जिसे आप बिना किसी हिचकिचाहट के साथ आप अपने पूरे परिवार के साथ देख सकते हैं। यह फिल्म हर पीढ़ी से बात करेगी, चाहे वह युवा हो, टीनएजर हो, मिडल ऐज हो या बुजुर्ग हो। यह फिल्म परिवारों को एक साथ लाएगी और मैं इसे देखने के लिए हमारे दर्शकों का इंतजार नहीं करवा सकते।

यह फिल्म 30 अगस्त को रिलीज होगी और इसका संदेश हर जनरेशन कुछ कहता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस पीढ़ी से हैं, 'बिन्नी एंड फैमिली' आपके लिए एक ऐसी कहानी लाने के लिए तैयार है, जो हम सभी को जोड़ती है। यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

'कहीं तो होगा' में टीनू आनंद और आमना शरीफ के साथ प्रियंका रैना का पहला दृश्य

—मायापुरी प्रतिनिधि

सबसे पहले, 'कहीं' तो होगा में मेरे पहले अभिनय की क्लिपिंग भेजने के लिए बालाजी टेलीफिल्म्स और एकता कपूर को धन्यवाद। यह लगभग मेरा बच्चा है, जैसा कि कॉलेज के पहले वर्ष में था, अब इसे देखकर पुरानी यादें ताजा हो गई हैं– प्रियंका रैना

उन दिनों के सीरियल, जो हर किसी की हिटलिस्ट में थे, मेगा शो 'कहीं तो होगा,' क्योंकि सास भी कभी बहू थी (मेरे सीन गौरी प्रधान और हेटेन तेजवानी के साथ थे) के कुछ हिस्सों को देखकर मैं हमेशा धन्य महसूस करती हूं।

छोटी भूमिकाएँ, लेकिन धारावाहिक मेरे कॉलेज और स्कूल की प्रसिद्धि बन गए। एक बार मेरी साइंस टीचर बबिदा टीचर ने मुझे देखा और कहा, 'अरे प्रियंका, मैंने तुम्हें टीवी पर देखा था... तुम क्योंकि में थीं...'

प्रियंका कहती हैं, जब आपको अपने स्कूल के शिक्षकों से उपहार मिलते हैं तो आप पूरी तरह से धन्य महसूस करते हैं।

सिद्धार्थ आनंद की फिल्म मेकिंग जर्नी पर एक नजर

—मायापुरी प्रतिनिधि

फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद ने बॉक्स ऑफिस पर हिट से लेकर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर जैसी कई सफलताओं के साथ खुद को एक बेहतरीन और सशक्त फिल्ममेकर के रूप में स्थापित किया है। 'हम तुम' से पहचान हासिल करने के बाद, सिद्धार्थ आनंद ने अपने निर्देशन की पहली फिल्म 'सलाम नमस्ते' (2005), इसके बाद 'ता रा रम पम' (2007), 'बचना ए हसीनो' (2008) और 'अंजाना अंजानी' (2010) से बॉलीवुड की रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में खुद को स्थापित किया। फिल्ममेकर के जन्मदिन पर, आइए आनंद के फिल्ममेकिंग को रोमांटिक–कॉम से एक्शन ब्लॉकबस्टर तक डिकोड करें।

आनंद का एक्शन में परिवर्तन 'बैंग बैंग' के साथ हुआ (2014), जिसने ₹333 करोड़ की कमाई की और खुद को बॉक्स ऑफिस मास्टरमाइंड साबित किया। बैंग बैंग की सफलता ने 'वॉर' (2019) के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जिसने क्रिटिक्स और दर्शकों के साथ इंडस्ट्री में उनकी स्थिति को मजबूत किया और उनके अगले कदम का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। किसी ने सोचा भी नहीं था कि उनकी अगली पोस्ट 'वॉर', 'पठान' होगी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। जहां 'वॉर' ने ₹475.62 करोड़ की कमाई की और 2019 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई, वहीं 'पठान' (2023) ने विश्व स्तर पर ₹1,050 करोड़ से अधिक की कमाई की, जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक है।

सुपर–हिट फिल्मों का निर्देशन करने के अलावा, सिद्धार्थ ने प्रोड्यूसर ममता आनंद के साथ फिल्मों के प्रोडक्शन में भी कदम रखा। ममता और सिद्धार्थ आनंद ने मिलकर मार्फ्लिक्स पिक्चर्स की शुरुआत की, जिसकी पहली फिल्म प्रोडक्शन, हाई–ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर, 'फाइटर' ₹360 करोड़ से अधिक की कमाई के साथ कमर्शियल रूप से सफल रही, 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी रही। फिल्ममेकर ने 2024 की फाइटर के साथ एरियल एक्शन में हालिया प्रतिभा के साथ साथ असाधारण एक्शन फिल्में बनाने की प्रतिष्ठा अर्जित की है।

प्रोड्यूसर ममता आनंद के साथ प्रोडक्शन में कदम ने फिल्ममेकर्स की एडेप्टेबिलिटी और रिस्क–टेकिंग क्षमताओं को भी उजागर किया, जिससे वे बॉलीवुड के सबसे इनोवेटिव डायरेक्टर्स और प्रड्यूसर्स में से एक बन गए। अब, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रहे हैं, जिसमें शाहरुख खान–सुहाना खान स्टारर किंग, सैफ अली खान स्टारर ज्वेल थीफ, एक अनटाइटल्ड मेगा बजट टू हीरो एक्शन फिल्म शामिल है। फैंस इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि मेकर्स के लिए पाइपलाइन में और क्या है।

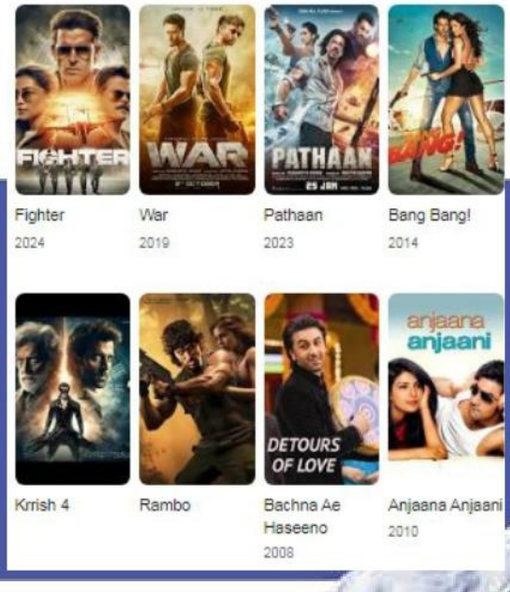

सबसे ट्विस्टेड गेम नाइट पर बनी फिल्म 'खेल खेल में' का ट्रेलर लॉन्च

—मायापुरी प्रतिनिधि

कॉमेडी–ड्रामा 'खेल खेल में' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है! ट्रेलर में मजेदार पारिवारिक मनोरंजन की झलकियाँ दिखाई गई हैं, जिसमें अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फरदीन खान जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी मजाकिया और मजेदार शैली से दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देने का वादा किया है.

बहुप्रतीक्षित कॉमेडी–ड्रामा 'खेल खेल में' के निर्माताओं ने एक नए रोमांचक दृष्टिकोण के तहत एक अनोखे कार्यक्रम के साथ फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया, जिसने मीडिया और प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया. मीडिया को एक ऐसा शानदार अनुभव दिया गया, जिसका समापन मुंबई में एक भव्य ट्रेलर अनावरण के साथ हुआ.

अक्षय कुमार, वाणी कपूर, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल, फरदीन खान और एमी विर्क के साथ बस की यात्रा बहुत मजेदार रही. हवा में हंसी का माहौल था और संगीत की धुनें गूंज रही थीं, बस एक चलती–फिरती पार्टी बन गई थी, और हर कोई पूरी यात्रा के दौरान मस्ती और भाईचारे का लुत्फ उठा रहा था.

इसके बाद अंतिम गंतव्य, लॉन्च स्थान पर एक रोमांचक माहौल में "खेल खेल में" का ट्रेलर लॉन्च किया गया. ट्रेलर में फिल्म के हास्य और भावपूर्ण क्षणों के अनूठे मिश्रण की एक सुखद झलक पेश की गई, जिसने एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव का वादा किया. उत्साह को और बढ़ाते हुए, अक्षय कुमार ने एक विशेष आश्चर्य के रूप में मंच संभाला और अपने विशिष्ट, विनोदी अंदाज में मीडिया से बातचीत की, जिससे सभी हंसते–हंसते लोटपोट हो गए.

मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित 'खेल खेल में' में अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फरदीन खान जैसे कलाकारों ने काम किया है. अपनी शानदार लाइन–अप और एक ऐसी कहानी के साथ, जिसमें अजीबोगरीब हास्य और भावनाओं का मिश्रण है, यह फिल्म शैली को फिर से परिभाषित करने और सभी उम्र के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है. 'खेल खेल में' हंसी, ड्रामा और मस्ती का एक बेहतरीन मिश्रण पेश करने का वादा करती है, जो इसे सभी फिल्म प्रेमियों के लिए जरूर देखने लायक बनाती है.

गुलशन कुमार, टी–सीरीज और वाकाऊ फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं 'खेल खेल में'. टी–सीरीज फिल्म, वाकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन 'खेल खेल में' मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है. यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को देशभर में रिलीज होगी.

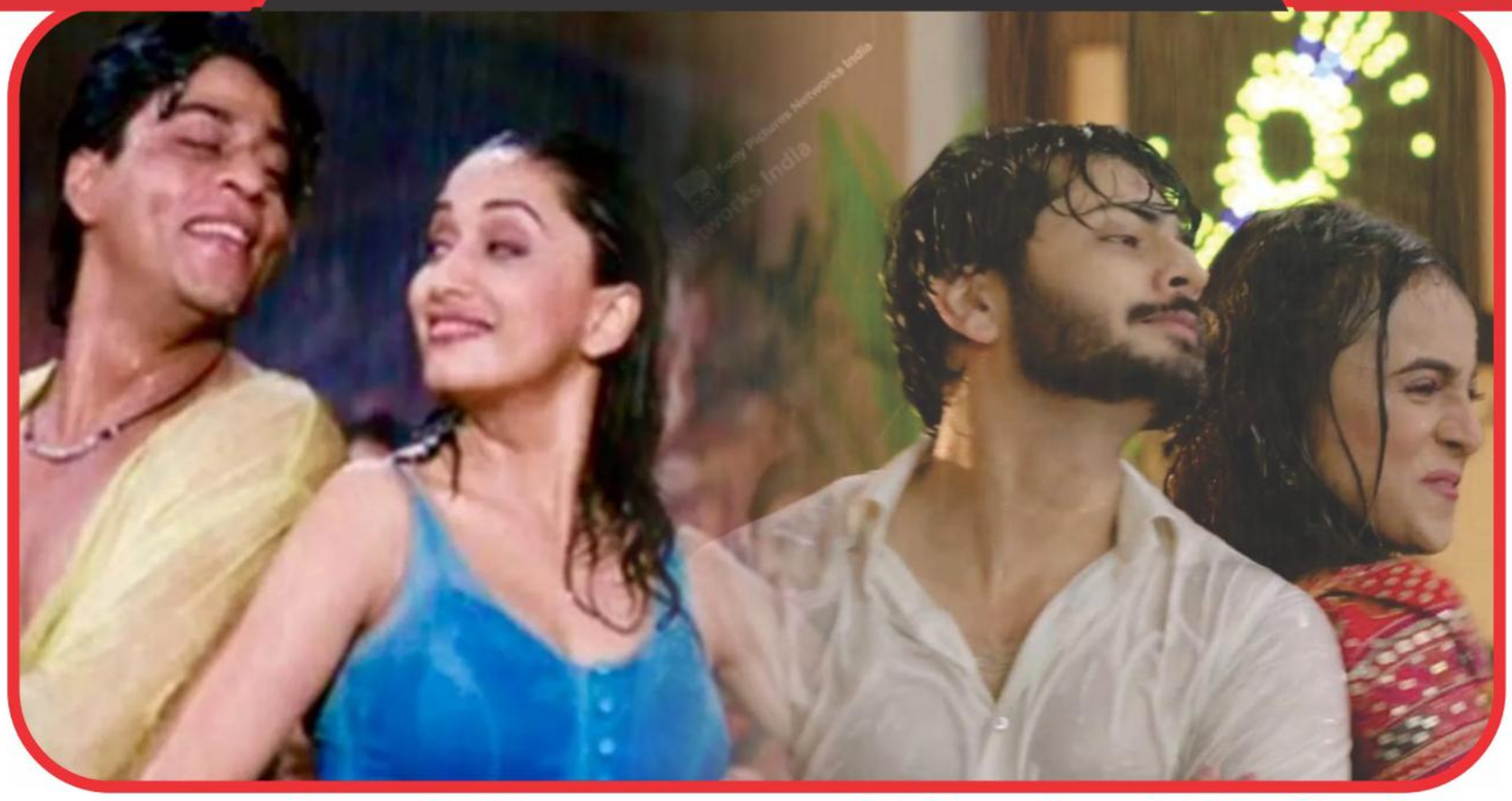

पुकार–दिल से दिल तक:– अभिषेक ने शो में SRK के एक सीन को किया रीक्रिएट

–मायापुरी प्रतिनिधि

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का दिल को छू लेने वाला पारिवारिक ड्रामा 'पुकार – दिल से दिल तक' प्यार, नुकसान और मुक्ति की एक भावनात्मक कहानी है, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है। कहानी एक माँ और उसकी दो बेटियों की यात्रा पर आधारित है, जो एक दुष्ट योजना के कारण दुखद रूप से अलग हो जाती हैं। हालाँकि, नियति एक अप्रत्याशित मोड़ लेती है, जो तीनों को उन ताकतों के खिलाफ सुलह के रास्ते पर ले आती है, जिन्होंने उन्हें अलग कर दिया था। चल रहे ट्रैक में, वेदिका (सायली सालुंके) और उसके पालक परिवार को कैद कर लिया जाता है, और सागर (अभिषेक निगम) को उन्हें बचाने का कोई रास्ता खोजना होगा।

आगामी एपिसोड में ड्रामा बढ़ता ही जा रहा है, क्योंकि वेदिका जेल से रिहा होकर माहेश्वरी घर लौटती है, जिससे राजेश्वरी (सुमुखी पेंडसे) हैरान रह जाती है। सागर वेदिका के पक्ष में खड़ा होता है, और कहता है कि उसका परिवार शुरू से ही निर्दोष था और किसी ने उन्हें फंसाया है, साथ ही वह उनकी दुर्दशा में राजेश्वरी की संलिप्तता की ओर भी इशारा करता है। दूसरी ओर, सागर देखता है कि वेदिका अपने साथ हुई घटना से निराश है और बारिश में 'चक धूम धूम' गाने पर डांस करके उसे खुश करने की कोशिश करता है।

शाहरुख खान की फिल्म के मशहूर सीन को फिर से बनाने के अपने अनुभव पर बात करते हुए, अभिनेता अभिषेक निगम ने बताया,

'सच कहूँ तो, मैं बहुत अच्छा डांसर नहीं हूँ, और मैं इस तरह के मशहूर गाने पर डांस करने को लेकर बहुत नर्वस था। मेरे लिए, सबसे बड़ी चुनौती शाहरुख खान के शानदार अभिनय को जीना था। हालाँकि, मेरी सह–अभिनेत्री, सायली सालुंखे और हमारे निर्देशक, प्रतीक शाह, पूरी प्रक्रिया में अविश्वसनीय रूप से सहायक रहे। उनके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने मुझे इस सीक्वेंस को पूरा करने में मदद की। आश्चर्यजनक रूप से, मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया। शाहरुख खान की फिल्म के गाने चक डूम डूम पर परफॉर्म करना किसी भी एक्टर के लिए सपने के सच होने जैसा है। बारिश, रोमांस और संगीत ने इस अनुभव को और भी खास बना दिया। मुझे बहुत खुशी है कि मुझे पुकार दिल से दिल तक में हमारे आने वाले ट्रैक के लिए मशहूर सीन को फिर से बनाने का मौका मिला। यह सीक्वेंस मेरे लिए सिर्फ एक परफॉर्मेंस से कहीं बढ़कर है। यह मेरे करियर में एक मील का पत्थर है और एक ऐसा पल है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

&TV लाया समानता के अधिकारों पर केंद्रित एक दमदार सोशल ड्रामा भीमा

–मायापुरी प्रतिनिधि

एण्डटीवी का नया शो 'भीमा' 80 के दशक की पृष्ठभूमि पर बना है. राज खत्री प्रोडक्शंस ने इसका निर्माण किया है. इसमें भीमा नाम की एक लड़की की कहानी दिखाई गई है जो किसी दूसरी जाति से ताल्लुक रखती है. यह एक लड़की की दुविधा और समान अधिकारों को लेकर उसके सफर को दिखाता एक सोशल ड्रामा है. दर्शकों को शो में इस लड़की के साहसिक सफर की कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें वह अपने परिवार, समाज और आर्थिक हालातों से उपजी मुश्किलों का सामना करती नजर आती है. काफी अन्याय और भेदभाव झेलने के बावजूद, वह बड़ी ही बेबाकी से उन परेशानियों को पीछे छोड़ देती है. ढेर सारी चुनौतियों के बावजूद भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी. आर. आंबेडकर के कानूनों और आदर्शों को बनाए रखना भीमा के अटूट विश्वास को दिखलाता है. इतनी छोटी–सी उम्र में उसने खुद को इस मिशन के नाम समर्पित कर दिया. समाज का प्रभावी तबका उसके काम से घबराकर पूरी ताकत से एकजुट होकर उसकी कोशिशों को विफल करने का प्रयास करता है. इतनी बड़ी रुकावट के बावजूद भी भीमा बिल्कुल नहीं घबराती तथा अपनी कोशिशें और तेज कर देती है.

इस शो के बारे में बात करते हुए, एण्डटीवी के बिजनेस हेड विष्णु शंकर ने कहा,

हमारे शोज 'एक महानायक– डॉ. बी. आर. आंबेडकर' और 'अ टल' की शानदार सफलता यह दिखाती है कि उम्मीद और फिर उठ खड़े होने की कहानियाँ हमारे दर्शकों को पसंद आती हैं. हमारे नए शो 'भीमा' में भीमा नामक एक बच्ची की कहानी है. वह समान अधिकारों के लिए लड़ती है. पहचान पाने और समाज में बदलाव के लिए अपनी आकांक्षाओं के चलते वह मुश्किलों का सामना करती है. कहानी में सामाजिक बाधाओं से उभरने का एक दमदार वृत्तांत होगा और आशा, लगन तथा बदलाव जैसे सार्वभौमिक विषयों पर रोशनी डाली जाएगी. दर्शकों को भीमा की चुनौतियाँ और जीत अपनी जैसी लगेगी और उसकी कहानी प्रेरक तथा प्रासंगिक होगी. इससे एक ताकतवर नजरिया भी मिलेगा, जिसके साथ दर्शक अपने मूल्यों और मान्यताओं को खोजेंगे. ऐसे में कहानी दिलचस्प और विचारों को झकझोरने वाली होगी.

राज खत्री प्रोडक्शंस के प्रोड्यूसर राज खत्री ने अपनी बात रखते हुए कहा,

भीमा दृढ़ता, लगन और आकांक्षाओं की एक रोचक कहानी है. यह शो जज्बातों और खूबसूरत प्रोडक्शन का एक बढ़िया संगम है, जो टेलीविजन दर्शकों के बीच अच्छी गुणवत्ता के कंटेन्ट की बढ़ती चाहत को पूरा करता है. मैं लगातार दमदार कहानियाँ लाने और हमारे शो को देशभर के दर्शकों के साथ सार्थक तरीके से जोड़ने वाला एक मंच देने के लिए एण्डटीवी की हार्दिक प्रशंसा करता हूँ. भीमा की कहानी प्रेरित करेगी, विचारों को झकझोरेगी और संवेदना तथा समझ को बढ़ावा देने में कहानी कहने की कला को मजबूत करेगी.

भीमा के लेखक शांति भूषण ने कहा,

यह सोशल ड्रामा 1980 में उत्तर प्रदेश की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे कलात्मक रुझान के साथ बनाया गया है. इसमें उस दौर को दोबारा जीवित किया गया है, जो अपने दर्शकों के लिए प्रासंगिक है. हर किरदार को सावधानी से गढ़ा गया है और इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि हर सीन प्रासंगिक रहे. भीमा के किरदार को देखकर आत्ममंथन की प्रेरणा मिलेगी और यह सोशल ड्रामा को कामयाबी की नई ऊँचाईयों पर लेकर जाएगा.

भीमा में अपने टाइटल रोल के बारे में बात करते हुए, तेजस्विनी सिंह ने कहा,

भीमा हिम्मती है और उसमें पढ़ाई करने की लगन है. वह कई मुश्किलों का सामना करते हुए भी सच्चाई के साथ खड़े रहने पर यकीन रखती है. यह एक प्रेरणादायक और दमदार किरदार है और मैं टाइटल रोल निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूँ. मुझे उम्मीद है कि लोग हमारे शो को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मजा हमें इसकी शूटिंग में आया है.

भीमा की माँ धनिया का किरदार निभा रहीं स्मिता साबले ने कहा,

भीमा की दमदार कहानी दर्शकों का ध्यान खींचेगी. एक्टर होने के नाते हम ऐसी भूमिकाएं पाने की कोशिश करते हैं, जो सार्थक हों और जिनका असर लंबे वक्त तक बना रहे. धनिया परवाह करने वाली माँ है, जो अपने परिवार को बांधकर रखती है. वह पढ़ाई के महत्व को समझती है और इसके लिए भीमा के अधिकार की हिमायत करती है.

भीमा के पिता मेवा का किरदार निभाने के बारे में अमित कुमार ने कहा,

मेवा एक साधारण व्यक्ति है, जो हर किसी का भला चाहता है और हमेशा लोगों की मदद करने की इच्छा रखता है. हालांकि, उसकी कमजोरी यह है कि वह अन्याय के खिलाफ बोल नहीं पाता है, चाहे अन्याय उस पर ही क्यों न हो. बड़ी सावधानी से किए गए मेवा के इस चित्रण और 'भीमा' की दिलचस्प कहानी ने मुझे इस शो के लिए तुरंत हां करने के लिए प्रेरित किया.

टाटा प्ले क्लासिक सिनेमा ने किशोर कुमार की भव्यता का जश्न मनाया

–मायापुरी प्रतिनिधि

टाटा प्ले क्लासिक सिनेमा आपको किशोर कुमार की जयंती पर उनके असाधारण व्यक्तित्व का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करता है. किशोर कुमार की बेमिसाल प्रतिभा का सम्मान करें, जिनकी असाधारण प्रतिभा, एक अभिनेता और पार्श्व गायक दोनों ने हिंदी सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है. उनकी असीम ऊर्जा और कालातीत धुनें आज भी हर पीढ़ी के दर्शकों को आकर्षित करती हैं. इस सप्ताह किशोर कुमार की कलात्मकता के जादू को उजागर करने के लिए 318 पर ट्यून करें.

हाफ टिकट – 11:00am

1962 की क्लासिक हाफ टिकट से दमदार शुरुआत करने वाली इस फिल्म में किशोर कुमार के साथ मधुबाला, प्राण, मनोरमा और प्रदीप कुमार जैसे कलाकार हैं. कालिदास द्वारा निर्देशित और बॉम्बे टॉकीज द्वारा निर्मित इस फिल्म में कुमार ने विजय का किरदार निभाया है, जो एक बेकार युवक है, जो अपने पिता की शादी करवाने के लिए भाग रहा है. विजय एक नई जिंदगी शुरू करने के लिए बॉम्बे जाने का फैसला करता है, लेकिन उसके पास ट्रेन की पूरी टिकट के लिए पैसे नहीं होते, जिसके कारण उसे छूट वाली हाफ टिकट लेने के लिए एक बच्चे के रूप में पेश होना पड़ता है. इसकी बाकी कहानी विजय की ट्रेन यात्रा पर आधारित है, जिसमें वह एक खतरनाक हीरा तस्कर के जाल में फंस जाता है और रजनीदेवी नाम की एक युवा लड़की से प्यार करने लगता है, जिसका किरदार मधुबाला ने निभाया है. फिल्म में किशोर कुमार और लता मंगेशकर द्वारा गाए गए 'चांद रात तुम हो साथ' जैसे मधुर गीत हैं. फिल्म का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन सफल रहा, जिसने ₹1 करोड़ की कमाई की और ₹0.5 करोड़ की सम्मानजनक कमाई की.

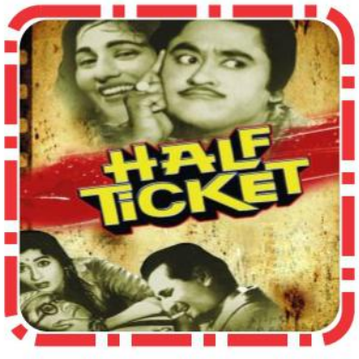

चलती का नाम गाड़ी – 2:00pm

इस कल्ट क्लासिक फिल्म ने भारतीय सिनेमा के इतिहास में कला के सबसे प्रतिष्ठित कार्यों में से एक के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया है. इस फिल्म में किशोर कुमार अपने भाइयों अशोक कुमार और अनूप कुमार के साथ स्क्रीन पर मधुबाला, वीना और केएन सिंह के साथ नजर आए. इसकी कहानी तीन भाइयों बृजमोहन, मनमोहन और जगमोहन शर्मा पर आधारित है जो एक गैराज चलाते हैं. तीनों में सबसे बड़े, बृजमोहन को पिछली गलतफहमियों के कारण महिलाओं से सख्त नफरत है और वह अपने भाइयों को कभी शादी न करने के लिए प्रोत्साहित करता है. समस्या तब पैदा होती है जब दोनों भाई एक ही घर की दो महिलाओं से प्यार करने लगते हैं. इसकी कहानी संगीत, कॉमेडी और एक्शन के एक बेहतरीन मिश्रण में परिणत होती है, जो चलती का नाम गाड़ी को देखने लायक बनाती है. इसका साउंडट्रैक एसडी बर्मन और आरडी बर्मन द्वारा बनाया गया है, जिसमें 'एक लड़की भीगी भागी सी' और 'हाल कैसा है जनाब का' जैसे यादगार ट्रैक शामिल हैं. चलती का नाम गाड़ी 1958 की दूसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी, जिसने 2.5 करोड़ सकल और 1.25 करोड़ शुद्ध कमाई की थी.

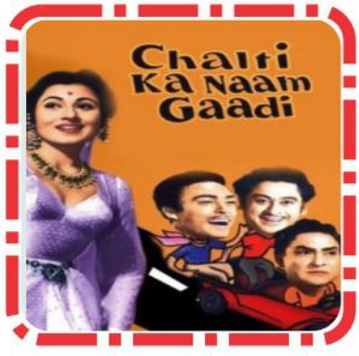

झुमरू –5:00pm

इस रोमांटिक कॉमेडी के साथ नरगिस और किशोर कुमार की बेजोड़ जोड़ी फिर से पर्दे पर वापसी कर रही है, जिसमें चंचल, अनूप कुमार, ललिता पवार और जयंत भी हैं. मधुबाला ने अंजना का किरदार निभाया है, जो एक प्यारी लड़की है जो अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद घर लौटती है. अंजना की मुलाकात झुमरू से होती है, जिसका किरदार किशोर कुमार ने निभाया है, जो एक स्थानीय आदिवासी व्यक्ति है और वे जल्द ही प्यार में पड़ जाते हैं. जब अंजना के पिता इस जोड़ी को पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं और झुमरू से बहुत नफरत करते हैं, तो संघर्ष शुरू हो जाता है. फिल्म के दौरान अंजना की जिंदगी में उथल–पुथल मच जाती है क्योंकि दबे हुए रहस्य सामने आते हैं और कुछ भी वैसा नहीं होता जैसा दिखता है. रहस्यपूर्ण साउंडट्रैक और इसके बोल मजरूह सुल्तानपुरी और किशोर कुमार ने लिखे हैं. झुमरू को कुमार और आशा भोसले द्वारा गाए गए श्मैं हूँ झुमरूश और श्झूमे रे झूमश जैसे अविस्मरणीय ट्रैक के लिए जाना जाता है.

नोटी बॉय – 8:00pm

इस कॉमेडी ऑफ एरर्स में किशोर कुमार के साथ कल्पना मोहन और भट्टाचार्य, लक्ष्मी छाया और ओम प्रकाश सहायक भूमिकाओं में हैं. कहानी प्रीतम नामक एक युवक की है जो एक मुनीम के रूप में काम करता है, लेकिन उसके पास रहने के लिए कोई घर नहीं है. उसे जल्द ही जगदीश में एक दोस्त मिल जाता है जो उसे तीन अन्य लोगों के साथ एक घर साझा करने के लिए आमंत्रित करता है. इसी प्रॉपर्टी पर प्रीतम की मुलाकात नीना शर्मा से होती है और वे जल्द ही प्यार में पड़ जाते हैं. लेकिन त्रासदी तब होती है जब नीना एक भयानक दुर्घटना का शिकार हो जाती है और उसे मृत मान लिया जाता है. फिल्म के बाकी हिस्से में प्रीतम नीना को भूलने और एक अलग महिला को लुभाने के लिए संघर्ष करता है. लेकिन कहानी तब मोड़ लेती है जब नीना जीवित और स्वस्थ होकर आती है. साउंडट्रैक एसडी बर्मन और आरडी बर्मन द्वारा रचित है और कुमार और मन्ना डे द्वारा गाए गए 'हो गई श्याम दिल बदनाम' और 'नजरें मिलाके जो दुनिया की' जैसे प्रतिष्ठित ट्रैक के साथ ट्रेडमार्क किया गया है.

किशोर कुमार की मधुर आवाज और बेहतरीन फिल्मोग्राफी का जश्न मनाएं 4 अगस्त को, सिर्फ टाटा प्ले क्लासिक सिनेमा में, सर्विस नंबर 318 पर.

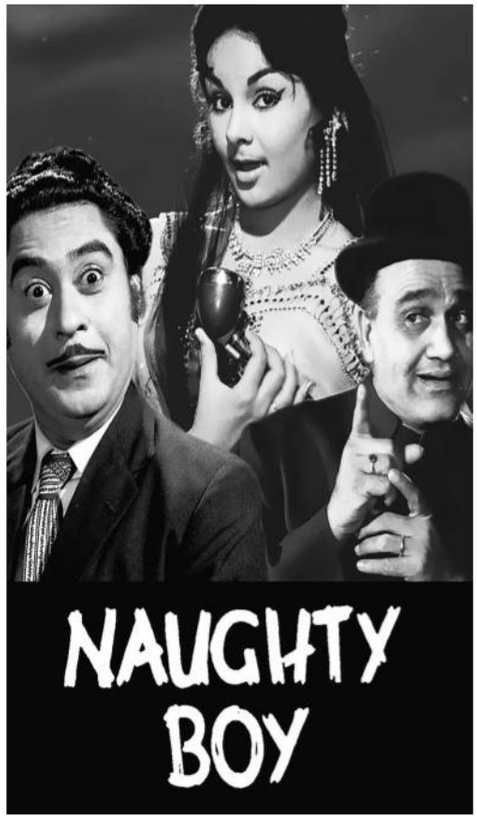

'सा रे गा मा पा' 2024 के ऑडिशन 3 अगस्त को मुंबई में होंगे

–मायापुरी प्रतिनिधि

जी टीवी का प्रतिष्ठित सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' एक नए सीजन के साथ वापस आ गया है। इस शो ने पिछले साल जी म्यूजिक कंपनी पर हर हफ्ते अपने ओरिजिनल सिंगल्स रिलीज करने के मौकों के जरिए अपनी प्रतिभा की सिंगिंग सनसनी मचा दी थी, अब यह शो एक नए रोमांचक फॉर्मेट के साथ वापस आ गया है।

इस बार, प्रतियोगियों को ऐसे गुरुओं द्वारा बड़े पैमाने पर तैयार किया जाएगा, जो अपने शिष्यों की संगीत यात्रा में गहराई से निवेश करेंगे।

संगीत जगत के सबसे बड़े संगीतकार एक प्रतिस्पर्धी माहौल में एक–दूसरे के खिलाफ खड़े हैं, ऐसे में संगीत की उत्कृष्टता की चिंगारी उड़ना तय है!

सा रे गा मा पा 2024 आपके शहर मुंबई में 3 अगस्त, शनिवार को ऑन–ग्राउंड ऑडिशन के लिए आ रहा है। तो, अगर आपकी उम्र 15 साल या उससे ज़्यादा है, तो यह आपके लिए इस शानदार अवसर को पाने का मौका है, कार्यक्रम स्थल पर जाएँ और अपनी प्रतिभा दिखाएँ! ऑनलाइन ऑडिशन पहले ही शुरू हो चुके हैं, और आपको बस इतना करना है कि जी5 ऐप डाउनलोड करें, निर्दिष्ट बैनर पर क्लिक करें और अपनी प्रविष्टियाँ भेजें या 8291829134 पर मिस्ड कॉल दें।

जहाँ कई शहरों में ऑडिशन पहले ही पूरे हो चुके हैं, वहीं जी टीवी मुंबई में अपना आखिरी ऑन–ग्राउंड ऑडिशन आयोजित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अगर आप गायन के शौकीन हैं और अपनी प्रतिभा दुनिया को दिखाना चाहते हैं, तो आप सभी के लिए ऑडिशन के लिए अपने नजदीकी शहर में आने और इस भव्य रियलिटी शो का हिस्सा बनने का समय आ गया है!

'सा रे गा मा पा' जल्द ही जी टीवी पर प्रीमियर के लिए तैयार है! इस अविश्वसनीय यात्रा में हमारे साथ जुड़ें और कल के उभरते सितारों का समर्थन करें!

मेघा बरसेंगे:– किंशुक महाजन ने शो के लिए अपना वजन घटाने पर बात की

–मायापुरी प्रतिनिधि

टेलीविजन की दुनिया में, जहां कलाकार अपने समर्पण से किरदारों में जान फूंक देते हैं, किंशुक महाजन मेथड एक्टिंग को एक पायदान ऊपर ले जाने के लिए तैयार हैं। जबकि वह कलर्स के आगामी शो 'मेघा बरसेंगे' में एक एनआरआई पति मनोज की भूमिका निभाने की तैयारी कर रहे हैं, महाजन अपना असाधारण फिजिकल मेकओवर कर रहे हैं। यह वैवाहिक ड्रामा दुल्हन के परित्याग पर प्रकाश डालकर सार्थक बदलाव लाने का वादा करता है, जिसमें एक नवविवाहित दुल्हन मेघा को उसका एनआरआई पति अपमानित करता है और वित्तीय संकट में छोड़कर चला जाता है। मनोज की जटिलताओं को सामने लाने के लिए, किंशुक ने एक परिवर्तनकारी सफर की शुरुआत की है, जो संवादों को याद करने और वॉर्डरोब के विकल्पों से बढ़कर है। उन्होंने कम समय में दस किलोग्राम वजन कम करने के उद्देश्य से कठोर वर्कआउट रूटीन को अपनाया है। जिम महाजन का दूसरा घर बन गया है, जहां वह ट्रेडमिल पर अपनी सीमाओं को पार करते हुए और प्रबल वेटलिफ्टिंग सेशंस के साथ खुद को चुनौती देते हुए घंटों बिताते हैं। उनका लक्ष्य ऐसी फिजिक हासिल करना है, जो प्रामाणिक रूप से उनके दुनिया भर में घूमने वाले किरदार के दुबले, सुडौल रूप को दर्शाए।

अपनी बदलाव की प्रक्रिया के बारे में बात करते हुए, किंशुक ने कहा,

"मैं 'मेघा बरसेंगे' के साथ खुद को चुनौती देने और आगे बढ़ने का शानदार अवसर पाकर आभारी हूं। दस किलो वजन कम करने का यह सफर केवल किरदार के लुक के प्रति सच्चा रहने के बारे में ही नहीं है, यह मनोज के रूप में प्रामाणिक महसूस करने के बारे में भी है। हर दिन, मैं जिम में अपनी नई सीमाएं गढ़ रहा हूं, ट्रेडमिल पर पसीना बहा रहा हूं और वेट ट्रेनिंग से खुद को चुनौती दे रहा हूं। लेकिन इच्छाशक्ति की असली परीक्षा जिम के बाहर होती है। मैंने अपनी डाइट से शुगर को पूरी तरह से हटा दिया है, जो मेरे जैसे मीठा पसंद वाले किसी व्यक्ति के लिए आसान नहीं है! यह बदलाव मुझे अनुशासन और समर्पण के बारे में बहुत कुछ सिखा रहा है। यह केवल शारीरिक बदलावों के बारे में नहीं है, बल्कि इससे मिलने वाली मानसिक ताकत के बारे में भी है। मैं खाने को अपने मन को संतुष्ट करने के तरीके के बजाय अपने शरीर और परफॉर्मेंस हेतु ईंधन के रूप में देखना सीख रहा हूं। चुनौतियां वास्तविक हैं – खाने की इच्छा से निपटने से लेकर जब शरीर हार मानना चाहे तब भी कठिन कसरत करने तक। लेकिन मेरे शरीर में धीरे–धीरे होने वाले बदलावों को देखने और मनोज के किरदार से बेहतर तालमेल महसूस करने का उत्साह मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मुझे यकीन है कि इस किरदार के प्रति मेरी प्रतिबद्धता स्क्रीन पर दिखेगी।"

देखिए 'मेघा बरसेंगे' जिसका प्रीमियर, 6 अगस्त को शाम 7:00 बजे होगा, केवल कलर्स पर!

भगवान राम और रावण के बीच भीषण युद्ध के बाद भगवान राम और सीता के जीवन का एक नया अध्याय शुरू होगा।

–मायापुरी प्रतिनिधि

श्रीमद् रामायण 12 अगस्त से भारत के प्रमुख पारिवारिक मनोरंजन चैनल सोनी सब पर प्रसारित होगा। कहानी अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है। भगवान राम का रावण के साथ पौराणिक युद्ध का समापन 12 अगस्त को शाम 7.30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होने वाला है। इसमें भरपूर एक्शन होने वाला है। इस युद्ध के शुरू होने के साथ सोनी सब अब विशेष रूप से उस अपरिचित कहानी को सामने लाएगा जो इस युद्ध के बाद शुरू होती है। यह दिखाया जाएगा कि भगवान राम और सीता के पुनः एक होने और अयोध्या लौटने के बाद क्या होता है?

श्रीमद् रामायण की दिव्य कथा का नया अध्याय– अयोध्या वापसी और उनके जुड़वां बच्चों लव और कुश के जन्म के बाद भगवान राम और सीता के जीवन की खुशियों और चुनौतियों की खोज करता है। शो का यह नया चरण भगवान राम और सीता के अयोध्या लौटने के बाद उनके जीवन की कई अनकही कहानियों और गहरे अर्थों को खूबसूरती से समेटे हुए प्रस्तुत होगा।

प्रतिक्रियाः

नीरज व्यास, बिजनेस हेड, सोनी सब

हम सोनी सब पर अपने दर्शकों के लिए श्रीमद् रामायण का अगला भाग पेश करते हुए बहुत खुश हैं। शो की प्रभावशाली कहानी और मजबूत पारिवारिक मूल्यों का चित्रण हमारे चैनल के मूल्यों के साथ सामंजस्यपूर्ण रूप से प्रतिध्वनित होता है। हमें विश्वास है कि यह शो न केवल मनोरंजन करेगा बल्कि हमारे दर्शकों को प्रेरित भी करेगा, जिससे उन्हें वास्तव में अपने जीवन को समृद्ध होते देखने का अनुभव मिलेगा।

भगवान राम के तौर पर सुजय रेऊ

सोनी सब ऐसे शो के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है जो परिवार के हर सदस्य से जुड़े हैं और जिनकी कहानियाँ सार्थक और जीवन से भरपूर हैं। अब चौनल की विरासत का हिस्सा बनना असाधारण है। मैं दर्शकों के सामने रामायण के एक नए अध्याय में अपनी भूमिका निभाने को लेकर उत्साहित हूँ – यह एक ऐसा शो है जो कालातीत है। भगवान राम की भूमिका निभाना वास्तव में एक विनम्र अनुभव रहा है और मैं इन नए अध्यायों को अपने दर्शकों के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

सीता के तौर पर प्राची बंसल

मैं उत्साहित हूँ कि यह शो अब सोनी सब पर प्रसारित होने वाला है, यह एक ऐसा चैनल है जिसे मैं और मेरा परिवार साथ में देखते हुए अपना ज्यादातर समय बिताते हैं। इस वजह से मेरे लिए यह शो पुरानी यादों से भरा हुआ है। मुझे उम्मीद है कि हमारे परिवार की तरह ही देश भर में बहुत सारे परिवार अपने प्रियजनों के साथ यह शो देखेंगे और हमें अपना प्यार और स्नेह देते रहेंगे। मैं सीता की कृपा, जीवटता और अटूट भक्ति से प्रेरित हूँ और आने वाले एपिसोड में यह भूमिका निभाने को लेकर उत्सुक हूँ। यह उनके चरित्र की नई गहराईयों को उजागर करता नजर आएगा।

देखते रहिए श्रीमद् रामायण 12 अगस्त से सोमवार से शनिवार शाम 7.30 बजे केवल सोनी सब पर

साझा सिन्दूर अभिनेत्री स्तुति विंकल ने फ्रेंडशिप डे की अपनी सबसे प्यारी याद साझा की

—मायापुरी प्रतिनिधि

फ्रेंडशिप डे नजदीक आने के साथ, यह उन बंधनों पर विचार करने का समय है जो हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं। सन नियो के सहज सिन्दूर में फूली की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री स्तुति विंकल ने फ्रेंडशिप डे की अपनी यादगार यादें और दोस्ती के सार पर अपने व्यक्तिगत विचार साझा किए। हार्दिक चिंतन और अपने उत्सवों की एक झलक के माध्यम से, स्तुति इस दिन को वास्तव में विशेष बनाने के बारे में एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

फ्रेंडशिप डे की अपनी सबसे प्यारी यादों को साझा करते हुए, स्तुति ने कहा, "हां, स्कूल के दौरान, एक दोस्त ने मुझे एक उपहार और एक हस्तलिखित पत्र देकर आश्चर्यचकित कर दिया। वहाँ एक हार और एक पत्र था. मुझे हस्तलिखित पत्र सचमुच बहुत पसंद हैंकृवे बहुत व्यक्तिगत लगते हैं। मैंने अपने दोस्तों के लिए कुछ पत्र भी लिखे क्योंकि, भले ही मैं जेन जेड हूं, मुझे पुराने स्कूल के हाव–भाव पसंद हैं।

अपने लिए दोस्ती के क्या मायने हैं, इस पर विचार करते हुए स्तुति ने कहा, "मेरे लिए, दोस्ती का मतलब किसी ऐसे व्यक्ति का होना है जो निस्वार्थ रूप से आपका समर्थन करता है। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है – यह सिर्फ शुद्ध और वास्तविक है। कृतिका और बिंदिया मैम के अलावा, हमारी निर्देशक नंदिता मेहरा के साथ भी मेरा बहुत अच्छा रिश्ता है। दोस्ती हमेशा उम्र पर निर्भर नहीं करती। कोई भी आपका मित्र हो सकता है।

सहज सिन्दूर फूली (स्तुति गोयल) की मार्मिक कहानी बताती है, जो एक युवा महिला है जो अविवाहित विधवा हो जाती है जब उसके दूल्हे की शादी के दिन मृत्यु हो जाती है। जैसे ही फूली अपने कठिन भाग्य से गुजरती है, दर्शक आश्चर्यचकित रह जाते हैं कि उसका भाग्य कैसे सामने आएगा और उसके आस–पास के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। श्रृंखला में संगीता घोष, साहिल उप्पल, नीलू वाघेला और कृतिका देसाई सहित कई अन्य कलाकार शामिल हैं।

सन नियो पर साझा सिन्दूर देखें, सोमवार से शनिवार रात 8 बजे प्रसारित होगा।

फ्रेंडशिप डे: जी टीवी के कलाकारों ने खोला अपने सबसे खास दोस्तों के साथ अपने अनकहे रिश्तों का झरोखा

–शिल्पा पाटिल

हर साल, दुनिया भर में लोग अगस्त के पहले रविवार को बड़े जोर–शोर से फ्रेंडशिप डे मनाते हैं। यह खास दिन हमारे दोस्तों के साथ हमारी बेहतरीन केमिस्ट्री और हमारी जिंदगी में सच्चे रिश्तों की अहमियत याद दिलाता है। इस खास दिन पर अपने चुने गए परिवार यानी अपने दोस्तों के बारे में बात करते हुए, भाग्य लक्ष्मी की ऐश्वर्या खरे, मैं हूं साथ तेरे की मानसी श्रीवास्तव, कुमकुम भाग्य के कृष्णा कौल, 'रब से है दुआ' के धीरज धूपर, प्यार का पहला अध्याय शिवशक्ति की निक्की शर्मा, प्यार का पहला नाम राधा मोहन की निहारिका रॉय, कुंडली भाग्य के पारस कलनावत और कैसे मुझे तुम मिल गए की प्रतीक्षा होनमुखे जैसे जी टीवी के कलाकारों ने अपने दोस्तों के बारे में चर्चा की और बताया कि कैसे उनके बीच एक अनकहा रिश्ता है.

जी टीवी के शो भाग्य लक्ष्मी में लक्ष्मी की भूमिका निभा रहीं ऐश्वर्या खरे ने कहा, ''फ्रेंडशिप डे मुझे हमेशा मेरे बचपन के दिनों की याद दिलाता है जब हम स्कूल और सोसाइटी में अपने करीबी दोस्तों के लिए फ्रेंडशिप बैंड खरीदते थे। लेकिन जैसे–जैसे हम बड़े हुए, मैंने यह मानना शुरू कर दिया कि हमें दोस्ती का जश्न मनाने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं है, आपके दिल में इस रिश्ते की हमेशा एक खास जगह होती है। मैं अपनी सबसे अच्छी दोस्त अरुणिमा को लगभग 15 सालों से जानती हूं, वो मेरी बचपन की दोस्त है और मैं उस पर आंख बंद करके भरोसा करती हूं। मुझे पता है कि अगर मैं उसे रात के 3 बजे भी फोन करूंगी, तो वो हमेशा मेरे लिए मौजूद रहेगी। भाग्य लक्ष्मी के सेट पर भी, मैं रोहित, मुनीरा, स्मिता मैम, पारुल मैम, अमन और हमारे शो की क्रिएटिव आकांक्षा के साथ यह अटूट रिश्ता साझा करती हूं। मैं सभी को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं देती हूं, मुझे उम्मीद है कि आप इस दिन को अपने दोस्तों के साथ मनाएंगे!''

जी टीवी के प्यार का पहला अध्याय शिवशक्ति में शक्ति का रोल निभा रहीं निक्की शर्मा ने कहा, ''दोस्त वो परिवार होता है जिसे हम चुनते हैं, इसमें कोई खून का रिश्ता नहीं होता, यह शुद्ध प्रेम से होता है। हालांकि, हमारी जिंदगी में कुछ दोस्त हमारे साथ एक ही शहर में नहीं रहते। मेरी सबसे अच्छी दोस्त चारवी कैलिफोर्निया में रहती है। मेरा मानना है कि दोस्ती के लिए हर दिन मिलना या बात करना जरूरी नहीं है, बल्कि एक–दूसरे के लिए प्यार और इज्जत होना जरूरी है। इसलिए, जब भी हमें समय मिलता है, हम वीडियो कॉल पर जुड़ते हैं और अपनी–अपनी जिंदगी के अपडेट शेयर करते हैं। हम एक–दूसरे की व्यस्त जिंदगी को समझते हैं और बिना किसी शिकायत के इसे स्वीकार करते हैं। हम दोनों एक जैसे विचार वाले लोग हैं और यही बात इस दोस्ती को और भी खास बनाती है। मैं चाहती हूं कि हर कोई इस दिन को अपने पसंदीदा इंसानों के साथ बिताए, हैप्पी फ्रेंडशिप डे!''

जी टीवी के मैं हूं साथ तेरे में रैना के रोल में नजर आ रहीं मानसी श्रीवास्तव बताती हैं, ''फ्रेंडशिप डे मेरे दिल में बेहद खास जगह रखता है। सिंगल चाइल्ड होने के नाते, मैंने हमेशा अपने दोस्तों को बहुत महत्व दिया है क्योंकि वे ही ऐसे लोग हैं जिनके साथ मैंने सबकुछ शेयर किया है। चाहे मेरे अच्छे दिन हों या बुरे, मैं उनके साथ सबकुछ शेयर करना पसंद करता हूं। फ्रेंडशिप डे वो दिन होता है जिसे हम उन लोगों के लिए सेलिब्रेट करते हैं जो हमारे सबसे करीब होते हैं और जिन्होंने हर मुश्किल वक्त में हमारा साथ दिया है। मुझे अब भी याद है, जब मैं स्कूल में थी, तो मैं फ्रेंडशिप डे को लेकर बहुत उत्साहित रहती थी और खूबसूरत फ्रेंडशिप बैंड्स बांधती थी। स्कूल के समय से, मेरी एक ही सबसे अच्छी दोस्त है जिसके साथ मैं जुड़ी हुई हूं, और वो है जैस्मीन बख्शी। बेशक अब हम जानते हैं कि दोस्ती का जश्न मनाने के लिए कोई खास दिन नहीं होता है, लेकिन हम उन पुराने दिनों को संजोकर रखते हैं। इस खास मौके पर, मैं अपने सभी दोस्तों को फ्रेंडशिप डे की बहुत–बहुत शुभकामनाएं देना चाहती हूं। मेरी जिंदगी को अपने प्यार से भर देने के लिए तुम्हारा शुक्रिया।''

जी टीवी के रब से है दुआ में सुभान का रोल निभा रहे धीरज धूपर ने कहा, ''फ्रेंडशिप डे एक खास दिन है, यह हमें

अपनी जिंदगी के कुछ बेहतरीन रिश्तों को सेलिब्रेट करने की याद दिलाता है। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में हम अक्सर अपने दोस्तों से मिलने से चूक जाते हैं, लेकिन यह दिन हमें उनसे जुड़ने और अपने सबसे अच्छे दोस्तों के साथ कुछ क्वालिटी टाइम बिताने की याद दिलाता है। मेरे दोस्तों का एक ग्रुप है जो हर फ्रेंडशिप डे पर लंच या डिनर के लिए जरूर मिलते हैं, चाहे हम कहीं भी हों, और यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। कोई भी प्लान क्यों न बनाए जाएं, हमेशा कोई न कोई ऐसा होता है जो उसमें शामिल नहीं हो पाता। लेकिन, इस दिन हर कोई एक–दूसरे के लिए खास समय निकालता है और उनके साथ रहने से ही जिंदगी बेहतर हो जाती है। मैं सभी को फ्रेंडशिप डे की बहुत–बहुत शुभकामनाएं देता हूं, अपने करीबी दोस्तों की कद्र करना न भूलें।''

जी टीवी के कुमकुम भाग्य में रणबीर के रोल में नजर आ रहे कृष्ण कौल कहते हैं, ''मेरा मानना है कि फ्रेंडशिप डे हमारी जिंदगी में बने खास रिश्तों का जश्न मनाने का एक शानदार मौका है। हम अपनी एक जैसी पसंद के चलते एक–दूसरे से जुड़े हैं और मुझे यकीन है कि यह दोस्ती हमेशा बनी रहेगी। हालांकि अब हम साथ में शूटिंग नहीं करते, लेकिन हम ट्रिप पर जाते हैं और साथ में समय बिताते हैं. और किसी ने सच ही कहा है कि यह मायने नहीं रखता कि आप कहा हैं, बल्कि आप किसके साथ हैं, यह मायने रखता है। इस साल के जश्न की बात करें तो मैं उसके साथ और हमारे आपसी दोस्तों के साथ लंच या डिनर पर जाने की योजना बना रही हूं। यह एक साधारण लेकिन प्यारा जश्न होगा।''

जी टीवी के प्यार का पहला नाम राधा मोहन में राधा का रोल निभा रहीं निहारिका रॉय ने कहा, ''फ्रेंडशिप डे मुझे हमेशा उस समय की याद दिलाता है जब हम स्कूल में अपने दोस्तों के लिए फ्रेंडशिप बैंड खरीदते थे। आपके पास जितने ज्यादा बैंड होते थे, उससे यह साबित होता था कि आपके कितने दोस्त हैं। फ्रेंडशिप डे की सबसे अच्छी याद वो स्पेशल स्कूल ट्रिप है जो मैं अपने दोस्तों के साथ करती थी। आज वक्त बहुत बदल गया है, आजकल लोग इसे बस शुभकामनाएं देकर या साथ में बाहर लांच या डिनर करके मना लेते हैं, लेकिन अपने दोस्त को फ्रेंडशिप बैंड बांधना हमेशा ही खास रहेगा, और इस एहसास को कोई भी नहीं हरा सकता। और अब, हम बड़े हो गए है तो हमारे कुछ ऐसे दोस्त हैं जिनसे हम अक्सर नहीं मिल पाते, लेकिन जब मिलते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे आप वहीं से शुरू कर रहे हैं जहां से आपने छोड़ा था। मैं कहना चाहूंगी कि मैं अपनी जिंदगी में ऐसे दोस्त पाकर धन्य हूं। मैं अपने हर दोस्त को फ्रेंडशिप डे की बहुत–बहुत शुभकामनाएं देना चाहूंगी!''

जी टीवी के कुंडली भाग्य में राजवीर का रोल निभा रहे पारस कलनावत ने कहा, ''मेरे दोस्त तन्मय, सागर, मनन और कुछ और करीबी लोगों का एक ग्रुप है जहां हम रोज बात करते हैं। ऐसे शानदार लोगों के साथ फ्रेंडशिप डे मनाना मुझे एहसास दिलाता है कि मैं कितना खुशनसीब हूं कि मुझे ऐसे दोस्त मिले जो परिवार की तरह हैं। यह दिन हमेशा मेरे स्कूल के दिनों की यादें ताजा कर देता है जब हम बड़े उत्साह से एक दूसरे फ्रेंडशिप बैंड बांधते थे या अपने दोस्तों को कैंटीन में ट्रीट देते थे। यह एक परंपरा है जो बड़े होने के बाद भी मेरे दिल के बहुत करीब है। कुंडली भाग्य के सेट पर भी, मुझे बेमिसाल दोस्त मिले हैं जो अब परिवार बन गए हैं। शो के मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक शक्ति आनंद सर हैं। वो हमेशा मेरा सपोर्ट सिस्टम रहे हैं। मैं अपनी जिंदगी में उनकी मौजूदगी के लिए वाकई में आभारी हूं। वो मेरे पिता की तरह है, लेकिन इससे ज्यादा वो एक दोस्त हैं। हम दोनों में एक जैसा ही जोश है, और हम दोनों खूब मौज–मस्ती करते हैं और एक–दूसरे के साथ मजाक करते हैं। सभी को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं!''

जी टीवी के कैसे मुझे तुम मिल गए में प्रियंका का रोल निभा रहीं प्रतीक्षा होनमुखे ने कहा, ''फ्रेंडशिप डे वक्त के साथ हमारे द्वारा बनाए गए प्यारे रिश्तों की एक खूबसूरत याद दिलाता है। दोस्ती इस बात का सबूत है कि कैसे हमें अनजाने रास्तों पर सच्चे दोस्त मिल सकते हैं। एविएशन से एक्टिंग में आने के बाद, मुझे अपनी जिंदगी में कुछ कमाल के लोगों से मिलने का सौभाग्य मिला। कैसे मुझे तुम मिल गए के सेट पर, मैंने अपने को–एक्टर्स के साथ एक खास रिश्ता बनाया है, जैसे सृति, अर्जित और मेरे बीच एक ऐसा कनेक्शन है जो स्क्रीन से परे है। वे हमेशा सुनने और सलाह देने के लिए मौजूद रहते हैं। हम जिस तरह से जश्न मनाते हैं, वो निश्चित रूप से बदल गया है, लेकिन रिश्ता अब भी वही है। मैं सभी को फ्रेंडशिप डे की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं, और आप सभी को मेरी तरह ही अद्भुत दोस्त मिलें।''

सैयामी खेर जर्मनी में अपनी आगामी आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस की तैयारी जारी रखते हुए सनी देओल की अगली फिल्म की शूटिंग करेंगी

–सुलेना मजुमदार अरोरा

सुप्रसिद्ध अभिनेत्री सैयामी खेर जर्मनी में अपनी आगामी आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस की तैयारी जारी रखते हुए सनी देओल की अगली फिल्म की शूटिंग करेंगी।

प्रशंसित अभिनेत्री सैयामी खेर अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल से ब्रेक नहीं ले रही हैं। वह जर्मनी में ट्रायथलॉन आयरनमैन रेस की तैयारी के अंतिम चरण के लिए रेडी हो रही है। इस मैराथन रेस में प्रतिभागियों को 3.86 किलोमीटर की तैराकी, 180. 25 किमी की बाइकिंग और 42.20 किमी की मैराथन दौड़ पूरी करने की आवश्यकता होती है।

सैयामी हैदराबाद में व्यस्त शूटिंग कार्यक्रम के साथ अपने इनटेंस प्रशिक्षण को संतुलित कर रही हैं। वह अपनी आने वाली फिल्म 'जट' के लिए सनी देओल के साथ शूटिंग भी कर रही है और साथ ही वह धीरे–धीरे अपनी तैयारी का समय भी बढ़ाती जा रही हैं।

सैयामी खेर कहती हैं, 'एक अभिनेता और एक एथलीट, दोनों के रूप में मुझे हमेशा अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का शौक रहा है। ट्रायथलॉन आयरनमैन दौड़ में भाग लेना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। यह दौड़ दुनिया में सबसे अधिक डिमांड वाली शारीरिक चुनौतियों में से एक है। मैं

इस चुनौती के लिए अपना सब कुछ देने के लिए कृतसंकल्प हूं। मेरे लिए इस मैराथन के प्रशिक्षण के साथ अपने अभिनय करियर को संतुलित करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। लेकिन जैसे–जैसे रेस की तारीख नजदीक आ रही है, मुझे यह सुनिश्चित करने के लिए और अधिक समय देने की जरूरत है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं। इसके लिए मेरी टीम और प्रशंसकों का समर्थन जबरदस्त रहा है। मैं उनकी समझ के लिए आभारी हूं क्योंकि मैं अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करती हूं। मैं दौड़ पूरी करने के बाद नई ऊर्जा और उपलब्धि की भावना के साथ अपनी परियोजनाओं पर लौटने के लिए उत्साहित हूं।

सैयामी खेर की अपने प्रोफेशनल और व्यक्तिगत दोनों लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता कई लोगों के लिए प्रेरणा देने का काम करती है। उनकी बहुचर्चित फिल्म 'घूमर' में उनकी प्रतिभा चकित करने वाली साबित हुई है है। फिल्म अग्नि और स्पेशल ऑप्स सहित उनकी अन्य परियोजनाएँ अभिनेत्री के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती हैं।

अपने अभिनय करियर और एथलेटिक आकांक्षाओं दोनों को आगे बढ़ाने में सैयामी खेर का समर्पण और दृढ़ता वास्तव में उनके दृढ़ संकल्प और जुनून की भावना का प्रतीक है। फिल्म की शूटिंग के साथ–साथ एक कठिन आयरनमैन दौड़ के लिए प्रशिक्षण की मांगों को संतुलित करने की उनकी अद्भुत क्षमता उनकी अविश्वसनीय कर्मठता की नीति और अपना बेस्ट देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। चूँकि वह खुद को नई सीमारेखाओं तक धकेलना जारी रखती है, सैयामी की यात्रा एक प्रेरक के रूप में कार्य करती है कि कड़ी मेहनत और अटूट फोकस के साथ, कुछ भी संभव है।

ऐसी कठिन शारीरिक उपलब्धि की तैयारी के साथ, आने वाली चुनौतियों और कठिनाइयों के बावजूद, सैयामी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के संकल्प में अटल है। अपनी कला और अपनी महत्वाकांक्षाओं के प्रति उनका, इस कदर अटूट समर्पण, उन्हें उन लोगों के लिए एक सच्ची प्रेरणा के रूप में स्थापित करता है जो लगातार अपने सपनों को चेज करने की इच्छा रखते हैं। पानी में हर स्ट्रोक, बाइक पर हर पैडल और मैराथन में हर कदम के साथ, सैयामी सिर्फ एक दौड़ के लिए प्रशिक्षण नहीं ले रही है – वह फ्लेकसीबलिटी, दृढ़ संकल्प और साहस का सार भी प्रस्तुत कर रही है जो उसे एक कलाकार और एक खिलाड़ी दोनों के रूप में परिभाषित करता है।

तनीषा मुखर्जी, ऑल व्हाइट एंड ब्राइट

– सुलेना मजुमदार अरोरा

जब गेम शो में जोश भरने की बात आती है तो तनीषा मुखर्जी काफी चतुर और माहिर खिलाड़ी हैं। आत्मविश्वास वास्तव में उनमें कूट कूट कर भरा हुआ है और यह कोई आश्चर्य नहीं कि वह फैशन ट्रेंड्स का पालन करने के बजाय उन्हें स्थापित करने में विश्वास करती है। हर बार जब वह सार्वजनिक रूप से अपने फैशन और स्टाइल को सामने आती है, तो वह निश्चित रूप से पहले की तरह ही अपना हॉट और कर्वी स्वैग को बढ़ा देती है और परिणामस्वरूप, सभी उसके विजुअल आनंद से रोमांचित और मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। जहां तक फिटनेस का सवाल है, तनीषा यह सुनिश्चित करती हैं कि वह उस विभाग में हमेशा अनुशासित रहें और कोई आश्चर्य नहीं, प्रत्येक प्रकार का पहनावा उनके व्यक्तित्व के अनुरूप होता है और उन्हें एक अलग श्रेणी का लुक देता है। न केवल वास्तविक जीवन में, अपने सार्वजनिक उपस्थिति के बीच तनीषा के पास अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी अपने वफादार प्रशंसकों और प्रशंसकों को देने के लिए बहुत कुछ है। उनका इंस्टाग्राम फीड, पूरी तरह से सौंदर्य की अनुभूति के बारे में है और यही कारण है कि उनका हर लुक जबरदस्त हिट होता है। उनके नवीनतम सफेद पहनावे की बात करें तो, जिस तरह से वह अपनी तस्वीरों के नवीनतम सेट में अपनी अन्दर की देवदूत ऊर्जा को प्रदर्शित कर रही हैं, वह हमें बहुत पसंद है। अपने हाई सफेद रंग से लेकर सेमी–थ्रू बंदगला लेयरिंग तक सब कुछ 10/10 है और उनके कृपा और आकर्षण को पर्याप्त रूप से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। सिर्फ अपने आउटफिट्स के साथ ही नहीं, तनीषा हमेशा अपने एक्सेसरीज गेम को लेकर भी काफी चूजी और टची रही हैं और वह हमेशा इसे सूक्ष्म और कम महत्वपूर्ण तरीके से स्टाइलिश बनाए रखने में विश्वास रखती हैं। उनकी सिल्वर–प्लेटेड चूड़ी से लेकर फैंसी अंगूठियां और कॉकटेल रिंग तक सब कुछ, उनके लुक को और भी निखार रहा है और 'लोग इसे पसंद कर रहे हैं। इस तथ्य को देखते हुए कि वह एक सर्वोत्कृष्ट प्राकृतिक सौन्दर्य को ओढ़ती है, जिसे अपने अवतार को निखारने के लिए किसी भी मेकअप की आवश्यकता नहीं है, लोग उस विभाग में भी तनिषा के बोल्डनेस को पसंद कर रहे हैं। कुल मिलाकर, यह उन युवा फैशन प्रेमियों के लिए सीखने का एक स्रोत है जो स्टाइल में रुझान स्थापित करना चाहते हैं और साथ ही इसे उत्तम दर्जे का, सुरुचिपूर्ण और बारीकी वाला का अच्छा मिश्रण बनाए रखना चाहते हैं।

मुंबई में राज पंडित के गाने 'कूरिए' के लॉन्च पर आमिर खान और अशोक पंडित....

निधि दत्ता अपनी आने वाली फिल्म "घुड़चढ़ी" के पंजाबी मुंडे गाने के लॉन्च इवेंट में अपने परिवार के साथ मुंबई पहुंचीं। देखिए उनके परिवार के साथ उनकी तस्वीरें। निर्देशक बिनॉय गांधी, गुजरे जमाने की अभिनेत्री बिंदिया गोस्वामी और बहन सिद्धि दत्ता।

विश्व हिंदी अकादमी, और मालवा रंगमंच समिति द्वारा विश्व विख्यात साहित्यकार प्रेमचंद के जन्मदिन पर संगोष्ठी और पार्श्व गायक मोहम्मद रफ़ी की पुण्यतिथि पर गायन का फन्कार स्टूडियो, अंधेरी पश्चिम, मुंबई में सफलतम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

केशव राय

आमिर खान ने फ़िल्म 'Maharaj' की सफलता के लिए इंटिमेट पार्टी होस्ट की...

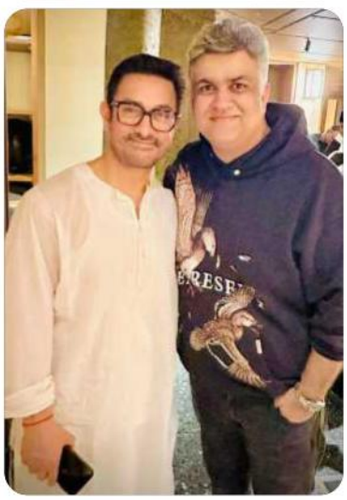

जीतेंद्र जुहू स्थित मुक्तेश्वर मंदिर में दर्शन किये...

जय श्री महाकाल: श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग जी उज्जैन म.प्र. से का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन शुक्रवार 02 अगस्त 2024...

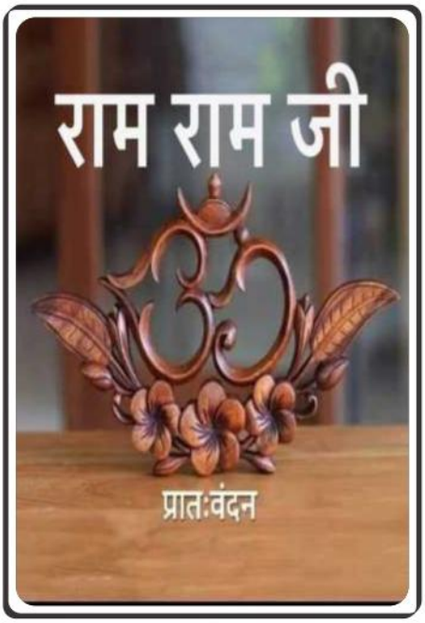

विश्व विख्यात फिल्म अभिनेता रजनीकांत जी से हिंदी आधिकारिक राजभाषा को लेकर राष्ट्रभाषा बनने में देरी के विषय में महत्वपूर्ण चर्चा हुई थी। हमारी आने वाली पुस्तक 'हिंदी की विकास यात्रा' रजनीकांत जी को ज़रूर भेजेंगे। **साथ केशव राय**

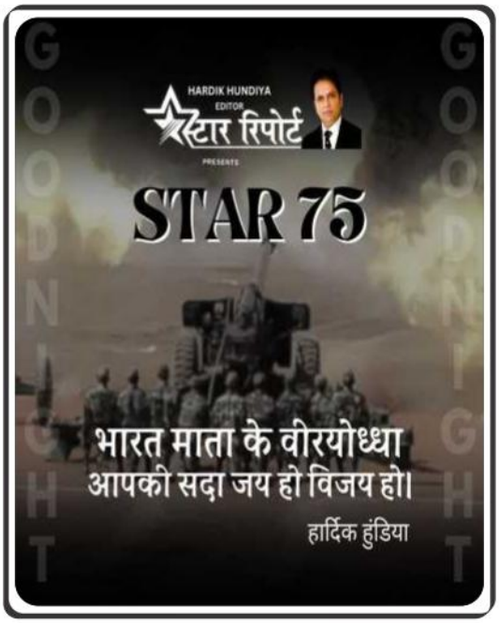

विकास जैन अपनी सास को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए....

लोखंडे अंकिता ने अपनी मम्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए पुरानी तस्वीरें शेयर कीं...

राहुल वैद्य, किश्वर मर्चेंट, अविका गोर, श्रेयस पुराणिक, राजीव अदतिया, रोहित वर्मा, बिग बॉस ओटीटी 3 की ट्रॉफी घर लाने के लिए सना के समर्थन में आए...

'अरे पगलो' यह "भूल भुलैया 3" का रैप है हवेली का दरवाजा एक बार फिर खुलने के लिए तैयार हो चुका है इस दिवाली में मिलते हैं...

अंकिता ने विकास जैन के जन्मदिन पर खूबसूरत की कुछ भावुक तस्वीरें साझा कीं...

'तुम बिम' के हिमांशु मलिक को याद कीजिए, उन्होंने एक फिल्म में अपनी को-एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत के साथ 17 बार लिपलॉक किया था..

अनुष्का शर्मा के बाद लंदन के इस्कॉन मंदिर पहुंचीं परिणीति चोपड़ा, प्रभु भक्ति में दिखीं लीन...

एक तस्वीर जैसा परफेक्ट पारिवारिक पल! आमिर खान अपने बेटों जुनैद खान और आज़ाद खान के साथ शहर में घूमते हुए...

साजिद खान ने हाल ही में मुंबई में अपनी मां के निधन के बाद फराह खान से मिलने गए अक्षय कुमार को विदा करते हुए...

ताहा शाह बदुशा और अनुभव सिंह बस्सी मुंबई में डिजाइनर वरून मारवाह स्टोर के लॉन्च पर...

'मैं हूं ना' के लक्ष्मण को याद कीजिए, जायद खान बिल्कुल हैंडसम लग रहे हैं...

"कांता कांता" आधिकारिक ट्रेलर सास्वता, अनन्या, सोहम ए ZEE5 ओरिजिनल प्रीमियर 15 अगस्त

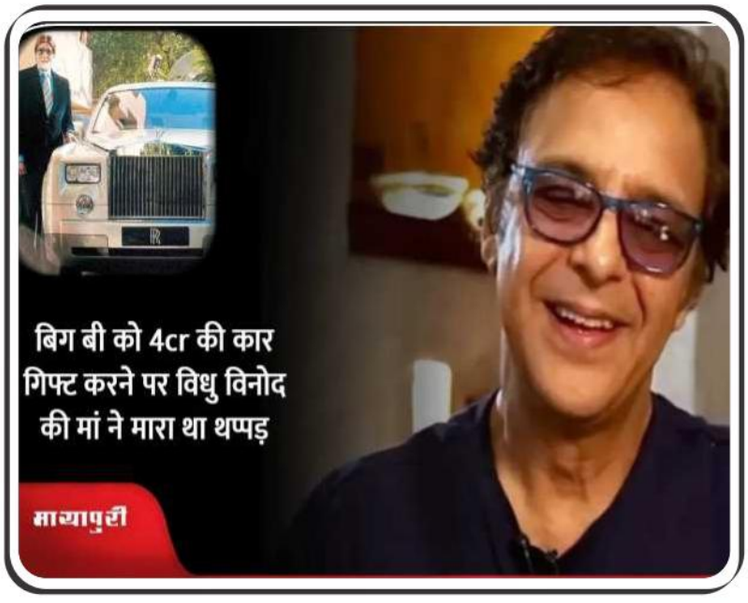

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

वरुण धवन को सीरीज सिटाडेल करने से पहले दिए थे ये सख्त निर्देश...

अरिजीत सिंह ने हाईकोर्ट में 'एआई मिमिकिंग' के खिलाफ कानूनी लड़ाई जीती...

Adil Hussain ने Sridevi के साथ काम करने की यादें की शेयर

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

प्रियंका चोपड़ा जोनास ने ऑस्ट्रेलिया में "द ब्लफ़" की शूट से फोटो सामने आई

Star Plus ने अपने अगले शो "Advocate Anjali" Awasthi के लॉन्च की घोषणा की

TRP for the week is out

बिजनेस टाइकून विकास जैन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं...

आर्यन ने दिल्ली के पंचशील पार्क में 37 करोड़ रुपये की कीमत में दो मंजिलें खरीदकर सुर्खियां बटोरीं!

बिन्नी एंड फैमिली का ट्रेलर स्त्री 2 के साथ रिलीज! पिंकविला को एक्सक्लूसिव तौर पर पता चला है कि बिन्नी एंड फैमिली का थिएट्रिकल ट्रेलर दुनिया भर में दिनेश विजन द्वारा निर्मित श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव और पंकज त्रिपाठी अभिनीत स्त्री 2 के प्रिंट के साथ अटैच किया जाएगा।

एयर होस्टेस से एक्टर बनीं 'कैसे मुझे तुम मिल गए' की अभिनेत्री **प्रतीक्षा होनमुखे** कहती हैं कि जीवन में आप जो बनना चाहती हैं, उसके लिए आपके पास अभी भी पर्याप्त समय है...

चुलबुला, मजेदार और अच्छा महसूस कराने वाला: क्या **"WiSH"** का हेडरश इस सीज़न का गीत है

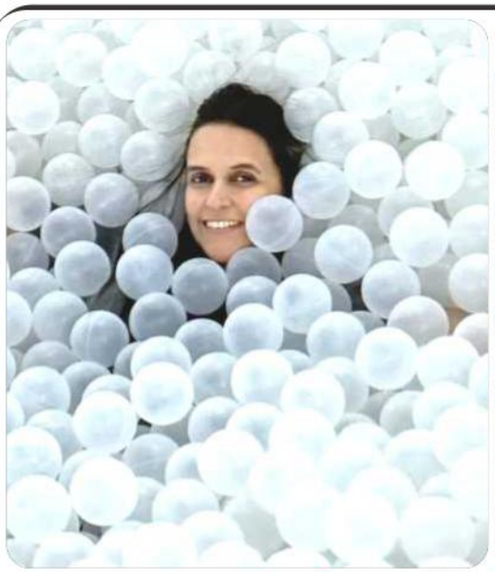

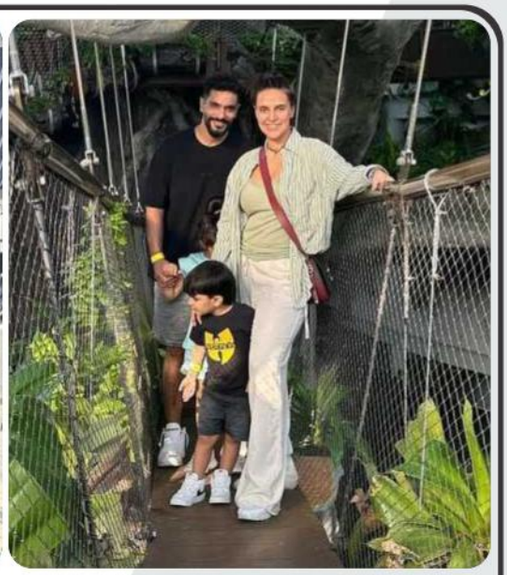

नेहा धूपिया और **अंगद बेदी** बच्चों के साथ खूबसूरत छुट्टियां मना रहे हैं, यहां कुछ प्यारे पल हैं...

ऋचा और अली की बच्ची की उसकी मासी और मौसी के साथ कुछ मनमोहक झलकियाँ...

सिद्धि विनायक मंदिर में मनीषा रानी बेहद खूबसूरत लग रही हैं, अपने परिवार के साथ एक विशेष दर्शन क्षण साझा कर रही हैं!

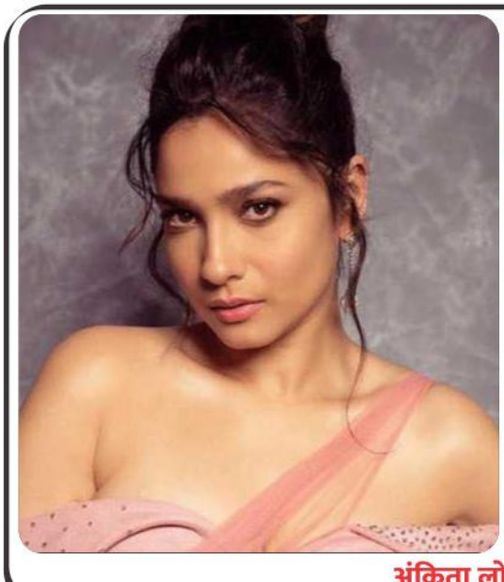
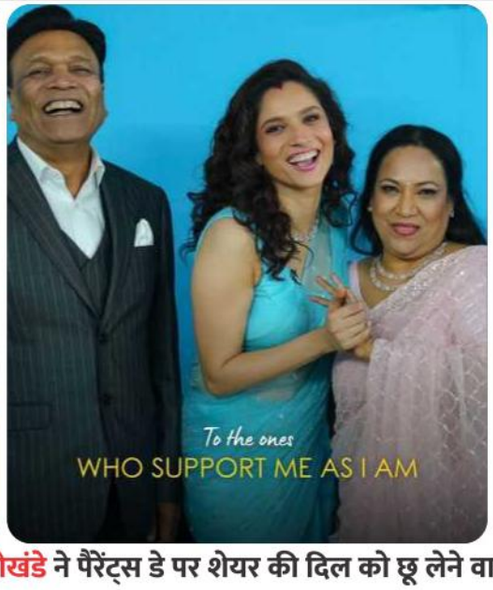

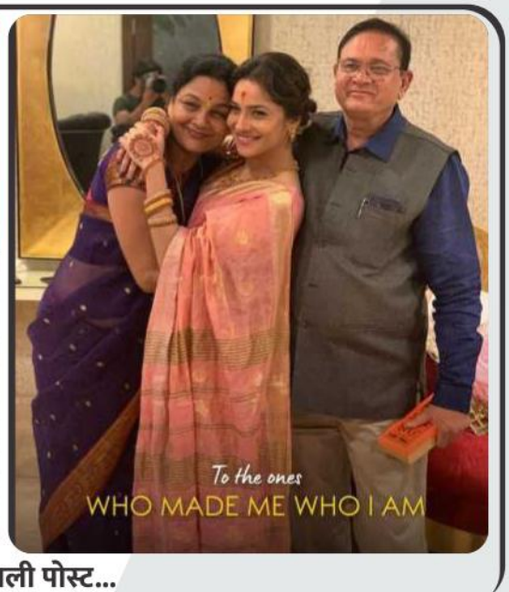

अंकिता लोखंडे ने पैरेंट्स डे पर शेयर की दिल को छू लेने वाली पोस्ट...

हुंडई इंडिया कॉउचर 2024 में जयंती रेड्डी के लिए अदिति राव हैदरी शो स्टॉपर बनीं, जयंती रेड्डी का संग्रह, 'इवोकेटिव नवाबी कैनवस', से प्रेरित था

ख़ुशी कपूर और वेदांग रैना "हुंडई इंडिया कॉउचर वीक 2024" में गौरव गुप्ता के लिए शोस्टॉपर बने। गौरव गुप्ता का संग्रह, "अरुणोदा"..

महिलाओं को सशक्त बनाना सेकंडैक्ट ने महिलाओं के साहस और पुनर्आविष्कार की असाधारण उपलब्धियों के लिए उद्घाटन पुरस्कारों की शुरुआत की

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपनी आगामी फिल्म "खेल खेल में" के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर गर्व से कहा, "मैं तब तक काम करता रहूंगा जब तक कि वे मुझे गोली नहीं मार देते।" उनकी अद्भुत ऊर्जा ने प्रशंसकों को प्रेरित किया और आने वाले समय के लिए उत्साहित किया।

सन नियो के कलाकार कृतिका देसाई, बृंदा दहल और सिद्धि शर्मा ने 'फ्रेंडशिप डे' पर अपनी तैयारियों को लेकर की खुलकर बात!

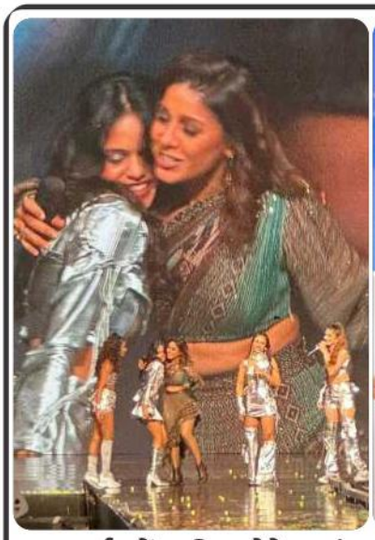

प्रदर्शन में शामिल होने पर मंच पर गूंज उठा एक अविस्मरणीय 'क्रेजी किया रे' प्रदर्शन...

अभिनेत्री **एकता तिवारी** ने गर्मजोशी और सकारात्मकता के साथ मनाया जन्मदिन

अली असगर और बख्तियार एम ईरानी के "चड्डी बडी" पॉडकास्ट की लॉन्च पार्टी में सितारों का जमावड़ा...

अली, पूनम और बख्तियार

बख्तियार और स्नेहा जैन

डेलनाज़ ईरानी

अली असगर और बख्तियार ईरानी

तनाज ईरानी और हृषिकेश पांडे

बख्तियार, डोनल और अली

भक्तिरा, डोनल और अली

अयूब खान और दीपशिखा नागपाल

गीता माँ

शर्लिन चोपड़ा

तनाज़, कश्मीरा और कृष्णा

जेडी मजीठिया और स्नेहा जैन

नलिनी शास्त्री

विवेक दहिया

वीआईपी

मिताली नाग

जसकिरण सिंह और रिद्धिमा तिवारी

फिल्म "उलझ" स्क्रीनिंग में शामिल हुए सितारे...

महिमा मकवाना

जान्हवी कपूर और रेखा

ख़ुशी कपूर, जान्हवी कपूर, करण जौहर और अर्जुन कपूर

राधिका मदान

जान्हवी कपूर

ख़ुशी कपूर और अर्जुन कपूर

वेदांग रैना

सानिया मल्होत्रा

संजय, महीप कपूर और शनाया कपूर

फ़ातिमा सना शेख

अपूर्व मेहता

To View Please Visit our Mayapuri Cut YouTube Channel

To View Please Visit our Mayapuri Cut YouTube Channel

जय श्री महाकाल श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंगजी
उज्जैन म.प्र. से का संध्या आरती श्रृंगार दर्शनशुक्रवार 02 अगस्त 2024

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

नीरज चोपड़ा

प्रसिद्ध ओलंपियन

जब आपका जोश बढ़ाने के लिए पूरा देश आपके साथ हो, तो कोई भी चुनौती बहुत बड़ी नहीं लगती। आप सबके प्यार से मैं ओलंपिक गेम्स पेरिस-2024 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं!...

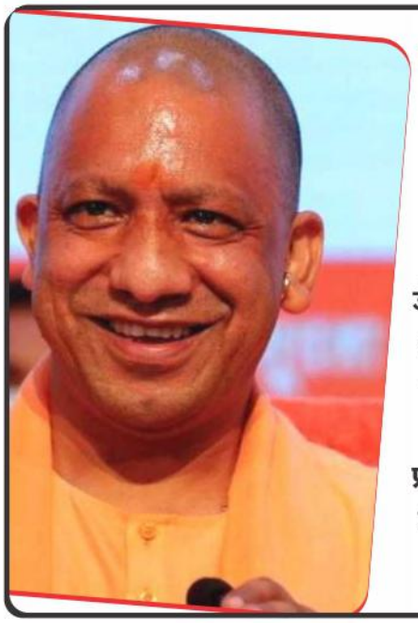

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

शिव बनने के लिए शिव जैसी साधना भी चाहिए। उस प्रकार का आत्म- अनुशासन भी चाहिए। तब यह कांवड़ यात्रा न केवल श्रद्धा के प्रतीक के रूप में, बल्कि आम जन के विश्वास के प्रतीक के रूप में उभरेगी।

लाल ड्रेस में दिखीं आर्यन खान की कथित गर्लफ्रेंड, बेहद खूबसूरत लग रही हैं

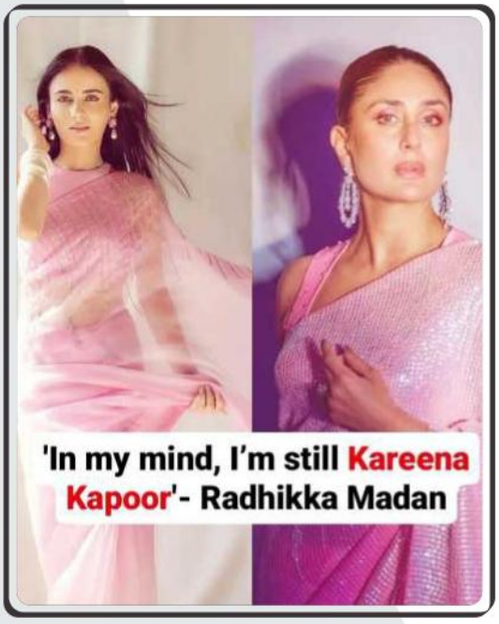

मायापुरी

बॉलीवुड की और खबरें पढ़ने के लिए नीचे दिए हुए लिंक पर क्लिक करें और मायापुरी की दुनिया का आनंद लें!

www.mayapurimagazine.com

मायापुरी के YouTube चैनल से जुड़ें और दिन भर की बॉलीवुड हलचल से अपडेटेड रहें!

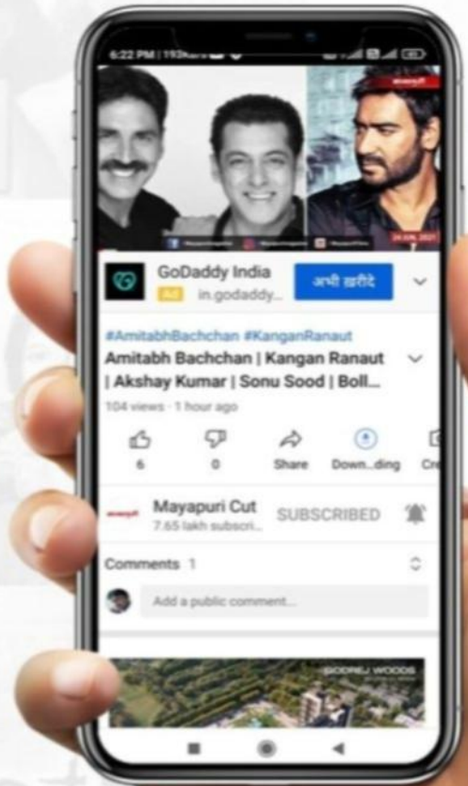

YouTube

www.youtube.com/MayapuriCut